THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 208 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) कार्तिक कृ.4 2081 रविवार, 20 अक्टूबर-2024

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✲ पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

KEDIA सेजस्थान

महा दिवाली

15 लाख का महा-लाभ

FIXED PRICE GUARANTEED

इस दिवाली 15 लाख और बढ़ेगी रेट !

NO MIDDLE-MEN

FIXED PRICE

PRODUCT TYPE	UNIT TYPE	SIZE	FIXED PRICE
WALK-UP APARTMENT	2 BHK (GF)	1350 Sq Ft	63.45 LACS
	3 BHK (SF)	1900 Sq Ft	70.50 LACS
	3 BHK (FF)	1900 Sq Ft	77.55 LACS
KOTHI	~~3 BHK BIG~~ SOLD OUT	~~2000 Sq Ft~~ SOLD OUT	~~84.60 LACS~~ SOLD OUT
	4 BHK BIGGER	2325 Sq Ft	98.70 LACS
	4 BHK BIGGEST	3200 Sq Ft	141.00 LACS

KEDIA सेजस्थान

KOTHI & WALK-UP APARTMENT

अजमेर रोड़, जयपुर

POSSESSION: DEC. 2025

बड़ी-बड़ी कोठी, बड़े-बड़े फ्लैट

KEDIA®

1800-120-2323

78770-72737

info@kedia.com

www.kedia.com

www.rera.rajasthan.gov.in

RERA No. RAJ/P/2023/2387

SCAN QR FOR
- LOCATION
- ROUTE MAP
- SITE 360 TOUR
- E-BROCHURE
- WALKTHROUGH

*T&C Apply

तमिल राज्यगान पर विवाद : 'पद पर बने रहना चाहते हैं तो'

तमिलनाडु सीएम स्टालिन ने राज्यपाल को दी नसीहत

चेन्नई, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु में एक बार फिर सियासी पारा चरम पर है। यहां राज्यगान में द्रविड़ शब्द छूटने पर हंगामा हो गया है। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने राज्यपाल आरएन रवि पर गंभीर आरोप लगाए। इस पर राज्यपाल ने सफाई भी दी। हालांकि, राज्यपाल के बयान के सीएम ने एक बार फिर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि यदि आर एन रवि राज्यपाल बने रहना चाहते हैं तो उन्हें खुद को विभाजनकारी ताकतों से मुक्त कर लेना चाहिए और संवैधानिक मानदंडों के अनुसार कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहिए। उन्होंने उनसे राजभवन को राजनीतिक पार्टी कार्यालय में बदलने से बचने की भी सलाह दी।

यह है मामला

मामला दूरदर्शन के हिंदी महोत्सव समापन समारोह से जुड़ा है। इस समारोह में 'तमिल थाई वाज्थु' गाया जा रहा था। इस दौरान गलती से गीत से द्रविड़ शब्द छूट गया, जिसके बाद सीएम एमके स्टालिन ने इसे तमिल भाषा का अपमान बताया। स्टालिन ने कहा कि राज्यपाल को 'द्रविड़ियाई एलर्जी' है और केंद्र सरकार को तुरंत उन्हें पद से हटाना चाहिए। हालांकि, इसके बाद राज्यपाल ने सफाई दी थी। वहीं, दूरदर्शन केंद्र ने इस पर स्पष्टीकरण देते हुए माफी मांगी है।

क्या बोले उपमुख्यमंत्री ?

वहीं, उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने कहा कि राज्य के लोग इस वाक्या से बेहद नाराज हैं। उन्होंने राज्यपाल पर एकता को खत्म करने का आरोप लगाया। साथ ही मांग की कि केंद्र सरकार राज्यपाल को तुरंत वापस बुलाए। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर कहा, 'तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि की मौजूदगी में 'डीडी तमिल' हिंदी उत्सव कार्यक्रम हुआ। यहां तमिल थाई वाज्थु (राज्यगान) से 'द्रविड़ थिरुनाडु' लाइन को हटा दिया गया। इससे तमिलनाडु के लोगों में बहुत गुस्सा है।' वहीं, उदयनिधि ने राज्यपाल के इस आरोप का परोक्ष रूप से जिक्र किया कि मुख्यमंत्री ने उनके खिलाफ नस्लवादी टिप्पणी करके अपने पद की गरिमा को ठेस पहुंचाई है, डिप्टी सीएम स्टालिन ने कहा, 'अन्नादुरई की राह पर चलने वाले हमारे नेता (एमके स्टालिन) को 'गरिमा' का पाठ पढ़ाने की जरूरत नहीं है।'

सीएम ने पहले यह लगाया था आरोप

बता दें, पहले सीएम एमके स्टालिन ने सवाल उठाते हुए कहा था कि अगर राष्ट्रीय गान से इस तरह का कोई शब्द हटाया जाता तो क्या राज्यपाल इसे स्वीकार करते? उन्होंने इस घटना को तमिलनाडु और तमिल भाषा का अपमान बताया और आरोप लगाया कि राज्यपाल रवि ने राज्य की भावनाओं का अनादर किया है। स्टालिन ने केंद्र सरकार से अपील की है कि वे ऐसे व्यक्ति को पद से हटा दें, जो तमिल संस्कृति और कानून का सम्मान नहीं करता। हालांकि, राज्यपाल के कार्यालय ने इस आरोप का खंडन किया। उनके मीडिया सलाहकार थिरुग्नाना संबंदम ने कहा था कि यह भूल से हुआ था और राज्यपाल का इसमें कोई हाथ नहीं था। उनके मुताबिक, कार्यक्रम की शुरुआत में गायकों की टीम ने अनजाने में द्रविड़ शब्द छोड़ दिया था। उन्होंने इसे तुरंत आयोजकों के ध्यान में लाने की बात कही और इसे एक सामान्य गलती बताया।

राज्यपाल रवि ने स्टालिन के आरोपों को बताया था 'नस्लीय'

राज्यपाल रवि ने स्टालिन के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए इसे 'नस्लीय टिप्पणी' बताया था। उन्होंने कहा था कि मुख्यमंत्री ने उनके खिलाफ झूठे आरोप लगाए और तमिल गीत का सम्मान न करने का आरोप लगाया। रवि ने दावा किया था कि वे हर समारोह में पूरे सम्मान के साथ 'तमिल थाई वाज़्थु' गाते हैं और तमिल भाषा को गहराई से सम्मान देते हैं।

राज्यपाल के बयान पर सीएम का पलटवार

अब मुख्यमंत्री ने रवि से पूछा, 'आप कहते हैं कि आप तमिल थाई वाज्थु को पूरी श्रद्धा के साथ गा सकते हैं, लेकिन जब गायक द्रविड़ से संबंधित एक पंक्ति को भूल गए तो आपने तुरंत निंदा क्यों नहीं की?'

राज्यपाल के जवाब पर स्टालिन ने कहा, 'आपका कहना है कि एक मुख्यमंत्री द्वारा राज्यपाल के खिलाफ झूठे आरोप लगाकर नस्लवादी टिप्पणी करना घटिया है। राज्यपाल, तमिल हमारी जाति है, हमारी जीवनदायिनी है। तमिलों ने ही तमिल भाषा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी थी और इसी धरती ने पहले संविधान संशोधन की नींव रखी थी। अगर हमारी मातृभाषा के साथ भेदभाव करना नस्लवाद है तो यह हमारा गौरव है!'

बीजेपी विधायक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

राहुल समेत कांग्रेस नेताओं के खिलाफ की थी अपमानजनक बयानबाजी

बंगलूरू, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। कर्नाटक में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल की मुश्किलें बढ़ गई हैं। यतनाल के खिलाफ पुलिस ने उनके कथित बयान के लिए प्राथमिकी दर्ज की है। उन्होंने एक जनसभा के दौरान लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और कर्नाटक के मंत्री बी जेड जमीर अहमद खान के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणी की। इसके चलते उनके खिलाफ गांधी चौक पुलिस स्टेशन में प्राथमिकी दर्ज की गई है। इससे पहले एक अक्तूबर को जानकारी सामने आई थी कि यतनाल के खिलाफ पुलिस ने उनके कथित बयान के लिए मामला दर्ज किया है। उन्होंने कथित तौर पर कहा था कि उनकी पार्टी के एक बड़े नेता ने राज्य में कांग्रेस सरकार गिराने के लिए एक हजार करोड़ रुपये अलग से रखे हुए हैं। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव एस मनोहर की शिकायत के आधार पर, हाई ग्राउंड्स पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 192 के तहत मामला दर्ज किया था। यतनाल ने रविवार को दावणगेरे में दावा किया था कि उनकी पार्टी के एक बड़े नेता ने राज्य की कांग्रेस सरकार को गिराने और मुख्यमंत्री बनने के लिए बड़ी राशि अलग से रखी हुई है। हालांकि, उन्होंने इस नेता के का नाम का खुलासा नहीं किया था।

'मैंने विदाई समारोह आयोजित नहीं किया'

एडीएम को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोपों पर क्या बोले डीएम

कन्नूर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। कन्नूर के जिला कलेक्टर अरुण के विजयन ने शनिवार को कहा कि उन्होंने दिवंगत अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट नवीन बाबू के विदाई समारोह का आयोजन नहीं किया था। इसलिए, वे किसी को भी इस समारोह में आमंत्रित करने के लिए जिम्मेदार नहीं हैं। दरअसल कन्नूर जिलाधिकारी को भी एडीएम नवीन बाबू की आत्महत्या के लिए जिम्मेदार ठहराया जा रहा है और दावा किया जा रहा है कि नवीन बाबू के विदाई समारोह में कन्नूर जिलाधिकारी ने ही सीपीआईएम नेता पीपी दिव्या को आमंत्रित किया था। जिन्होंने विदाई समारोह में एडीएम पर भ्रष्टाचार के कथित आरोप लगाए, जिसके चलते नवीन बाबू द्वारा आत्महत्या करने की बात कही जा रही है।

सीपीआईएम नेता ने कलेक्टर द्वारा आमंत्रण देने का दावा किया

गौरतलब है कि सीपीआईएम नेता पीपी दिव्या ने कथित तौर पर अपनी अग्रिम जमानत याचिका में दावा किया है कि कलेक्टर ने ही उन्हें विदाई समारोह में आने के लिए आमंत्रित किया था। पीपी दिव्या पर एडीएम नवीन बाबू को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की धारा 108 के तहत मामला दर्ज किया गया है। सीपीआईएम ने भी उन्हें कन्नूर जिला पंचायत अध्यक्ष पद से हटा दिया है। जब पीपी दिव्या के दावे को लेकर कन्नूर कलेक्टर अरुण के विजयन से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि 'विदाई समारोह का आयोजन कलेक्टर नहीं करते हैं। इसे स्टाफ काउंसिल आयोजित करती है और इसलिए उनसे पूछा जाना चाहिए कि दिव्या को आमंत्रित किया गया था या नहीं।'

कलेक्टर ने अपने बचाव में कही ये बात

उन्होंने कहा कि कार्यक्रम का आयोजन उनके द्वारा नहीं किया गया था, इसलिए उन्होंने किसी को आमंत्रित भी नहीं किया। कलेक्टर ने नवीन बाबू की मौत को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और कहा कि कलेक्टरेट में मौजूद हर व्यक्ति परिवार के दुख में शामिल है। उन्होंने इस मुद्दे पर आगे टिप्पणी करने से इनकार कर दिया और कहा कि मामला न्यायालय में विचाराधीन है और पुलिस इसकी जांच कर रही है।

भूमि राजस्व संयुक्त आयुक्त ए गीता के सामने कलेक्टर ने अपने बयान कथित तौर पर दर्ज करा दिए हैं। ए गीता ही एडीएम की मौत की जांच कर रही हैं। इस बीच, सीपीआई (एम) के पथनमथिट्टा जिले के नेता मलयालप्पुझा मोहनन ने दावा किया कि कलेक्टर ने बाबू को कार्यक्रम में शामिल होने के लिए मजबूर किया, जबकि खुद नवीन बाबू ने ऐसे कार्यक्रम के आयोजन से मना किया था क्योंकि उनका सिर्फ तबादला हुआ था।

मध्य प्रदेश में महिला सुरक्षा को गंभीर खतरा : कमलनाथ

भोपाल, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में महिलाओं और बच्चियों के साथ हो रहे दुर्व्यवहार की घटनाओं को लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने चिंता जताते हुए राज्य सरकार पर हमला बोला है। उनका आरोप है कि राज्य में महिलाओं की सुरक्षा पर गंभीर खतरा खड़ा हो गया है।

पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने राज्य में पिछले दिनों हुई घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि राज्य दिन-प्रतिदिन महिलाओं और बच्चियों के लिए असुरक्षित प्रदेश बनता जा रहा है। पिछले दो महीने में जिस तरह से बच्चियों और महिलाओं के साथ बलात्कार एवं सामूहिक दुष्कर्म के मामले सामने आए हैं, उससे महिला सुरक्षा को लेकर अत्यंत गंभीर खतरा खड़ा हो गया है।

पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा कि नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो की 2023 की रिपोर्ट के अनुसार महिलाओं से बलात्कार के मामले में मध्य प्रदेश देश में तीसरे नंबर पर है। इस अवधि में मध्य प्रदेश में बलात्कार के 3,029 मामले दर्ज किए गए। इसके अलावा 3,049 महिलाएं छेड़खानी का शिकार हुई और 1445 महिलाएं शारीरिक शोषण का शिकार हुई। प्रदेश में पास्को से जुड़े अपराधों में 5,951 मामले दर्ज किए गए इनमें से बलात्कार के 3,641 मामले हैं। महिलाओं और नाबालिग से हुए बलात्कारों को देखें तो प्रदेश में हर दिन 18 बलात्कार हो रहे हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा कि महिला अधिकारों के प्रति भारतीय जनता पार्टी की सरकार कितनी असंवेदनशील है, इसे इसी बात से समझा जा सकता है कि पिछले चार वर्ष से राज्य महिला आयोग में अध्यक्ष का पद खाली पड़ा है। महिला आयोग में शिकायतों का अंबार लगता जा रहा है लेकिन सुनवाई करने के लिए वहां कोई जिम्मेदार व्यक्ति नहीं है। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने भाजपा सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि महिलाओं और बच्चियों की सुरक्षा किसी भी राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। लेकिन मध्य प्रदेश में ऐसा लगता है कि पहले शिवराज सिंह चौहान की सरकार में और अब डॉ मोहन यादव की सरकार में बेटियां लगातार असुरक्षित बनी हुई हैं। महिला सुरक्षा के मामले जब सरकार के सामने लाए जाते हैं तो उस पर कार्रवाई करने की बजाय भाजपा के नेता कुतर्क करने पर ज्यादा ध्यान देते हैं।

17 साल की बच्ची का सात महीने में आठ लोगों ने किया दुष्कर्म

राजकोट, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। गुजरात से एक रोंगटे खड़े कर देने वाली खबर सामने आई है। दरअसल, घरेलू काम करने वाली 17 साल की बच्ची को कथित तौर पर कई स्थानों पर ले जाया गया। इतना ही नहीं, बच्ची का पिछले सात महीनों में आठ से अधिक लोगों ने यौन उत्पीड़न किया। पीड़िता की 45 वर्षीय मां ने थानगढ़ पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने एक संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया है। शिकायत के अनुसार, 15 अक्तूबर को शाम करीब छह बजे बच्ची को अगवा किया गया था। उसे अजय भारवाड़, अजय अलगतार, शैलेश अलगतार, ध्रुव चावड़ा, कौशिक गोस्वामी, विजयसिंह सोलंकी, दर्शन सदादिया और कानो उर्फ हरि द्वारा विभिन्न स्थानों पर ले जाया गया। लिंबडी के पुलिस उपाधीक्षक विशाल रबारी ने पुष्टि की कि इस मामले में थानगढ़ पुलिस थाने में एक केस दर्ज किया गया है।

रिटायर्ड आईएएस राजेश खुल्लर की सीपीएस नियुक्ति पर लगी रोक

4 घंटे में पलटा गया आदेश

चंडीगढ़, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा की राजनीति में एक बड़ा घटनाक्रम तब देखने को मिला जब मुख्यमंत्री नायब सैनी के चीफ प्रिंसिपल सेक्रेटरी (सीपीएस) के रूप में रिटायर्ड आईएएस अधिकारी राजेश खुल्लर की नियुक्ति के आदेश पर महज़ 4 घंटे के अंदर ही रोक लगा दी गई। पहले रात 8 बजे राजेश खुल्लर की नियुक्ति का आदेश जारी हुआ, लेकिन रात करीब 12 बजे दूसरा आदेश जारी करके इस नियुक्ति को अगले आदेश तक स्थगित कर दिया गया।

मुख्य सचिव टीवीएसएन प्रसाद द्वारा राजेश खुल्लर को मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव के रूप में नियुक्त किया गया था, जिसमें उन्हें कैबिनेट मंत्री के समकक्ष रैंक भी दिया गया था। जैसे ही यह आदेश जारी हुआ, हरियाणा के प्रशासनिक और राजनीतिक हलकों में हलचल मच गई। इसकी सबसे बड़ी वजह यह थी कि हरियाणा विधान सभा में चुने गए सदस्यों की संख्या के आधार पर मंत्रिमंडल में 13.5 मंत्री बनने चाहिए, जबकि पहले से ही 14 मंत्री नियुक्त हैं। राजेश खुल्लर को कैबिनेट मंत्री का दर्जा देने से यह संख्या और बढ़ जाती, जिससे राजनीतिक और कानूनी सवाल खड़े हो गए। यह मामला चर्चा का विषय बन गया, और अफसरशाही में भी इसे लेकर विवाद उठने लगा। सूत्रों के अनुसार, इन सभी राजनीतिक और प्रशासनिक परेशानियों से बचने के लिए नायब सैनी की नई सरकार ने त्वरित कदम उठाते हुए राजेश खुल्लर की सीपीएस नियुक्ति को फिलहाल रोक दिया है।

पूर्वी इंफाल में दो उग्रवादी गिरफ्तार, जिरिबाम के एक गांव में फिर भड़की हिंसा

इंफाल, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। मणिपुर के पूर्वी इंफाल जिले में दो उग्रवादियों क गिरफ्तार किया गया। दोनों की पहचान मुतुम इनाओ सिंह और ख्वायरकपम राजेन सिंह के तौर पर की गई है।

उन्हें शुक्रवार को प्योरिरोम्बा खोंगनांगखोंग इलाके से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि दोनों पर जबरन वसूली और नुकसानदेह गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाया गया है। उन्होंने कहा कि दोनों आरोपियों के पास से दो दोपहिया वाहन, तीन मोबाइल फोन और 7,600 रुपये नकद बरामद किए गए।

जिरिबाम के एक गांव में उग्रवादियों का हमला

जिरिबाम जिले के एक गांव में उग्रवादियों ने हमला कर दिया, जिसके बाद शनिवार को फिर हिंसा भड़क गई। एक अधिकारी ने बताया कि उग्रवादियों ने पांच बजे गांव पर हमला किया। उन्होंने गांव में बमबारी भी कीकेंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और पुलिस कर्मियों ने जवाबी कार्रवाई की। इस दौरान दोनों तरफ से गोलीबारी हुई। अधिकारी ने कहा कि घटनास्थल पर अतिरिक्त सुरक्षाबलों को भेजा जा रहा है। फिलहाल किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं है। एकबार फिर हिंसा भड़कने के कारण गांव से महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को सुरक्षित स्थानो पर ले जाया जा रहा है। बता दें कि राज्य में पिछले डेढ़ साल से जारी संघर्ष का शांतिपूर्ण समाधान निकालने के लिए मैतेई और कुकी समुदायों के विधायकों के बीच राजधानी दिल्ली में बातचीत के कुछ दिनों बाद यह हिंसा हुई। जिगिबाम के एक स्कूल में आग लग गई, जिसमें लाखों का सामान नष्ट हो गया।

पुलिस ने बताया कि शुक्रवार को 'कलीमनगर पार्ट 2' क्षेत्र में स्थित 'ब्लूमिंग फ्लावर चिल्ड्रन फाउंडेशन स्कूल' में आग लगी। हालांकि, किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं है और आग पर भी काबू पा लिया गया है। आग लगने के कारणों का भी पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है।

खबरें जरा हटके

झाड़ू-पोछा करके फरार हो जाता था चोर, धोता था गंदे कपड़े भी, 'थैंक्यू' करने के बजाय पुलिस को पकड़ा दिया!

दुनिया में आपको तरह-तरह की घटनाएं देखने और सुनने को मिल जाती हैं. कुछ ऐसी होती हैं, जो सामान्य सी लगती हैं लेकिन कुछ ऐसी भी होती हैं, जिन्हें सुनकर आप चौंक जाते हैं. आपने चोरी और डकैती की तमाम घटनाओं के बारे में सुना होगा. आज आपको हम जिस चोर के बारे में बताएंगे, उसे सुनकर आप दंग रह जाएंगे. हमारा दावा है कि आपने पहले ऐसा कभी देखा या सुना नहीं होगा।

घर में चोरी हो जाए तो लोगों का सामान तो जाता ही है, पूरे घर की दुर्दशा हो जाती है. आज हम आपको जिस चोर के बारे में बताएंगे, वो लोगों का घर सजा-संवारकर जाता था. ऑडिटी सेंट्रल की रिपोर्ट के मुताबिक ये चोर 36 साल का एक पोलिश आदमी था, जिसे पुलिस ने हिरासत में ले लिया है. जब आपकी इसकी कहानी जानेंगे तो आप भी यही कहेंगे, ऐसे चोर कहां मिलते हैं आज के ज़माने में.

ताला तोड़कर निपटा जाता था घर का काम

डैमियान वोज्निलोविक्ज़ नाम के इस चोर के खिलाफ चोरी की दो घटनाओं का मुकदमा दर्ज है. ये दोनों घटनाएं ब्रिटिश सिटी न्यूपोर्ट में हुईं. पिछली गर्मियों में डैमियान दो घरों में ताला तोड़कर घुसा. उसका पहला शिकार एक महिला थी, जो अकेली रहती थी. जब वो घर पर नहीं थी, डैमियान उसके घर में घुसा. गंदे पड़े घर में उसने झाड़ू लगाकर कूड़ा फेंका, गंदे कपड़े धोकर सुखाए और साफ-सफाई कर दी. जब महिला लौटी तो उसे घर साफ-सुथरा मिला तो वो डरकर अपने दोस्त के घर भाग गई. दूसरी घटना इसके दो हफ्ते बाद हुई. इस बार डैमियान जिस घर में घुसा, वहां सीसीटीवी लगा था. चोर ताला तोड़कर आया, उसके वाइन ग्लास में डालकर पी. इसके बाद फिर से उसने घर में गंदे पड़े कपड़े धो दिए और खुद भी नहाया. जब मालिक को सीसीटीवी से घर में किसी के आने का एलर्ट मिला, तो उन्होंने अपने दामाद को वहां भेजा. इस तरह डैमियान को पकड़ लिया गया.

करियर के टॉप पर इस हिरोइन को हुआ 'बेघर' आदमी से प्यार मां-बाप ने मना किया, फिर भी की शादी

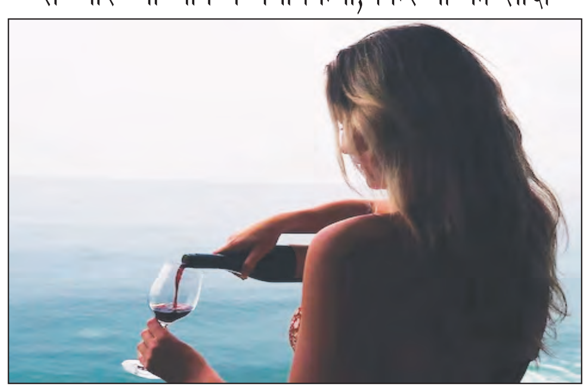

आपने बहुत सी ऐसी कहानियां, गाने और किताबें पढ़ी होंगी, जिसमें बताया जाता है कि प्यार किसी की शक्ल-सूरत से नहीं बल्कि उसके दिल से होता है. आज हम आपको जिस अभिनेत्री की कहानी बताने जा रहे हैं, उसने वाकई दिखा दिया कि प्यार का इंसान की माली हालत से कोई लेना-देना नहीं होता है. ये दिल से दिल का ही रिश्ता है.

अभिनेत्री का करियर जिस वक्त टॉप पर था, उसे उम्मीद भी नहीं थी कि उसकी ज़िंदगी में एक बेघर आदमी की एंट्री होगी. 20 मिनट की मुलाकात के बाद ही उसे उस शख्स से प्यार हो गया, जो साफ-सुथरा भी नहीं था. ये कहानी किसी बॉलीवुड अभिनेत्री की नहीं बल्कि एक स्वीडिश अभिनेत्री एमी एब्राहमसन की है.

पार्क में मिला गंदा-बेघर 'हमसफर'

ये तब की कहानी है, जब एमी का करियर टॉप पर चल रहा था. वो पढ़ी-लिखी थीं और उनके पिता एक पत्रकार थे. वे घूमते-फिरते बड़ी हुईं और 5 भाषाएं बोल सकती थीं. एक रोज़ उनकी मुलाकात पार्क में बैठे हुए एक शख्स से हुई. वे किसी डायरेक्टर से मिलने गई थीं, जहां विक कोकुला नाम के नाम के 25 साल के आदमी से हुई. वो उस वक्त बहुत ही गंदा और बदबूदार था. वो कई दिनों से नहाया नहीं था और कपड़े भी साफ नहीं थे. नशे के आदी विक के गीले जूतों से बदबू आ रही थी. द सन की रिपोर्ट के मुताबिक विकी ने इस हालत में भी एमी को देखा तो वे खुद को उसके पास जाने से रोक नहीं पाए. उन्होंने 10 मिनट तक बात की और एमी को भी उसकी भूरी आंखें और हंसने का स्वभाव अच्छा लगा.

गगनचुंबी इमारत के ऊपर बनी हवेली, लगती है व्हाइट हाउस जैसी, लेकिन मालिक कभी नहीं रख पाएगा कदम!

दुनियाभर में एक से बढ़कर एक ऐसी आलीशान इमारते हैं, जिन्हें देखकर हैरानी होती है. इनमें से कोई अपने उत्कृष्ट डिजाइन की वजह से लोगों को आकर्षित करता है, तो कोई अजीबोगरीब कारणों से चर्चा में रहता है. आज हम आपको एक ऐसी ही हवेली के बारे में बताने जा रहे हैं, जो बेंगलुरु में है. आपको जानकर हैरानी होगी कि यह हवेली एक गंगनचुंबी इमारत के टॉप फ्लोर पर बनी हुई है, जिसकी भव्यता देखते ही बनती हैं. पहली नजर में इसे देखने के बाद ऐसा लगता है मानो यह अमेरिकी राष्ट्रपति का बंगला व्हाइट हाउस हो. लेकिन असल में ये उसी पैटर्न पर बनी एक हवेली है. लेकिन इस घर का मालिक इसमें कदम नहीं रख सकता है. ऐसे में पिछले 14 सालों से ये घर पूरी तरह कम्प्लिट होने का इंतजार कर रहा है.

400 फीट की ऊंचाई पर स्थित यह हवेली 2 मंजिला है, जो 'व्हाइट हाउस' जैसी दिखती है. महल जैसा यह घर किंगफिशर टॉवर्स के टॉप पर बना हुआ है, जो 40 हजार वर्ग मीटर के एरिया को कवर करता है. अब आप सोच रहे होंगे कि जिस शख्स ने गगनचुंबी अपार्टमेंट के टॉप पर अपनी हवेली खड़ी कर दी. वो आखिर यहां क्यों नहीं रह सकता है? ऐसे में बता दें कि इस हवेली का मालिक कोई और नहीं, बल्कि विजय माल्या है. विजय माल्या साल 2016 में भारत छोड़कर फरार हो गया था, क्योंकि उसने कई भारतीय बैंकों से बड़ी रकम उधार ली और उसमें से किसी का भी पैसा वापस नहीं लौटाया.

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 208 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) कार्तिक कृ.3/4 2081 रविवार, 20 अक्टूबर-2024

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ※ पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में 2 आतंकी गिरफ्तार

श्रीनगर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ में शनिवार सुबह सुरक्षाबलों ने 2 आतंकियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 3 ग्रेनेड और 1 पिस्तौल भी बरामद की गई है। सेना के अधिकारियों ने बताया ये दोनों जम्मू-कश्मीर गजनवी फोर्स नाम के संगठन से जुड़े हाइब्रिड आतंकी हैं। हाइब्रिड आतंकी आम नागरिकों की तरह ही इलाके में रहते हैं, लेकिन चोरी-छिपे आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होते हैं या आतंकियों की सहायता करते हैं। इन्हें पहचानना मुश्किल हो जाता है। जम्मू पुलिस के एडीजीपी आनंद जैन ने कहा कि पूछताछ में पता चला कि दोनों आतंकी ने मंदिर, सेना के ठिकानों और एक अस्पताल पर ग्रेनेड फेंकने की प्लानिंग कर रहे थे।

'एआई से मिलिट्री ऑपरेशन में क्रांति आएगी'

मिलिट्री लीडर्स में जियो-पॉलिटिक्स की समझ जरूरी — रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) में मिलिट्री ऑपरेशन में क्रांति लाने की क्षमता है। एआई पहले से अनुमान लगाकर विश्लेषण कर सकता है। उसके पास स्वतंत्र डिसीजन मेकिंग सिस्टम भी है। राजनाथ सिंह ने ये बता शनिवार को दिल्ली में आयोजित 62वें राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय पाठ्यक्रम दीक्षांत समारोह में कही। उन्होंने कहा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) में आप (जनता) लीडर होंगे, जिन्हें ये तय करना होगा कि इस तकनीक का फायदा कहां और कैसे उठाया जाए। आज की परस्पर जुड़ी दुनिया में मिलिट्री लीडर्स को जियो-पॉलिटिक्स, इंटरनेशनल रिलेशन और ग्लोबल सिक्योरिटी अलायंस की परेशानियों की मजबूत समझ होना बहुत जरूरी है।

सिंह ने कहा कि मिलिट्री लीडर्स के लिए गए फैसलों के दूरगामी रिजल्ट हो सकते हैं, जो युद्ध के मैदान से आगे बढ़कर डिप्लोमेसी, इकोनॉमिक्स, इंटरनेशनल लॉ के दायरे में भी फैल सकते हैं। ऐसे में इन क्षेत्रों में पॉलिटिकल सीख बहुत जरूरी है। रक्षा मंत्री ने कहा कि ये सोचना कि हमारे विरोधी इन क्षमताओं का फायदा उठा सकते हैं, इस बात की याद दिलाता है कि हमें ऐसी किसी भी संभावित संभावना के लिए कितनी तत्परता से तैयारी करनी चाहिए।

भारतीय सेना दुनिया में चौथी सबसे ताकतवर, पाकिस्तान 9वें नंबर पर

फरवरी 2024 में सेना संबंधी डेटा रखने वाली वेबसाइट ग्लोबल फायरपावर की 'सैन्य ताकत सूची-2024' में दुनिया के 145 देशों की सेनाओं की क्षमताओं का विश्लेषण कर रैंकिंग जारी की थी। इसके मुताबिक, भारत के पास दुनिया की चौथी सबसे ताकतवर सेना है। अमेरिका सैन्य क्षमता के मामले में सबसे शक्तिशाली देश है। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर रूस और तीसरे पर चीन का नाम था। लिस्ट में 60 से ज्यादा पैमानों के आधार पर रैंकिंग की गई थी। इसमें सैनिकों की संख्या, हथियार, फाइनेंस, लोकेशन और रिसोर्स जैसे फैक्टरों को ध्यान में रखा गया था। लिस्ट के मुताबिक, पाकिस्तान के पास दुनिया की 9वीं सबसे ताकतवर सेना है।

भारत के पास पाकिस्तान से तीन गुना ज्यादा सैनिक

पाकिस्तान से तुलना की जाए तो भारत के पास उनसे तीन गुना ज्यादा सैनिक हैं। भारत के पास पैरा मिलिट्री फोर्स भी पाकिस्तान से ज्यादा है। भारत की पैरामिलिट्री फोर्स में 25 लाख 27 हजार सैनिक हैं। पाकिस्तान में इनकी संख्या सिर्फ पांच लाख है। भारत के पास 4,641 टैंक और 606 लड़ाकू विमान हैं। जबकि पाकिस्तान के पास 3,742 टैंक और 387 लड़ाकू विमान हैं।

नेवी की क्षमता के मामले में भी पाकिस्तान हमसे काफी पीछे है। हालांकि, पाकिस्तान के पास 57 अटैक हेलिकॉप्टर्स हैं, जबकि भारत के पास इनकी संख्या सिर्फ 40 है। ग्लोबल फायर पावर ने देशों की पावर इंडेक्स के हिसाब से यह रैंकिंग तय की है। किसी देश की कुल मारक क्षमता को पावर इंडेक्स कहा जाता है। जिस देश का पावर इंडेक्स जितना कम होता, उसकी सेना उतनी ही ज्यादा शक्तिशाली होगी।

जम्मू-कश्मीर को स्टेटहुड के प्रस्ताव को एलजी की मंजूरी

> डिप्टी सीएम बोले-केंद्र वादा पूरा करे

श्रीनगर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने के प्रस्ताव को उपराज्यपाल ने शनिवार को मंजूरी दे दी। गुरुवार को राज्य के दर्जे की बहाली के लिए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की कैबिनेट ने प्रस्ताव पास किया था।

डिप्टी सीएम सुरिंदर कुमार चौधरी ने कहा, केंद्र को अपना वादा पूरा करना चाहिए और राज्य का दर्जा बहाल करना चाहिए, यह हमारा अधिकार है। हम वही मांग रहे हैं जो उन्होंने पहले ही वादा किया था। इस मांग को लेकर उमर अब्दुल्ला 2 दिन में दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे।

दरअसल, केंद्र सरकार ने 5 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के साथ ही प्रदेश का पूर्ण राज्य का दर्जा खत्म करते हुए उसे दो यूनियन टेरिटरी (जम्मू-कश्मीर और लद्दाख) में बांट दिया था। उमर ने विधानसभा चुनाव के दौरान भी कहा था कि कैबिनेट की पहली मीटिंग में ही जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने के प्रस्ताव को मंजूर किया जाएगा। 16 अक्टूबर को सीएम पद की शपथ लेने के बाद अगले दिन ही उन्होंने प्रस्ताव पास किया। कैबिनेट की मीटिंग में डिप्टी सीएम सुरिंदर चौधरी, मंत्री सकीना मसूद इटू, जावेद अहमद राणा, जाविद अहमद डार और सतीश शर्मा भी मौजूद थे। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) ने उमर कैबिनेट के फैसले को लेकर कहा कि यह हमारे लिए बड़ा झटका है। उमर सरकार ने स्टेटहुड बहाली का प्रस्ताव क्यों पारित किया। 370 की बहाली पर भी फैसला करना चाहिए था। पीडीपी के विधायक वहीद पर्रा ने शुक्रवार को कहा, उमर अब्दुल्ला का राज्य के दर्जे पर प्रस्ताव पारित करना 5 अगस्त, 2019 के केंद्र के फैसले का समर्थन करने से कम नहीं है। उमर ने 370 को बहाल करने के वादे पर ही वोट मांगे थे।

विजया रहाटकर बनी राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। भाजपा की राष्ट्रीय सचिव और राजस्थान की सह प्रभारी विजया रहाटकर की राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) के अध्यक्ष पद पर नियुक्ति हुई। विजया रहाटकर ने महाराष्ट्र महिला आयोग की अध्यक्ष के रूप में भी अपनी एक खास पहचान बनाई थी, जिसके चलते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने यह नियुक्ति की है। उन्हे केंद्रीय राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त होगा।

राष्ट्रीय महिला आयोग (जो एक संवैधानिक दर्जा प्राप्त संस्था है) को महिलाओं की उन्नति के लिए व्यापक अधिकार दिए गए हैं। इसमें संवैधानिक और कानूनी मुद्दों का पुनर्मूल्यांकन, संसदीय और वैधानिक सिफारिशें करना, महिलाओं से संबंधित नीतिगत मामलों में केंद्र और राज्य सरकारों को सलाह देना, महिलाओं के मुद्दों पर शोध करना और उनकी समस्याओं का समाधान करना जैसे कार्य शामिल हैं।

50 प्रतिशत आरक्षण को हम तोड़ देंगे : राहुल

रांची, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता और सांसद राहुल गांधी झारखंड दौरे पर हैं। रांची के शौर्य सभागार में वे संविधान सम्मान सम्मेलन को संबोधित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब भाजपा के लोग आदिवासी को वनवासी कहते हैं तो वे क्या करने की कोशिश कर रहे हैं? आपका जो जीने का तरीका है, इतिहास है, विज्ञान है, जिसे आप हजारों सालों से चला रहे हो उसे वो खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं। राहुल गांधी ने कहा कि आदिवासी का मतलब जो सबसे पहले मालिक थे जबकि वनवासी का मतलब है जो जंगल में रहते हैं। जब इस शब्द का प्रयोग किया जाता है तो वो केवल एक शब्द नहीं होता। ये आपका पूरा इतिहास है। मैं हिंदुस्तान की शिक्षा व्यवस्था में पढ़ा हूं। आदिवासियों के बारे में केवल 10-15 लाइनें ही मिलेंगी। इनका इतिहास क्या है, जीने का तरीका क्या है। उस बारे में कुछ नहीं लिखा। आपके बारे में ओबीसी शब्द प्रयोग किया गया। क्या ये आपका नाम है? किसने कहा आप पिछड़े हो? आपका जो हक है वो आपको नहीं दिया जाता। जिन लोगों ने इस देश को बनाया है किसान, मजदूर, बढ़ई, नाई, मोची का इतिहास कहां है। कांग्रेस और झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर सहमति बन गई है। सीएम हेमंत सोरेन और कांग्रेस के झारखंड प्रभारी गुलाम अहमद मीर सहित कई नेताओं ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस बात की घोषणा की। उन्होंने कहा, कांग्रेस और जेएमएम 70 सीटों पर मिलकर चुनाव लड़ेगी, बाकी बची सीटों के लिए जल्द ही जानकारी साझा की जाएगी।

महाराष्ट्र में एनडीए के बीच सीट शेयरिंग फाइनल

* शाह के घर 2 घंटे बैठक चली, भाजपा 155 * शिवसेना शिंदे 78 * एनसीपी अजित गुट 55 सीटों पर लड़ेंगे

नई दिल्ली/मुंबई, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में सीट शेयरिंग को लेकर अमित शाह के घर एनडीए के घटक दलों की ढाई घंटे बैठक चली। इसमें मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, डिप्टी मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और डिप्टी मुख्यमंत्री अजित पवार शामिल हुए। बैठक में राज्य की 288 विधानसभा सीटों पर भाजपा, शिवसेना शिंदे और एनसीपी अजित गुट में सहमति बन गई है।

सूत्रों के मुताबिक, भाजपा 155, शिवसेना शिंदे गुट 78 और एनसीपी अजित पवार गुट 55 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारेगी। बैठक में छोटी पार्टियों को भी कुछ सीटें दिए जाने पर सहमति बनी। कुछ सीटों को लेकर पेंच अमित शाह के निर्देश के बाद राज्य स्तर पर सुलझाया जाएगा। दिल्ली में अमित शाह से मुलाकात के बाद दोनों उप मुख्यमंत्री, देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार महाराष्ट्र लौट आए हैं, जबकि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के अभी भी दिल्ली में होने की खबर है। सूत्रों के मुताबिक, भाजपा को अपने कोटे से छोटी पार्टियों को सीट देनी है। किसी पार्टी के पास जिताऊ उम्मीदवार नहीं होने की स्थिति में 5 जगह प्लस-माइनस किया जा सकता है।

राज ठाकरे के बेटे भी चुनाव लड़ सकते हैं :

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) राज ठाकरे के बेटे अमित ठाकरे को चुनावी मैदान में उतारने पर विचार कर रही है। अमित ठाकरे के लिए मुंबई के माहिम और भांडुप पश्चिम विधानसभा सीट का जायजा लिया जा रहा है। माहिम सीट से शिंदे सेना के सदा सरवणकर मौजूदा विधायक हैं। भांडुप पश्चिम विधानसभा सीट पर ठाकरे सेना के रमेश कोरगांवकर मौजूदा विधायक हैं। अगर एमएनएस माहिम विधानसभा सीट से अमित ठाकरे को उतारती है तो शिवसेना(यूबीटी) इस सीट से अपना उम्मीदवार नहीं उतारने पर विचार कर सकती है। 2019 विधानसभा चुनाव में जब आदित्य ठाकरे पहली बार चुनाव लड़ रहे थे, तब एमएनएस ने वर्ली सीट पर अपना उम्मीदवार नहीं उतारा था। 2024 लोकसभा चुनाव में एमएनएस के समर्थन की वजह से महायुति के उम्मीदवार राहुल शेवाले को माहिम विधानसभा सीट पर करीब 14 हजार की लीड मिली थी। इसलिए भी एमएनएस को लग रहा है कि अमित ठाकरे के लिए माहिम विधानसभा सीट सुरक्षित हो सकती है।

आदिवासी महिला ने पीएम मोदी को भेजे 100 रुपये

प्रधानमंत्री बोले-यह मुझे काम करने के लिए प्रेरित करता है

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। ओडिशा की एक आदिवासी महिला की ओर से सम्मान स्वरूप भेजे गए 100 रुपये की भेंट ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अभिभूत कर दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि नारी शक्ति का यही आशीर्वाद मुझे विकसित भारत के लिए अधिक से अधिक काम करने की प्रेरणा देता है। दरअसल भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बैजयंत जय पांड्या ने एक्स पर एक पोस्ट किया था। इसमें उन्होंने लिखा कि जब वह भाजपा के राष्ट्रीय सदस्यता अभियान के तहत ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले में एक आदिवासी महिला से मिले तो उस महिला ने उनको 100 रुपये दिए। आदिवासी महिला ने प्रधानमंत्री को धन्यवाद स्वरूप 100 रुपये भेंट करने के लिए राष्ट्रीय उपाध्यक्ष से कहा।

हम फिर से इतिहास लिखने आए हैं : सीएम चंद्रबाबू

> अमरावती पुनर्निर्माण कार्यों का किया उद्घाटन

अमरावती, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायुडू ने शनिवार को अमरावती पुनर्निर्माण कार्यों का उद्घाटन किया और इस दौरान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि किसान स्वेच्छा से आगे आए और अमरावती के विकास के लिए अपनी जमीन देकर बहुत बड़ा योगदान दिया। उन्होंने आगे कहा कि आज, हम इतिहास को फिर से लिखने आए हैं। हमने राज्य में 16 प्रतिशत कम बजट के साथ शुरूआत की, फिर भी दो साल के भीतर, हमने शासन के लिए जरूरी बुनियादी ढांचा विकसित किया।

सीएम चंद्रबाबू नायुडू ने इस दौरान कहा कि, हमने हैदराबाद का विकास किया, आठ लेन की सड़कें बिछाईं और मेट्रो की शुरूआत की। कई लोगों ने हवाई अड्डे के लिए 5,000 एकड़ जमीन मंजूर करने के लिए मेरी आलोचना की, लेकिन आज हैदराबाद हवाई अड्डा जीएसडीपी में 16 प्रतिशत का योगदान देता है। उन्होंने आगे कहा, अमरावती को राजधानी के रूप में विकसित करने के लिए किसान स्वेच्छा से आगे आए और इसके निर्माण के लिए अपनी जमीन दी। 29,000 से अधिक किसानों ने योगदान दिया और राजधानी शहर के निर्माण के लिए सरकारी जमीन समेत कुल 54,000 एकड़ जमीन जुटाई गई। पिछले पांच वर्षों में, पिछली सरकार ने अमरावती क्षेत्र के किसानों की उपेक्षा की। इन किसानों ने राजधानी शहर के लिए लड़ाई लड़ी और विरोध किया। आंध्र प्रदेश के सीएम ने कहा कि अमरावती न केवल राज्य की राजधानी है,

बम की धमकी के बाद 30 फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग

6 दिन में अब तक 50 से ज्यादा विमानों में बम की धमकियां, 80 करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। इंडियन एयरलाइंस की 30 से ज्यादा फ्लाइट में शनिवार को बम होने की धमकी मिली। इसमें इंडिगो, एअर इंडिया, अकासा, विस्तारा, स्पाइसजेट, स्टार एअर और एलायंस एयर शामिल हैं। पिछले एक हफ्ते में 50 से ज्यादा विमानों को बम की धमकी मिल चुकी है, ये सभी झूठी साबित हुईं। इन धमकियों की वजह से अब तक 80 करोड़ रुपये का नुकसान हो चुका है। लगातार मिल रही धमकियों के बीच केंद्र सरकार ने 16 अक्टूबर को फ्लाइट्स में एयर मार्शलों की संख्या को दोगुना करने का फैसला किया था। गृह मंत्रालय ने भी एविएशन मिनिस्ट्री से रिपोर्ट मांगी है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, इंडिगो की तीन फ्लाइट्स को बम की धमकी मिली है। इसमें दिल्ली और मुंबई से इस्तांबुल जा रही इंडिगो भी शामिल हैं। इसके अलावा विस्तारा की उदयपुर से मुंबई जाने वाले विमान को भी धमकी मिली थी। इन सभी विमानों की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई।

लंदन और दुबई जा रही फ्लाइट में बम की धमकी

शुक्रवार की देर रात एअर इंडिया एक्सप्रेस और विस्तारा एयरलाइंस की एक-एक फ्लाइट में बम होने की धमकी दी गई। इनमें से दिल्ली से लंदन जा रही विस्तारा की फ्लाइट को फ्रैंकफर्ट डायवर्ट किया गया। जबकि 189 पैसेंजर्स को लेकर दुबई जयपुर आ रही एअर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान (IX-196) की जयपुर में रात 1:40 बजे इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। जांच में दोनों ही विमानों में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला।

मुंबई पुलिस ने एक को अरेस्ट किया :

मुंबई की पुलिस ने फ्लाइट में बम रखने की झूठी खबर फैलाने के मामले में एक शख्स को गिरफ्तार किया है और एक नाबालिग को हिरासत में लिया है। इन्होंने 14 अक्टूबर को इंडिगो फ्लाइट में बम रखे होने की धमकी दी थी। लगातार मिल रही धमकियों के बीच दिल्ली पुलिस ने 6 एफआईआर दर्ज की हैं। उधर, सरकार ने विमान में बम होने के फर्जी दावे करने वाले 10 सोशल मीडिया अकाउंट्स को ब्लॉक कर दिया है।

धमकी भरे मैसेज भेजने वालों की पहचान :

एयरलाइंस को धमकी भरे मैसेज भेजने के मामले में 16 अक्टूबर को एविएशन मिनिस्ट्री ने संसदीय समिति को जवाब दिया। मिनिस्ट्री ने कहा कि आरोपियों की पहचान कर ली गई है और एक्शन लिया जा रहा है। साथ ही कहा कि और ज्यादा जानकारी इकट्ठा की जा रही है और ऐसे कई मामलों पर कदम उठाया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सभी साइबर यूनिट्स को धमकी देने वाले सोशल मीडिया अकाउंट्स को ट्रैक करने का निर्देश दिया गया है। इनमें से ज्यादातर अकाउंट विदेश से ऑपरेट हो रहे हैं।

उग्रवादियों ने बम फेंके : सीआरपीएफ और पुलिस मौके पर, फायरिंग जारी

इम्फाल, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। मणिपुर के जिरिबाम जिले में एक बार फिर हिंसा भड़की है। बोरोबेकरा इलाके के एक गांव में उग्रवादियों ने शनिवार सुबह 5 बजे फायरिंग कर दी। बोरोबेकरा पुलिस ने बताया कि उग्रवादियों ने गांव में बम भी फेंके हैं।

सूचना मिलने पर पुलिस और सीआरपीएफ की टीमें मौके पर पहुंची हैं। उग्रवादियों और सुरक्षाबलों के बीच फायरिंग लगातार जारी है। फिलहाल हमले में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है। पुलिस ने बताया कि बोरोबेकरा जिरिबाम टाउन से 30किमी दूर है। इस इलाके में घने जंगल और पहाड़ हैं और यहां पहले भी गोलीबारी जैसी घटनाएं हो चुकी हैं। इससे पहले 18 अक्टूबर को जिरीबाम के ही कालीनगर हमार वेंग इलाके में उग्रवादियों ने एक स्कूल में आग लगा दी थी। 15 अक्टूबर को दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्रालय की निमंत्रण पर मैतेई, कुकी और नगा समुदायों के 20 विधायक दिल्ली पहुंचे थे। इन्हें मणिपुर और हिंसा न होने का संकल्प दिलाया गया था। बैठक के 4 दिन बाद शनिवार को जिरिबाम में हिंसा हुई है।

15 अक्टूबर को हुई बैठक में पहले कुकी, फिर मैतेई और बाद में नगा नेताओं से बात की गई। सभी ने अपनी-अपनी मांगें केंद्र के सामने रखीं। इसके बाद सभी को एक हॉल में इकट्ठा कर संकल्प दिलाया गया कि आज की बैठक के बाद मणिपुर में न तो एक भी गोली चलेगी और न ही किसी व्यक्ति की जान जाएगी।

तीनों समुदायों के प्रतिनिधियों ने इस पर सहमति दी। इसके बाद प्रतिनिधियों ने एक-दूसरे से हाथ मिलाए। सूत्रों के मुताबिक करीब डेढ़ घंटे चली बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मणिपुर के सीएम एन. बीरेन सिंह मौजूद नहीं थे, लेकिन शाह बैठक की मिनट-टु-मिनट मॉनिटरिंग कर रहे थे।

मणिपुर में 19 भाजपा विधायकों ने मुख्यमंत्री बीरेन सिंह को हटाने की मांग की। विधायकों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर कहा हिंसा रोकने का यह एकमात्र रास्ता है।

अदालत की भूमिका को बचाकर रखे सुप्रीम कोर्ट : डीवाई चंद्रचूड

> लेकिन विपक्ष का काम न करे, सीजेआई का अहम बयान

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने शनिवार को एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि सुप्रीम कोर्ट को लोगों की अदालत की अपनी भूमिका को भविष्य के लिए संरक्षित रखना चाहिए, लेकिन इसका मतलब ये नहीं है कि इसे संसद में विपक्ष की भूमिका निभानी होगी। उन्होंने कहा कि कानूनी सिद्धांत की असंगतता या त्रुटि के लिए न्यायालय की आलोचना करने का अधिकार है, लेकिन परिणामों के नजरिए से इसकी भूमिका या इसके काम को नहीं देखा जाना चाहिए।

जनता की अदालत की भूमिका को भविष्य के लिए बचाने की जरूरत :

दक्षिण गोवा में पहले सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट्स ऑन रिकॉर्ड एसोसिएशन (एससीएओआरए) के सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्य न्यायाधीश ने ये बात कही। उन्होंने कहा, सुप्रीम कोर्ट के न्याय तक पहुंच पिछले 75 वर्षों में काफी विकसित हुई है और ये कुछ ऐसा है जिसे हमें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब समाज समृद्ध और संपन्न होता है, तो ऐसी धारणा होती है कि आपको केवल बड़ी-बड़ी चीजों पर ध्यान देना चाहिए। हमारा न्यायालय ऐसा नहीं है। उन्होंने कहा कि हमारा न्यायालय जनता का न्यायालय है और मुझे लगता है कि जनता के न्यायालय के रूप में

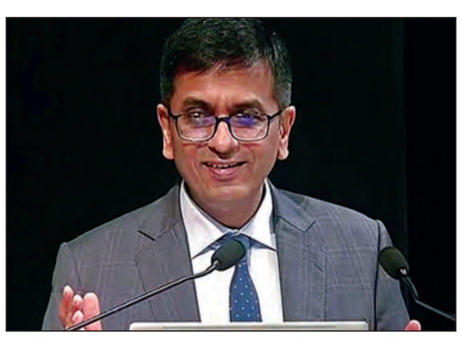

सर्वोच्च न्यायालय की भूमिका को भविष्य के लिए सुरक्षित रखा जाना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट को नतीजों के आधार पर परखना गलत

सीजेआई ने कहा कि मुझे लगता है, विशेष रूप से आज के समय में, हर किसी के बीच यह बड़ा विभाजन है, जिसमें परिणामों के आधार पर आपको परखा जाता है, जब आप लोगों के पक्ष में निर्णय लेते हैं तो सर्वोच्च न्यायालय को अद्भुत संस्था बताया जाता है, और जब आप उनके खिलाफ निर्णय लेते हैं तो संस्था को अपमानित किया जाता है। सीजेआई के अनुसार, मुझे लगता है कि यह एक खतरनाक बात है। न्यायाधीशों को मामलों के आधार पर स्वतंत्रता की भावना के साथ निर्णय लेने का अधिकार है।

यूपी उपचुनाव प्रभारी मंत्रियों से बोले सीएम योगी

जीतेंगे सभी सीटें, जरूरी है लोगों से संवाद और बूथ प्रबंधन

लखनऊ, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रदेश की 9 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उपमुख्यमंत्री, जिलों के प्रभारी मंत्री और भाजपा संगठन के पदाधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। इस दौरान उपचुनाव को लेकर व्यापक विचार विमर्श हुआ और रणनीतियां तैयार की गईं। बैठक में मुख्यमंत्री ने सभी 9 सीटों पर उपचुनाव को जीतने के लिए मंत्रियों और पदाधिकारियों की जिम्मेदारियां भी निर्धारित किया।

हर सीट पर जीत सुनिश्चित करने के लिए पूरी निष्ठा से जुटें

बैठक के दौरान मंत्रियों और पदाधिकारियों के बीच आपसी समन्वय को और अधिक मजबूत करने पर जोर दिया गया। यह भी तय हुआ कि उपचुनाव में पार्टी का कोई भी नेता अपने निर्धारित क्षेत्र में जिम्मेदारियों का निर्वहन करने में कोई कमी न छोड़े। मुख्यमंत्री ने कहा कि उपचुनाव जीतना केवल चुनावी सफलता नहीं बल्कि जनता के विश्वास की जीत होगी, इसलिए हर सीट पर जीत सुनिश्चित करने के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ काम किया जाना चाहिए।

बूथ स्तर पर सटीक प्रबंधन और निगरानी आवश्यक

सीएम योगी ने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर तक चुनाव प्रबंधन को मजबूती से संभालने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उपचुनाव में हर सीट महत्वपूर्ण है और इसके लिए बूथ स्तर पर सटीक प्रबंधन और निगरानी आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने नेताओं को अपने-अपने क्षेत्र में सक्रिय रहने और जमीनी स्तर पर लोगों के बीच जाकर चौपाल लगाने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्यमंत्री ने जोर देते हुए कहा कि चौपाल के माध्यम से जनता की समस्याओं को समझा जाए और उनका समाधान किया जाए जिससे लोगों का विश्वास पार्टी में बढ़े।

लोगों से सीधा संवाद स्थापित करें

बैठक में मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि प्रभारी मंत्री और पदाधिकारी उन जिलों में अधिक समय बिताएं जहां उपचुनाव हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों में जाकर लोगों से सीधा संवाद स्थापित करें, उनकी समस्याओं को सुनें और त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। जिलों के स्थानीय पदाधिकारियों के साथ तालमेल बनाकर चुनावी तैयारियों को और सुदृढ़ किया जाए।

इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने भी पार्टी की तैयारियों का जायजा लिया और सभी कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाया। उन्होंने कहा कि पार्टी सभी 9 सीटों के लिए पूरी तैयारी कर चुकी है और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा पूरी ताकत के साथ चुनाव लड़ेगी। चौधरी ने विश्वास जताया कि पार्टी न सिर्फ 9 घोषित सीटों पर विजय प्राप्त करेगी बल्कि जल्द ही दसवीं सीट भी घोषित होगी और वह भी भाजपा के खाते में ही जाएगी।

इन सीटों पर होना है उपचुनाव

बता दें कि जिन 10 सीटों पर उपचुनाव होने हैं उसमें 5 सपा और 5 एनडीए गठबंधन के पास थी। बीजेपी के खाते में 3 सीट थी। एक आरएलडी के पास थी और एक निषाद पार्टी के पास थी। कटेहरी, करहल, सीसामऊ, कुंदरकी सीट सपा ने 2022 में जीती थी। अयोध्या की मिल्कीपुर सीट भी सपा के खाते में थी। जिस पर अभी तारीख नहीं आई है। इसके अलावा फूलपुर, मझवां, गाजियाबाद सदर, खैर, मीरापुर सीट पर उपचुनाव होना है। बैठक में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, सूर्यप्रताप शाही समेत राज्य के कई वरिष्ठ मंत्री और प्रभारी मंत्री समेत भाजपा के पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

दिवाली पर योगी सरकार का तोहफा

उज्ज्वला लाभार्थियों को निशुल्क मिलेगा गैस सिलिंडर

बरेली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों के लिए खुशखबर है। बीते वर्ष की तरह इस बार भी दिवाली पर प्रदेश सरकार की ओर से प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत पंजीकृत लाभार्थियों के गैस सिलिंडर मुफ्त भरने का शासनादेश जारी किया गया है। हालांकि, लाभार्थियों को पहले भुगतान करना होगा।

बाद में बैंक खाते में रुपये भेजे जाएंगे। बरेली के जिला पूर्ति अधिकारी नीरज सिंह के मुताबिक प्रथम चरण में अक्तूबर से दिसंबर तक और दूसरे चरण में जनवरी से मार्च तक दो बार निशुल्क रिफिलिंग होगी। जिले में करीब चार लाख से ज्यादा उज्ज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन हैं। उन्होंने बताया कि जिन लाभार्थियों ने अभी तक अपने बैंक खाता को आधार कार्ड से लिंक नहीं कराया है, वे तत्काल संबंधित डीलर के पास पहुंचकर सत्यापन करा लें ताकि कोई दिक्कत न हो। बता दें कि होली के मौके पर भी प्रदेश सरकार ने उज्ज्वला योजना के तहत लाभार्थियों को मुफ्त सिलिंडर प्रदान किए थे।

सपा नेता ने पति पर 50-लाख दहेज की कराई एफआईआर

आईएएस की तैयारी कर रहे पति से दिल्ली में हुई थी मुलाकात

आगरा, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। आगरा की पूर्व मेयर प्रत्याशी जूही प्रकाश ने अपने पति योगेंद्र के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। उन्होंने 50 लाख रुपए दहेज मांगने के आरोप लगाए हैं। करीब 28 दिन पहले योगेंद्र ने जूही के खिलाफ जानलेवा हमला करने की एफआईआर दर्ज कराई थी। पति का आरोप था-जूही ने झगड़े के दौरान कांच की बोतल से सिर पर वार कर दिया। बोतल पीठ में भी घोंप दी।

नेता जूही प्रकाश ने कहा- पति योगेंद्र प्रताप सिंह से मेरी 2020 में मुलाकात हुई थी। उस वक्त योगेंद्र आईएएस की तैयारी कर रहे थे। इसके बाद जून, 2024 में शादी कर ली। जब ससुराल पहुंची तो ससुरालीजनों ने 50 लाख रुपए दहेज की मांग की। मैंने रकम देने में असमर्थता जताई तो मेरा उत्पीड़न शुरू कर दिया। मुझे घर से निकाल दिया। इसके बाद वह सिकंदरा स्थित किराए के एक फ्लैट में रहने लगी। जहां पर पति योगेंद्र प्रताप सिंह ने मेरा उत्पीड़न शुरू कर दिया। मेरे साथ आए दिन मारपीट की। सपा नेता जूही प्रकाश का आरोप है कि पति के कई युवतियों के साथ संबंध हैं। उनके वीडियो भी हैं। जब खुद फंसने लगा तो पति ने मेरे खिलाफ फर्जी मुकदमा सिकंदरा में लिखाया था। एफआईआर में पति योगेंद्र प्रताप सिंह, सास हरदेवी, ससुर हाकिम सिंह, जेठ वीपी सिंह, ननद नीलम सिंह, दोस्त शिवम सागर, संजय निगम और वीरेंद्र प्रताप सिंह का नाम शामिल है।

सीएम नीतीश कुमार ने पीएम मोदी को किस बात की दी बधाई

भाजपा के लिए फिर कहा शुरू से संबंध रहा है

राज्य सरकार एवं केंद्र सरकार द्वारा मत्स्य पालन के क्षेत्र में विकास के लिए उठाए गए कदमों से मत्स्य पालकों को काफी लाभ हो रहा है।

पटना, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी से नाराजगी और एनडीए में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है!, इन अपटकलों पर एक बार फिर से सीएम नीतीश कुमार ने विराम लगा दिया। उन्होंने शनिवार को पटना में स्पष्ट कह दिया कि हम हर हाल में एनडीए के साथ ही रहेंगे। सीएम नीतीश मोदी सरकार की खूब तारीफ की। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा बिहार के विकास के लिए कई कार्य किए जा रहे हैं। इसके लिए मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को बधाई देता हूं। केंद्र सरकार द्वारा राज्य में मत्स्य पालन के विकास के लिए सहायता दी गई है। राज्य सरकार मत्स्य पालन के विकास के लिए भी कई कदम उठा रही है।

सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि मत्स्य पालन के क्षेत्र से जुड़े सभी लोगों का मैं आभार व्यक्त करता हूं कि वे अपने कार्य से अपनी तरक्की के साथ-साथ राज्य की तरक्की में भी योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम शुरू से ही एनडीए में थे और एनडीए में ही रहेंगे। बीच में हम दो बार उनलोगों के साथ चले गए थे, ये हमारी गलती थी अब कभी इधर-उधर नहीं जाएंगे। भाजपा के साथ हमारी पार्टी का शुरू से ही संबंध रहा है। हमलोग मिलकर राज्य और देश का विकास करते रहेंगे। इस कार्यक्रम में मुझे शामिल होने का मौका मिला है इसके लिए मैं आपलोगों का आभार व्यक्त करता हूं और आप सभी को बधाई देता हूं।

कृषि, पशुपालन सहित सभी क्षेत्रों का विकास किया गया

दरअसल, पटना के ज्ञान भवन में मत्स्य पालन के क्षेत्र में ड्रोन तकनीक के उपयोग एवं प्रत्यक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इसका उद्घाटन सीएम नीतीश ने ही किया। अपने संबोधन के दौरान सीएम ने कहा कि सबसे पहले मैं मत्स्य पालन के क्षेत्र में ड्रोन तकनीक के उपयोग एवं प्रत्यक्षण कार्यक्रम का जो आज शुभारंभ किया गया है उसके लिए केंद्र सरकार और यहां उपस्थित केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह को बधाई देता हूं।

वर्ष 2005 से पहले बिहार में विकास कार्यों की क्या स्थिति थी सभी को पता है। वर्ष 2005 से पहले मछली उत्पादन बहुत कम था। दूसरे राज्यों से यहां मछलियां मंगाई जाती थी। 24 नवंबर, 2005 को जब हमलोग सरकार में आए तो राज्य के विकास के लिए नीति और कार्यक्रम बनाए गए। कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन सहित सभी क्षेत्रों का विकास किया गया। लोगों की सुविधाओं के लिए कई कदम उठाए गए।

एनडीए सरकार में बिहार में नहीं बिगड़ेगा माहौल, सीएम आवास में होती थी फिरौती की डील : बोले उपेंद्र कुशवाहा

मुजफ्फरपुर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। पूर्व केंद्रीय मंत्री और राज्यसभा सांसद उपेंद्र कुशवाहा ने मुजफ्फरपुर में बिहार में एनडीए सरकार के नेतृत्व पर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार में कानून व्यवस्था पूरी तरह से नियंत्रण में है और यहां की जनता पूरी तरह से सुरक्षित महसूस कर रही है। उन्होंने राजद (आरजेडी) के कार्यकाल पर निशाना साधते हुए कहा कि उस समय अपहरण उद्योग चरम पर था और मुख्यमंत्री आवास से ही फिरौती की रकम तय होती थी। कुशवाहा का दावा है कि एनडीए शासन में 'मंगलराज' है, जबकि राजद शासन में 'जंगलराज' के कारण प्रदेश की स्थिति बेहद खराब थी।

'माहौल खराब करने की साजिशें नहीं होंगी सफल'

उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि बिहार में एनडीए सरकार के कार्यकाल के दौरान आम जनता पूरी तरह से संतुष्ट है। उन्होंने विपक्षी दलों, विशेष रूप से राजद पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें एनडीए सरकार के कामों से परेशानी हो रही है, क्योंकि वे इसे बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं कि जनता एनडीए के साथ है। कुशवाहा ने आरोप लगाया कि विपक्ष बिहार में माहौल खराब करने की कोशिश कर रहा है, लेकिन वे सफल नहीं होंगे। एनडीए की सरकार किसी भी सूरत में कानून व्यवस्था को खराब नहीं होने देगी और जनता की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

'राजद के समय होता था अपहरण उद्योग का विस्तार'

कुशवाहा ने राजद के शासनकाल को जंगलराज बताते हुए आरोप लगाया कि उस दौरान अपहरण उद्योग काफी फला-फूला। उन्होंने दावा किया कि राजद के शासन में मुख्यमंत्री आवास से ही फिरौती की रकम तय की जाती थी और अपहरण और रंगदारी जैसी घटनाओं में बड़ी संख्या में लोग शामिल थे। उन्होंने कहा कि राजद के लोग अब हमारी सरकार पर सवाल उठा रहे हैं, जबकि खुद उनके शासनकाल में अपराध चरम पर था। अब बिहार में ऐसी स्थिति नहीं है और एनडीए के शासन में कानून-व्यवस्था पूरी तरह से दुरुस्त है।

'छिटपुट घटनाओं को छोड़ दें तो कोई बड़ी घटना नहीं'

उपेंद्र कुशवाहा ने यह भी कहा कि एनडीए शासन के दौरान अगर कुछ छोटी-मोटी घटनाएं हो भी गई हैं तो इसे सामान्य कहा जा सकता है, क्योंकि कोई बड़ी आपराधिक घटना बिहार में नहीं हुई है। उन्होंने जनता को आश्वासन दिया कि भविष्य में भी प्रदेश की स्थिति शांतिपूर्ण और सुरक्षित बनी रहेगी। कुशवाहा ने विपक्षी दलों से अपील की कि वे अपने पुराने शासनकाल को देखें और फिर मौजूदा सरकार पर सवाल उठाएं।

ज्ञानवापी के 32 साल पुराने मुकदमें में सुनवाई जारी

मुस्लिम पक्ष ने दी दलील, 25 अक्टूबर अगली तारीख

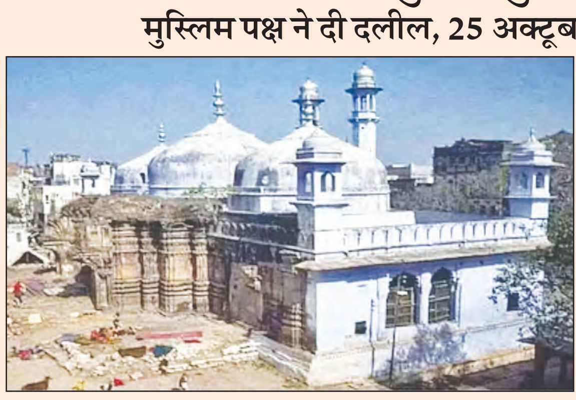

वाराणसी, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। ज्ञानवापी परिसर को लेकर 32 साल पुराने मुकदमें में आज सिविल कोर्ट में सुनवाई हुई। मुस्लिम पक्ष ने अपना मत रखा और अगली तारीख 25 अक्टूबर मिली है। इस दौरान हिंदू पक्ष के वादमित्र विजय शंकर रस्तोगी और अधिवक्ता मदन मोहन यादव भी मौजूद रहे।

लॉर्ड विश्वेश्वरनाथ के केस को लेकर हिंदू पक्ष के अधिवक्ता मदन मोहन यादव ने शनिवार को कहा कि वर्ष 1991 से चल रहे जिस वाद को मुस्लिम पक्ष लटकाओ, भटकाओ, अटकाओ की नीति पर चल रहा था। आज वही मुस्लिम पक्ष ज्ञानवापी के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश का हवाला देकर शीघ्र सुनवाई के लिए न्यायालय से निवेदन किया। अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद कमेटी के अधिवक्ता और वक्फ बोर्ड के अधिवक्ता ने अपनी-अपनी दलील पेश की। साथ में हिंदू पक्ष के द्वारा इलाहाबाद हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के कई आख्यानों का भी विवरण देते हुए उसकी कॉपी न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत की गई। अब मामले में 25 अक्टूबर को आदेश आने की संभावना है।

बताते चलें कि हिंदू पक्ष इस मामले को लेकर अपना मत प्रस्तुत कर चुका है और ज्ञानवापी के शेष बचे हुए परिसर के एएसआई सर्वे की मांग कर रहा है इसके आलावा अन्य मांगे भी हैं। अब इंतेजार है अगली तारीख का और देखना ये होगा कि कोर्ट का अगला फैसला क्या आता है?

प्रशांत किशोर की जन सुराज ने बेलागंज और इमामगंज सीट पर उतारे उम्मीदवार

पटना, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार की चार सीटों पर उपचुनाव होने हैं. इन सीटों पर 13 नवंबर को वोटिंग होगी. प्रशांत किशोर ने गया में जन सुराज के उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है. बेलागंज से प्रोफेसर खिलाफत हुसैन और इमामगंज से डॉक्टर जितेंद्र पासवान को टिकट दिया गया है. इस बार के उपचुनाव में महागठबंधन और एनडीए के अलावा प्रशांत किशोर की पार्टी जनसुराज की सबसे ज्यादा चर्चा हो रही है. जन सुराज के बेलागंज से उम्मीदवार प्रोफेसर खिलाफत हुसैन 2002 से 2017 तक मिर्जा गालिब कॉलेज में मैथ्स के एचओडी रहे हैं. 1976 से 2002 तक वह मैथ्स के लेक्चरर थे.

बिहार की इन चार सीटों पर होना है उपचुनाव

बिहार की जिन सीटों पर उपचुनाव होने हैं, भोजपुर की तरारी सीट के अलावा कैमूर जिले की रामगढ़ सीट, गया की बेलागंज और इमामगंज सीटें शामिल हैं. इन चारों सीटों पर 13 नवंबर को वोटिंग होगी और इनके नतीजे महाराष्ट्र-झारखंड चुनाव के नतीजों के साथ ही घोषित किए जाएंगे।

मुस्लिम स्टाफ 5 बार नमाज पढ़े...मैं टीका नहीं लगा सकती

एयर इंडिया की कर्मचारी बोली-अधिकारी टीका नहीं लगाने देतीं, इससे अच्छा पाकिस्तान में रहूं

सहारनपुर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। सहारनपुर की एक युवती ने अपनी महिला अधिकारी पर उत्पीड़न का आरोप लगाया है। वह दिल्ली एयरपोर्ट पर एयर इंडिया में काम करती हैं। उन्होंने एक वीडियो जारी किया है। इसमें कह रही हैं- टीका लगाकर ड्यूटी पर जाने पर मुझे परेशान किया गया। मुझसे कहा गया कि टीका लगाकर ड्यूटी पर नहीं आ सकते।

मुस्लिम स्टाफ 5 बार नमाज पढ़ने जाता है। लेकिन, अगर अपने देश में हिंदू रहकर टीका नहीं लगा सकती तो फिर पाकिस्तान में रहना ठीक है। अब मैं यह नौकरी छोड़ रही हूं। उन्होंने दिल्ली पुलिस कमिश्नर कार्यालय में शिकायत भी सौंपी है।

मेरी पीसीएम मुस्लिम हैं, कहती हैं-यहां टीका अलाउ नहीं है

चंचल त्यागी सहारनपुर की रहने वाली हैं। उन्होंने करीब 5 मिनट के 2 वीडियो जारी किए हैं। इसमें बताया- मैं दिल्ली टर्मिनल-3 पर एयर इंडिया कंपनी में बतौर असिस्टेंट काम करती हूं। मुझे जॉब करते हुए ढाई साल हो चुके हैं। मैं रोज टीका लगाकर ड्यूटी पर जाती हूं। मुझे कभी किसी ने कुछ नहीं कहा। अब हमारी सीनियर पीएसएम मुस्लिम हैं, जो मुझे कहती हैं कि टीका लगाना अलाउ नहीं है। मैंने कहा- मैडम मैं कई साल से पूजा-पाठ करके टीका लगाने के बाद ही अपना काम-काज शुरू करती हूं। इस पर उन्होंने कहा कि टीका लगाना ग्रूमिंग में अलाउ नहीं है। मैंने कहा कि टीका लगाना नहीं छोड़ सकती। तब से उन्होंने मुझे टॉर्चर करना शुरू कर दिया। मुस्लिम स्टाफ दिन में 5 बार नमाज पढ़ने चला जाता है। तो फिर मैं पूछना चाहती हूं कि इन लोगों को मेरे टीका से क्या दिक्कत हो रही है? अब ये मामला मेरे टीके और स्वाभिमान का है, इसलिए मुझे नौकरी छोड़नी पड़ेगी। मैं एक कट्टर हिंदू हूं। इसलिए 15-20 हजार की नौकरी के लिए हिंदुत्व खत्म नहीं कर सकती।

45 लाख की अफीम के साथ अंतरराज्यीय महिला तस्कर गिरफ्तार, तीन किलो की खेप बरामद

मुरादाबाद, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुरादाबाद की थाना कोतवाली पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए अंतरराज्यीय अफीम तस्करी के गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस कार्रवाई के तहत महिला तस्कर को गिरफ्तार किया है। उसके पास से तीन किलो 288 ग्राम अफीम बरामद हुई है। इसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत लगभग 45 लाख रुपये बताई जा रही है।

गिरफ्तार महिला की पहचान झारखंड के हजारीबाग जिले की निवासी हेमवंती देवी उर्फ लखनदास के रूप में हुई है। आरोपी लंबे समय से मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त रही है। पुलिस को सूचना मिली थी कि हेमवंती नामक महिला अफीम की एक बड़ी खेप के साथ मुरादाबाद में सक्रिय है। इस सूचना के आधार पर पुलिस ने क्षेत्र में विशेष अभियान चलाया और संदिग्ध स्थान पर छापा मारा। छापेमारी के दौरान महिला को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने उसके कब्जे से अफीम बरामद की, जिसे वह बेचने जा रही थी। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी से पूछताछ की। इसमें उसने खुलासा किया कि वह झारखंड के हजारीबाग जिले की रहने वाली है और लंबे समय से अफीम तस्करी के धंधे में शामिल है। हेमवंती ने बताया कि वह अफीम को झारखंड से लाकर मुरादाबाद और आसपास के इलाकों में बेचने का काम करती है। इस बार उसने अफीम की खेप को देहरादून से मंगवाया था, जिसे मुरादाबाद में बेचने की तैयारी कर रही थी। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार आरोपी पहले भी कई आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त रही है। उस पर मादक पदार्थों की तस्करी के कई मामले दर्ज हैं। पुलिस उसके शेष आपराधिक इतिहास की भी जानकारी जुटा रही है। इस बात की भी जांच की जा रही है कि उसका संबंध किन-किन अंतरराज्यीय तस्करों और गिरोहों से है। आरोपी ने पुलिस को बताया कि उसका अफीम तस्करी का नेटवर्क झारखंड, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश तक फैला हुआ है। वह देहरादून से अफीम की मंगवाती थी और मुरादाबाद में बेचती थी।

मुरादाबाद पुलिस के रडार पर 2664 अपराधी-जारी किए गए नोटिस, शुरू किया गया सत्यापन अभियान

मुरादाबाद, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। कुंदरकी विधानसभा सीट पर उपचुनाव शांतिपूर्ण कराने के लिए पुलिस ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। पुलिस ने 2664 अपराधियों को नोटिस थमाया है। उन्हें चेतावनी दी है कि अगर चुनाव में कोई गड़बड़ी की तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। यह अपराधी किसी न किसी मामले में जेल जा चुके हैं और अब जमानत पर बाहर हैं।

कुंदरकी विधानसभा क्षेत्र जनपद के सात थानों की सीमा में आता है। 13 नवंबर को यहां मतदान होगा। जिसे लेकर पुलिस और प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। विधानसभा क्षेत्र में रहने वाले अपराधी और हिस्ट्रीशीटरों का सत्यापन शुरू कर दिया गया है। मूंढापांडे थाने की पुलिस ने 1116, कुंदरकी थाने की पुलिस ने 420, मैनाठेर में 516, कटघर में 152, पाकबड़ा में 322, भोजपुर में 82 और भगतपुर में 56 अपराधियों की सूची तैयारी की गई है। यह किसी न किसी मामले में जेल जा चुके हैं। इन अपराधियों के घर जाकर पुलिस ने नोटिस थमाकर चेतावनी दी है। वहीं, इन सात थाना क्षेत्र में 769 हिस्ट्रीशीटर रहते हैं। इनका भी सत्यापन कराया गया है।

नामांकन के पहले दिन सात दावेदारों ने लिए 10 पर्चे

कुंदरकी विधानसभा उपचुनाव के लिए नामांकन के पहले दिन शुक्रवार को सात दावेदारों ने कुल 10 पर्चे खरीदे। हालांकि, पहले दिन किसी ने पर्चा दाखिल नहीं किया। पर्चा खरीदने वालों में सपा के पूर्व विधायक मोहम्मद रिजवान और कांग्रेस नेता व उनके परिवार के लोग शामिल हैं। अभी तक बसपा के अलावा किसी भी बड़े राजनीतिक दल ने प्रत्याशी घोषित नहीं किया है। कड़ी सुरक्षा के बीच डीएम कार्यालय में पहले दिन रिटर्निंग अफसर एसीएम प्रथम संत दास पंवार की मौजूदगी में 11 बजे से नामांकनपत्रों की बिक्री शुरू हुई। पूर्व विधायक एवं सपा नेता मो. रिजवान ने दो पर्चे कय्यूम हुसैन से मंगाए। इसमें एक पर्चा सपा के नाम पर और दूसरा निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर मंगवाया। निर्दलीय दावेदार मसरूर ने दो पर्चे लिए हैं। किसान क्रांति दल से जुड़े अकरम चौधरी ने भी दो पर्चे खरीदे। वहीं सम्राट मिहिरभोज समाज पार्टी से जुड़े साजेब ने एक पर्चा लिया। पहले दिन किसी भी प्रत्याशी ने पर्चा दाखिल नहीं किया।

कांग्रेस नेता के परिवार ने खरीदे तीन पर्चे

कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष अहसान खान, उनकी पत्नी दरक्शा बेगम और बेटा दाऊद खान ने भी एक-एक पर्चा लिया। कांग्रेस नेता की पत्नी दरक्शा 2022 में कुंदरकी विधानसभा सीट से कांग्रेस के टिकट पर विधानसभा चुनाव लड़ी थीं, लेकिन बुरी तरह हार का सामना करना पड़ा था। उनकी जमानत भी जब्त हो गई थी। कांग्रेस नेता के पुत्र दाऊद वर्तमान में पार्टी का ब्लॉक अध्यक्ष हैं।

तीन बार विधायक रहे रिजवान

पहले दिन ही दो पर्चे खरीदने वाले पूर्व विधायक मो. रिजवान समाजवादी पार्टी से तीन बार विधायक रह चुके हैं। पूर्व विधायक को समाजवादी पार्टी से टिकट की उम्मीद है। इसलिए वह चुनाव की तैयारियों में जुटे हुए हैं। नामांकन के लिए कलक्ट्रेट के आसपास सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। पुलिस ने पांच बैरिकेडिंग लगाई हैं। कमिश्नरी के दोनों तरफ और कलक्ट्रेट जाने वाले तिराहे पर एक बैरिकेडिंग लगाई है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
मेरा हैदराबाद
रविवार, 20 अक्टूबर, 2024 5

सु वि चा र
हंसता हुआ चेहरा आपकी शान बढ़ाता है, और हंस कर किया हुआ काम आपकी पहचान बढ़ाता हैं!

बीआरएस नेता तेलंगाना के आर्थिक दुश्मन : रेवंत रेड्डी

मुख्यमंत्री राजीव गांधी सद्भावना यात्रा कार्यक्रम में भाग लिया

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने राज्य के विकास में बाधा डालने के लिए बीआरएस नेताओं की आलोचना की है।

शनिवार को यहां चारमीनार में राजीव गांधी सद्भावना यात्रा कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि बीआरएस नेता तेलंगाना राज्य की आर्थिक जड़ों को नष्ट करने की कोशिश कर रहे हैं। रेवंत रेड्डी ने कहा, बीआरएस नेता केटी रामा राव और हरीश राव जब भी हाइड्रा कार्रवाई में होते हैं, सामने आ जाते हैं। दोनों नेता असहिष्णु हैं और विकास कर रहे गरीब वर्गों से ईर्ष्या करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि मुसी पुनरुद्धार परियोजना और हाइड्रा अलग-अलग हैं और स्पष्ट किया कि हाइड्रा ने मुसी नदी में कोई तोड़फोड़ नहीं की है। हाइड्रा का गठन यातायात समस्याओं को दूर करने, नालों के जीर्णोद्धार और झीलों को अतिक्रमण से बचाने के लिए किया गया है।

यह उन बड़े भू-माफियाओं के लिए एक बुरी आत्मा है। अधिकारियों ने सरकारी भूमि, झीलों और तालाबों पर अतिक्रमण करने वालों पर नकेल कसी है और बड़ी इमारतें बनाई हैं। हाइड्रा रक्षक की भूमिका निभाएगा और बड़े अतिक्रमणकारियों को दबाएगा। यह अजेय है और अतिक्रमणकारियों को बख्शा नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि राज्य सरकार ने मुसी जलग्रहण क्षेत्र में जरूरतमंदों को घर आवंटित किए हैं और महिलाओं को अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की है। उन्होंने कहा, जबकि सरकार विस्थापित परिवारों की रक्षा कर रही है, विपक्षी बीआरएस अपना दिल पीट रही है। इस अवसर पर, रेवंत रेड्डी ने कांग्रेस की वरिष्ठ नेता गीता रेड्डी को लंबे समय से लोगों की अमूल्य सेवा के लिए प्रतिष्ठित सद्भावना पुरस्कार के लिए चुने जाने पर बधाई दी। उन्होंने कहा, हमने देखा कि कई नेता राजनीति में पदों के लिए संघर्ष कर रहे हैं। लेकिन, गीता रेड्डी एक असाधारण नेता हैं, जिन्होंने घोषणा की है कि वह 2023 के विधानसभा चुनाव में चुनाव नहीं लड़ेंगी।

तेलंगाना कैबिनेट की बैठक 26 अक्टूबर को पुनर्निर्धारित

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य मंत्रिमंडल की बहुप्रतीक्षित बैठक 26 अक्टूबर को शाम 4 बजे होगी, जैसा कि मुख्य सचिव ने घोषणा की है। यह बैठक पहले सचिवालय में 23 अक्टूबर को होनी थी। इस बैठक के दौरान राज्य के शासन और लोक कल्याण को प्रभावित करने वाले कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है।

मछली पकड़ते समय मछुआरा झील में डूबा

मेदक, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। नरसिंगी मंडल के नरसमपल्ली गांव में एक मछुआरा शनिवार को स्थानीय झील में डूब गया। बताया जा रहा है कि उदुथा श्रीनिवास (50) को मिर्गी की बीमारी थी। शनिवार की सुबह उन्हें दौरा पड़ा, जब वे कल रात बिछाए गए मछली पकड़ने के जाल को निकालने के लिए झील में उतरे। वे पानी में डूब गए। बाद में शव को निकाला गया। मामला दर्ज कर लिया गया है।

हिरासत में लिए गए केंद्रीय मंत्री बंडी संजय

टीपीएससी के अभ्यर्थियों के समर्थन में दे रहे थे धरना

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पुलिस ने शनिवार को केंद्रीय मंत्री बंडी संजय कुमार को हिरासत में लिया। मंत्री तेलंगाना लोक सेवा आयोग (टीपीएससी) की समूह-1 परीक्षा के अभ्यर्थियों के समर्थन में विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। उन्होंने इस समूह-1 की मुख्य परीक्षा को टालने की मांग को लेकर हैदराबाद में एक धरना आयोजित किया और 'सचिवालय चलो' रैली आयोजित की थी।

यह विरोध प्रदर्शन अशोक नगर में हुआ, जो लोक सेवा के कोचिंग संस्थानों का केंद्र है। मंत्री ने छात्रों के साथ मिलकर परीक्षा को फिर से कराने को लेकर आवाज उठाई।

उन्होंने लोगों के साथ मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर मार्च करने की कोशिश की, ताकि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से इस मुद्दे को लेकर दबाव बनाया जा सके। संजय ने एक वाहन के ऊपर से लोगों को संबधित किया। हालांकि, पुलिस ने उन्हें रास्ते में ही रोक दिया। फिर उन्हें हिरासत में ले लिया।

हिरासत में लिए जाने के बाद संजय ने सचिवालय के पास भीमराव अंबेडकर की मूर्ति के सामने एक बार फिर धरना दिया। उच्च न्यायालय की ओर से परीक्षा आयोजित करने के लिए दी गई कानूनी मंजूरी के बावजूद केंद्रीय मंत्री ने अभ्यर्थियों की मांगों की पैरवी जारी रखी।

राज्य के पुलिस महानिदेश ने विरोध प्रदर्शनों के बीच अभ्यर्थियों से अपील की कि वे अपनी चिंताओं को शांतिपूर्ण तरीके से सामने रखें और सार्वजनिक व्यवस्था में असुविधा पैदा न करें। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से अपनी समस्याएं सामने रखी जा सकती हैं, लेकिन सार्वजिक व्यवस्था को बाधित नहीं किया जाना चाहिए। पिछले हफ्ते पुलिस ने अभ्यर्थियों पर लाठीचार्ज किया था। तबसे विरोध प्रदर्शन तेज हो गए हैं। ये अभ्यर्थी 21 से 27 अक्टूबर के बीच होने वाली मुख्य परीक्षा को टालने की मांग कर रहे थे।

जुपल्ली ने हरीश को राज्य के वित्त और भ्रष्टाचार पर सार्वजनिक बहस की चुनौती दी

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस नेता हरीश राव की चुनौती का जवाब देते हुए पर्यटन मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव ने तेलंगाना के गठन से पहले और बाद में राज्य के वित्त पर खुली बहस का प्रस्ताव दिया है, जिसमें भ्रष्टाचार, कर्ज और पिछली सरकार द्वारा कितना लूटा गया है, इस पर चर्चा की जाएगी। हैदराबाद में गांधी भवन में मीडिया से बात करते हुए जुपल्ली कृष्ण राव ने कहा कि हरीश राव ने चुनौती दी है कि वे मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के घर आएंगे।

मैं इस चुनौती को स्वीकार करता हूं, लेकिन मुख्यमंत्री को जवाब देने की कोई जरूरत नहीं है। मैं चुनौती का सामना करने की जिम्मेदारी खुद उठाऊंगा।

जुपल्ली कृष्ण राव ने सुझाव दिया कि चर्चा लाल बहादुर स्टेडियम में 50,000 लोगों और मीडिया प्रतिनिधियों के सामने होनी चाहिए। जुपल्ली ने पूरे विश्वास के साथ दावा किया कि पिछली सरकार के कुकृत्यों और भ्रष्टाचार को उजागर करने के लिए उनके पास सभी आवश्यक सबूत हैं।

धोखा खाए प्रेमी ने दिनदहाड़े रेता महिला का गला

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक ठुकराए प्रेमी ने शनिवार को दिनदहाड़े व्यस्त एसआर नगर रोड पर गुस्से में एक महिला पर हमला कर उसका गला रेत दिया। आरोपी की पहचान मधुसूदन के रूप में हुई है, जो कथित तौर पर इस बात से परेशान था कि इंस्टाग्राम के जरिए जुड़ने के बाद महिला ने उससे दूरी बना ली थी। मधुसूदन ने युवती पर ब्लेड से हमला किया, जिससे उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस रिपोर्ट के अनुसार, हमलावर महिला द्वारा उससे संबंध समाप्त करने के निर्णय से नाराज था, जिसके कारण सड़क पर हिंसक झड़प हुई। अधिकारी तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और मधुसूदन को हिरासत में ले लिया। घायल महिला को अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। मामले की जांच पड़ताल चल रही है।

दक्षिण मध्य रेलवे
हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है
ई-टेंडर नोटिस नं.-एसएंडटी/09/2024 दि.18-10-2024
PUB/1060
भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय सिग्नल एवं दूर संचार अभियंता(रखरखाव),दक्षिण मध्य रेलवे, गुंटकल द्वारा निम्न कार्य हेतु दि.11-11-2024 के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं(खुली) आमंत्रित हैं।
निविदा सं.- -01-एसएनटी-09-2024 कार्य विवरण(सिग्नल तथा दूर संचार कार्य) - गुंटकल डिवीजन के टीपीटीवाय-केपीडी सेक्शन में लेवल क्रासिंग गेट्स के सिग्नलिंग एवं संचार विश्वसनीयता या कम्युनिकेशन रिलायबिलिटी के सुधार हेतु अतिरिक्त क्वाड केबल का प्रावधान। कार्य का विज्ञापित मूल्यःरु. -23204583.00 पूर्व धरोहर राशिः रु.266000.00 पूरा करने की अवधिः 12 महिने
यदि निविदा खोलने की तिथि को अवकाश घोषित रहता है तो, निविदाओं को अगले कार्यदिन पर तत्संबंधित निर्दिष्ट समय पर खोला जायेगा। आफर की वैधता, निविदा खोलने की तिथि से लेकर 60 दिन तक होनी चाहिए। आवश्यक होने पर उपरोक्त निविदा सूचना के प्रति केवल आनलाईन पध्दति में ही शुध्दिपत्र जारी किया जायेगा। निविदा शर्तों/अधिक जानकारी एवं निविदा दस्तावेज की डाउनलोडिंग हेतु वेबसाइटःwww.ireps.gov.in देखें।
A1352 वरिष्ठ विभागीय सिग्नल एवं दूर संचार अभियंता, रखरखाव, गुंटकल
निविदा के नियम शर्तों/ निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्स- www.ireps.gov.in तथा http://www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

CLASSIFIEDS
CHANGE OF NAME
I, KAZIPWON JAJO, Legally Wedded Spouse of 14871129P SEP SINGREI HUNGYO, R/O: LEISHIPHUNG, LAIKOICHING, SENAPATI, MANIPUR-795010, have changed my name from KAZIPWON JAJO to KAZIPWON HUNGYO vide Affidavit dt.19-10-2024 duly Sd.by P.RAVEENDRANATH ADV & NOTARY .
सावधान
पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

छठी पुण्यतिथि
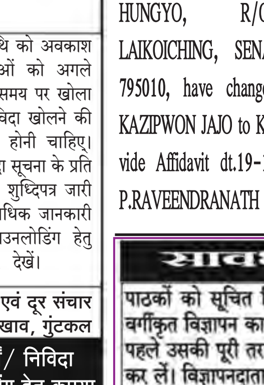
स्व.श्री CA पूनारामजी चौधरी (खंडाला)
सुपुत्रः स्व.श्री देवारामजी चौधरी ; मरुधर में देवली आउवा(पाली)
स्वर्गवासः 20-10-2018
हर मुश्किल में आपकी जरूरत महसूस होती है,
हर खुशी में आपकी कमी महसूस होती है।
बिछुड़कर इस कदर दिल में बसे हो आप,
कि अब हर पल आँखों में नमी महसूस होती है।।
: श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता : श्रीमति पकीबाई (माताजी), श्रीमति मंजुदेवी (धर्मपत्नी), करण, आर्यन (पुत्र), गणेशराम, सुरेश (भाई), मंजु-चम्पालालजी (जीजी-जीजाजी), अक्षरा, दिशान, ईशीका, यश (भतीजा-भतीजी) एवं समस्त खंडाला परिवार
: फर्म : श्री गणेश सेनेटरी, पेन्टस् एंड हार्डवेयर, मनीकोन्डा, हैदराबाद 9390034506, 9966189399
P.D Choudhary & Company Chartered Accountants, Surat
P.Solankey

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत तेलंगाना के 38 स्टेशनों की बदलेगी सूरत

430 करोड़ की लागत से सैटेलाइट टर्मिनल के रूप में विकसित हो रहा है चेरलापल्ली स्टेशन

हैदराबाद,19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय रेलवे में बड़े पैमाने पर रेलवे स्टेशनों के उन्नयन के साथ एक बड़ा परिवर्तन चल रहा है, जिसका उद्देश्य यात्रियों को विश्व स्तरीय सुविधाएँ प्रदान करना है। "अमृत भारत स्टेशन योजना" (एबीएसएस) के तहत, देश भर में 39 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है, जिसमें चेरलापल्ली रेलवे स्टेशन भी शामिल है, जिसे 430 करोड़ की लागत से टर्मिनल स्टेशन के रूप में विकसित किया जा रहा है, ताकि आधुनिक यात्री सुविधाएँ प्रदान की

जा सकें और उन्हें क्षेत्रीय आबादी के लिए विकास केंद्रों में परिवर्तित किया जा सके। इस मिशन को उस समय बड़ा बढ़ावा मिला जब प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने अगस्त 2023 और फरवरी 2024 के दौरान तेलंगाना राज्य में स्टेशनों के पुनर्विकास की आधारशिला रखी। इनके अलावा, सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के बड़े उन्नयन के कार्यों को शुरू किया गया है और साथ ही जुड़वां शहरों के क्षेत्र में अन्य मौजूदा रेल टर्मिनलों पर भीड़भाड़ को कम करने के लिए चेरलापल्ली सैटेलाइट टर्मिनल का विकास भी किया गया है। एबीएसएस नीति रेल मंत्रालय द्वारा तैयार की गई थी जिसका उद्देश्य रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण करना है, जिसमें दीर्घकालिक दृष्टि के साथ निरंतर आधार पर विकास की परिकल्पना की गई है। यह विचार मास्टर प्लान के अनुसार विभिन्न महत्वपूर्ण तत्वों के कार्यान्वयन पर आधारित है जो रेलवे स्टेशनों की लगातार बढ़ती जरूरतों और बढ़े हुए संरक्षण को पूरा करता है। इन स्टेशनों का विकास वर्तमान में विभिन्न चरणों में है, इसके अलावा जुड़वां शहरों में दो महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशनों, काचीगुडा और लिंगमपल्ली रेलवे स्टेशनों के लिए तकनीकी आर्थिक व्यवहार्यता अध्ययन अंतिम प्रक्रिया में है।

अम्बरपेट में दंपत्ति की हत्या

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार सुबह अम्बरपेट के डीडी कॉलोनी में एक दंपत्ति की उनके घर में हत्या कर दी गई। बैंक कर्मचारी लिंगा रेड्डी और उनकी पत्नी उर्मिला देवी कॉलोनी में एक घर में रहते थे। शनिवार की सुबह कथित तौर पर दंपति की हत्या उनके घर में की गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। घटना के विरोध में कुछ लोगों द्वारा प्रदर्शन करने के बाद कुछ देर के लिए तनाव की स्थिति पैदा हो गई, लेकिन पुलिस ने उन्हें खदेड़ दिया।

तीन लोगों की हत्या के आरोप में एक गिरफ्तार

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कंदुकुर पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में कथित तौर पर तीन लोगों की हत्या करने वाले एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार व्यक्ति उप्पुला शिव कुमार (25), रंगारेड्डी जिले के कंदुकुर मंडल के दासरापल्ली गांव का निवासी है, 16 अक्टूबर की रात एक फार्महाउस में गया और एक बुजुर्ग दंपति मूगा उषाय्या (70) और उसकी पत्नी मूगा शांतम्मा (65) की हत्या कर दी।

राचकोंडा पुलिस आयुक्त जी सुधीर बाबू ने बताया कि शिव कुमार शराब और ड्रग्स का आदी है। उसने गांवों के बाहरी इलाकों में स्थित फार्महाउसों को चुना और पैसे के लिए मजदूरों को निशाना बनाया। शिवा ने महिलाओं को भी निशाना बनाया और उनका यौन शोषण किया और अगर उन्होंने विरोध किया तो उन्हें मार डाला। अधिकारी ने बताया कि 16 अक्टूबर को शिवा उस फार्म हाउस में गया जहां उषाय्या और शांतम्मा रहते थे। जब उसे घर में कोई संपत्ति नहीं मिली तो उसने दंपत्ति की हत्या कर दी और वहां से भाग गया।

आदिवासी ने थाने के सामने किया आत्मदाह

जनगांव, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार को पालकुर्थी पुलिस थाने के सामने खुद को आग लगाने वाले 24 वर्षीय आदिवासी व्यक्ति की शनिवार तड़के एमजीएम अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। रिपोर्टों के अनुसार, लकावत श्रीनू का अपनी पत्नी राधिका के साथ कुछ विवाद था, जिसे उसकी पत्नी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर पालकुर्ती पुलिस ने तलब किया था।

शुक्रवार को पुलिस स्टेशन में पति-पत्नी दोनों को काउंसलिंग सेशन में शामिल होने के लिए कहा गया था। काउंसलिंग चल रही थी, तभी श्रीनू अचानक पुलिस स्टेशन के बाहर गया और अपनी बाइक से पेट्रोल की कैन निकाली और खुद पर डालकर आग लगा ली। पुलिस कर्मियों ने आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन वे सफल नहीं हुए। श्रीनू को इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई।

पुलिस स्टेशन आने से पहले, श्रीनू ने कथित तौर पर एक वीडियो बनाया था जिसमें उसने पलाकुर्ती सर्कल इंस्पेक्टर महेंद्र रेड्डी और सब इंस्पेक्टर साई प्रसन्ना कुमार और छह अन्य पर उसे परेशान करने का आरोप लगाया था और उन्हें कड़ी सजा देने की मांग की थी। जिले के आदिवासी शनिवार को पुलिस थाने पर कब्जा करने की योजना बना रहे हैं और सरकार से पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू करने की मांग कर रहे हैं।

पानी में गिरी कार, बाल-बाल बचे लोग

जनगांव, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक ड्राइविंग प्रशिक्षक और उसका छात्र शनिवार को चमत्कारिक ढंग से बाल-बाल बच गए, जब छात्र ने कार पर से नियंत्रण खो दिया और कार को यहां बथुकम्मा कुंटा में पानी में गिरा दिया। भयभीत राहगीरों ने सफेद कार को तेज गति से पानी में जाते देखा, ऐसा प्रतीत होता है कि छात्र ने टैंक के पास पहुंचने पर वाहन को नहीं रोका था। हालांकि कार गहरे पानी में चली गई, लेकिन दो यात्री खिड़कियों के माध्यम से बाहर निकलने में कामयाब रहे। इस बीच, एक दर्शक ने टैंक में छलांग लगाई और उस छात्र को बचा लिया, जो तैर नहीं सकता था।

कार के इलेक्ट्रॉनिक रूप से संचालित दरवाजे नहीं खुले, संभवतः कार की वायरिंग में शॉर्ट सर्किट के कारण, लेकिन यात्री खिड़कियों के शीशे नीचे करने में सफल रहे और चमत्कारिक ढंग से बाहर निकल आए। यह पूरा घटनाक्रम वीडियो में कैद हो गया, जो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल हो गया।

केटीआर ने की रैतु भरोसा के तत्काल वितरण की मांग

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में किसानों को लंबे समय से प्रतीक्षित रैतु भरोसा सहायता देने से भी कांग्रेस सरकार के बचने के प्रयास को गंभीरता से लेते हुए बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष और पूर्व मंत्री केटी रामा राव ने शनिवार को सत्तारूढ़ पार्टी के नेतृत्व को चेतावनी दी कि यदि वे वादा किए गए समर्थन को देने में विफल रहे तो उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।

केटीआर ने कहा कि अगर आप किसानों की जिंदगी से खेलना जारी रखेंगे, तो आपको इसके परिणाम भुगतने होंगे। बीआरएस किसानों के साथ खड़ी रहेगी और कर्ज माफी और रैतु भरोसा मिलने तक चैन से नहीं बैठेगी। इसे किसानों के साथ विश्वासघात बताते हुए उन्होंने कहा कि मुसी सौंदर्यीकरण के लिए 1.5 लाख करोड़ रुपये रखने वाले मुख्यमंत्री किसानों को 15,000 रुपये नहीं दे सकते। कांग्रेस सरकार की निष्क्रियता और किसानों की सहायता करने में विफल रहने की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार की देरी और बहानेबाजी ने संदेह पैदा किया है। अब, कृषि मंत्री थुम्माला नागेश्वर राव ने खुले तौर पर अपनी विफलता स्वीकार कर ली है। किसान इस विश्वासघात को बर्दाश्त नहीं करेंगे। अगर आपको लगता है कि आप उप-समितियों और दिशा-निर्देशों के साथ किसानों को धोखा दे सकते हैं, तो आप गलत हैं। किसान चुप नहीं रहेंगे।

केटीआर ने सरकार की प्राथमिकताओं पर भी सवाल उठाए, मुसी सौंदर्यीकरण के लिए आवंटित धन और किसानों के लिए समर्थन की कमी के बीच असमानता को उजागर किया। केसीआर ने प्रति एकड़ 10,000 रुपये दिए, और आपने 15,000 रुपये का वादा किया। अब वह वादा कहां है।

युवक ने की अपनी दादी की हत्या

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मेडचल के रावकोल में एक युवक ने कथित तौर पर नशे में धुत होकर पेंशन के पैसे के लिए अपनी दादी की हत्या कर दी। के. प्रशांत (21) ने पीड़िता बलम्मा (66) के सिर पर किसी कुंद वस्तु से बेरहमी से हमला किया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार नशे की लत में डूबा प्रशांत अपनी दादी की पेंशन की मांग कर रहा था। जब दादी ने मना कर दिया तो उसने गुस्से में आकर हमला कर दिया, जिससे दादी की मौके पर ही मौत हो गई।

पुलिस द्वारा जांच जारी रखने के कारण मामले के बारे में और अधिक जानकारी का इंतजार है। प्रशांत को हिरासत में ले लिया गया है, और अधिकारी अपराध के पूरे दायरे को समझने के लिए और अधिक जानकारी एकत्र कर रहे हैं।

मेदक में करंट लगने से किसान की मौत

मेदक, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जंगली सूअरों को कृषि क्षेत्र में प्रवेश करने से रोकने के लिए लगाई गई विद्युत बाड़ के संपर्क में आने से एक किसान की करंट लगने से मौत हो गई। यह घटना शनिवार को वेल्दुर्थी मंडल के यशवंतरावपेट में घटी।

किसान गुंडेनी यादैया (53) ने अपने खेत के चारों ओर बाड़ लगाई थी और गलती से उसे छू लेने से उनकी मौत हो गई। शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल ले जाया गया। मामला दर्ज किया गया।

पूर्व तट रेलवे
नीलामी कैटलॉग नं.: CAT-PnU-00033
(1) लॉट नं./वर्गः PnU-WAT-VZM-Toi-16-22-2 (Pay and Use-Toilets)
विवरण : विजयनगरम रेलवे स्टेशन में पे एंड यूज टॉयलेट्स का परिचालन एवं रख-रखाव।
(2) लॉट नं./वर्गः PnU-WAT-VSKP-WRL-39-23-3 (Pay and Use-Lounges / Waiting / Retiring / Cloak Rooms)
विवरण : विशाखापट्टनम रेलवे स्टेशन में प्लेटफॉर्म-8 पर क्लॉक रूम ठेका का प्रबंधन।
लॉट प्रारम्भ होने की तिथि एवं समय : 30.10.2024 को 1100 बजे (दोनों क्रम सं. के लिए), लॉट बंद होने की तिथि एवं समय : 30.10.2024 को 1130 बजे (क्रम सं. 1 के लिए) एवं 1140 बजे (क्रम सं. 2 के लिए)।
न्यूनतम वृद्धि : 0.2%, लॉट स्थिति : ड्राफ्ट कैटलॉग में नया।
संपूर्ण जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in में उपलब्ध है।
वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक / वाल्टियर
PR-641/P/24-25

पूर्व तट रेलवे
रेल कोच रेस्टोरेंट के लिए ई-नीलामी
नीलामी कैटलॉग नं.: CAT-CoRe-00028
(1) लॉट नं./वर्गः MSS-WAT-VSKP-RCR-51-24-2 (Misc-Static-Services-Rail Coach Restaurant)
कार्य का नाम : पांच वर्ष की समयावधि के लिए पूर्व तट रेलवे के वाल्टियर मण्डल के विशाखपट्टनम रेलवे स्टेशन के PRS कम्प्लेक्स पर रेल कोच रेस्टोरेंट का संस्थापन, संचालन एवं प्रबंधन।
(2) लॉट नं./वर्गः MSS-WAT-KRPU-RCR-16-24-1 (Misc-Static-Services-Rail Coach Restaurant)
कार्य का नाम : पांच वर्ष की समयावधि के लिए पूर्व तट रेलवे के वाल्टियर मण्डल के कोरापुट जं. स्टेशन में रेल कोच रेस्टोरेंट का संस्थापन, संचालन, प्रबंधन।
लॉट प्रारम्भ होने की तिथि एवं समय : दिनांक 01.11.2024 को 1100 बजे (दोनों क्रम सं. के लिए), लॉट बंद होने की तिथि एवं समय : दिनांक 01.11.2024 को 1130 बजे (क्रम सं. 1 के लिए) एवं 1140 बजे (क्रम सं. 2 के लिए)।
न्यूनतम वृद्धि : 0.2%, लॉट स्थिति : ड्राफ्ट कैटलॉग में नया।
संपूर्ण जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in में उपलब्ध है।
वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक / वाल्टियर
PR-640/P/24-25

जिमनास्टिक की महाविजेता : दीपा कर्माकर

अतुल कुमार

वर्ष 2016 रियो ओलंपिक में अपने जिमनास्टिक कौशल से घर घर का नाम बनी ओलंपियन दीपा कर्माकर ने पिछले दिनों खेल से रिटायर होने की घोषणा कर उनसे जुडी कई गौरवशाली उपलब्धियों की यादो को ताज़ा किया ।रियो ओलंपिक में उनके लाजवाब पर्फार्मेंस को देखने के लिये खेल प्रेमी रात भर जागे । जिम्नास्टिक खेल की दुनिया में पहली बार किसी भारतीय ने दुनिया को प्रभावित किया । यद्यपि उन खेलों में चौथे स्थान पर रहीं पर अपनी काबिलियत का ऐसा सिक्का जमाया कि सब ओर उनकी चर्चा हुई । साल 2018 में मरिसन में वाल्ट में ग़ोल्ड मेडल जीता वहीं कामन वेल्थ गेम्स 2014 में भी ब्रांज़ मेडल जीता । रोचक तथ्य है कि सपाट पैर होने के कारण उनको बताया गया कि वह कभी जिमनास्ट नहीं बन सकतीं । लेकिन जहां इरादे और भरोसा मज़बूत हो तो वहां प्रतिकूल परिस्थितियां भी घुटने टेक देती हैं । इसे दीपा कर्माकर ने साकार किया , किसी ने खूब लिखा कि " मुश्किल इस दुनिया में कुछ भी नहीं / फिर भी लोग अपने इरादे छोड देते हैं / अगर सच्चे दिल से हो चाहत कुछ पाने की / तो रास्ते के पत्थर भी अपनी जगह छोड देते हैं // दीपा कर्माकर ने यही किया ।

वास्तविकता तो यह है कि जिमनास्टिक हमारे यहां उतना लोकप्रिय नहीं है जितना होना चाहिये फिर भी इस वीरांगना ने अपने कमिट्मेंट से खेल की गेम चेंजर बनीं और दुनिया भर में अपना लोहा मनवाया । कहा भी गया कि " बनी बनायी सडक पर तो सब चलते हैं लेकिन खेल का असली चैंपियन वही है जो अपनी राह खुद बना कर चले "एक सामान्य मध्यम वर्ग परिवार की इस खिलाडी ने दिखाया कि इस खेल में भी कैरीयर बनाया जा सकता है ।और देश को बडे मुकाम पर ले जाया जा सकता है।

जिमनास्टिक ऐसा खेल है जिसमें अनेक विभिन्न गतिविधियां शामिल होती हैं जैसे संतुलन ,समन्वय लचीलापन ,सहन शक्ति , चपलता , शक्ति और धीरज की ज़रूरत होती है । हाथ ,पैर , कंधे ,पीठ ,छाती , और पेट की इसमें अहम भूमिका होती है । जितने भी खेल हैं यह उनका आधार है ।पाश्चात्य देशों में इसे स्कूल की पाठ्य पुस्तकों में प्रमुखता से रखा जाता है जिससे विद्यार्थी शुरु से ही इसके महत्व को समझ सकें ।शरीर तालबद्ध और लचीला हो तो जोडों से जुडी बाधाएं नहीं होतीं ।जर्मनी के फ्रेडरिक लुड्विग जहान को इस खेल का पिता माना गया ।17 वी शताब्दी में इसे लोकप्रिय बनाने के लिये उन्होंने आंदोलन कर बताया कि यह सभी खेलों का मूल है , इसके लिये जिमनास्टिक क्लब खोले उनकी मान्यता थी कि शारीरिक व्यायाम की शिक्षा अच्छे स्वास्थ्य ,चरित्र और तेज़ बुद्धी को विकसित करती है ।जिमनास्टिक खेलों के लिये क्लबों को खोलने के लिये फ्रेडरिक को गिरफ्तार कर कारावास में डाला गया लेकिन अपने मंसूबों से टस से मस नहीं हुए बाहर आ दुगने उत्साह से इसे प्रचारित करने के अभियान में लग़ गये । आज दुनिया के सबसे लोकप्रिय खेलों में यह एक है । सोचिये ! कैसे एक व्यक्ति की ज़िद और इच्छा ने वर्तमान के बडे खेल को बढावा दिया ।

याद रखिये जब " यकीन हो तो कोई रास्ता निकलता है / हवा की ओट भी लेकर चराग जलता है // " जिमनास्टिक ने इसे सिद्ध किया और आज यह खेल जगत के सभी देशों के प्रतिष्ठित टूर्नामिंटों का हिस्सा है । रूस ,अमेरिका ,चीन और रोमानिया इस खेल की मज़बूत स्थिति में है ।एक सपाट पैर के साथ जन्मी बाधा किसी भी जिमनास्ट के लिये खेल का हिस्सा बनने को नामुमकिन बनाती है लेकिन लिटिल वंडर दीपा कर्माकर ने सारी आलोचनाओं का मुंह तोड जवाब देते हुए एक अलग सफलता की कहानी लिखी और अलग पहचान बनायी । धीरे धीरे वाल्ट एक्स्पर्ट के साथ जिमनास्टिक के सबसे खतरनाक मूव में से एक माने जाने वाले प्रोदुनुवा पर भी महारत हासिल की । खेल की महारत के सभी अध्यायों पर पकड बना तेज़ी से उंचाइयों की सीढियों पर चढ ऐसा मुकाम हासिल किया जिस पर किसी भी देश को गर्व हो सकता है । देश की स्टार जिमनास्ट बनीं ।

खेल में कई उतार चढाव के साथ गौरव व पीडा देखी लेकिन खेल की क्लासिक शैली में कोई कमी नहीं आने दी । हमेशा डेडिकेशन और डेटर्मिनेशन को बनाये रखा और प्रतिस्पर्धात्मक एटिट्यूड को नहीं छोडा हमेशा खेल की साधना में लगी रही । दो बार घुटनों के टूटने के बाद दो ए सी एल सर्जरियों का सामना कर अपने विल पावर से खेल में वापसी कर खेल प्रेमियों को हैरान किया । 9 अगस्त 1943 को अगरतला ,त्रिपुरा में जन्मी देश की पहली ओलंपिक जिमनास्ट ने 6 साल की उम्र में इस खेल में प्रवेश किया तब इसको ले खेल प्रेमियों में खास अवेयरनेस नहीं थी , लगभग सन्नाटा पसरा था तब इस पूरे परिदृश्य को अपनी अचीवमेंट्स से ऐसे बदला कि उनको देख दुनिया स्तब्ध रह गयी । " एक चैंपियन की असली परीक्षा यह नहीं है कि वह जीत सकता है या नहीं बल्कि यह है कि क्या वह बाधाओं को पार कर सकता है ! " कर्माकर ने सभी मुश्किलों को पार कर जिस सुनहरे इतिहास को लिखा वो किसी भी बडे मोटिवेशन से कम नहीं है । पिछले दिनों सोशल मीडीया पर एक पोस्ट के ज़रिये अपने गौरवपूर्ण 13 वर्ष के खेल कैरीयर से संन्यास की घोषणा कर जज़्बाती नोट लिखा " कि 2024 ताशकंद एशियाई चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने के बाद उन्हें लगा कि वह अपने कैरीयर को थोडा और आगे बढा सकती हैं लेकिन दुर्भाग्य से वह ऐसा नहीं कर पायीं अपने समर्थकों से कहा कि वह दूसरी लड्कियों को भी वैसा ही प्यार और सम्मान दें जैसा कि उन्होंने उन्हें दिया । अपने खेल गुरुओं (कोच) बिंदेश्वर नंदी और सोमा मैडम की आभारी हूं जिन्होंने पिछले 25 सालों में गाइड किया और मेरी सबसे बडी ताकत बने । शुक्रिय अदा करना चाहती हूं मेरी फैमिली का जो अच्छे बुरे दिनों में मेरे साथ खडे रहे ।मैं भले ही रिटायर हो रही हूं लेकिन जिमनास्टिक्स से मेरा कनेकशन कभी नहीं टूटेगा। मैं चाहती हूं कि इस खेल को कुछ वापस दे सकूं ।शायद मेंटर ,कोच , मेरी जैसी और बाकी लडकियों को सपोर्ट कर के

फिर से उन सब का आभार जिन्होंने मेरे इस सफर में साथ दिया " दीपा कर्माकर ने जिस खेल से शोहरत पायी उसे लौटाने की बात कही । आज कितने लोग हैं जो अपने पेशे से सब कुछ पा उसे लौटाने की बात को सोचते भी हैं ! सोचिये ! पद्मश्री और अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित इस जिमनास्ट ने जो ऐतिहासिक स्वर्णिम योगदान दिया वह खेल जगत की अमिट उपलब्धि है । अतः वह जिमनास्टिक की महाविजेता हैं ।

काव्य कुंज

करवा चौथ सुहागन का अधिकार

गीता अग्रवाल
हैदराबाद

मन में चाँद की मूरत बैठा
सुहागन करे इंतज़ार,
साल भर में एक बार आए
पावन करवा चौथ त्यौहार,
यूं तो प्रतिदिन मांगे प्रभु से
स्वस्थ जीवन का साथ,
करवा चौथ पे गगन चाँद से
सदा सुहागन साथ,
अपनी उम्र लग जाये पति को9
तन मन से करे उपवास
माथे पे बिंदिया,हाथो में मेहंदी,
चूड़ियों की खनकार,
श्रद्धा, विश्वास से भरी सुहागन,
करे सोलह श्रृंगार ,
मिलता रहे सदा प्रियतम का
अटूट प्रेम - प्यार,
सुहागन का सुहाग बना रहे
बना रहे श्रृंगार,
गगन के चांद विनती सुन लो
कर दो अमर सुहागन संसार,
चाहे मानव चांद पर पहुंचे
करवा चौथ सुहागन संचार,
आस्था की बात है यह
देखते जाओ चमत्कार,
विश्वास की डोर है पक्की
करवा चौथ सुहागन अधिकार।

रतन टाटा की स्मृति में

जे गंगाधर 'गंध'
जियागुडा,हैदराबाद

पद्मविभूषण विभूषित
रतन जी नवल टाटा है
रतन टाटा के नाम से सुशोभित।
व्यापार-वाणिज्य क्षेत्र में,
भारत का नाम और काम दुनिया में,
प्रामाणिकता की आन बान चमकाया।
टाटा माने सुदृढ़ता और सुंदरता,
टाटा माने देश के प्रति विश्वसनीयता,
टाटा माने समाज के प्रति
समर्पणता, टाटा माने कर्तव्य के प्रति कर्मठता ।
भारत यानी टाटा, टाटा माने भारतीयता,
भारतीयता माने आत्मीयता मानवता,
सूई से लेकर रैल इंजन तक में उत्पादकता,
विशेष ही नहीं कौशल विकास में निपुणता।
निखरती है भारत का परचम लहराती है,
कर्मचारियों के प्रति पहचान
प्रतिष्ठित करवाती है,
गुणवत्ता मानकता के नामकरण को
प्रदर्शित करवाती है,
यांत्रिक तकनीक सांकेतिक हर क्षेत्र में
टाटा कंपनी छायी रहती है।
कराल कोरोना काल में सबसे अधिक दान दिया,
कोटि कोटि हृदयों में अपने आप को बसालिया,
अविवाहित अविश्राम अविरल आपने कर्म किया,
निरंतर निष्ठावान नियोजन में अपने आप को
निमग्न किया।
हे तपस्वी, हो यशस्वी है तेजस्वी रतन टाटा
श्रद्धा सुमन अर्पित करती है
भारत की जनता,
आर्त हृदयों से नमन करती है
अविस्मरणीय ममता,
जब तक प्रमाणिकता की बात होती हो
प्रकाशित होगी भारतीयता।
यही भावभीनी श्रद्धांजलि है,
यही अश्रुनयन अक्षरांजलि है ।।

खुशी बेहतर जानती है...

दर्शन सिंह
हैदराबाद

यह भी मेरा, वह भी मेरा, जो दिखे सब मेरा
आखिर सात पीढियां,कुछ तो चाहिए वदेरा
भले साम दाम दण्ड भेद का इस्तेमाल...
छोड़ो कल की, मुट्ठी में कैद कर लूं सवेरा
भोर हुई,शांत हो गया,
मिट्टी थी मिट्टी में रूल जाती है
खुशी बेहतर जानती है
कि खुशी क्या होती है
जेडे बेफिक्रे लगदे आदमी
ओइयो मैंनु लगदे अमीर आदमी
शाहां नालो खुश ने मलंग दोस्तो
कदी खुशहाल कदी तंग दोस्तो
गुडे फिके रंग दोस्तो
करें चिंतन तो जिंदगी सुख चैन की होती है
खुशी बेहतर जानती है...
छड़ मालिक ते डोरा , बहुता सोची ना
लोड जिना ही मांग लै , वादु लौची ना
औखा सोखा वक्त गुजर जांदा ऐ
अरज करी कि बिल्कुल फटी पोची ना
सोचो,नहीं सोचा तो अब तो भी सोचो
अन्यथा जीवित श्वासें मजार बन जाती है
खुशी बेहतर जानती है...
रौनक मेले मुक जांदे ने, साह जिस वेले रुक जांदे ने
जो कहते थे जान से पियारा, लोड पवे लुक जांदे ने
बीज के जे न राखी रखिए, तोता फासल टुक जांदे ने
मोढे चौड़े न रख बंदिया, पिछली उम्र झुक जांदे ने
झूक जा, विनम्र रहे तो किनारे लग जाते हैं
अन्यथा आंधी तुफानों के थपेडों से व्यथित हो जाती है
खुशी बेहतर जानती है....

मजबूरी

टी तारासिंह
हैदराबाद

रास्ते वही है सितारे वही है
बदले है मंज़िले बदले है चौराहे
आबादी बढ गई रास्ते छोटे पड रहे
इन्सान को सही राह नही मिल रही
सब बदल बदला सा जा रहा
मजबूरी मे रास्तो को लम्बा - चौडा कर रहे है
गाडियो को चलाना मुश्किल हो रहा है
देर से काम को,मंज़िल को पहुंच रहे है
ये शहरो की तरक्की है या अभिशाप
किसका कितना हो रहा है नुकसान !
इसका अनुमान लगाना मुश्किल है
सरकार को तो टैक्स बराबर जमा हो रहा है
मगर गरीबो तक इसका फायदा नही पहुंच रहा है
जिंदगी के सब रोज़मर्रा की चीजे मेहंगी हो रही
दोष सरकार का है या बिन मौसम बरसात का
आम इंसान ठीक से जी नही रहा है ।।

"बेजुबान"

हेमंत सुराना,
उदयपुर

जुबान होते हुए भी बेजुबान है,
सुना है उनके दिल भी हमारे समान है
आस लगते, महसूस करते,
हमसे बेहतर दूसरों को समझते
उनके जीवन पर हमारा नहीं अधिकार,
फ़िज़ा भी करने लगी चीत्कार
बेशक तुम हो समझदार,
करो ना कभी उन पर अत्याचार
अहिंसा से बड़ा कोई धर्म नहीं,
शहादत से बड़ा कोई कर्म नहीं
हिंसा का है ये तूफान,
खतरे में है ये बेजुबान
कुदरत का इंसाफ उनकी आजादी है,
ना करना कैद, इंसानियत अभी बाकी है
क्या सच में ये बेजुबान है,
क्या सच में ये लाचार है
बना है संसार जीवो और जगत के समूह पर,
इंसान, कुदरत के साथ खिलवाड़ ना कर,
इंसान, कुदरत के साथ खिलवाड़ ना कर ।

सही कदम उठाओ

वाईवी रत्नम

लक्ष्य चाहे जितना भी छोटा ही क्यों न हो
आक्रमण तो भयानक होना चाहिए
ऊँची मंजिलों को साधने चल पड़ो
तेरे नाम पर इतिहास लिखा जाएगा
लघु से गुरु बनने की क्षमता दी है रब ने
उनकी उम्मीदों को साकार क्या नहीं बनाओगे?
भीतर झाँककर देखो परखो अपना सामर्थ्य
कोई विकल्प मत रखो अपने संकल्प का
जनाब लक्ष्य इंसान को नहीं चुनता
इंसान लक्ष्य को चुनता है
मंज़िल पाने के रास्ते कहाँ होते हैं सरल
हर रास्ता उलझन में डाल देता है
किस्मत की शिकायत मत करो
मौका मिल रहा है सब को बराबर
कमज़ोर हैं जो नसीब को कोसते हैं
अक्लमंद जो ज़माने को बदल देते हैं
लक्ष्य पर जिनकी निगाहें अटल रहती हैं
भूख-प्यास और शोरगुल की परवाह नहीं होती
सही कदम उठाओ मंज़िल हासिल करने
वरना उम्र भर उसे ढूँढते रह जाओगे ।

मौत और जिन्दगी

मौत तो बेवजह ही बदनाम है वरना,
तकलीफ तो जिंदगी ही ज्यादा देती है।
मौत तो गले लगाती है,
दुःखों से आज़ाद कराती है,
फिर भी ना जाने क्यों,
मौत से जिंदगी ज्यादा भाती है।
मौत दिलाए छुटकारा तो,
जिंदगी हमेशा फंसाती है।
मौत है फूलों की शैय्या तो,
जिंदगी कांटों पे सुलाती है।
जीते जी ना पूछे कोई,
पर मौत सम्मान दिलाती है,
फिर भी ना जाने क्यों,
मौत से जिंदगी ही ज्यादा भाती है।
जिंदगी ही ज्यादा भाती है।

वर्षा अजय पालडीवाल, अकोला

अंतर्जाल

डॉ.प्रतिमा सिंह
हैदराबाद

मन अशांत दुविधा में दिग्भ्रमित,
विजय किसकी और किस पर पाऊं?
विजय अंतर्मन में छिपी असंख्य
विभीषिकाओं पर पाऊं।
असत्य वाणी पर, अपराधबोध के,
झंझावातों पर पाऊं।
निरंकुश प्रवृत्ति को बल देकर झूम जाऊं।
अस्वच्छ पर्यावरण को थोड़ा,
और मलीनता की जामा पहना आऊं।
लालच से लपलपाती जीभ को थोड़ा,
और बढ़ा देने की खुशी पर इतराऊं।
अमानवीयता की हद पार कर मुस्कुराऊं,
पर पीड़ा देखकर हर्षित मैं हो जाऊं।
मन भ्रमित अशांत बड़ा है विजय किस पर मैं पाऊं ।
संयम की तो बात करूं क्या ?
बात-बात पर बिना बात के,
घात प्रतिघात कर जाऊं और असहिष्णु कहलाऊं।
साफ स्वच्छ अबोध बालक क्या फिर से मैं बन पाऊं ?
फिर से मैं बन पाऊं ?
विजय किस पर पाऊं।

पत्थरों में भी राह बना लेते हैं लोग

संजीव ठाकुर,
रायपुर

तेरे नाम से नाम मिला लेते है लोग,
कैसी बेमेल जोड़ी बना लेते है लोग।
धूप है रोशनी है ज़माने में यहाँ,
नकली चेहरा छुपा लेते है लोग।
कांटों में चला था इसी विश्वास से,
पत्थर में राह बना लेते हैं लोग।
कोयले सी कालिख जिन दिलों में
चेहरे पर सफेदी लगा लेते है लोग।
आज यहां उजाला है सूरज का,
म्लान मनसूबे छुपा लेते है लोग।
उन्हें पहचानना मुश्किल है संजीव,
चेहरों पर चेहरा लगा लेते हैं लोग।

मैं निर्झरिणी,मैं हरिणी

कुमुद बाला,
हैदराबाद

लक्ष्यभेद,अंकित कर पदचिह्न,
आगे ही बढ़ती मैं निर्झरिणी,
कुलाँचे मारती , दीप सजाती,
संस्कृति बतियाती मैं हरिणी।
मैं निर्झरिणी,मैं हरिणी।।
चंचल,चपला,तीव्रा ,
शीघ्रा, शिवधारिणी, मैं पवित्र गंगा
लेकर जगत की पाप पोटली,सागर से मिलती जा बंगा
जल को गंदा कहने वाले , तू ऊपर से नीचे तक गंदा
पापहारिणी,पापमोचनी मुझको कह , करता गंदा धंधा
यमुना की सहेली पाप न लेती,धारा उद्धरिणी, वैतरिणी,
लक्ष्यभेद,अंकित कर पदचिह्न,आगे बढ़ती मैं निर्झरिणी।
सिंधु,चेनाब,सतलुज की सखी मैं नदिया कृष्णा,कावेरी
नर्मदा के जल में शंकर व गंडकी ने शालिग्राम उकेरी
ब्रह्मपुत्र संग बिहु सोहता व तीरे गोमती अयोध्या नगरी
भाषा -संस्कृति का शंखनाद कर,बाट जोहती गोदावरी
इंसानों ने बाँटे घाट-घाटियाँ ,नदियाँ सदियों से तरंगिणी,
लक्ष्यभेद,अंकित कर पदचिह्न,आगे बढ़ती मैं निर्झरिणी।
नदियों के मुहाने जाने , कितनी सभ्यताएँ थीं , हैं बसतीं
उन्नत सभ्यताओं संग जीवित , हमारी कहानियाँ हैं हँसतीं
विविध भाषाएँ,संस्कृति की खुशबू,जग को उप्लावित करतीं
धरोहर - विरासत की गूँज , मंदिरों की घंटियों संग गूंजती
आशीर्वाद ले मैया तुलसी का , हम नदियाँ जग तारिणी,
लक्ष्यभेद,अंकित कर पदचिह्न,आगे बढ़ती मैं निर्झरिणी।
मैं निर्झरिणी,मैं हरिणी।।

जीवन के सोलह श्रृंगार

डॉ शोभा भंडारी
हैदराबाद

ज्यूँ हिंदू संस्कृति के परिचायक,
दुल्हन के सोलह श्रृंगार,
मानव जीवन के अभिप्रेरक,
भी हैं मन के विविध श्रृंगार !
मांग - टीका, सिंदूर विराजित,
संयम का पाठ पढ़ाते हैं,
नाड़ीतंत्र - मस्तिष्क नियंत्रण,
ये दोनों सिखलाते हैं।
उन्नत भाल ज्यूँ बिंदिया साजे,
होते उससे संचालित,
एकाग्रता व तन्मयता से,
मन मुखरित हो जाते हैं !!
निराशा का कर विनाश,
सकारात्मकता प्रदान करता काजल,
नथ और कर्ण-आभूषण दोनों,
कष्टहर और स्वास्थ्यप्रद प्रांजल !!!
भावावेश-आवेग नियंत्रित करता,
है अतिशुभ मंगलसूत्र,
चूड़ी-अंगूठी-बाजूबंद- बिछिया,
है सक्रियता - प्रेरणा अभिभूत।
मेंहदी और गजरा मिल करते,
ऊर्जा का संचार, कमरबंद,
पायल हैं दोनों, संतुलन का आधार !!!
सूरज की स्वर्णिम आभा सा,
परिणीता का लाल जोड़ा,
आशा और विश्वास जगाता,
प्रतिदिन - प्रतिपल थोड़ा- थोड़ा !!!!

करवा चौथ

अपना सर्वस्व मैंने तुम्हें सौंप दिया है,
तुम्हारे लिए मैंने करवा चौथ का व्रत किया है।
तुम व्रत करती हो, पूरा दिन निर्जला,
कैसे खाऊं मैं, जब दिल हो तुमसे भला।
कहते हैं, स्त्रियां ये व्रत अपने पति के लिए रखती हैं,
उनकी लंबी उम्र की मंगल कामना करती हैं।
तो क्या ईश्वर ने सिर्फ महिलाओं को ही यह अधिकार दिया है?
मुझे यह गवारा नहीं, इसलिए प्रेम ने ये व्रत तुम्हारे लिए किया है।
जिस तरह तुम सबकी चिंता में रहती हो खोई,
वैसे ही तुम्हारी फिक्र में, मैं भी हूँ पूरी तरह से समर्पित।
जीवनभर चाहे मिले या न मिल पाए,
तुम्हारे एहसासों की खुशबू में खुद को बसना है।
तुम्हारे हृदय में जगह बनाने का,
मुझे अनमोल उपहार ईश्वर ने दिया है,
इसी खुशी में मैंने तुम्हारे लिए करवा चौथ का व्रत किया है।
बहुत कुछ कहना चाहता हूँ, पर शब्द नहीं मिलते,
जो मेरे दिल में है, उसे कहने की कोई पाठशाला नहीं।
हर वो लम्हा, जो प्रकृति ने तुम्हारी यादों में ढाला है,
उसे अपनी रूह से मैंने शब्दों में उतारा है।
व्रत के लिए बंधन जरूरी नहीं होता,
यह तो प्यार की एक डोर है, जो अनमोल होता है।
मैंने इस बंधन से परे तुम्हारे संग इस अनूठे एहसास को जिया है,
इसलिए प्रेम ने अपनी दिकु के लिए करवा चौथ का व्रत किया है।
प्रेम का इंतज़ार अपनी दिकु के लिए

प्रेम ठक्कर, सूरत, गुजरात

नाज़ करोगी

डॉ डी डी देसाई

बड़ी फुरसत से बैठा था आज...
अपने ही घर के आँगन में पैर पसारे।
मीठे आम के पेड़ की छाँव में..
गर्म हवा की लु परेशान कर रही थी।
माँ अपने मुरझाए हाथों से...
धान सूखा रही थी...।
असर कड़कड़ाती धूप का भी बेअसर था।
ओ बस मेहनत करती आ रही हैं।
आज नहीं.. कल नहीं...बल्कि सदियों से,
बिना हारे.. बिना थके.... निरंतर।
न तूफान कुछ बिगाड़ पाया,
न ही बरसातों में इनका हौसला टुटा।
दर्द के समंदर भी सुखाए हैं प्यास में,
पर तकलीफ का आँसू कभी न फूटा।
बच्चों से पहले कभी माँ को खाते नहीं देखा,
बीमारी में भी फुर्सत से बैठे नहीं देखा।
रात को हमसे पहले न सोते देखा,
न ही हमारे बाद कभी उठते देखा।
ज़ब भी माँगा भगवान से....
बच्चों की हँसी – ख़ुशी माँगी।
भरती रही मेरी झोली रतनों से जीवन भर,
खुद के लिए कभी दमड़ी भी नहीं माँगी।
क्या किया हैं मैंने...? माँ के लिए।
जिसने हाथों का झूला बना झूलाया मुझे,
कभी उसका हाथ हाथों में लिया नहीं।
मेरी बीमारी में सब हाकिम हारे...पर,
झाड फूँक.. टोने टोटके से माँ नहीं हारी।
एक हप्ते से माँ बीपी की गोली पूछ रही हैं,
और मैं उसकी गोली आज भी भूल आया हूँ।
शर्मिंदगी से नजरें झुकाए बैठा था...
अपराध भाव से मन उदास था।
सर पर हाथ रखते हुए माँ बोली..
क्या हुआ बेटा...? सब ठीक तो हैं?
मुझसे कुछ बोला न गया...
पलकों से आँसू बहने लगे...।
कस के माँ के गले लग गया।
अजीब सी ख़ुशी...अजीब सा सुकून माँ की गोद में,
मुद्दतों बाद आज फिर माँ का लाडला बना था।
सुना हैं माँ की चरणों में स्वर्ग होता हैं,
आज गोदी में जीवन का सार मिला हैं।
तुम साथ हो माँ.... यही बहुत हैं।
अब तुम एक नया सवेरा देखोगी...
कोसा भी होगा कभी खुद को मेरे लिए,
अब खुद ही मुझ पर नाज़ करोगी।

रिश्ते : सहेज लो-समेट लो

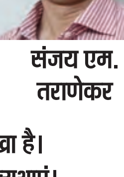

संजय एम.
तराणेकर

आज-कल के रिश्तों में बस यही बचा है।
ये मिक्चर, ये चिप्स और एक कप चाय।
अगर कहीं किसी जगह मिलीं है काफी,
फिर भी कहीं रह जाती सारी बातें बाकी।
और क्या? सब ठीक है, बाकी अच्छा है?
ये देखो यहीं पर राखी का धागा कच्चा है।
दिल में छुपाकर रखा है बाकी जो बचा है,
प्रेम, प्यार, स्नेह और आत्मीयता सब कुछ,
किसी गठरी में बांध के कहीं दूर ही रखा है।
बस, मत पूछो बेरोजगारों से उनकी व्यथाएं।
सुन लो सब हो जाएगा का राग और फाँग।
कैसे! कोई बता भी पाएगा, चुप हो जाएगा।
आज न जाने कैसी रंगत इन रिश्ते में आई है।
साथ में दस लोग बैठे हैं फिर भी ये तन्हाई है।
ढूंढ के लाओ उन रिश्तो को जो पूछा करते थे,
अरे बेटा, तुम्हें कोई और परेशानी तो नहीं है!
ये दुखती हुई रग अपनी है बेगानी तो नहीं है।
हमारे बुजुर्गों ने एक बड़ी अच्छी बात कही है।
ये अनूठे रिश्ते कोई राई का पहाड़ तो नहीं है।
अभी-भी इनको हाथों में सहेज लो-समेट लो।
इस प्यार को भर लो यह कोई व्यापार नहीं है।

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA. Publications. Ltd.
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

स्वतंत्र वार्ता साप्ताहिकी
हैदराबाद, निज़ामाबाद, विशाखापट्टणम

आतंकी के लिए भारत से दुश्मनी मोल ले रहा कनाडा

ट्रूडो के पिता भी इंदिरा से भिड़े थे; 42 साल से विलेन बना खालिस्तान

1980 का दशक। खालिस्तानी तलविंदर सिंह परमार का नाम पंजाब में दो पुलिस अधिकारियों की हत्या में सामने आया, जो कनाडा भाग चुका था। उस वक्त कनाडा के प्रधानमंत्री मौजूदा जस्टिन ट्रूडो के पिता पियरे ट्रूडो थे। इंदिरा गांधी ने पियरे ट्रूडो से कहा कि वो तलविंदर को भारत को सौंप दें। ट्रूडो ने साफ इनकार कर दिया। इस पर इंदिरा ने नाराजगी भी जताई।

3 साल बाद जून 1985 में कनाडा के मॉन्ट्रियल से एअर इंडिया के कनिष्क विमान ने उड़ान भरी। इसे लंदन होते हुए बॉम्बे (अब मुंबई) जाना था। रास्ते में ही इस विमान में ब्लास्ट हो गया। कुल 329 लोगों की मौत हुई, जिसमें 270 कनाडाई नागरिक भी शामिल थे। ये हमला खालिस्तानियों ने किया था और इसका मास्टरमाइंड था- तलविंदर सिंह परमार। वही तलविंदर जिसे कनाडा ने भारत को सौंपने से इनकार कर दिया था। एक आतंकी की वजह से एक बार फिर भारत-कनाडा के रिश्ते सबसे बुरे दौर में पहुंच गए हैं।

पंजाब के लिए अलग स्टेट की मांग पहली बार 1929 में की गई। 1947 में यह मांग आंदोलन में बदल गई। इसे नाम दिया गया पंजाबी सूबा आंदोलन। 1973 में आनंदपुर साहिब रेजोल्यूशन के जरिए स्वायत्त खालिस्तान की मांग की गई। 1980 के दशक में खालिस्तान के पक्ष में सिखों का समर्थन बढ़ने लगा। चूंकि सिख कनाडा, यूके, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका में भी बसे हुए थे, इसलिए इसकी चिनगारी वहां भी पहुंच गई।

26 जनवरी 1982 को सुरजन सिंह गिल ने कनाडा के वैंकूवर में खालिस्तान गवर्नमेंट इन एक्साइल यानी निर्वासित सरकार का ऑफिस खोला। गिल ने नीले खालिस्तानी पासपोर्ट के साथ ही कलरफुल करेंसी भी जारी की। हालांकि, उसे स्थानीय सिखों के बीच सीमित समर्थन मिला। सुरजन सिंह गिल का जन्म सिंगापुर में हुआ था और उसकी पढ़ाई भारत और इंग्लैंड में हुई थी। इसके बाद वो कनाडा चला गया था। 1980 के दशक में ही विदेशी जमीन पर बब्बर खालसा और वर्ल्ड सिख ऑर्गनाइजेशन जैसे कुछ अन्य खालिस्तानी संगठन भी बने।

19 नवंबर 1981 को पंजाब के लुधियाना में दो पुलिस वालों की हत्या का आरोप खालिस्तानी संगठन बब्बर खालसा के कनाडा प्रमुख तलविंदर सिंह परमार पर लगा। 1982 में भारत ने तलविंदर सिंह परमार के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया। तलविंदर उस वक्त कनाडा में रह रहा था। 26 फरवरी 1944 को पंजाब में कपूरथला के पंचाट में तलविंदर सिंह परमार का जन्म हुआ था। 1970 के दशक में तलविंदर भारत से कनाडा पहुंचा और जल्द ही खालिस्तानी आंदोलन का प्रमुख चेहरा बन गया।

1983 में जर्मन पुलिस ने पंजाब में दो पुलिस अफसरों की हत्या के मामले में तलविंदर को गिरफ्तार किया। हालांकि, लगभग एक साल के अंदर ही तलविंदर रिहा हो गया और कनाडा वापस आ गया।

जून 1984 में भारतीय सेना ने स्वर्ण मंदिर से खालिस्तानी उग्रवादियों को उखाड़ फेंकने के लिए ऑपरेशन ब्लूस्टार चलाया। इसके बाद प्रवासी भारतीयों के बीच खालिस्तान आंदोलन को बढ़ावा मिला। 1984 की गर्मियों में कनाडा के कैलगरी में 20 कनाडाई सिख एक गुरुद्वारे में एकत्र होते हैं। इसी दौरान बब्बर खालसा के टॉप आतंकी तलविंदर सिंह परमार ने भारत के खिलाफ युद्ध की घोषणा की।

बहरहाल, भारत के प्रत्यर्पण अनुरोध को ठुकराने से कनाडा को कुछ हासिल नहीं हुआ, बल्कि नुकसान ही हुआ। उन्होंने जिस आतंकवादी तलविंदर सिंह के प्रत्यर्पण से इनकार किया था, उसी ने 1985 में एअर इंडिया के कनिष्क विमान को टाइम बम से उड़ा दिया था। इसमें सवार सभी 329 लोगों की मौत हो गई थी। इनमें ज्यादातर कनाडाई नागरिक शामिल थे।

कनाडा में तलविंदर को भारत नहीं प्रत्यर्पित करने के लिए पियरे ट्रूडो की काफी आलोचना हुई। तलविंदर को कनाडा पुलिस ने पकड़ा, लेकिन कुछ ही दिनों में छोड़ दिया। इसके बाद वह पाकिस्तान चला गया। इस फैसले से कनाडा में खालिस्तानी आतंकियों के हौसले बुलंद हुए। उन्हें लगने लगा कि अब कोई उन पर हाथ नहीं डाल सकता।

90 का दशक आते-आते भारत में अलगाववाद का आंदोलन ठंडा पड़ चुका था। हालांकि, कनाडा में खालिस्तानी आतंकी फलते-फूलते रहे। कनाडा के टोरंटो में सांझ सवेरा नाम की पंजाबी भाषा में वीकली मैगजीन निकलती थी। अक्टूबर 2002 में इस मैगजीन के फ्रंट पेज पर एक तस्वीर छपी। इसमें इंदिरा गांधी की हत्या होते दिखाया गया था। नीचे लिखा था- 'पापियों की हत्या करने वाले शहीदों को नमन।'

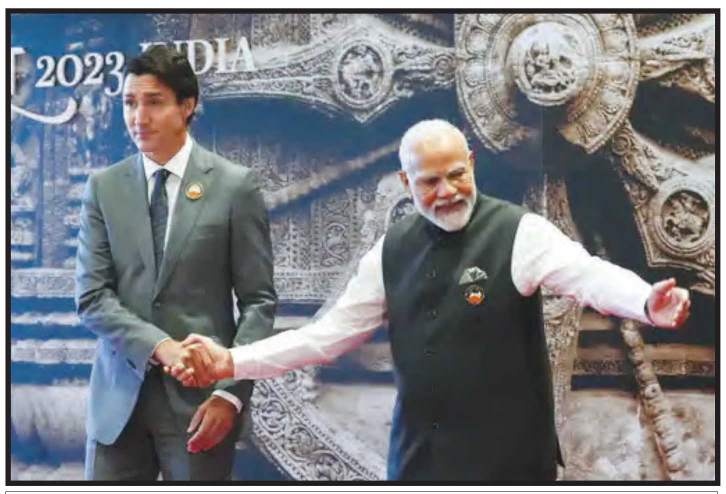

9 सितंबर 2023 को G20 समिट के दौरान कनाडा के प्रधानमंत्री से मिलते भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

एक मित्र राष्ट्र की प्रधानमंत्री की हत्या का महिमामंडन करने वाली मैगजीन को चेतावनी देने की बजाय कनाडा सरकार ने आने वाले सालों में सांझ सवेरा को सरकारी विज्ञापन देना शुरू कर दिया। सांझ सवेरा का संबंध वर्ल्ड सिख ऑर्गनाइजेशन यानी डब्ल्यूएसओ नाम के संगठन से था। डब्ल्यूएसओ खुद को सारी दुनिया के सिखों का रहनुमा मानता है। डब्ल्यूएसओ का हेडक्वार्टर कनाडा में है।

वर्ल्ड सिख ऑर्गनाइजेशन साल 2007 तक अपनी वेबसाइट में लिखता था कि उसकी स्थापना अमेरिका के मेडिसन स्क्वायर गार्डन में हुई थी। अजैब सिंह बागरी कनिष्क बम ब्लास्ट के आरोपियों में से एक था, लेकिन उसे सजा नहीं हुई। दरअसल, कनिष्क मामले में कनाडा सरकार ने ढिलाई बरती। साल 2000 में पुलिस ने दो लोगों को अरेस्ट किया। केस के दौरान एक गवाह की हत्या कर दी गई, जबकि एक को विटनेस प्रोटेक्शन में भेजना पड़ा।

अंत में दोनों लोग रिहा कर दिए गए। सिर्फ बम बनाने वाले इंदरजीत सिंह रेयात को 5 साल की सजा हुई। 2011 में रेयात को अदालत में झूठ बोलने के मामले में 9 साल की सजा और सुनाई गई।

साल 2006 में कंजर्वेटिव पार्टी के नेता स्टीफन हार्पर कनाडा के पीएम बने। इस दौरान भारत में मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री थे। इस दौरान भारत और कनाडा के बीच रिश्तों में सुधार होना शुरू हुआ। हालांकि, रिश्ते ज्यादा दिन तक ट्रैक पर नहीं रह सके, क्योंकि 2007 में एक घटना हो गई।

कनाडाई प्रांत ब्रिटिश कोलंबिया के सरे शहर में दशमेश गुरुद्वारे से वैशाखी के दिन एक परेड निकाली गई। कनाडा के पीएम स्टीफन हार्पर के प्रतिनिधि और विपक्षी पार्टी के प्रतिनिधि भी इस रैली में मौजूद थे। ब्रिटिश कोलंबिया सरकार के लीडर भी इस रैली में पहुंचे। उस दिन कनाडा में वो नजारा दिखा, जो इससे पहले कभी नहीं देखा गया था।

329 लोगों की हत्या के जिम्मेदार तलविंदर सिंह परमार की मालाओं से लदी तस्वीरें लहराई जा रही थीं। परमार का बेटा और दो प्रमुख खालिस्तानी नेता स्टेज पर कनाडा के नेताओं के साथ खड़े थे। रैली के बाद जब इस बाबत उनसे सवाल पूछा गया, तो किसी ने भी खालिस्तान या कनिष्क हमले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

2010 में भारत के प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह G20 देशों के सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए कनाडा गए। इस दौरान भारत और कनाडा के बीच सिविल न्यूक्लियर समझौता हुआ। ये दोनों देशों के रिश्तों में एक बड़ा मुकाम था। स्टीफन हार्पर 2006 से 2015 तक कनाडा के PM रहे। छिटपुट घटनाओं को छोड़ दिया जाए तो खालिस्तानी मुद्दे का दोनों देशों के रिश्तों पर ज्यादा असर नहीं पड़ा। नवंबर 2015 में लिबरल पार्टी के नेता जस्टिन ट्रूडो कनाडा के पीएम बनते हैं। वह 30 सदस्यों वाली कैबिनेट में 4 सिख को मंत्री बनाते हैं। साथ ही दावा करते हैं उनके मंत्रालय में मोदी से ज्यादा सिख हैं। हालांकि, इनमें सिख मंत्रियों में कई ऐसे लोग थे जो खालिस्तान से जुड़ाव रखते थे। इसी वजह से भारत और कनाडा के संबंध फिर से बेपटरी होने लगे।

2017 में पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने कनाडा के रक्षा मंत्री हरजीत सिंह सज्जन पर अलगाववादियों से मिले होने का आरोप लगाया। साथ ही उनसे मिलने से इनकार कर दिया। एक साल बाद 2018 में ट्रूडो भारत की यात्रा पर आए। एयरपोर्ट पर प्रधानमंत्री मोदी की जगह कृषि राज्य मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने उन्हें रिसीव किया। इस दौरे के दौरान ट्रूडो के खालिस्तान प्रेम का असर साफ तौर पर देखा गया।

इस दौरान ट्रूडो की तरफ से भारत को उकसाने वाला एक और काम किया गया। ट्रूडो के साथ डिनर के लिए 1986 में भारतीय कैबिनेट मंत्री की हत्या के प्रयास के दोषी जसपाल अटवाल को न्योता भेजा गया। भारत के विरोध जताने पर इसे रद्द कर दिया गया। जब सवाल उठे तो जस्टिन ट्रूडो ने निमंत्रण का दोष एक कनाडाई सांसद पर मढ़ दिया।

कनाडा सरकार ने दिसंबर 2018 में आतंकी हमले के खतरे से जुड़ी अपनी सालाना रिपोर्ट में पहली बार खालिस्तान आतंक का जिक्र किया। रिपोर्ट आते ही ट्रूडो और उनकी लिबरल पार्टी को धमकी मिली कि वो वैंकूवर में होने वाली सालाना वैशाखी रैली में शामिल नहीं हो पाएंगे।

एक साल बाद ही इस रिपोर्ट से खालिस्तान और सिख उग्रवाद का जिक्र हटाकर नए सिरे से पेश किया गया, उसके बाद ही ट्रूडो इस वैशाखी रैली में शामिल हो सके। इस फैसले की उस वक्त पंजाब के सीएम रहे अमरिंदर सिंह ने आलोचना की थी। साथ ही उन्होंने 2018 के ट्रूडो के दौरे के दौरान भारत में वॉन्टेड हरदीप सिंह निज्जर समेत कई आतंकियों की एक सूची भी उन्हें दी थी।

18 सितंबर 2022 को कनाडा के ओन्टारियो के ब्रैम्पटन में सिख फॉर जस्टिस के खालिस्तान समर्थक गुट ने 'खालिस्तान जनमत संग्रह' कराया। कनाडा के अधिकारियों ने इसे अभिव्यक्ति की आजादी बताया। ट्रूडो ने गुरु नानक देव की जयंती पर जारी ऑनलाइन संदेश में कहा था कि अगर वो भारत में चल रहे किसानों के प्रदर्शन को नोटिस नहीं करेंगे तो यह उनकी लापरवाही होगी।

ट्रूडो के बयान पर भारतीय विदेश मंत्रालय ने कड़ी आपत्ति जताई थी। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि कनाडा के प्रधानमंत्री का बयान गैर-जरूरी और एक लोकतांत्रिक देश के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने जैसा है।

चंपाई के बीजेपी में जाने से 14 सीटों पर असर

झारखंड में 13 नवंबर और 20 नवंबर को दो फेज में चुनाव होंगे। नतीजे 23 नवंबर 2024 को आएंगे। चुनाव से ठीक पहले हेमंत सोरेन के भरोसेमंद चंपाई सोरेन के बीजेपी में शामिल होने से मुकाबला दिलचस्प हो गया है। 2019 यानी झारखंड के पिछले विधानसभा चुनाव में जेएमएम, कांग्रेस और आरजेडी ने साथ मिलकर चुनाव लड़ा था। 30 सीटों के साथ जेएमएम सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी और गठबंधन के साथ सरकार बनाई। 4 साल सब कुछ ठीक रहा, लेकिन आखिरी साल काफी उठा-पटक मची।

31 जनवरी 2024 को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित भूमि घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से करीब 7 घंटे पूछताछ की। इसके बाद सोरेन को राजभवन ले जाया गया, जहां उन्होंने राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को अपना इस्तीफा सौंप दिया। इस्तीफे के बाद ईडी ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। सत्ताधारी झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के नेतृत्व वाले गठबंधन ने नए मुख्यमंत्री के रूप में जेएमएम के वरिष्ठ नेता चंपाई सोरेन का नाम प्रस्तावित किया। सत्ताधारी दल ने कुल 47 विधायकों के समर्थन का पत्र राज्यपाल को सौंपा। राज्य में सरकार बनाने के लिए 81 सदस्यों की विधानसभा में 41 विधायकों का समर्थन चाहिए। 2 फरवरी 2024 को चंपाई सोरेन ने सीएम पद की शपथ ली।

हेमंत सोरेन जमानत मिलने के बाद 28 जून को रांची की बिरसा मुंडा जेल से बाहर आ गए। हेमंत की पत्नी कल्पना सोरेन भी उन्हें लेने के लिए जेल पहुंची थीं। जेल से निकलने के बाद हेमंत सोरेन ने कहा कि मुझे झूठे आरोपों में 5 महीने जेल के अंदर रखा गया। जेल से छूटने के 145 घंटे बाद ही उन्होंने दोबारा झारखंड के मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली। झारखंड में महज 4 महीने बाद चुनाव होने थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक चंपाई सोरेन इस्तीफा नहीं देना चाहते थे। सीएम पद से हटाए जाने के बाद चंपाई सोरेन ने बीजेपी का दामन थाम लिया। चंपाई संथाल जनजाति से आते हैं। इस समुदाय के साथ अन्य आदिवासी जातियों पर भी उनकी तगड़ी पकड़ है। वो आदिवासी बहुल कोल्हान के बड़े नेता है। उन्हें 'कोल्हान टाइगर' भी कहा जाता है।

इस इलाके में कुल 14 विधानसभा सीटें हैं। 2019 के चुनाव में जेएमएम ने यहां 11 सीटों पर जीत हासिल की थी। दो सीट कांग्रेस और एक निर्दलीय को मिली थी। अब मुकाबला रोचक होगा, क्योंकि चंपाई सोरेन बीजेपी के साथ हैं। कोल्हन में चंपाई सोरेन जेएमएम के बूते पहले राजनीति करते थे। कुछ महीने पहले ही उन्होंने बीजेपी का दामन थामा है। भले ही चंपाई बीजेपी की मानसिकता को अपना चुके हैं, लेकिन वोटर ऐसा नहीं होता है। वो अचानक फैसला नहीं बदलता। उसे बदलने में समय लगता है।

शिबू सोरेन आदिवासियों के बड़े नेता हैं। ऐसे में वे अगर एक अपील कर देंगे तो बीजेपी का दांव उल्टा भी पड़ सकता है। लोकसभा चुनाव में भी बीजेपी को आदिवासी वोट नहीं मिला है। इस कारण झारखंड विधानसभा चुनाव में भी संशय बरकरार रहेगा कि आदिवासी बीजेपी की तरफ झुकता है या नहीं।

हरियाणा में चुनाव हारने का इंडिया गठबंधन पर असर पड़ा है। सबसे ज्यादा दबाव में कांग्रेस है। रिपोर्ट्स के मुताबिक हेमंत सोरेन ने साफ कर दिया है कि वो 49 सीटों पर चुनाव लड़ना चाहते हैं। बची 32 सीटों पर कांग्रेस, आरजेडी व अन्य सहयोगी पार्टियों को कॉम्प्रोमाइज करना पड़ेगा। पिछले चुनाव में कांग्रेस अकेले 31 सीटों पर लड़ी थी। उसे 16 सीटों पर जीत मिली थी। आरजेडी 7 सीटों पर लड़ी थी, लेकिन उसे 1 ही सीट पर जीत मिली थी। अगर सीट बंटवारे पर समझौता नहीं हुआ तो हो सकता है जेएमएम अकेले भी चुनाव लड़ ले।

हरियाणा की हार के बाद कांग्रेस को इतनी सीटें नहीं मिलेंगी। अगर इंडिया गठबंधन में जेएमएम को बनाए रखना है तो कांग्रेस को हेमंत सोरेन की बात माननी पड़ेगी। अगर कांग्रेस नहीं मानती है तो उसे ही नुकसान उठाना पड़ेगा, जैसे उसे हरियाणा में उठाना पड़ा है।

हेमंत सोरेन के भाई दुर्गा सोरेन की मौत के बाद उनकी पत्नी सीता सोरेन बीजेपी में शामिल हो गईं। वह 2024 में दुमका से बीजेपी की टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़ी थीं।

हालांकि, इस चुनाव में सीता सोरेन हार गई थी। सीता के अलावा सीनियर नेता चंपई सोरेन भी पार्टी छोड़कर बीजेपी में शामिल हो गए हैं। हेमंत सोरेन के जेल से बाहर आने के बाद झारखंड में पहली बार विधानसभा चुनाव हो रहा है। ऐसे में ये चुनाव तय करेगा कि हेमंत के भ्रष्टाचार मामले में फंसने और जेल जाने से उनकी पार्टी को कितना फायदा या नुकसान हुआ है।

इस बार बीजेपी के दो कद्दावर नेता रघुवर दास और अर्जुन मुंडा चुनावी मैदान से लगभग बाहर हैं। पार्टी बाबूलाल मरांडी के नेतृत्व में चुनाव लड़ रही है। ऐसे में यह चुनाव राज्य के पहले सीएम रहे बाबूलाल मरांडी अब भी लोकप्रिय हैं या नहीं इस बात को भी परखेगा।

रघुवर दास को जमशेदपुर सिटी विधानसभा सीट से हराने वाले बीजेपी के पूर्व नेता सरयू राय इस बार नीतीश कुमार की पार्टी जदयू के साथ मिलकर झारखंड में चुनाव लड़ रहे हैं। झारखंड के पूर्व मंत्री गोपाल कृष्ण पातर उर्फ राजा पीटर भी सितंबर महीने में ही जनता दल (यूनाइटेड) में शामिल हुए हैं। 2009 में पीटर ने शिबू सोरेन को तमाड़ विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में हरा दिया था।

राष्ट्रीय पार्टियों के दबदबे से घबराहट में क्षेत्रीय दल !

अशोक भाटिया

इस वर्ष 2024 में हुए केंद्र व राज्यों के चुनावों में देखने लायक सबसे बड़ी बात यह है कि मतदाताओं ने क्षेत्रीय दलों की अपेक्षा राष्ट्रीय पार्टियों को वोट देना उचित समझा । हालिया रिजल्ट देख कर क्षेत्रीय दलों में घबराहट है और खास कर उन दलों में जो एक विशेष जाति या समुदाय के भरोसे राजनीति करते है ।

जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस के गठबंधन भारतीय जनता पार्टी पर भारी पड़ा पर भले ही सरकार नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस के गठबंधन कि बनी पर भारतीय जनता पार्टी का वोट प्रतिशत 25.64% रहा, जो नेशनल कॉन्फ्रेंस से अधिक रहा । दूसरे दलों की बात करें तो वे दूर – दूर तक दिखाई नहीं दिए । नेशनल कॉन्फ्रेंस- 42 बीजेपी-29 कांग्रेस-6 पीडीपी-3 मार्क्सवादी म्युनिस्ट पार्टी (सीपीएम)- 1 जम्मू और कश्मीर पीपुल कॉन्फ्रेंस (जेपीसी)-1 आम आदमी पार्टी-1 स्वतंत्र उम्मीदवार- 7 यानी वर्चस्व बड़े दलों का रहा ।

यदि हरियाणा के चुनाव को देखा जाय तो वहां सीधी लड़ाई कांग्रेस व भाजपा में रही , और आंकड़े देखे तो कांग्रेस ने सीपीएम के साथ मिलकर 90 सीटों पर चुनाव लड़ा और एक सीट सीपीएम को दी. वहीं भाजपा ने 89 सीटों पर चुनाव लड़ा. दुष्यंत चौटाला की जेजेपी ने चंद्रशेखर आजाद की एएसपीकेआर के साथ मिलकर कुल 78 सीटों पर चुनाव लड़ा. जेजेपी 66 सीटों पर लड़ी तो एएसपीकेआर 12 सीटों पर. वहीं अभय चौटाला की आईएनएलडी और बसपा ने कुल 86 सीटों पर चुनाव लड़ा. इसमें आईएनएलडी 51 सीटों पर तो बसपा 35 सीटों पर चुनाव लड़ी. अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी तो सभी 90 सीटों पर चुनाव लड़ी.भाजपा को 48 सीट व कांग्रेस को 37 सीट, इंडियन नेशनल लोक दल- 2 निर्दलीय- 3।

गौरतलब है कि केंद्र और राज्यों में जिस हिसाब से भाजपा और कांग्रेस का दबदबा बढ़ता जा रहा है। इसे छोटी पार्टियों के लिए खतरे की घंटी के तौर पर देखा जा रहा है। 2024 का लोकसभा चुनाव छोटी पार्टियों के लिए अस्तित्व को बचाने की लड़ाई रही । कभी यही छोटे दल केंद्र और राज्य में किंगमेकर की भूमिका निभाते थे, लेकिन आज इनका दबदबा अपने ही क्षेत्र कम होता जा रहा है। इसके पीछे की बड़ी वजह कांग्रेस और भाजपा के बीच सीधी टक्कर है। 2014 के लोकसभा चुनाव के बाद से ही छोटी पार्टियां का दखल केंद्र और राज्यों से धीरे-धीरे खत्म होता जा रहा है, जिन राज्यों में भाजपा और कांग्रेस का स्ट्राइक रेट हाई है, वहां पर तो छोटी पार्टियों का वजूद भी खतरे में है। कर्नाटक और अब तेलंगाना विधानसभा चुनाव की ही बात करें तो दोनों ही राज्यों में क्षेत्रीय दल का सफाया कांग्रेस ने कर दिया। मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ चुनाव में भी क्षेत्रीय दलों का पूरी तरह से मतदाताओं ने इग्नोर कर दिया है। इसीलिए छत्तीसगढ़ में अजीत जोगी की पार्टी का खाता नहीं खुला तो मध्य प्रदेश में सपा, आम आदमी पार्टी सहित बसपा खाता नहीं खोल सकी। इसी तरह राजस्थान में भी क्षेत्रीय पार्टियों का सियासी हश्र रहा।

मध्यप्रदेश में आप को 0 .54 फीसदी ,बीएसपी को 3.40 ,जेडीयू को 0.02 और समाजवादी पार्टी को 0.46 फीसदी वोट मिले । छत्तीसगढ़ में आप को 0.93 फीसदी , बीएसपी को 2 .05 फीसदी वोट मिले ।राजस्थान में हालाँकि इंडियन नेशनल लोकदल ने 1 और भारत आदिवासी पार्टी ने 3 सीटें जीती । बीएसपी को 2 सीटें मिली ।लेकिन यहाँ भी मुख्य मुकाबला 2 राष्ट्रीय दलों के बीच रहा ।

ध्यान देने योग्य यह बात है कि मध्यप्रदेश में आप पार्टी ने 70 से ज्यादा उम्मीदवार खड़े किये थे और समाजवादी पार्टी वहां 46 सीटों पर लड़ीं थी । कहा जा रहा है कि करीबी लड़ाई वाली कई सीटों पर समाजवादी पार्टी ने हर जीत से ज्यादा वोट पाए । एसपी,समाजवादी और आप पार्टी जैसे दलों के चुनाव मैदान में उतरने से जिस जाति के मतदाताओं के दम पर ये चुनाव लड़ रहे थे उनके वोट बिखर गए और उसका सीधा फायदा भाजपा को मिला । अब बात करें तेलंगाना की कांग्रेस को छत्तीसगढ़ और राजस्थान अपने दो राज्यों की सत्ता गंवानी पड़ी है, लेकिन तेलंगाना की सियासी बाजी अपने नाम कर ली है। कर्नाटक के बाद तेलंगाना में कांग्रेस 119 सीटें में से 64 सीटें जीकर दक्षिण भारत के एक और राज्य में पूर्ण बहुमत की सरकार बना ली है। तेलंगाना में मिली कांग्रेस की जीत और बीआरएस की हार का सियासी प्रभाव सिर्फ दक्षिण की सियासत तक ही सीमित नहीं बल्कि क्षेत्रीय की राजनीति पर भी पड़ेगा।

तेलंगाना में बीआरएस को असदुद्दीन ओवैसी का साथ भी नहीं बचा सका और केसीआर सत्ता की हैट्रिक लगाने से चूक गए। ओवैसी भले ही सात सीटें अपनी बचाने में कामयाब रहे, लेकिन केसीआर की सत्ता नहीं बचा पाए। कर्नाटक के बाद अब तेलंगाना के नतीजे बताते हैं कि मुसलमानों का भरोसा क्षेत्रीय दलों से उठ रहा है और कांग्रेस की तरफ उनका झुकाव तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे सोचने वाली बात यह है कि तेलंगाना में कांग्रेस की जीत क्या अखिलेश यादव के लिए बुरी खबर है? देखा जाय तो मुस्लिमों का वोटिंग पैटर्न तेजी से बदल रहा है। पहले दिल्ली के एमसीडी चुनाव में मुसमलानों ने आम आदमी पार्टी से मूंह मोड़ा और कांग्रेस के पक्ष में वोट किया। मुसलमान यह बात अच्छे से जानते हुए कि मुकाबला भाजपा और आम आदमी पार्टी के बीच है और कांग्रेस चुनावी लड़ाई में नहीं है। मुस्लिमों का कांग्रेस के पक्ष में वोटिंग करना सियासी बदलाव के तौर पर देखा गया। दिल्ली के बाद कर्नाटक के चुनाव में मुसमलानों ने एकमुश्त वोट कांग्रेस के पक्ष में किया और जेडीएस को पूरी तरह से दरकिनार कर दिया था। जेडीएस ने 23 मुस्लिम कैंडिडेट उतारे थे, लेकिन मुस्लिम इन सीटों पर कांग्रेस के हिंदू कैंडिडेट के पक्ष में वोटिंग किया था। एचडी देवगौड़ा के मजबूत गढ़ पुराने मैसूर क्षेत्र में मुस्लिम मतदाताओं को जेडीएस का कोर वोटबैंक माना जाता था, जहां पर 14 फीसदी मुस्लिम हैं। इस बार के चुनाव में मुस्लिम मतदाता जेडीएस को दरकिनार कर कांग्रेस पार्टी के पक्ष में एकजुट हो गए थे। वहीं, अब मुस्लिमों ने तेलंगाना चुनाव में ओवैसी की पार्टी को पुराने हैदराबाद के इलाके की सीटों पर वोट किया, लेकिन तेलंगाना के बाकी इलाके में कांग्रेस के साथ रहे।

देश भर के मुस्लिमों की रहनुमाई का दावा करने वाले असदुद्दीन ओवैसी का गृह राज्य तेलंगाना है। ओवैसी ने तेलंगाना में केसीआर का खुलकर समर्थन किया था। मुस्लिमों ने हैदराबाद में उनकी परंपरागत सात सीटों पर भरोसा जताया, लेकिन बाकी हिस्से में उनका जादू मुस्लिमों पर नहीं चला। ओवैसी के सहारे मुस्लिम वोटों की पूरी तरह से मिलने की आस अधूरी रह गई है। मुस्लिम ने बीआरएस का साथ छोड़कर कांग्रेस के पक्ष में वोट किया जबकि सीएम केसीआर ने सत्ता में रहते हुए मुस्लिमों के लिए बहुत सारे काम किए थे। इसके बावजूद मुसलमानों ने बीआरएस के बजाय कांग्रेस को वोट किया।

केसीआर ने अलग से आईटी-पार्क, शादी मुबारक जैसी योजना के बाद मुस्लिमों ने राष्ट्रीय राजनीति में कांग्रेस को मजबूत करने के लिए उसी तरह से किनारे कर दिया, जिस तरह से कर्नाटक में जेडीएस को किया था। मुसलमानों का वोट एकतरफा कांग्रेस को मिला, क्योंकि उन्हें लग रहा है कि राष्ट्रीय राजनीति में भाजपा से मुकाबला करने में क्षेत्रीय दल से ज्यादा कांग्रेस सक्षम होगी। इसलिए कांग्रेस को मजबूत करने की मंशा से वोट कर रहा है। कांग्रेस ने तेलंगाना में बीआरएस को भाजपा की बी-टीम होने का आरोप लगाती रही, जिसके चलते मुस्लिमों को लगा है कि बीआरएस चुनाव के बाद भाजपा के साथ गठबंधन कर सकती है। इसी तरह कांग्रेस ने कर्नाटक में जेडीएस को भाजपा की बी-टीम बताकर मुस्लिमों को बीच उसे कठघरे में खड़ा कर दिया था। अरविंद केजरीवाल पर भी कांग्रेस ऐसे ही सवाल खड़े करती रही है और उन्हें भाजपा की बी-टीम बताती रही। यह रणनीति कांग्रेस को फायदेमंद नजर आ रही है और मुस्लिमों का क्षेत्रीय दलों से मोहभंग हो रहा है।

राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' के बाद कांग्रेस मुस्लिम समुदाय का भरोसा जीतने में लगातार कामयाब होती दिख रही है। लोकसभा चुनाव 2024 को देखते हुए कांग्रेस पार्टी के लिए तेलंगाना की जीत अच्छी खबर है, लेकिन सपा को टेंशन दे दी है। 2022 विधानसभा चुनावों को देखें तो उत्तरप्रदेश में मुसलमानों का एकमुश्त वोट सपा को मिला था। इसी तरह से बिहार में आरजेडी और पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी पर भरोसा जताया था। मुस्लिम मतों के बदौलत ही सपा से लेकर आरजेडी और ममता तक सभी क्षेत्रीय दल सत्तासुख भोग रहे हैं। हालांकि, अब अगर मुसलमानों ने कांग्रेस में वापसी कर ली तो इन क्षेत्रीय दलों की हालत पतली हो जाएगी। अब कांग्रेस की नजर उत्तर प्रदेश पर है और मुस्लिम वोटर्स पर सपा का फिलहाल कब्जा है। कांग्रेस मुस्लिमों का विश्वास जीतने के लिए हरसंभव दांव चल रही है।

ऐसे में महिलाएं करवा चौथ का व्रत कैसे शुरू करें

पंचांग के अनुसार कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि 20 अक्तूबर दिन रविवार को सुबह 6 बजकर 46 मिनट पर शुरू होगी और 21 अक्तूबर दिन सोमवार को तड़के सुबह 4 बजकर 16 मिनट पर समाप्त होगी। करवा चौथ के दिन पूजा के लिए शुभ मुहूर्त 20 अक्तूबर 2024 की शाम 5 बजकर 46 मिनट से शुरू होगा। ये मुहूर्त शाम 7 बजकर 02 मिनट तक रहेगा। इस दौरान विधि विधान से करवा माता की पूजा की जा सकती हैं।

चंद्रदर्शन का समय

करवा चौथ के उपवास में चांद की अहम भूमिका होती हैं, क्योंकि बिना इसके उपवास अधूरा होता है। पंचांग के अनुसार इस वर्ष करवा चौथ पर चांद निकलने का समय शाम 7 बजकर 44 मिनट का है। ऐसे में आप 7 बजकर 53 मिनट के बाद चंद्रमा की पूजा कर व्रत का पारण कर सकते हैं।

भद्रा का समय

इस साल 2024 में करवा चौथ के दिन भद्रा का साया रहेगा। यह भद्रा दिन में केवल 21 मिनट के लिए ही रहेगी, जिसका वास स्थान स्वर्ग है। ज्योतिष गणना के अनुसार, करवा चौथ पर भद्रा का साया सुबह 06 बजकर 25 मिनट से लेकर सुबह 06 बजकर 46 मिनट तक रहेगा, लेकिन यह व्रत के शुरुआत में ही है। इसलिए करवा चौथ व्रत पर भद्रा का अधिक प्रभाव नहीं पड़ेगा।

इन नामों का ध्यान कर शुरू करें व्रत

अगर किसी को भद्रा का डर सता रहा है तो वह इस दिन माता के 12 नामों को लेने के बाद ही करवा चौथ व्रत की शुरुआत करें। ऐसा करने पर भद्रा की आंच पति पर नहीं पड़ेगी। इस साल करवा चौथ का व्रत रखने वाली सभी सुहागिन महिलाओं को इन 12 नामों को लेकर ही व्रत की शुरुआत करनी चाहिए। इसमें धन्या, महारुद्रा, कुलपुत्रिका, दधीमुखी, खरानना, भैरवी, महाकाली, असुरक्षयकाली, भद्र, महामारी, विष्टि, कालरात्रि नाम शामिल है।

करवा चौथ पर भद्रा का साया, ऐसे शुरू करें व्रत, जीवन में बनी रहेगी खुशहाली!

इस दिन सुहागिन महिलाएं पति की लंबी आयु और सेहत की कामना करने के लिए निर्जला व्रत रखती है। यह पर्व रिश्तों को मजबूती प्रदान करने वाली वह डोर है, जो बांधे रखती है दो अलग-अलग लोगों को, एक-दो नहीं बल्कि सात जन्मों तक। साल-दर-साल गुजरने के साथ ही प्रेम और समर्पण का यह रिश्ता ऐसा हो जाता है कि बिना एक-दूजे से कुछ कहे समझ जाता है दिल के कोने में छिपी छोटी-से-छोटी बात को भी। यूं तो हर साल ही यह पर्व आता है मगर हर बार इसका इंतजार कुछ अलग ही होता है। वर्षभर की चार बड़ी चौथों में यह सबसे बड़ी मानी जाती है। इस व्रत पर्व की यही बड़ी खासियत है कि हरतालिका, गणगौर, तीज आदि सुहाग व्रतों में सिर्फ इसी व्रत में चंद्रमा को अर्घ्य दिया जाता है और पूजन किया जाता है। चांद निकलने का समय 20 अक्टूबर को रात 07 बजकर 54 मिनट पर बताया जा रहा है। हालांकि, देश के अलग-अलग राज्यों और शहरों में चांद दिखने का समय इससे थोड़ा अलग हो सकता है। अपने शहर के हिसाब से चांद निकलने का सही समय एक बार जरूर देख लें।

करवा व्रत की शुरुआत हमेशा सरगी खाने से होती है, जो सूर्योदय से करीब दो घंटे पहले खाई जाती है। इस दौरान करवा माता, भगवान गणेश और चंद्रमा की विधिपूर्वक पूजा की जाती है। खास यह है कि इस साल करवा चौथ पर भी भद्रा का साया रहेगा। ज्योतिष शास्त्र में भद्रा को शुभ माना गया है। कहा जाता है कि भद्रा शुभ कार्यों में बाधा उत्पन्न करती है। इस वर्ष करवा चौथ पर 20 अक्तूबर को 21 मिनट तक भद्रा का साया रहेगा। करवा चौथ के दिन पूजा का शुभ समय 20 अक्तूबर को शाम 5:46 बजे से शुरू हो रहा है। यह शुभ मुहूर्त 19:02 तक रहेगी। करवा चौथ के दिन भद्रा सुबह 06:24 से 06:46 तक रहती है। करवा चौथ व्रत की शुरुआत भद्रा काल शुरू होने से पूर्व ही हो जाएगी। ऐसे में व्रती सूर्योदय से पहले स्नान कर सरगी ग्रहण कर लें और व्रत का संकल्प ले लें।

करवा चौथ के दिन अब पत्नी ही नहीं पति भी व्रत करते हैं। शायद यही परंपरा का विस्तार है। करवा चौथ को अब सफल और खुशहाल दाम्पत्य की कामना के लिए किया जाता है। करवा चौथ अब केवल लोक परंपरा नहीं रह गयी है। पौराणिक दृष्टिकोण से देखें तो ब्रह्म विवर्त पुराण में मूल ग्रंथ के अंतर्गत आने वाली पति पत्नी के संबंध को शुभ तथा प्रबल ब्यावहारिक बनाने के लिए चंद्र का पूजन मान्य है। क्योंकि चंद्रमा ही मन का कारक होता है। चंद्रमा मन के साथ-साथ विचारों की गति को भी देने में सहयोग प्रदान करता है। यजुर्वेद में भी चंद्रमा को मन का कारक तथा सूर्य को आत्मा का कारक बताया गया है। इस दृष्टिकोण से वेद तथा पुराण धरती पर पति-पत्नी के सुगठित संबंधों जिसमें प्रेम, त्याग, तपस्या, समर्पण एवं एक दूसरे के प्रति विशेष ध्यान देने की और दिए गए भाव को दर्शाता है। पुराणों में भी पत्नी मन है और पति आत्मा। यह जीवन को जीने की एक निश्चित आयाम प्रदान करता है। शरद ऋतु के प्रभाव एवं चंद्रमा की उपस्थिति का विशेष प्रभाव संबंधों पर पड़ता है। यह संबंधों में विशेष प्रकार का समर्पण एवं प्रेम को दर्शाता है। करवा चौथ के चंद्रमा की कला धर्म आध्यात्मिक के दृष्टिकोण से भी विशेष बल प्रदान करती है।मन की एकाग्रता, चंद्रमा से पति की दीर्घायु एवं पारिवारिक सुख शांति के लिए सुदृढ़ रहती है। साथ ही यह कला मांगे गए वचन से विश्वास करती है, जो वर्ष पर्यंत बना रहता है। यही कारण है कि इस समर्पण में पति पत्नी के संबंधों पर सकारात्मक प्रभाव आता है। इसके साथ ही प्रेम तथा त्याग की भावना भी उजागर होती है। ह्यूमन साइंस और अन्य रिपोर्ट्स की माने तो शरद ऋतु में परिवर्तन के चलते कई ऐसे हारमोंस इस समय ज्यादा बनते हैं जो पति-पत्नी के प्रति संबंधों में झुकाव और रुझान को बढ़ाते हैं। दूसरी तरफ कार्तिक मास में औषधीय गुण विकसित अवस्था में होते हैं। यह गुण चंद्रमा से ही प्राप्त होते हैं। यह व्यक्ति के स्वास्थ्य और निरोगी काया को बनता है। करवा चौथ में चंद्रमा को अर्घ्य देने का विधान इसी कारण है। इसमें आयु, सौभाग्य और निरोगी काया मिलती है। यह अलग बात है कि पौराणिकता के साथ-साथ आधुनिकता का प्रवेश भी इस पर्व में हो चुका है।

कभी करवा चौथ पत्नी के, पति के प्रति समपर्ण का प्रतीक हुआ करता था, लेकिन आज यह पति-पत्नी के बीच के सामंजस्य और रिश्ते की उष्मा से दमक और महक रहा है। करवा चौथ महज एक व्रत नहीं है, बल्कि सूत्र है, उस विश्वास का कि हम साथ-साथ रहेंगे। हम आधार है एक दुजे का, इसलिए हमारा साथ कभी न छूटें। आज हम कितना भी आधुनिक क्यों न हो जाएं, लेकिन परंपराओं से दूर नहीं जा सकते। दोनों के बीच अहसास का घेरा मजबूत होता है, जो रिश्तों को सुरक्षित करता है। यानी करवा चौथ पति-पत्नी के अमर प्रेम तथा पत्नी का अपने पति के प्रति समर्पण का प्रतीक है। जहां तक छलनी से चंद्रमा व पति को देखकर पूजन का सवाल है तो पत्नी के ह्रदय की एक भावना होती है। पत्नी जब छलनी से अपने पति को देखती है तो उसका मकसद होता है कि वह ह्रदय के सभी विचारों व भावनाओं को छलनी में छानकर शुद्ध कर लिया है। मन के सभी दोष दूर हो चुके हैं। अब मेरे ह्रदय में सिर्फ और सिर्फ आपके प्रति सच्चा प्रेम ही शेष है। यही प्रेम मैं आपको समर्पित करती हूं और अपना व्रत पूर्ण करती हूं।

पौराणिक समय से ही करवाचौथ व्रत रखने की प्रथा चली आ रही है जिसकी शुरुआत भगवान श्रीकृष्ण के कहने पर द्रौपदी ने अपने पतियों के लिए व्रत रख की थी। माना जाता है कि द्रौपदी के करवा चौथ व्रत रखने से ही पांडवों को महाभारत युद्ध में विजय प्राप्त हुई थी। चांद भगवान शिव का गहना है इसलिए चंद्रमा की पूजा इसलिए भी की जाती है क्योंकि चांद को मन का स्वामी माना जाता है जो दिल से जुड़े रिश्तों को बांधे रखने का कारक होता है।

इस व्रत के पीछे धारणा भी यही है कि एक बार किसी बहन को उसके भाइयों ने स्नेहवश भोजन कराने के लिए छल से चांद की बजाय छलनी की ओट में दीपक दिखाकर भोजन करवा दिया। इस तरह उसका व्रत भंग हो गया। इसके पश्चात उसने पूरे साल चतुर्थी का व्रत किया और जब पुनः करवा चौथ आई तो उसने विधिपूर्वक व्रत किया और उसे सौभाग्य की प्राप्ति हुई। उस करवा चौथ पर उसने हाथ में छलनी लेकर चांद के दर्शन किए। छलनी का एक रहस्य यह भी है कि कोई छल से उनका व्रत भंग न कर दे, इसलिए छलनी के जरिए बहुत बारीकी से चंद्रमा को देखने के बाद ही व्रत खोला जाता है। व्रत खोलने से पूर्व छलनी में दीपक रखकर, उसकी ओट से पति की छवि को निहारने की परंपरा ही करवा चौथ पर्व की है।

करवा चौथ के दिन शिव-पार्वती और स्वामी कार्तिकेय की भी पूजा की जाती है। मान्यता है कि शैलपुत्री पार्वती ने भी शिव भगवान को इसी प्रकार के कठिन व्रत से पाया था इसलिए यह व्रत कुंवारी कन्याओं के लिए भी उपयोगी माना जाता है। इस दिन गौरी पूजन से जहां महिलायें अखंड सुहाग की कामना करती हैं, वहीं अविवाहित कन्याएं सुयोग्य वर पाने की प्रार्थना करती हैं। इस दिन को खास श्री कृष्ण का आशीर्वाद माना जाता है। इसके लिए एक घटना प्रचलित है द्वापर युग में एक बार अर्जुन, वनवास के दौरान नीलगिरी पर्वत पर जब तपस्या करने गये थे। तब कई दिनों तक अर्जुन वापस नहीं आये, तो द्रौपदी को चिंता हुई। अपनी चिंता द्रौपदी ने जब कृष्ण को बताई तो उन्होंने द्रौपदी से न सिर्फ करवाचौथ व्रत रखने को कहा बल्कि शिव द्वारा पार्वती जी को जो करवाचौथ व्रत की कथा सुनाई गई थी, उसे स्वयं द्रौपदी को सुनाने को कहा। मान्यता है कि जिन दंपत्तियों के बीच छोटी छोटी बात को लेकर अनबन रहती है वह यदि करवाचौथ व्रत रखें तो उनका आपसी मनमुटाव दूर हो जाता है। करवाचौथ में

इस दिन बहुएं अपनी सास को चीनी के करवे, साड़ी व श्रृंगार सामग्री भेंट करती हैं। माना जाता है कि इस व्रत को करने से पति-पत्नी का रिश्ता मधुर और मजबूत बनता है। साथ ही सुयोग्य वर प्राप्ति के लिए भी करवा चौथ का व्रत किया जाता है। सभी सुहागन स्त्रियां अपने पति की लंबी उम्र और स्वस्थ जीवन की कामना करती हैं, वहीं कुंवारी लड़कियां भी सुयोग्य वर प्राप्ति के लिए यह व्रत करती हैं।

-सुरेश गांधी

करवा चौथ पर बन रहे हैं दुर्लभ संयोग

वृषभ राशि

वृषभ राशि के जातकों के लिए यह समय काफी अच्छा है। इन दिनों मन की एकाग्रता बढ़ेगी और स्वभाव कोमल रहेगा। बौद्धिक क्षमता बढ़ेगी। इस दौरान आप अपने लिए या परिवार के लिए कोई बड़ा निर्णय ले सकते हैं। इस दौरान आपको भाग्य का भी भरपूर साथ मिलेगा। पढ़ाई के लिए भी यह समय बहुत शुभ है, इस दौरान आपको स्कॉलरशिप भी मिल सकती है। वैवाहिक जीवन मधुर और खुशहाल रहेगा।

कन्या राशि

कन्या राशि के जातकों के लिए यह करवा चौथ ढेर सारी खुशियां लेकर आएगा। यह समय आपके लिए बहुत ही शुभ और लाभकारी हो सकता है। इस दौरान आपको किसी से महंगा उपहार भी गिफ्ट में मिल सकता है। अगर आप वहां खरीदने की सोच रहे हैं तो इस दौरान आपका यह सपना भी पूरा हो सकता है। हर क्षेत्र में आपको सफलता की प्राप्ति होगी।

जो भी कष्ट या परेशानियां लंबे समय से चली आ रहीं हैं, उनसे छुटकारा मिलेगा। संतान की तरफ से भी कोई खुशखबरी मिल सकती है। शादीशुदा जीवन मधुर और खुशहाल रहेगा।

तुला राशि

तुला राशि वालों के लिए भी यह समय बहुत शानदार साबित होगा। इस दौरान आपको सभी क्षेत्र में सफलता मिलेगी। लंबे समय से अटके हुए काम पूरे होंगे। परिवार में हंसी खुशी का माहौल बना रहेगा।

धनु राशि

धनु राशि के जातकों को भी इस दौरान बहुत लाभ मिलेगा। इस दौरान आपको धन लाभ हो सकता है जिससे आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। आय के नए स्रोत खुलेंगे। घर के बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद आपके साथ बना रहेगा। परिवार में सुख-शांति और खुशहाली का माहौल रहेगा। इस दौरान आपका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा।

कुंभ राशि

कुंभ राशि के जातकों के लिए भी यह समय बेहद शुभ साबित होने वाला है। आपकी आय के स्रोत बढ़ेंगे। धन में वृद्धि होगी। निवेश से अच्छा लाभ होगा। पैतृक संपत्ति से भी आपको लाभ मिलने के संयोग हैं। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। परिवार में सुख-शांति और खुशहाली का माहौल रहेगा। वैवाहिक जीवन सुखमय और मधुर होगा।

करवा चौथ पर इस दिशा में बैठकर खाएं सरगी

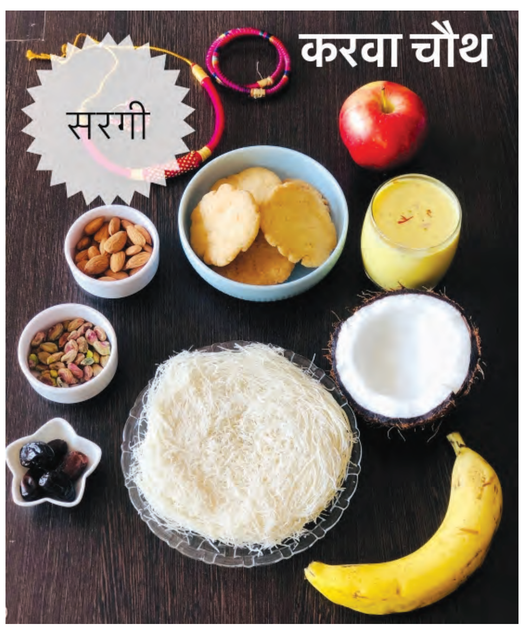

करवा चौथ का दिन विशेष होता है और सरगी उसका एक अनिवार्य हिस्सा है। उचित दिशा में बैठकर और सही खाद्य पदार्थों का चयन करके आप इस दिन का महत्व बढ़ा सकती हैं। यह न केवल आपके स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है, बल्कि यह आपके पति के प्रति आपकी सच्ची भावनाओं को भी दर्शाता है। इस दिन को पूरी श्रद्धा और प्यार के साथ मनाएं। इस दिन सरगी खाने का विशेष महत्व होता है। सरगी आमतौर पर सुबह ब्रह्म मुहूर्त में खाई जाती है, जिससे पूरे दिन उपवास रखने के लिए ऊर्जा मिलती है।

करवा चौथ सरगी खाने की दिशा

सरगी खाते समय दिशा का भी ध्यान रखना महत्वपूर्ण होता है। यह माना जाता है कि सरगी दक्षिण या पूर्व दिशा की ओर बैठकर खानी चाहिए। ये दिशाएं सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करने में मदद करती हैं और मन को शांत रखती हैं। यदि संभव हो, तो सरगी के समय एक साफ और शांत स्थान का चयन करें, जहां पर मन लगाकर भोजन किया जा सके।

करवाचौथ सरगी में क्या खाना चाहिए

सरगी में खाने के लिए कुछ विशेष खाद्य पदार्थ होते हैं, जो न केवल स्वादिष्ट होते हैं, बल्कि पोषण से भरपूर भी होते हैं। यहां कुछ सुझाव दिए गए हैः

फलः आमतौर पर फल सरगी में प्राथमिकता दी जाती है जैसे कि सेब, केला, अंगूर, अनार और पपीता। ये फल न केवल ताजगी प्रदान करते हैं, बल्कि इनमें प्राकृतिक शर्करा होती है, जो ऊर्जा का अच्छा स्रोत होती है।

सूखे मेवेः बादाम, अखरोट, काजू और किशमिश जैसे सूखे मेवे खाने से शरीर को ऊर्जा और प्रोटीन मिलता है। ये दिमागी ताजगी भी बनाए रखते हैं और भूख को कम करते हैं।

दहीः दही एक बहुत अच्छा विकल्प है क्योंकि यह पाचन में मदद करता है और शरीर को ठंडक भी देता है। इसके साथ थोड़ी सी शहद मिलाकर खाने से स्वाद बढ़ता है।

सुप या दलियाः यदि आप कुछ गर्म खाना पसंद करती हैं तो हल्का दलिया या सूप भी सरगी के रूप में लिया जा सकता है। यह आपको तृप्त रखेगा और दिन भर ऊर्जा बनाए रखेगा।

चाय या दूधः एक कप चाय या दूध भी सरगी में शामिल किया जा सकता है। यह शरीर को गर्मी देता है और आपको ताजगी महसूस कराता है।

बिस्किट या खाखराः कुछ महिलाएं चबाने के लिए बिस्किट या खाखरा भी रखती हैं, जो भूख को थोड़ी देर के लिए कम कर देते हैं।

करवा चौथ सरगी खाने का महत्व

सरगी खाने का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि यह एक प्रकार का आशीर्वाद होता है। महिलाएं अपने पतियों के लिए यह आशीर्वाद देती हैं कि वे जीवन में सुख-समृद्धि और स्वास्थ्य प्राप्त करें। यह एक पवित्र परंपरा है, जो विवाह के बंधन को मजबूत बनाती है।

उपवास के इस दिन सरगी का सेवन करने से मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार रहने में मदद मिलती है। इसके अलावा, यह आपको पूरे दिन ऊर्जा बनाए रखने में सहायता करता है।

एक हजार फीट ऊंची पहाड़ी पर बना है चौथ माता का प्राचीन मंदिर

अखंड सौभाग्य की कामना लेकर यहां आती हैं महिलाएं

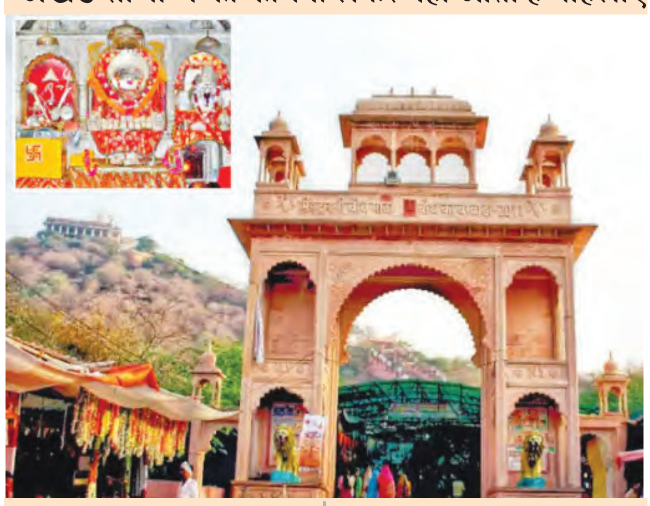

चौथ माता का ये मंदिर राजस्थान में सवाई माधोपुर जिले के चौथ का बरवाड़ा में है। इस मंदिर को 1451 में भीम सिंह नाम के शासक ने बनवाया था। ये मंदिर अरावली पर्वतमाला की श्रृंखला की चोटी पर बना हुआ है। इस पहाड़ी की ऊंचाई करीब एक हजार फीट है। मंदिर सफेद संगमरमर से बना हुआ है।

चौथ माता के मंदिर में करवा चौथ पर महिलाएं बड़ी संख्या में पहुंचती हैं और देवी से अखंड सौभाग्य और सुखी वैवाहिक जीवन के लिए प्रार्थना करती हैं। नवरात्रि में भी देवी के दर्शनों के लिए हजारों भक्त रोज यहां आते हैं। मंदिर तक पहुंचने के लिए भक्तों को करीब 700 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं। मंदिर में देवी चौथ माता के साथ ही भगवान गणेश और भैरव महाराज की भी मूर्तियां स्थापित हैं।

मंदिर में देवी चौथ माता के साथ ही भगवान गणेश और भैरव महाराज की भी मूर्तियां स्थापित हैं।

कैसे पहुंचे चौथ माता मंदिर

चौथ माता मंदिर का नजदीकी बड़ा शहर जयपुर है। जयपुर सड़क, रेल और वायु मार्ग से देश के सभी बड़े शहरों से जुड़ा हुआ है। जयपुर से चौथ माता मंदिर करीब 170 किमी दूर है। इस शहर से चौथ माता मंदिर तक पहुंचने के लिए बस, रेल और प्राइवेट कैब आसानी से मिल जाती है। सवाई माधौपुर से मंदिर की करीब 5 किमी है।

ये है मंदिर से जुड़ी लोक कथा

यहां प्रचलित मान्यता के अनुसार राजा भीम सिंह को चौथ माता ने स्वप्न में दर्शन दिए थे और इस पहाड़ी पर मंदिर बनवाने के लिए कहा था। माना जाता है कि राजा भीम सिंह एक बार शिकार पर गए तो रास्ता भटक गए थे।

रास्ता खोजते-खोजते रात हो गई, राजा को कहीं पानी भी दिखाई नहीं दिया। प्यास की वजह से राजा बेहोश हो गए। तभी जंगल में बारिश होने लगी। बारिश की वजह से राजा को होश आ गया और उसने वहीं पानी पीया। पानी पीने के बाद राजा को वहां एक छोटी कन्या दिखाई दी। वह कन्या देवी चौथ माता ही थीं। जब राजा ने उस कन्या से उसके बारे में पूछा तो कन्या अपनी असली स्वरूप में आ गईं।

राजा ने देवी को प्रणाम किया और प्रार्थना की थी कि अब आप मेरे ही राज्य में रहें। देवी ने राजा की ये प्रार्थना स्वीकार कर ली। इसके बाद राजा ने यहां देवी चौथ माता का मंदिर बनवाया।

बुजुर्ग के एचसी पहुंचने पर ईडी ने जारी किया सर्कुलर

> अधिकारियों से कहा-कार्यालय के समय पर ही की जाए पूछताछ

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अपने अधिकारियों के लिए एक नया सर्कुलर जारी किया है। जांच एजेंसी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि समन पर बुलाए गए लोगों से अनियमित समय पर पूछताछ न करें और न ही अपने कार्यालय में घंटों इंतजार कराएं। बता दें, बॉम्बे हाईकोर्ट के निर्देश के बाद सर्कुलर 11 अक्तूबर को जारी किया गया था।

क्या है मामला?

गौरतलब है, इन दिनों प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी चर्चा के केंद्र में है। उसके निशाने पर बिजनेसमैन से लेकर कई नेता हैं। केंद्रीय एजेंसी की कार्रवाई को लेकर कई दफा सवाल खड़े हो चुके हैं, जिसको लेकर उसे विरोध का सामना भी करना पड़ा है। कुछ महीने पहले ईडी के देर रात हुए एक्शन को बॉम्बे हाईकोर्ट ने मानवाधिकार का उल्लंघन बताया था। कोर्ट का कहना था कि वह इस तरह की प्रथा को बिल्कुल स्वीकार नहीं करेगी। हाईकोर्ट में 64 वर्षीय शख्स ने याचिका दायर कर कहा था कि उसे ईडी ने तलब किया और आधी रात तक इंतजार कराया। इस पर अदालत ने कहा था कि नींद का अधिकार एक बुनियादी मानवीय आवश्यकता है और इसे पूरा न करने देना किसी व्यक्ति के मानवाधिकारों का उल्लंघन है। दरअसल, जस्टिस रेवती मोहिते-डेरे और जस्टिस मंजूषा देशपांडे की पीठ 64 वर्षीय गांधीधाम निवासी राम कोटुमल इसरानी की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें उनकी गिरफ्तारी को चुनौती दी गई थी।

वरिष्ठ नागरिकों से सीमित समय में करें पूछताछ

सर्कुलर के अनुसार, जांच अधिकारी को नियमित समय के दौरान बुलाए गए व्यक्ति का बयान दर्ज करना चाहिए, न कि देर रात तक। वरिष्ठ नागरिकों, गंभीर चिकित्सा स्थिति वाले व्यक्तियों, बीमार या अशक्त (मेडिकल रिकॉर्ड या स्थिति के सत्यापन के अधीन) की जांच को सामान्य घंटों तक सीमित किया जाना चाहिए और यह सही होगा कि जांच को अगली तारीख या किसी अन्य सहमत तारीख तक स्थगित कर दिया जाए।

धन शोधन अपराध के मामले में यह कदम उठाएगी ईडी

इसके अलावा, धन शोधन अपराध की प्रकृति को ध्यान में रखते हुए, जहां कोई व्यक्ति ऑनलाइन उपकरणों का उपयोग करके या मोबाइल फोन या अन्य डिजिटल मीडिया का उपयोग करके अपराध की आय को स्थानांतरित या छिपा सकता है या कम समय में डिजिटल साक्ष्य को नष्ट कर सकता है, जांच अधिकारी समन किए गए व्यक्ति से जल्द ही, आदर्श रूप से उसी दिन या अगले दिन पूछताछ समाप्त करने की कोशिश करेगी। रुख तलब किए गए व्यक्ति को अपराध से अर्जित धन को छिपाने या मनगढ़ंत स्पष्टीकरण देने का अवसर कम कर सकता है।इसमें कहा गया है कि जांच अधिकारी को 'सांसारिक समयों' के दौरान तलब किए गए व्यक्ति का बयान दर्ज करना चाहिए, जो कि रात में बहुत देर तक खींचने के बजाय कार्यालय समय के दौरान होता है.

अब ईडी ने दी दलील

ईडी ने बाद में अदालत को बताया कि उसने इस संदर्भ में 11 अक्तूबर को एक नया सर्कुलर जारी किया है। इसमें कहा गया है कि ईडी के अधिकृत अधिकारी या जांच अधिकारी (आईओ) को दस्तावेजों के साथ अच्छी तरह से तैयार रहना चाहिए और नियत तारीख और समय पर तलब किए गए व्यक्ति से पूछताछ करने के लिए प्रश्नावली भी देनी चाहिए। अदालत ने कहा कि जांच अधिकारी को समन के अनुपालन की तारीख और समय तय करने से पहले यह सुनिश्चित करना चाहिए कि जिस व्यक्ति को तलब किया गया है, उससे नियत समय और तारीख पर पूछताछ की जाए। साथ ही उसे घंटों इंतजार नहीं कराया जाए।

संतान की मृत्यु पर माता-पिता को भी मिलेगा संपत्ति में हिस्सा

अभी तक सिर्फ पत्नी को था अधिकार

देहरादून, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। समान नागरिक संहिता लागू (यूसीसी) होने के बाद आम लोगों के उत्तराधिकार से जुड़ा एक और बड़ा बदलाव नजर आएगा। संतान की मृत्यु होने पर माता-पिता भी उसकी चल-अचल संपत्ति में हिस्सेदार रहेंगे, वरना अभी जो उत्तराधिकार कानून है, उसके तहत पति की मृत्यु के बाद बैंक-बैलेंस, संपत्ति आदि पत्नी को ही मिलती है। इससे माता-पिता बेसहारा रह जाते हैं। यह विसंगति यूसीसी आने पर समाप्त हो जाएगी। यूसीसी की नियमावली का ड्राफ्ट शुक्रवार को अंग्रेजी भाषा में सरकार को सौंपा गया है, जिसे अनुवाद कराने के साथ विधि और न्याय विभाग के समक्ष तकनीकी समीक्षा के लिए भेजा जाएगा। उसके बाद सरकार मंत्रिमंडल की बैठक कर उसे प्रभावी तौर पर लागू करने की तैयारियों और तिथि की घोषणा कर सकती है।

यह ड्राफ्ट दो वॉल्यूम और चार हिस्सों में है। एक वॉल्यूम में 200 और दूसरे में 410 पन्ने हैं। इनमें विवाह और विवाह विच्छेद, लिव इन रिलेशनशिप, जन्म और मृत्यु पंजीकरण तथा उत्तराधिकार संबंधी नियमों के पंजीकरण संबंधी प्रक्रियाओं को तय किया गया है। यह नियमावली ही स्पष्ट करेगी कि यदि विवाह, विवाह विच्छेद, लिव इन रिलेशनशिप, जन्म-मृत्यु का पंजीकरण नहीं करवाया तो क्या कार्रवाई हो सकती है। उसकी प्रक्रिया कैसी होगी। कितनी सजा हो सकती है। इन्हीं नियमों के तहत यूसीसी लागू होने के बाद उन सभी पति-पत्नी को विवाह का पंजीकरण कराने के लिए छह माह का समय दिया जाएगा, जिन्होंने कानून लागू होने से पहले शादी की। छह महीने बीतने के बाद उन जोड़ों को तीन महीने का समय दिया जाएगा, जिन्होंने यूसीसी लागू होने के बाद शादी की। उत्तराधिकार कानून के तहत संतान की संपत्ति में माता-पिता को एक हिस्सा देने जैसे बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे।

'देश की एकता को तबाह कर रहे हैं बाप-बेटे'

'द्रविड़' विवाद पर क्या बोले भाजपा नेता

चेन्नई, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु में द्रविड़ शब्द को लेकर जारी विवाद पर अब भाजपा नेताओं ने भी प्रतिक्रिया दी है और तमिलनाडु के सीएम पर तीखा हमला बोला है। दरअसल सीएम स्टालिन ने चेन्नई में एक कार्यक्रम के दौरान तमिलनाडु के राज्य गान से द्रविड़ शब्द हटाए जाने का आरोप लगाया और इसे लेकर राज्यपाल को हटाने की मांग तक कर डाली।

भाजपा नेता बोले-देश को बांटने की हो रही कोशिश

इस पर तमिलनाडु भाजपा के उपाध्यक्ष नारायण तिरुपति ने कहा कि 'देश की एकता को ईंडिया गठबंधन और खासकर एमके स्टालिन और उनके बेटे द्वारा तबाह किया जा रहा है। बीआर आंबेडकर ने साफ कहा था कि आर्यन और द्रविड़ रेस जैसा कुछ नहीं है। ये सब एक मिथक है। द्रविड़ियन एक भौगोलिक स्थान है। ये लोग बीते 50-60 वर्षों से देश को धर्म, जाति, क्षेत्र और भौगोलिक आधार पर देश को बांटने की कोशिश कर रहे हैं।'

आमरण अनशन स्थल पर डॉक्टरों से मिलने पहुंचे मुख्य सचिव

सीएम ममता बनर्जी ने फोन पर की बात

कोलकाता, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। आरजी कर मेडिकल कॉलेज में जूनियर डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या के विरोध में आमरण अनशन कर रहे जूनियर डॉक्टरों से पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव मनोज पंत और गृह सचिव नंदिनी चक्रबर्ती ने मुलाकात की। इस दौरान पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने जूनियर डॉक्टरों से फोन पर बात की। उन्होंने जूनियर डॉक्टरों से आमरण अनशन खत्म करने की अपील की। साथ ही कहा वह सोमवार को उनसे मुलाकात करेंगीं। दरअसल जूनियर डॉक्टर की हत्या के विरोध में आमरण अनशन कर रहे छह चिकित्सकों को हालत बिगड़ने पर अस्पताल में भर्ती कराया जा चुका है। मौजूदा समय में एस्पलेनेड क्षेत्र में अनशन कर रहे आठ चिकित्सकों ने राज्य सरकार ने 21 अक्तूबर तक मांगों पर गौर करने की मांग की है। एक चिकित्सक ने कहा कि अगर उनकी मांगें 22 अक्तूबर तक पूरी नहीं हुईं तो वे पूरे राज्य भर में हड़ताल करेंगे। हम चाहते हैं कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी हमारे साथ बैठकर बात करें और हमारी सभी मांगों को पूरा करें। प्रदर्शनकारी चिकित्सकों के साथ ही कई कलाकारों ने सांकेतिक भूख हड़ताल की। आंदोलन कर रहे चिकित्सकों ने रविवार को अपनी मांगों को लेकर एक महारैली की योजना बनाई है। इसमें वह स्वास्थ्य सचिव एनएस निगम को हटाने की भी मांग करेंगे।

राउत का दावा : राकांपा-एसपी से हमारी पार्टी की बात पूरी, आगबबूला हुई कांग्रेस

मुंबई, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में एक महीने बाद विधानसभा चुनाव होना है। इसी को लेकर सभी राजनीतिक दलों ने कमर कस ली है। हालांकि, राज्य में सीट बंटवारे को लेकर महा विकास अघाडी में सबकुछ सही नहीं लग रहा है। यहां, उद्धव ठाकरे वाली शिवसेना और कांग्रेस के बीच तनातनी दिखाई दे रही है। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के नेता संजय राउत का कहना है कि उनकी पार्टी और शरद पवार नीत एनसीपी (एसपी) के बीच सीटों के बंटवारे पर बातचीत खत्म हो गई है। इससे साफ तौर पर जाहिर होता है कि महा विकास अघाड़ी (एमवीए) की तीसरी सहयोगी कांग्रेस पर निशाना साधा है। वहीं, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले का कहना है कि राउत के नेता उद्धव ठाकरे हैं।

किसके बीच मुकाबला?

महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में यहां एक बार फिर एनडीए और इंडिया गठबंधन (महायुति बनाम महाविकास आघाडी) के बीच मुकाबला होने की उम्मीद है। इस बीच एमवीए के दलों में ही तनाव चरम पर है। संजय राउत ने एक दिन पहले भी गठबंधन में सीट बंटवारे की बातचीत में देरी होने पर निराशा व्यक्त की थी। साथ ही महाराष्ट्र कांग्रेस नेताओं पर फैसला लेने में असमर्थ होने का आरोप लगाया था।

वर्तमान राष्ट्रीय राजनीति क्षेत्रीय दलों द्वारा चलाई जा रही

राउत ने पत्रकारों से कहा कि वर्तमान राष्ट्रीय राजनीति क्षेत्रीय दलों द्वारा चलाई जा रही है और उनकी पार्टी का रुख है कि उन्हें अपने-अपने राज्यों में जगह मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) और जनता दल यूनाइटेड (जदयू) जैसे क्षेत्रीय दलों की मदद से नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री बने हैं। उन्होंने कहा कि इंडिया ब्लॉक में क्षेत्रीय दलों का बहुमत है।

राज्यसभा सांसद ने यह भी कहा कि समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे से बात की और दोनों नेताओं के बीच बातचीत अच्छी रही। उन्होंने कहा, 'हमने (शिवसेना यूबीटी) शुक्रवार को पूरे दिन एनसीपी (एसपी) के साथ बातचीत की। एनसीपी (एसपी) के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल और हमने बातचीत की। हमारे बीच के अधिकांश मुद्दों को हल किया जा रहा है। अंत में, आपको इस मुद्दे को हल करने के लिए मानसिकता और इच्छाशक्ति की आवश्यकता होती है और हम दोनों के पास यह है।' उन्होंने आगे कहा, ' यूबीटी शिवसेना और एनसीपी एसपी के बीच सीटों का बंटवारा समाप्त हो गया है। शरद पवार और उद्धव ठाकरे व्यक्तिगत रूप से इसे देख रहे हैं क्योंकि हमारे आलाकमान मुंबई में हैं। महाराष्ट्र की तीन महाविकास आघाडी (एमवीए) पार्टियों के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर गतिरोध के बीच उद्धव ठाकरे ने शुक्रवार को आगाह किया कि सहयोगियों, खासकर कांग्रेस के बीच सौदेबाजी टूटने के कगार पर नहीं पहुंचने दी जानी चाहिए।

संपत्ति हड़पने के लिए हुई महंत गोविंद दास की हत्या पुलिस ने गुमशुदगी से उठाया पर्दा, चार गिरफ्तार

हरिद्वार, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरिद्वार कनखल थाना क्षेत्र स्थित आश्रम के लापता संत महंत गोविंददास की गुमशुदगी से पर्दा उठाते हुए पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आश्रम की संपत्ति हड़पने के लिए चारों आरोपियों ने महंत की गला घोंटकर हत्या करने के बाद शव को गंगा में फेंक दिया था। अभी शव बरामद नहीं हो पाया है। हत्याकांड का खुलासा करने वाली पुलिस टीम की एसएसपी ने पीठ थपथपाते हुए पांच हजार इनाम देने की घोषणा की है। शनिवार को पुलिस मुख्यालय रोशनाबाद में हत्याकांड का खुलासा करते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने बताया कि रुद्रानंद निवासी रायवाला गौरी गीता आश्रम बिरला मंदिर देहरादून ने 17 अक्तूबर को शिकायत दी थी कि उनके गुरु महंत गोविंद दास शिष्य बिशम्बर दास महाराज निवासी श्रद्धा भक्ति आश्रम ज्ञानलोक कॉलोनी कनखल बीते 15 जून को धर्म प्रचार के लिए आश्रम से राजस्थान गए थे। इसके बाद वापस लौटकर नहीं आए। पुलिस ने मामले में गुमशुदगी दर्ज कर पड़ताल शुरू की। सामने आया कि जून माह 2024 से आश्रम में एक नया बाबा है, जिसे पहले नहीं देखा गया। इसके बाद पुलिस ने आगे की पड़ताल शुरू की। नए बाबा राम गोपाल नाथ से सख्ती से पूछताछ शुरू की गई तो तब सामने आया कि महंत गोविंद दास की हत्या की गई है।

काले जादू के संदेह में शख्स को आग के हवाले किया

अंग चोरी के मामले में निकाला गया दफन शव, होगी जांच

भुवनेश्वर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। ओडिशा के नुआपाड़ा जिले में एक 50 वर्षीय व्यक्ति अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहा है। दरअसल, गांववालों को संदेह था कि व्यक्ति काला जादू करता है, इसलिए उन्होंने पीड़ित को आग के हवाले कर दिया। पोर्टीपाड़ा के निवाशियों ने शुक्रवार की शाम को एक बैठक की थी, जिसमें उन्होंने पीड़ित को उपस्थित होने को कहा। गांववालों ने बैठक में व्यक्ति पर काला जादी करने का आरोप लगाया और सजा के तौर पर उसे पुआल से बनी रस्सियों से बांध दिया गया। इसके बाद उसमें आग लगा दी गई।

जैसे ही आग ने उसे अपनी चपेट में ले लिया, पीड़ित एक घर से दूसरे घर की तरफ भागने लगा। वह दर्द से चिल्ला रहा था, लेकिन कोई भी उसे बचाने के लिए सामने नहीं आया। आखिर में उसने एक तलाब में झलांग लगा दी। पीड़ित के परिवार वालों ने उसे बचाया और इलाज के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। पीड़ित की हालत गंभीर होने के कारण उसे जिला मुख्यालय अस्पताल में भर्ती कराया गया। माझी के बेटे ने कहा, गांववालों ने बैठक बुलाई थी, जिसमें उन्होंने मेरे पिता को काला जादू करने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी थी। जब उन्होंने इन आरोपों से इनकार किया तो वे मेरे पिता को पीटने लगे और फिर उन्हें आग के हवाले कर दिया। खरियार के एसडीपीओ अरूप बेहरा ने कहा कि सिनापल्ली पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है। आरोपी लोगों की तलाश जारी है। उन्होंने आगे कहा, पुलिस के पहुंचने पर अधिकांश लोग अपने घरों के अंदर भाग गए। आरोप के मुताबिक उन्हें जिंदा जलाने की कोशिश की गई। पूरी जांच के बाद ही हमले के कारणों का पता लगाया जाएगा।

अंग चोरी के आरोप के बाद कब्र से निकाला गया व्यक्ति का शव

ओडिशा पुलिस ने अंग चोरी के आरोप के बाद पोस्टमॉर्टम के लिए 44-वर्षीय एक व्यक्ति का शव कब्र से बाहर निकाला। एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कालाहांडी जिले में एक सड़क दुर्घटना में बाबूला दिगल की मौत हो गई थी। मृतक के बेटे शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके बाद ही पुलिस ने जांच शुरू की।

अधिकरी ने बताया कि मृतक के बेटे ने दावा किया कि सड़क हादसे में उसके पिता के सिर में चोटें आई थीं, जिसके बाद कटक के एक निजी अस्पताल में उनका इलाज कराया गया। लेकिन उनके पेट में सर्जरी के निशान पाए गए थे। बेटे ने कहा, हमें संदेह है कि अस्पताल के अधिकारियों ने मेरे पिता के कुछ अंग निकाले हैं। हालांकि, अस्पताल प्रशासन ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। व्यक्ति की मौत 16 अक्तूबर को हुई थी और टिकाराबाजू स्थित कब्रिस्तान में 17 अक्टूबर को उनका शव दफना दिया था।

मजदूर की हत्या पर भड़का शोपियां, छात्रों ने निकाली रैली

जिला प्रशासन ने किया समर्थन

श्रीनगर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। शोपियां में कॉलेज के छात्रों, स्थानीय निवासियों और जिला प्रशासन ने शुक्रवार सुबह बिहार युवक अशोक चौहान की हत्या के खिलाफ सरकारी डिग्री कॉलेज शोपियां से घड़ी टावर तक एक रैली निकाली। छात्रों ने बैनर थामे हुए यह संदेश दिया कि ऐसे अत्याचार को रोकना आवश्यक है, क्योंकि कोई भी धर्म निर्दोषों की हत्या का समर्थन नहीं करता। जिला उपायुक्त शोपियां, शाहिद सलीम ने इस घटना पर टिप्पणी करते हुए बताया कि मारे गए मजदूर की आर्थिक स्थिति इतनी खराब थी कि उनके अंतिम संस्कार के लिए भी पैसे नहीं थे। इसके बाद, जिला प्रशासन ने उनके शव को उनके साथियों के साथ एयरलिफ्ट करने की व्यवस्था की।

'बाबा सिद्दीकी की हत्या के लिए मांगे गए थे 50 लाख रुपए'

गिरफ्तार आरोपियों को लेकर बड़ा खुलासा

मुंबई, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में मुंबई पुलिस बाबा सिद्दीकी की हत्या के मामले की जांच कर रही है। जांच में उन्हें मालूम चला कि गिरफ्तार किए गए पांचों आरोपियों ने उनकी (बाबा सिद्दीकी) हत्या के लिए 50 लाख रुपये की मांग की थी, लेकिन बाद में भुगतान में असहमति और राकांपा नेता के दबदबे को देखकर वे पीछे हट गए। अधिकारी ने बताया कि राकांपा नेता की हत्या में शामिल लोगों को साजो-सामान और अन्य सहायता प्रदान की गई थी। सिटी पुलिस क्राइम ब्रांच ने शुक्रवार को बाबा सिद्दीकी की हत्या के लिए शूटरों को हथियार उपलब्ध कराने के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार किया था। इसी के साथ इस मामले में अबतक नौ लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

बाबा सिद्दीकी की हत्या के लिए आरोपियों ने की थी 50 लाख रुपये की मांग

पांचों आरोपियों की पहचान नितिन गौतम सप्रे, संभाजी किसन पारधी, प्रदीप दत्तू थोम्ब्रे, चेतन दिलीप पारधी और राम फूलचंद कनौजिया के तौर पर की गई है। सप्रे डोंबिवली का तो पारधी और थोम्ब्रे ठाणे के अंबरनाथ और कनौजिया पनवेल का रहने वाला है। जांच के दौरान पुलिस को मालूम चला कि राकांपा नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के लिए सप्रे ने मध्यस्थ से 50 लाख रुपये की मांग की थी, लेकिन बात नहीं बनी। भुगतान में असहमति के कारण वह पीछे हट गया। सप्रे यह जानता था कि बाबा सिद्दीकी एक मशहूर नेता हैं। उनकी हत्या का मतलब है बहुत बड़ा विवाद होना। इससे उसकी मॉड्यूल के लिए समस्या पैदा हो जाएगी। इसलिए उसने आगे न बढ़ने का फैसला किया।

तीन आरोपियों के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी एक अधिकारी ने बताया, आरोपी शूटरों को हथियार उपलब्ध कराने के लिए तैयार हो गए। जांचकर्ता को मालूम चला कि मॉड्यूल का नेतृत्व करने वाला सप्रे गोली चलने तक साजिशकर्ता शुभम लोनकर और मास्टरमाइंड जीशान अख्तर के संपर्क में था।

अब पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि शुभम और अख्तर लॉरेंस बिश्नोई गैंग की तरफ से आए थे या नहीं। इससे पहले पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया था। बता दें कि बाबा सिद्दीकी की 12 अक्तूबर को मुंबई के बांद्रा इलाके में उनके बेटे जीशान सिद्दीकी के कार्यालय के पास गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मुख्य शूटर शिवकुमार गौतम, शुभम लोनकर और मोहम्मद जीशान अख्तर फिलहाल फरार है। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी कर दिया है।

भारतीय वैज्ञानिकों ने मंकीपॉक्स वायरस की पहचान कर स्वदेशी तकनीक खोजी, चंद मिनटों में मिलेगी जांच रिपोर्ट

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। कोरोना वायरस की तरह अब मंकीपॉक्स के संक्रमण की स्वदेशी जांच तकनीक मिल गई है। आईसीएमआर के अधीन पुणे स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी के शोधकर्ताओं ने एक कलरिमेट्रिक इजोटेर्मल (एलएएमपी) टेस्ट विकसित किया है। यह तकनीक महज चंद मिनट में न सिर्फ मंकीपॉक्स वायरस की पहचान करने में सक्षम है, बल्कि मरीज की रिपोर्ट भी समय रहते प्राप्त हो सकती है। इसे लैंप तकनीक नाम दिया है।

शोधकर्ताओं ने बताया कि इसमें विशेष तरह के कागज का इस्तेमाल किया जाता है जो वायरस पॉजीटिव होने पर गुलाबी से पीले रंग में बदल जाता है। यह जांच प्रयोगशाला से बाहर कहीं भी और किसी भी वक्त की जा सकती है। इसमें महज 40 मिनट का समय लगता है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के महानिदेशक डॉ. राजीव बहल ने बताया कि इसे पेटेंट करा लिया गया है और जांच किट बनाने के लिए प्राइवेट कंपनियों से आवेदन मांगे गए हैं। आरटी पीसीआर जैसे रिजल्ट दे रही स्वदेशी तकनीक एनआईवी के वैज्ञानिकों ने बताया कि कोरोना महामारी में आरटी पीसीआर तकनीक का इस्तेमाल किया गया क्योंकि वायरस बार-बार अपना स्वरूप बदल रहा है। इसकी जब लैंप से तुलना की गई तो यह उतनी ही असरदार साबित हुई। गुणवत्ता के लिए एनआईवी की टीम ने समीक्षा अध्ययन भी किया है।

मिधानि में संपन्न हुआ हिंदी दिवस समारोह

हिंदी भाषा से आत्मनिर्भर भारत मजबूत होगा

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाषा का मुख्य कार्य संचार तो है ही, मगर उससे भी अधिक महत्वपूर्ण कार्य भाषा करती है, वह है संस्कृति की रक्षा। हिंदी भारतीय संस्कृति की संवाहक है। भारत के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और रक्षा मंत्री भारतीय भाषाओं के अग्र नायक हैं। आप हर मंच से धाराप्रवाह हिंदी बोलते हैं। हिंदी के माध्यम से भारत को आत्मनिर्भरता की राह में भारत को आगे बढ़ा रहे हैं। हिंदी भाषा भारत को आत्मनिर्भर बनाने में अहम योगदान दे सकती है। मजबूती प्रदान कर सकती है। ये उद्गार रहे मिधानि के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. संजय कुमार झा के। डॉ. झा की अध्यक्षता में आज भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय के उद्यम मिश्र धातु निगम लिमिटेड, हैदराबाद में हिंदी दिवस समारोह 2024 का समापन कार्यक्रम संपन्न हुआ।

उन्होंने आगे कहा कि हिंदी के प्रचार प्रसार में संचार माध्यमों का बहुत बड़ा योगदान है। आज हर सोशल मीडिया पर हिंदी में संभाषण हो रहा है। यह प्रवृत्ति बड़ी से बढ़ रही है। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ. बेला ककड़, उप निदेशक व प्रभारी अधिकारी, हिंदी शिक्षण योजना, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार ने कहा कि राजभाषा की हीरक जंयती के अवसर पर माननीय गृह मंत्री ने भारतीय भाषा अनुभाग की स्थापना से भारत की भाषा का मान बढ़ाया है। हिंदी भारतीय भाषाओं का गुलदस्ता है। उदाहरणों के साथ स्पष्ट किया कि ये भाषाओं हिंदी की सहोदरी हैं। सहेलियाँ है। बहने हैं। ये भाषाएँ हिंदी की ताकत है। हिंदी को पैन इंडिया भाषा बनाती हैं। राजभाषा विभाग के प्रयासों से हिंदी प्रशिक्षण के लिए एआई का भी उपयोग किया जाता है। अब यह स्थिति बन रही है कि प्रबंध हिंदी में काम करने का आग्रह नहीं बल्कि आदेश दे सकते हैं क्योंकि भारत संघ कार्यालयों के सभी कर्मचारी हिंदी में प्रशिक्षित व कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त हैं।

'जो छिपा है, जरूरी नहीं', बाबा सिद्दीकी की हत्या के मामले में उनके बेटे का रहस्यमयी पोस्ट

मुंबई, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। राकांपा नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के मामले में नौ लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। उनके बेटे जीशान सिद्दीकी ने शुक्रवार को एक रहस्यमयी पोस्ट साझा किया। इसी दिन उन्होंने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस से भी मुलाकात की। इस मुलाकात में उन्होंने फड़णवीस को अपने पिता की हत्या के मामले में अब तक की पुलिस जांच की पूरी जानकारी दी। इससे पहले गुरुवार को जीशान सिद्दीकी ने अपने परिवार के लिए न्याय की मांग की थी। इसके साथ ही उन्होंने अपील करते हुए कहा था कि उनके पिता की मौत का राजनीतिकरण नहीं करना चाहिए और न ही इसे व्यर्थ में जाने देना चाहिए। 12 अक्तूबर को मुंबई के बांद्रा इलाके में जीशान सिद्दीकी के कार्यालय के पास बाबा सिद्दीकी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में अबतक नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया है, उनमें से पांच को पनवेल और कर्जत में छापेमारी के दौरान शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया। इस घटना की जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई गैंग के एक शूटर ने की। शूटर ने दावा किया था कि बाबा सिद्दीकी एक अच्छे इंसान नहीं थे और उनका संबंध भारत के मोस्ट वॉन्टेड अपराधी दाऊद इब्राहिम से था।

योगेश उर्फ राजू (26), जो लॉरेंस बिश्नोई-हाशिम बाबा गिरोह से जुड़ा है, लेकिन उसका बाब सिद्दीकी की हत्या से कोई लेनादेना नहीं है, ने कहा, उनके खिलाफ महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के तहत आरोप थे। कहा जाता है कि वह दाऊद से जुड़ा हुआ था। जब लोग ऐसे व्यक्तियों से जुड़ते हैं तो कुछ न कुछ होना तय है। बाबा सिद्दीकी के साथ कुछ ऐसा ही हुआ।

ब्याज दरें घटाने के मूड में नहीं शक्तिकांत दास

बोले- अभी सही समय नहीं आया

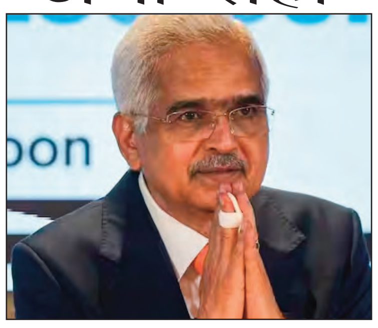

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि अभी ब्याज दरों में कटौती का सही समय नहीं आया है। देश में महंगाई बढ़ी हुई है। आगे भी इसमें ज्यादा कमी की गुंजाइश नजर नहीं आ रही। ऐसे में हम ब्याज दरें घटाने का जोखिम नहीं उठा सकते। आरबीआई ने इसी महीने हुई मॉनिट्री पॉलिसी कमेटी बैठक में ब्याज दरें स्थिर रखने का ऐलान किया था। अमेरिकी फेड रिजर्व द्वारा ब्याज दरें में कटौती के बाद सभी को उम्मीद थी कि आरबीआई भी ऐसा कर सकता है। मगर, केंद्रीय बैंक ने अपने फैसले से चौंका दिया था।

महंगाई दर पर कड़ी नजर, इसमें सुस्ती आने का इंतजार

आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने ब्लूमबर्ग इंडिया क्रेडिट फोरम में बोलते हुए शुक्रवार को कहा कि अभी ब्याज दरें कम करने से संकट आ सकता है। हमें इसके लिए महंगाई दर पर कड़ी नजर रखनी होगी। अगर आपकी आर्थिक विकास दर अच्छी है तो फिलहाल इसमें बदलाव की कोई जरूरत नहीं। अगर महंगाई दर 4 फीसदी के आसपास रहती है तो हम ब्याज दरों को घटाने पर गंभीरता से विचार करेंगे। हमें इसे लेकर अनुमान लगाने की कोई जरूरत नहीं है। हमें डेटा का इंतजार करना चाहिए।

अगले 6 महीने महंगाई के लिहाज से बेहद संवेदनशील

शक्तिकांत दास के अनुसार, अगले 6 महीने महंगाई के लिहाज से बेहद संवेदनशील हैं। हमें पूरी उम्मीद है कि महंगाई दर 4 फीसदी के स्तर पर आ जाएगी। इससे पहले आरबीआई के डिप्टी गवर्नर माइकल पात्रा ने संकेत दिए थे कि वित्त वर्ष 2026 में महंगाई दर 4 फीसदी के आंकड़े पर ही रहेगी। एमपीसी ने पिछले हफ्ते लगातार 10वीं बार ब्याज दरें स्थिर रखने का ऐलान किया था। इसके बाद से अनुमान लगाए जा रहे थे कि अब दिसंबर में होने वाली बैठक में ब्याज दरें कम हो सकती हैं। मगर, आरबीआई गवर्नर फिलहाल ऐसे किसी मूड में नजर नहीं आ रहे।

आरबीआई नहीं करता एक्सचेंज रेट का मैनेजमेंट

दुनिया के अन्य केंद्रीय बैंकों द्वारा ब्याज दरें में कटौती के मसले पर उन्होंने कहा कि हम अभी इस पार्टी को ज्वॉइन नहीं करना चाहते। हम वेट एंड वॉच की मुद्रा में हैं। सही समय आने पर ही हम इस पर कोई फैसला लेंगे। हम अन्य केंद्रीय बैंकों के फैसलों का असर इकोनॉमी पर देख रहे हैं। मगर, हमारी प्राथमिकता देश में महंगाई, आर्थिक वृद्धि और इकोनॉमी है। इसके अलावा उन्होंने सफाई देते हुए कहा कि हम एक्सचेंज रेट का मैनेजमेंट नहीं करते हैं। हम डॉलर की खरीद और बिक्री अपनी जरूरतों के हिसाब से करते हैं।

तेजी से बढ़ रहा पेट्रोकेमिकल सेक्टर, देश में आएगा 87 अरब डॉलर का निवेश

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत में पेट्रोकेमिकल प्रोडक्ट्स की खपत लगातार बढ़ती जा रही है। देश में इन प्रोडक्ट्स की सालाना खपत करीब 30 मिलियन मीट्रिक टन है। इसमें भविष्य में और इजाफा आएगा। अभी पेट्रोकेमिकल सेक्टर करीब 220 अरब डॉलर का है। इसके 2025 तक 300 अरब डॉलर का हो जाने की संभावना है। डिमांड बढ़ने के साथ ही इसके 2040 तक तीन गुना होकर 1 ट्रिलियन डॉलर का हो जाने की संभावना है। साथ ही एक दशक में पेट्रोकेमिकल सेक्टर में करीब 87 अरब डॉलर का निवेश भी आने की संभावना है।

बढ़ते मिडिल क्लास के साथ बढ़ रही डिमांड

केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शनिवार को मुंबई में आयोजित इंडिया केम इवेंट में कहा कि देश में मिडिल क्लास बढ़ रहा है। इसकी वजह से पेट्रोकेमिकल प्रोडक्ट्स की डिमांड भी तेजी से बढ़ती जा रही है। अभी देश में प्रति व्यक्ति पेट्रोकेमिकल खपत विकसित देशों से काफी कम है। इस सेक्टर में अभी निवेश के लिए अपार संभावनाएं मौजूद हैं। यही वजह है कि भारत, चीन और मिडिल ईस्ट अभी भी अपने यहां पेट्रोकेमिकल प्रोडक्शन की क्षमता बढ़ाने पर काम कर रहे हैं। उधर, दुनिया के कई देश क्लीन एनर्जी की तरफ तेजी से बढ़ रहे हैं।

पब्लिक सेक्टर और प्राइवेट कंपनियां भी बढ़ाएंगी निवेश

हरदीप सिंह पुरी के अनुसार, ऑयल सेक्टर में काम करने वाली पब्लिक सेक्टर कंपनियां भी अपना निवेश बढ़ा रही हैं। इनमें ओएनजीसी और बीपीसीएल शामिल हैं। इसके अलावा प्राइवेट सेक्टर की हल्दिया पेट्रोकेमिकल्स भी करीब 45 अरब डॉलर का निवेश करने जा रही है। देश को अभी इस सेक्टर में 100 अरब डॉलर के निवेश की जरूरत है।

कमला हैरिस और डोनाल्ड ट्रंप में कौन बना अरबपतियों का फेवरेट?

इस भारतीय बिजनेसमैन का नाम आया सामने

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। 2024 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच वित्तीय समर्थन की होड़ तेज हो गई है। दोनों उम्मीदवारों को बड़े अरबपतियों और मशहूर हस्तियों से भारी मात्रा में दान मिल रहा है, जिनका संबंध टेक्नोलॉजी, फाइनेंस, मीडिया, और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री से है। इन प्रमुख डोनर्स की मदद से दोनों उम्मीदवार अपने चुनाव अभियान को मजबूती से आगे बढ़ा रहे हैं।

कमला हैरिस को कितने अरबपतियों ने किया सपोर्ट?

हैरिस को 79 अरबपतियों से अभी तक समर्थन मिला है, जिसमें कई नामी हस्तियां और उद्योगपति शामिल हैं। माइकल ब्लूमबर्ग, न्यूयॉर्क के पूर्व मेयर और ब्लूमबर्ग एलपी के फाउंडर, हैरिस के सबसे बड़े समर्थकों में से एक हैं।

साथ ही रीड हॉफमैन लिंक्डइन के को-फाउंडर और शेरिल सैंडबर्ग फेसबुक की पूर्व सीओओ भी उनके समर्थन में खड़े हैं। हॉलीवुड के प्रसिद्ध निर्देशक स्टीवन स्पीलबर्ग और मीडिया मुगल हैम सबन ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। टेक्नोलॉजी और बिजनेस जगत से डस्टिन मोस्कोविट्ज़ (फेसबुक के को-फाउंडर) जैसे नामों ने हैरिस के समर्थन में दान दिया है। इसके अलावा ब्लैकस्टोन के डेविड ब्लिट्ज़र और जोनाथन ग्रे, नेटफ्लिक्स के रीड हेस्टिंग्स और रिपल के क्रिस लार्सन ने भी योगदान किया है।

ये भारतीय अरबपति है कमला हैरिस का फैन

फोर्ब्स की रिपोर्ट के अनुसार, 36 अन्य अरबपतियों ने 50,000 डॉलर से लेकर 1 मिलियन डॉलर के बीच दान दिया है, जिसे भारतीय रुपए में बदलें तो यह 8,40,69,347 रुपए (8.40 करोड़) के बराबर होगा। जिसमें टेक, रियल एस्टेट, और मीडिया से जुड़े कई प्रमुख नाम शामिल हैं। वता दें कि कमला हैरिस को सपोर्ट करने वालों की लिस्ट में एक भारतीय बिजनेसमैन का भी नाम शामिल है, जिसका नाम विनोद खोसला है, जो खोसला वेंचर्स के मालिक हैं।डोनाल्ड ट्रंप को 50 अरबपतियों का समर्थन प्राप्त है, जिनमें से कई रियल एस्टेट, फाइनेंस, और एनर्जी सेक्टर से जुड़े बिजनेसमैन हैं। मिरियम एडेलसन, जो कि कैसीनो के दिग्गज शेल्डन एडेलसन की विधवा हैं, उन्होंने अकेले तीसरी तिमाही में ट्रंप के लिए 95 मिलियन डॉलर (798 करोड़ रुपए) का दान दिया है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति

सूर्य-	तुला	मे
चंद्र-	वृष	मे
मंगल	कर्क	मे
बुध-	तुला	मे
गुरु-	वृष	मे
शुक्र-	वृश्चिक	मे
शनि-	कुंभ	मे
राहु-	मीन	मे
केतु-	कन्या	मे

लग्नारंभ समय

तुला--	06-02	बजे
वृश्चिक-	08-12	बजे
धनु----	10-25	बजे
मकर...	12-31	बजे
कुंभ-	14-22	बजे
मीन-	16-00	बजे
मेष---	17-36	बजे
वृष---	19-21	बजे
मिथुन	21-22	बजे
कर्क--	23-33	बजे
सिंह---	01-46	बजे
कन्या--	03-53	बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम सं्वत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -शरद
महावीर निर्वाण संवत् -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426875
सूर्योदय - 06-13
सूर्यास्त. - 17-48
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल -- पश्चिम - पान खाकर घर से निकले
तिथि- तृतीया 06-46 तक उपरान्त चतुर्थी (क्षय)
मास - कार्तिक कृष्ण , रविवार 20 October
नक्षत्र - कृत्तिका 08 -31 तक रोहिणी
योग - व्यतिपात 14-41 तक उप वरियान
करण- विष्टी 06-46 तक उप बव
विशेष:- करवा चौथ का व्रत
व्रत -त्योहार - चंद्रोदय रात्री - 20-28

विशेष:- राशिफल ग्हों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 16:22 से 17:50 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उत्पात	06:13 - 07:39	अशुभ	शुभ.	17:48 - 19:22	शुभ
चंचल	07:39 - 09:06	शुभ	अमृत	19:22 - 20:55	शुभ
लाभ.	09:06 - 10:33	शुभ	चंचल	20:55 - 22:28	शुभ
अमृत	10:33 - 12:01	शुभ	रोग	22:28 - 00:01	अशुभ
काल	12:01 - 13:28	अशुभ	काल	00:01 - 01:34	अशुभ
शुभ.	13:28 - 14:55	शुभ	लाभ.	01:34 - 03:06	शुभ
रोग.	14:55 - 16:22	अशुभ	उत्पात	03:06 - 04:39	अशुभ
उत्पात	16:22 - 17:48	अशुभ	शुभ	04:39 - 06:13	शुभ

जेफ बेजोस या एलन मस्क

कौन बनेगा अंतरिक्ष की दुनिया का सरताज?

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। स्पेस (अंतरिक्ष) सेक्टर के लिए काम करने वाली एलन मस्क की कंपनी 'स्पेसएक्स' ने हाल में एक बड़ा कीर्तिमान बनाया है। उनकी कंपनी ने एक रॉकेट को प्रक्षेपित किया और फिर उसकी लॉन्चिंग पैड पर ही सफल वापसी को सुनिश्चित किया। इसी के साथ अब एक नई बहस छिड़ गई है कि आने वाले समय में स्पेस इंडस्ट्री पर आखिर कौन राज करेगा, क्योंकि एलन मस्क के अलावा अमेजन के जेफ बेजोस की 'ब्लू ओरिजिन' भी इस दौड़ में है। ब्लूमबर्ग ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा है कि स्पेस सेक्टर में दबदबा बनाना एक मुश्किल काम है। ये काफी जटिल, समय लेने वाला, खतरनाक और खर्चीला है। मौजूदा हालातों को देखते हुए, भविष्य में एलन मस्क की स्पेसएक्स और जेफ बेजोस की ब्लू ओरिजिन के बीच एक तगड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिल सकती है।

एलन मस्क की दावेदारी

रिपोर्ट में कहा गया है कि स्पेस एक्सप्लोरेशन टेक्नोलॉजीस कॉर्प का 'फॉल्कन 9' रॉकेट आज की तारीख में दुनिया में सबसे ज्यादा अंतरिक्ष की उड़ान भरने वाला रीयूजेबल रॉकेट है।अंतरिक्ष यात्रा की लागत को कम करने में ये एक मील का पत्थर साबित हुआ है। ऐसे में इस एक ही रॉकेट से स्पेसएक्स कई बार अंतरिक्ष में मिशन लॉन्च करने की मोनोपॉली देता है। एलन मस्क की कंपनी ने अपने खुद के 'स्टारलिंक' सेटेलाइट्स को इसी तरह छोड़ा है, जो उसकी मार्केट में डोमिनेंस को बढ़ाते हैं। धरती की कक्षा में ऐसे 6,000 सैटेलाइट चक्कर काट रहे हैं, जो पूरी दुनिया में कहीं भी हाई-स्पीड इंटरनेट को डिलीवर कर सकते हैं। एलन मस्क जहां एक तरफ लोगों को स्पेस के प्राइवेट टूर पर ले जा रहे हैं, तो वहीं उन्होंने मंगल ग्रह पर मानव बस्ती बनाने तक की प्लानिंग की है।

जेफ बेजोस दे रहे चुनौती?

अगर इसी मामले में एलन मस्क के प्रतिद्वंद्वी जेफ बेजोस को देखें, तो वह काफी पीछे दिखाई पड़ते हैं। उनकी कंपनी 'ब्लू ओरिजिन' अभी काफी शुरुआती दौर में है और 2025 में अपने 'मून लैंडर' मिशन को लॉन्च करने जा रही है। वहीं चीन और यूरोप की अंतरिक्ष एजेंसी भी इस मार्केट में फ्यूचर में एलन मस्क को चुनौती देंगी, लेकिन एलन मस्क इन सभी से काफी आगे दिखाई देते हैं।

महंगाई के मामले में नंबर 1 है बिहार

जानिए किस राज्य में मिल रहा है सबसे सस्ता सामान

नई दिल्ली,19 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार में सितंबर में लगातार तीसरे महीने सबसे ज्यादा महंगाई देखने को मिली। राज्य में सितंबर में खुदरा महंगाई की दर 7.5 फीसदी रही जो 5.5 फीसदी के राष्ट्रीय औसत से कहीं ज्यादा है। बिहार के बाद छत्तीसगढ़ (7.4%) दूसरे, उत्तर प्रदेश (6.7%) तीसरे, ओडिशा (6.6%) चौथे और हरियाणा (6.2%) पांचवें नंबर पर रहे। ताजा आंकड़ों के मुताबिक खुदरा महंगाई सितंबर में 5.5 फीसदी रही जो इसका नौ महीने का उच्चतम स्तर है। खानेपीने की चीजों खासकर सब्जियों, खाद्य तेल और दालों की कीमत में तेजी से खुदरा महंगाई बढ़ी है।आंकड़ों के मुताबिक सितंबर में सबसे कम महंगाई दिल्ली में रही। यहां खुदरा महंगाई की दर 3.7 फीसदी रही। पश्चिम बंगाल (4.3%) दूसरे, तेलंगाना (4.4%) तीसरे, हिमाचल (4.6%) चौथे और उत्तराखंड (4.7%) पांचवें नंबर पर रहे। ग्रामीण इलाकों में खुदरा महंगाई की बात करें तो इसमें छत्तीसगढ़ (8%) पहले, उत्तर प्रदेश (7.6%) दूसरे और बिहार (7.6%) तीसरे नंबर पर है। शहरी इलाकों में खुदरा महंगाई के मामले में बिहार (7.1%) पहले नंबर पर है।2023-24 के इकनॉमिक सर्वे के मुताबिक ग्रामीण इलाकों

में कंजम्पशन बास्केट में फूड आइटम्स का वेटेज 47.3 फीसदी है जबकि शहरी इलाकों में यह 29.6 फीसदी है। इस महंगाई को देखते हुए जानकारों का कहना है कि आरबीआई ब्याज दरों में कटौती को फिलहाल टाल सकता है। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने भी संकेत दिया है कि दिसंबर में होने वाली एमपीसी बैठक में ब्याज दरों में कटौती की संभावना नहीं है। अगर नीतिगत दरों में कटौती नहीं होती है तो लोन पर भी ब्याज में राहत नहीं आएगा।दास ने शुक्रवार को कहा कि वर्तमान स्थिति में ब्याज दरों में कटौती जल्दबाजी और बहुत जोखिम भरी होगी क्योंकि खुदरा महंगाई अभी भी ऊंचे स्तर पर है। उन्होंने यह भी बताया कि भविष्य की मौद्रिक नीतियों का निर्धारण आय और अन्य आर्थिक आंकड़ों पर निर्भर करेगा। महीने की शुरुआत में, आरबीआई ने महंगाई संबंधी चिंताओं के कारण नीतिगत दरों में कोई बदलाव नहीं किया था और मौद्रिक नीति का रुख न्यूट्रल कर दिया था।

आ गया देश के सबसे बड़े प्राइवेट बैंक का रिजल्ट बाजार के अनुमानों से बेहतर रहा प्रॉफिट

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश में प्राइवेट सेक्टर के सबसे बड़े बैंक एचडीएफसी बैंक ने अपना रिजल्ट घोषित कर दिया है। दूसरी तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट पिछले साल की समान तिमाही की तुलना में 5.3 फीसदी तेजी के साथ 16,821 करोड़ रुपये रहा। यह बाजार के अनुमानों से बेहतर रहा। सितंबर तिमाही में बैंक की नेट इंटरेस्ट इनकम 10% की तेजी के साथ 30,113 करोड़ रुपये रहा जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 27,385 करोड़ रुपये थी। हालांकि बैंक की सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां यानी एनपीए 1.33% से बढ़कर 1.36% हो गई जबकि शुद्ध एनपीए 0.39% से बढ़कर 0.41% हो गया। बैंक ने बताया कि सितंबर तिमाही में उसका कुल परिसंपत्तियों पर कोर नेट इंटरेस्ट मार्जिन 3.46% और ब्याज कमाने वाली परिसंपत्तियों के आधार पर 3.65% था। इस दौरान बैंक की कुल जमा राशि सालाना आधार पर 15.1% बढ़कर 25,00,100 करोड़ रुपये हो गई जबकि ग्रॉस एडवांस 7% की तेजी के साथ 25,19,000 करोड़ रुपये हो गई। एचडीएफसी बैंक ने कहा कि सितंबर 2024 को समाप्त तिमाही के लिए, उसकी अन्य आय (गैर-ब्याज राजस्व) 11,480 करोड़ रुपये हो गई जो पिछले साल समान अवधि में 10,710 करोड़ रुपये थी।इस तिमाही के लिए बैंक का परिचालन व्यय पिछले वर्ष की इसी तिमाही के 15,400 करोड़ रुपये से 9.7% बढ़कर 16,890 करोड़ रुपये हो गया। तिमाही के लिए लागत-से-आय अनुपात 40.6% था। 30 सितंबर, 2024 को समाप्त तिमाही के लिए प्रावधान और आकस्मिकताएं 30 सितंबर, 2023 को समाप्त तिमाही के लिए 2,900 करोड़ रुपये की तुलना में 2,700 करोड़ रुपये थीं। कुल ऋण लागत अनुपात 0.43% था, जबकि 30 सितंबर, 2023 को समाप्त तिमाही के लिए यह 0.49% था।

गौतम अडानी ने इन दो कंपनियों में कम कर दी हिस्सेदारी

कहीं आपके पास भी तो नहीं है शेयर?

नई दिल्ली,19 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रमोटर्स कंपनी के फाउंडर या कंट्रोलिंग शेयरहोल्डर्स होते हैं। जिन कंपनियों में प्रमोटर्स की ज्यादा हिस्सेदारी होती है, उन्हें निवेश के लिए ज्यादा सुरक्षित माना जाता है। लेकिन इस फाइनेंशियल ईयर की दूसरी तिमाही में कई प्रमोटर्स ने कंपनियों में अपनी हिस्सेदारी कम की है। स्टॉकएज के आंकड़ों के मुताबिक टाटा मोटर्स, इंडिगो, अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस, अंबुजा सीमेंट्स, पतंजलि फूड्स, मैक्स फाइनेंशियल सर्विसेज, पंजाब नेशनल बैंक, आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल, संवर्धन मदरसन इंटरनेशनल और आईडीएफसी फर्स्ट बैंक में प्रमोटर्स ने दूसरी तिमाही में अपनी हिस्सेदारी में कटौती की है। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो की पेरेंट कंपनी इंटरग्लोब एविएशन में प्रमोटर्स शेयरहोल्डिंग में दूसरी तिमाही में 6 फीसदी गिरावट आई है। इस कंपनी में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी अब 49.29% रह गई है जो पहली तिमाही में 55.29% थी। कंपनी के को-फाउंडर राकेश गंगवाल ने अगस्त में कंपनी में अपनी बड़ी हिस्सेदारी बेची थी। कंपनी के को-फाउंडर राकेश गंगवाल ने ब्लॉक डील के जरिए लगभग 11,000 करोड़ रुपये शेयर बेचे। जून तिमाही के अंत में उनके

पास 5.89% हिस्सेदारी थी। गंगवाल ने साल 2006 में राहुल भाटिया के साथ मिलकर इंडिगो की स्थापना की थी।

अडानी की हिस्सेदारी

स्टॉकएज के मुताबिक भारत और एशिया के दूसरे बड़े रईस गौतम अडानी ने दो कंपनियों अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस और अंबुजा सीमेंट्स में अपनी हिस्सेदारी में कमी की है। अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस में अब उन्होंने सितंबर तिमाही में 5% हिस्सेदारी कम की है।पहली तिमाही में उनकी हिस्सेदारी 74.94% थी जो अब 69.94% रह गई है। इसी तरह अंबुजा सीमेंट्स में प्रमोटर फैमिली की हिस्सेदारी में 2.8% कमी आई है। पहली तिमाही में प्रमोटर की हिस्सेदारी 70.33% थी जो दूसरी तिमाही में 67.57% रह गई। इसी तरह दिग्गज ऑटो टाटा मोटर्स की प्रमोटर टाटा ग्रुप की हिस्सेदारी 2024 की सितंबर तिमाही में 3.8% घटी प्रमोटर्स की हिस्सेदारी पहली तिमाही में 46.36% थी जो दूसरी तिमाही में घटकर 42.58% रह गई। मैक्स फाइनेंशियल सर्विसेज ने दूसरी तिमाही में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी में 3.2% की कमी आई। पहली तिमाही में यह 6.52% थी जो दूसरी तिमाही में 3.34% रह गई। पंजाब नेशनल बैंक में प्रमोटर्स स्टेक में 3.1% की गिरावट आई। पहली तिमाही में यह 73.15% थी जो दूसरी तिमाही में 70.08% रह गई।

पतंजलि फूड्स का हाल

बाबा रामदेव की कंपनी पतंजलि फूड्स में प्रमोटर शेयरहोल्डिंग में सितंबर तिमाही में 3% की कमी आई। प्रमोटर की शेयरहोल्डिंग पहली तिमाही में 72.81% थी जो दूसरी तिमाही में घटकर 69.76% रह गई। इसी तरह आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल में प्रमोटर शेयरहोल्डिंग में दूसरी तिमाही में 2.7% की गिरावट आई। पहली तिमाही में कंपनी में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 51.97% थी जो दूसरी तिमाही में 49.25% रह गई।

संवर्धन मदरसन इंटरनेशनल में प्रमोटर शेयरहोल्डिंग सितंबर तिमाही में 2.2% कम हुई। पहली तिमाही में यह 60.36% थी जो अब 58.13% रह गई। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की प्रमोटर शेयरहोल्डिंग में सितंबर तिमाही में 2% गिरावट आई। पहली तिमाही में यह 37.37% थी जो दूसरी तिमाही में घटकर 35.37% रह गई।

इस हफ्ते सोने-चांदी में रही तेजी : सोना 1,787 रुपए बढ़कर 77,410 रुपए पर पहुंचा, चांदी 92,283 रुपए प्रति किलो बिक रही

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। इस हफ्ते सोने-चांदी के दामों में तेजी देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के अनुसार पिछले शनिवार यानी 12 अक्टूबर को सोना 75,623 रुपए पर था, जो अब (19 अक्टूबर) को 77,410 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। यानी इस हफ्ते इसकी कीमत 1,787 रुपए बढ़ी है। वहीं, चांदी की बात करें तो ये पिछले शनिवार को ये 89,963 रुपए पर थी, जो अब 92,283 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। इस हफ्ते इसकी कीमत 2,320 रुपए बढ़ी है। इस साल चांदी 29 मई को अपने ऑल

टाइम हाई 94,280 रुपए प्रति पर पहुंच गई थी।

महानगरों में सोने की कीमत

दिल्ली: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 72,560 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 79,140 रुपए है।

मुंबई: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 72,410 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 78,990 रुपए है।

कोलकाता: 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 72,410 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 78,990 रुपए है।

चेन्नई: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 72,410 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 78,990 रुपए है।

भोपाल: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 72,460 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 79,040 रुपए है।

हैदराबाद: सोने(गोल्ड) का रेट 24 कैरेट के लिए 78,110 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट के लिए 71,600 रुपये है।

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आप अपने करियर की एक बड़ी सफलता के कगार पर खड़े है। ये आपके निर्णायक निर्णय पर निर्भर करेगा की आप इसे किस दिशा में ले जाना चाहते है। इसके लाभ और हानि पर आपको विश्लेषण करने की जरूरत है। आपका निर्णय आपके जीवन को प्रभावित करेगा और अगर आप सही विकल्प का चुनाव करते हैं, तो आपकी आय में अगले कुछ दिनों में काफी वृद्धि होने की संभावना है।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आज आप क्षमावान रहेंगे और उन्हें भी माफ़ करेंगे जिन्होंने आपके साथ गलत किया है । चाहे वे आपके सहकर्मी हो जिन्होंने जलन की वजह से आपको नुकसान पहुँचाने कोशिश की या आपका क्रूर मालिक जिसने कभी आपकी बात नहीं सुनी और हमेशा से आपकी प्रगति में बाधा उत्पन्न की । आपकी वितीय स्थिति उच्च रहेगी हालाँकि आपको लाभ के लिए जोखिम उठाने पड़ सकते है ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
एक परिवर्तन आपके कार्य क्षेत्र में आने का संकेत दे रहा है। आप अपनी नौकरी बदल सकते हैं या अपने कार्यालय में एक से दूसरे विभाग में आपका स्थानांतरण हो सकता है । यह ऐसी स्थिति होगी जिसको आप पसंद करेंगे और इन संभावनाओ का आप लंबे समय से इंतजार भी कर रहे थे , इसलिए आप को इन अवसरों का पूरा लाभ उठाने की जरुरत है , ताकि आपका करियर उचित दिशा में चलता रहे ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
घर्षण एवं विचारो की असमानता आप और आपके साथी के बीच विकसित होने की संभावना है, लेकिन आपको अपने विचारो से नहीं हटना है और उसी के साथ रहना है , लेकिन आप चिंता न करे क्यों कि ये स्थिति एक स्थायी मनमुटाव को जन्म नहीं देगी । हालाँकि आपके साथी के साथ आपका थोड़ा मनमुटाव हो सकता है।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आप सफलतापूर्वक अपने रचनात्मक कार्यो को खत्म करने में सक्षम होंगे । इस जश्न को मनाने के लिए आप एक पार्टी की मेजबानी की योजना भी बना सकते हैं और जिन्होंने भी इस यात्रा में आप का समर्थन किया एवं अपने विरोधियों को भी समारोह में आमंत्रित करें । अपनी कमाई और खर्च के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए भी प्रयास करते रहे ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
हालाँकि आपको अपने कार्य स्थल पर हास्य और आनंद लेने की कला आती है परन्तु अब आप पूरी तरह से अपने काम पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। आप आज एक गैर जरुरी कार्य में भी गंभीर मुद्रा में रहेंगे । एक सहयोगी की सुस्ती और लापरवाही के कारण आप उसका काम अपने लिए कर सकते है । इसलिए आप पर कुछ अनुचित कार्य का दबाव आज बन सकता है ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आप किसी भी कार्य को अच्छी तरह से करने में बहुत गर्व महसूस करते है। यह अब आपके वरिष्ठ अधिकारियों के ध्यान में आएगा । कुछ अतिरिक्त जिम्मेदारी भी आपको दी जा सकती है जो की आपके करियर की प्रगति के लिए नए दरवाजे और आयाम खोलेगी । आय में भी वृद्धि की संभावना है। आपको अपने करियर को आगे ले जाने के लिए समर्पण और ध्यान को बढ़ाने की जरूरत है।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आज का दिन उनके लिए उपयुक्त है जो की रचनात्मक कार्य से जुड़े हुए है । आपके सुझाव आपको नये अनुबंध दिलाएंगे जिससे आपकी बैंक में जमा राशि में विस्तार होगा । कलाकार , संगीतज्ञ , फिल्म निर्माता , फोटोग्राफर एवं लेखक अपने अपने कार्य क्षेत्र में आगे बढ़ेंगे और जो लोग अन्य क्षेत्रो में हैं अगर वह अपने काम में कुछ नवीनता या कुछ रचनात्मकता लाएं तो वो भी आगे बढ़ सकते है ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
एक उत्कृष्ट अवसर आपके लंबित कार्यो को खत्म करने के लिए आपके रास्ते में आ सकता है । इस खाली समय का पूरा उपयोग करें , हालांकि आप जिस तरीके से अपने कार्य अभी तक करते थे , उन्हें आपको छोड़ना होगा ! यह अपनी पसंद के घर के स्वामित्व को पाने के लिए सही समय है।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आप अपने को शांत रखे क्यों की कुछ स्थितियों में आप अपना आपा खो सकते है । कुछ भी क्रोधित तरीके से न बोले की किसी को वो आक्रामक या गलत लगे । इस समय इस बिंदु पर अनभिज्ञ रहे और बाद में एक परिष्कृत तरीके से अपना रोष बाहर निकाले । आप खुश रहे क्योंकि आपने काफी धन एकत्रित कर लिया है ,जो की आप विलासिता से भरी वस्तु पर खर्च कर सकते है ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आज आप अपने संबंधित काम में गंभीर रूप से तनाव से प्रभावित हो सकते हैं। आंतरिक दबाव आपके सिर चढ़ कर बोलेगा और अपने लक्ष्यों को पूरा करने के लिए आपके पास आवश्यक समय की कमी हो सकती है , लेकिन आप इसमें कुछ भी नहीं कर सकते है इसलिये इस समय को आसानी से निकालने का प्रयास करें। आपको एक ऐसे व्यक्ति की बात सुननी पड़ सकती है , जो की आपको मिलनसार नहीं लगता , लेकिन व्यावसायिक कारणों के लिए यह आपको करना होगा।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आज आपको अत्यधिक खर्चो का सामना करना पड़ सकता है इसलिए नहीं की वो खर्चे दूर नहीं किये जा सकते थे बल्कि इसलिए की आप खुद उन खर्चो को करना चाहते थे । यह ठीक है की आप अपने मुश्किल समय के लिए पैसे बचाते है जो की बुद्धिमता वाला काम है लेकिन आज आप अपने या अपने किसी ख़ास व्यक्ति जो आपके बहुत निकट है के लिए किसी छोटी सी पार्टी का अयोजन कर सकते है।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

चाय बेचने वाले ने 400 लोगों से 100 करोड़ ठगे

रायपुर में शेयर ट्रेडिंग से दिया दोगुना मुनाफे का लालच, पैसों से जमीन-प्रॉपर्टी खरीदी

रायपुर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। रायपुर में चाय का ठेला लगाने वाले एक युवक ने 400 से ज्यादा लोगों से 100 करोड़ रुपए ठग लिए। आरोपी शेयर ट्रेडिंग में निवेश कर लोगों को दोगुना फायदा होने का झांसा देता था। पुलिस ने इस मामले में मास्टरमाइंड सहित 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। खास बात यह है कि मुख्य आरोपी को लेकर दूसरे थाने में गुमशुदगी दर्ज थी। ठगी का मामला मंदिर हसौद थाना क्षेत्र का है। पुलिस इस मामले में एक आरोपी को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। जबकि एक आरोपी अभी फरार है। उसकी तलाश की जा रही है। जानकारी के मुताबिक, कुबेर वर्मा ने थाने में शिकायत दी कि भुवनेश्वर साहू ने उसे शेयर बाजार में मुनाफा दिलाने का वादा किया था। इसके लिए रुपए निवेश करने की सलाह दी। उसकी बातों में आकर कुबेर ने करीब 7 लाख रुपए भुवनेश्वर के बताए बैंक खातों में जमा कर दिए। कुछ समय तक तो कुबेर को अच्छी रकम मिली, इसके बाद जब भी

भुवनेश्वर से वह मुनाफे के बारे में पूछता तो वो टाल जाता। आरोप है कि इसके बाद भुवनेश्वर अपना मोबाइल बंद कर गायब हो गया। इसके बाद कुबेर को उससे ठगी होने का एहसास हुआ और थाने पहुंचा। पुलिस पूछताछ में भुवनेश्वर साहू ने बताया कि, लोगों को बताता था कि वो शेयर बाजार का बड़ा खिलाड़ी है। उसने सैकड़ों लोगों को विश्वास में लिया और दोगुना मुनाफा होने का झांसा दिया। बातों में आकर बहुत सारे लोगों ने उसे रुपए दिए। शुरुआती दिनों में उसने कुछ प्रॉफिट दिया। जिससे बड़े मुनाफे की लालच में लोगों ने उसे लाखों रुपए निवेश करा लिए। इस तरह 400 से ज्यादा लोगों से 100 करोड़ से ज्यादा रुपए ठग लिए। पूछताछ में आरोपी भुवनेश्वर साहू ने बताया कि वह पहले चाय ठेला लगाता था। बाद में उसने मनोहर और शत्रुहन वर्मा के साथ मिलकर ठगी करना शुरू कर दिया। उसने ठगी के लिए बाकी आरोपियों को 10 प्रतिशत कमीशन पर रखा था। वे लोगों को झांसा देकर निवेश कराते थे। भुवनेश्वर ने पुलिस को बताया कि एकत्रं की गई रकम में से करीब 2 करोड़ रुपए शेयर मार्केट में निवेश किए। बाकी रकम से अपने और अन्य परिचितों के नाम पर जमीन व प्रॉपर्टी खरीदी। शेयर मार्केट में निवेश की गई रकम के बारे में बताया कि वह डूब गई। उसके बयान के बाद पुलिस ने आरोपी मनोहर साहू को भी पकड़ लिया। जबकि दूसरे आरोपी शत्रुहन की गिरफ्तारी पुलिस पहले ही कर चुकी थी। जांच के दौरान पता चला कि आरोपी भुवनेश्वर साहू की थाना आरंग में गुमशुदगी दर्ज है। पहले पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ में पता चला कि भुवनेश्वर धमतरी में छिपा हुआ है। यह भी सामने आया कि उसने बचने के लिए परिचितों के सहयोग से अपनी गुमशुदगी दर्ज कराई थी।

नारायणपुर में आईईडी ब्लास्ट, आईटीबीपी के 2 जवान घायल

नक्सल ऑपरेशन से लौटने के दौरान चपेट में आए, एयरलिफ्ट करने की तैयारी

नारायणपुर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में आईईडी ब्लास्ट की चपेट में आने से आईटीबीपी के 2 जवान घायल हो गए। घायलों को मौके से निकालकर एयरलिफ्ट किया गया। बेहतर इलाज के लिए घायलों को रायपुर रेफर किया गया है। जानकारी के मुताबिक, अबूझमाड़ के मोहंदी इलाके में शनिवार को ब्लास्ट हुआ है। जवान नक्सल ऑपरेशन से लौट रहे थे। इसी बीच वापस लौट रही सर्चिंग पार्टी को नक्सलियों ने निशाना बनाया। नारायणपुर और दंतेवाड़ा जिले के ही थुलथुली गांव में 3 अक्टूबर को मुठभेड़ हुई थी। इस एनकाउंटर में 38 नक्सली मारे गए थे। सभी 38 नक्सलियों की शिनाख्त हो गई है। इन पर 2 करोड़ 62 लाख का इनाम घोषित था। वहीं मारे गए नक्सलियों पर 250 से ज्यादा अपराध भी दर्ज थे।

सीधे एक्शन होगा, कानून व्यवस्था पर सीएम की अधिकारियों को दो टूक

कहा- जिम्मेदार लोग अलर्ट रहें

रायपुर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में बिगड़ती कानून व्यवस्था पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय अधिकारियों को सख्त निर्देश दिया है। शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास में आयोजित बैठक में प्रदेश में कानून और व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री साय ने बैठक में अधिकारियों को कड़े शब्दों में कहा कि अपराधियों और असामाजिक तत्वों पर सख्ती से कार्यवाही की जाए। उन्होंने कहा कि हर हाल में कानून और व्यवस्था बहाल रखना चाहिये। पुलिस त्वरित कार्यवाही करे और चौकन्ना रहे। इस बैठक में उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्थानीय स्तर पर होने वाली घटनाओं पर पुलिस की पैनी नजर होनी चाहिए और इन घटनाओं के संभावित परिणाम पर भी विचार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अपराधों को

रोकने के लिए नशे के अवैध व्यापार पर अंकुश लगाया जाए। गांजा, अवैध शराब, ड्रग्स की तस्करी पर मुस्तैदी से कार्यवाही हो। साय ने कहा कि नगरीय और ग्रामीण क्षेत्रों में रात्रि में पुलिस की गश्त नियमित रूप से होनी चाहिए। पुलिस के आला अफसर भी अनिवार्य रूप से पेट्रोलिंग करें। रेलवे स्टेशन, बस स्टैण्ड, हवाई अड्डों के साथ ही संवेदनशील इलाकों में नियमित रूप से पुलिस की पेट्रोलिंग होती रहनी चाहिए। नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में शॉपिंग मॉल, दुकानों, होटलों आदि रात्रि के समय पर निर्धारित समय पर बंद होनी चाहिए। बार एवं होटल निर्धारित समय पर बंद हो ऐसे होटल जहां शराब की अवैध बिक्री की शिकायत मिलती है उन पर सख्त कार्यवाही की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सायबर क्राइम को रोकने के लिए तत्परता से प्रभावी कार्यवाही की जाए। सीएम ने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि हर कान में अपराधियों के मन में कानून का खौफ होना चाहिए। कानून तोड़ने वालों पर सख्ती बरतें जरुरत पड़े को उन्हें जिला बदर करें लेकिन कानून के साथ खिलवाड़ नहीं होना चाहिए। सीएम ने गृह विभाग के अधिकारियों को साफ शब्दों में कहा कि जिलों में अगर कानून व्यवस्था नहीं सुधरी तो जिम्मेदार अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस बैठक में नक्सलवाद को लेकर भी चर्चा की गई है।

कुसमुंडा-खदान में जवान ने एके-47 से खुद को मारी गोली

सर्विस राइफल से की फायरिंग, मरने से पहले फोन पर की थी बात

कोरबा, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में एसईसीएल की कुसमुंडा खदान में ड्यूटी पर तैनात त्रिपुरा राइफल्स (टीएसआर) के जवान ने सर्विस राइफल से खुद को गोली मार ली। गोली लगने से उसकी मौके पर मौत हो गई। वारदात शुक्रवार रात लगभग 11 बजे की है। मामला कुसमुंडा थाना क्षेत्र का है। त्रिपुरा राइफल्स के जवान का नाम आजाद सिंह है। सर्विस राइफल (एके-47) से खुद पर फायरिंग की है। मौके पर खून ही खून बिखरा मिला।

वारदात के बाद खदान में लोगों की भीड़ जमा हो गई थी। जानकारी मिलते ही एसईसीएल और त्रिपुरा राइफल्स के अधिकारी मौके पर पहुंचे। फिर सूचना कुसमुंडा थाने को दी गई। वहीं पुलिस ने मौके से शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

कुसमुंडा थाना प्रभारी निरीक्षक रूपक शर्मा ने बताया कि घटनास्थल को सुरक्षा घेरे में लेकर जांच पड़ताल शुरू कर दी गई है। फोरेंसिक एक्सपर्ट की टीम भी मौके पर पहुंची है। खदान में इस तरह की यह पहली घटना है। पुलिस ने बताया कि शव के पास से एक मोबाइल मिला है। वहीं हेडफोन भी गले के पास रखा हुआ था। अंदाजा लगाया जा रहा है कि मौत से पहले उसने किसी से फोन पर बातचीत की है। इसके बाद उसने यह कदम उठाया है।

एसईसीएल के पीआरओ डॉ. सनीश चन्द्र ने बताया कि टीएसआर आजाद सिंह शुक्रवार की रात सुरक्षा ड्यूटी में तैनात था। जवान ने खुद को कोल स्टाफ नंबर 29 के पास अपनी सर्विस राइफल से गोली मारी है। उनके साथियों ने जानकारी दी है कि पारिवारिक विवाद से जवान तनाव में था।

ऑक्सीजन सिलेंडर की चोरी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़

पुलिस ने 10 लोगों को किया गिरफ्तार

दुर्ग, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। दुर्ग में जामुल थाना पुलिस ने ऑक्सीजन सिलेंडर की चोरी करने वाले गिरोह के 10 लोगो को गिरफ्तार किया है। वहीं, दो अन्य आरोपी फरार बताए जा रहे है। जिनकी तलाश में पुलिस जुटी है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 103 ऑक्सीजन सिलेंडर बरामद किए हैं। जामुल थाना प्रभारी कपिल देव पांडेय ने बताया कि प्रार्थी ने शिकायत दर्ज कराई कि उसकी जामुल में ऑक्सीजन सिलेंडर रिफलिंग की कंपनी है। जहां से पिछले कई महीने से लगातार ऑक्सीजन सिलेंडर चोरी हो रहे हैं। शिकायत के आधार पर पुलिस जांच में जुट गई थी। जांच के दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि चोरी में कंपनी का एक कर्मचारी ड्राइवर घटना में शामिल है। जिसके बाद दोनों को हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ करने पर उसने अन्य साथियों के साथ मिलकर ऑक्सीजन सिलेंडर की चोरी कर बाजार में बेचा स्वीकार की। जिसके बाद पुलिस ने कर्मचारी, ड्राइवर समेत 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पकड़े गए आरोपियो ने पुलिस को बताया कि कंपनी से ऑक्सीजन सिलेंडर चोरी करने के बाद बाजार से कम कीमतों पर रायपुर के व्यापारी ज्ञानेन्द्र गुप्ता उरला रायपुर को बेचते थे और व्यापारी चोरी के सिलेंडर को अस्पतालों में खपाता था। एनडीटीवी ने पिछले तीन महीने से धीरे-धीरे करके सिलेंडर चोरी की घटना को अंजाम देते थे। लेकिन आरोपी कर्मचारी और ड्राइवर ने कंपनी से एक दिन अचानक 17 सिलेंडर स्टॉक से गायब हो गए। जिसके बाद पुलिस ने शिकायत दर्ज कराई गई।

पुलिस ने इस मामले में ज्ञानेन्द्र गुप्ता, पंचराम यादव, चैन सिंह देवांगन, रविशंकर यादव, नकुल विश्वकर्मा, मुन्नालाल मारकंडे, अरुण पटेल, नरेश कुमार, राकेश पाल और सोनू शर्मा को गिरफ्तार किया है पुलिस ने इनके पास चोरी के 103 ऑक्सीजन सिलेंडर बरामद किए है। जिसकी कीमत 2 लाख 32 हजार बताई जा रही गई है।

पुलिस ने बताया कि आरोपियों द्वारा 10 हजार के सिलेंडर को महज 200 रुपए में बेचते थे और व्यापारी के द्वारा ऑक्सीजन सिलेंडर में अधिक कीमतों पर अस्पतालों को किराए पर देता था। पकड़े गए आरोपियों ने अब तक 2 लाख से अधिक रुपए कमाए थे।

बेटी ने लीवर डोनेट कर पिता की बचाई जान

रायपुर में अस्पताल से डिस्चार्ज होने की खुशी में मरीज ने किया डांस

रायपुर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। इस दीपावली में बेटी ने अपने पिता को बड़ी उपहार दिया है, जी हां बेटी ने अपने लीवर डोनेट कर पिता की जान बचाई है। अस्पताल से डिस्चार्ज होने की खुशी में मरीज ने अस्पताल में ही डांस करना शुरू कर दिया। जिसका वीडियो अब वायरल हो रहा है। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में लीवर ट्रांसप्लांट होने के बाद मरीज का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें मरीज डांस करते हुए दिख रहा है। जानकारी के अनुसार, मरीज का नाम अनिल कुमार यादव है। वह तिल्दा का रहने वाला है। बेटी ने लीवर ट्रांसप्लांट कर उसकी जान बचाई है। इसके बाद ऑपरेशन थिएटर में अनिल पुराने गानों पर डांस करते नजर

आए। 52 वर्षीय मरीज अनिल कुमार यादव रायपुर के श्री नारायण हॉस्पिटल में भर्ती था। उनकी बेटी ने लीवर डोनेट किया है और अस्पताल में डॉक्टरों की टीम ने उनका सफल लीवर ट्रांसप्लांट किया है। मरीज पूरी तरह स्वस्थ्य होने और अस्पताल से डिस्चार्ज की खबर सुनकर खुशी से झूम उठा। खुद को उसने नहीं रोक पाया और अस्पताल के वार्ड में ही डांस करने लगा। अब ये वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

झारखंड के 6 जिलों में बारिश, आकाशीय बिजली का अलर्ट

अगले दो दिन में गिरेगा तापमान

रांची, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। झारखंड में बंगाल की खाड़ी में आए साइक्लोनिक सर्कुलेशन का असर देखने को मिल रहा है। इस वजह से राज्य के दक्षिणी हिस्से में रोज हल्की बारिश हो रही है। वहीं कुछ जिलों में सुबह-सुबह कोहरा देखने को मिल रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले तीन से चार दिनों तक इसी तरह के मौसम रहने का अनुमान है। इस दौरान आसमान में बादल छाए रहने और दोपहर बाद बारिश की संभावना है। फिर गुलाबी ठंड की दस्तक हो जाएगी। हालांकि, रांची समेत कई जिलों में ठंड दस्तक दे चुका है। पिछले दो दिनों से इन जिलों में सुबह में घना कोहरा देखने को मिल रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक, आज रांची, लोहरदगा, गुमला, खूंटी, पश्चिमी और पूर्वी सिंहभूम, सरायकेला खरसावां में हल्की बारिश के साथ आकाशीय बिजली गिरने का अलर्ट जारी किया गया है।

रांची, हटिया समेत झारखंड की 5 सीटों पर फंसा पेंच

भाजपा प्रत्याशियों की लिस्ट लटकी, हिमंता बोले-कुछ कारणों से सूची जारी नहीं हो पाई

रांची, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। भाजपा के रांची, हटिया, कांके, कोडरमा, बाघमारा और जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा सीट पर प्रत्याशियों का नाम अटक गया है। इस कारण सूची जारी करने में भी देरी हो रही है। पार्टी के सीनियर नेताओं के तल्ख रवैये ने केंद्रीय नेतृत्व को भी सोचने पर मजबूर कर दिया है। केंद्रीय नेतृत्व इन सीटों पर फिर से मंथन कर रही है। ऐसे में तय समय पर नाम घोषित नहीं होने पर उम्मीदवारों के साथ-साथ कार्यकर्ताओं में भ्रम की स्थिति बनी हुई है। कुछ विधानसभा क्षेत्रों में बतौर उम्मीदवार कुछ लोगों के नाम सामने आने के कारण विरोध भी शुरू हो गया है। हुसैनाबाद, दुमका, जामा, मधुपुर, धनवार आदि सीटों के कार्यकर्ता अलग-अलग खेमों में बंट गए हैं। ऐसे में शुक्रवार को भी उम्मीदवारों के नामों की घोषणा नहीं हुई, जबकि सीट शेयरिंग कंप्लीट हो चुकी है। भाजपा, आजसू, जदयू और लोजपा की सीटों की घोषणा भी कर दी गई है। इस बारे में पूछे

जाने पर भाजपा के प्रदेश सह चुनाव प्रभारी हिमंता बिस्वा सरमा ने स्वीकार किया कि चुनाव की घोषणा के 48 घंटे के अंदर प्रत्याशियों के नामों की घोषणा करने की बात उन्होंने कही थी, लेकिन कुछ कारणों से यह नहीं हो सका। हिमंता ने कहा कि अब शनिवार या रविवार को प्रत्याशियों की घोषणा होगी।

पार्टी पहले सिटिंग विधायकों का टिकट काटने के पक्ष में नहीं थी, पर बदलती परिस्थिति में कुछ के टिकट कट सकते हैं। इसी डर से जमुआ विधायक केदार हाजरा झामुमो में चले गए। छत्तरपुर विधायक का भी टिकट कट सकता है। पार्टी यह देख रही है कि ऐसी कितनी सीटें हैं, जहां पर एंटी इनकंबेंसी है।

यह भी खबर आ रही है कि भाजपा केंद्रीय मंत्रियों और बड़े नेताओं को भी चुनाव लड़ा सकती है। नीरा यादव पिछली बार कोडरमा से बहुत कम वोटों से जीती थीं। ऐसे में वरीय नेताओं का कहना है कि अन्नपूर्णा देवी को चुनाव लड़ाना चाहिए। ऐसे ही पोटका सीट पर भी पूर्व सीएम अर्जुन मुंडा के लड़ने की संभावना है।

झारखंड में पहले चरण का चुनाव 13 नवंबर को है। शुक्रवार से नामांकन प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है, लेकिन प्रत्याशियों के नाम पर टकटकी है। वैसे, एनडीए इस मामले में इंडिया गठबंधन से आगे है कि उसने सीट शेयरिंग का फॉर्मूला तय कर लिया है। एनडीए में शामिल भाजपा, आजसू पार्टी, जदयू और लोजपा (आर) किन-किन सीटों पर लड़ेंगे, इसकी घोषणा भी कर दी गई है।

पार्टी नेताओं को आशंका है कि सूची जारी होते ही टिकट की आस लगाए नेता विपक्षी खेमे में जा सकते हैं। इसे रोकने के लिए पार्टी प्लान बी पर काम शुरू कर चुकी है। सीट शेयरिंग फाइनल होने के बाद एनडीए के नेताओं ने एक-दूसरे का हाथ थाम कर एकजुटता का संदेश दिया।

झारखंड विधानसभा चुनाव- 70 सीटों पर मिलकर लड़ेंगी कांग्रेस-जेएमएम

राजद को 7 सीटें, 4 पर फैसला नहीं, राहुल रांची पहुंचे, हेमंत और तेजस्वी मिलेंगे

रांची, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस और झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर सहमति बन गई है। सीएम हेमंत सोरेन और कांग्रेस के झारखंड प्रभारी गुलाम अहमद मीर सहित कई नेताओं ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस बात की घोषणा की। उन्होंने कहा- कांग्रेस और जेएमएम 70 सीटों पर मिलकर चुनाव लड़ेगी, बाकी बची सीटों के लिए जल्द ही जानकारी साझा की जाएगी। सीएम हेमंत सोरेन ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा- अन्य सीटों के लिए मंथन किया जाएगा। हमारे साथ वाम दल भी जुड़ रहे हैं उनके साथ भी सीट साझा की जाएगी। राजद को 7 सीट देने पर सहमति बनी है। होटल रेडिसन ब्लू में राजद की बैठक चल रही है। मीटिंग खत्म होने के बाद उनका पक्ष क्या आता है, इसके बाद आगे की बात सामने आएगी। कांग्रेस नेता और सांसद राहुल गांधी आज झारखंड दौरे हैं। वे रांची एयरपोर्ट से सीधे रेडिसन ब्लू होटल पहुंचे हैं। जानकारी के मुताबिक, झारखंड चुनाव को लेकर वे प्रदेश कांग्रेस के नेताओं के साथ मीटिंग करेंगे। मीटिंग के बाद राहुल गांधी सीधे शौर्य सभागार में आयोजित संविधान वाले कार्यक्रम में शामिल होंगे और फिर यहां से निकलकर सीधा एयरपोर्ट चले जाएंगे। इन दोनों ही जगह के कार्यक्रम में मीडिया की एंट्री नहीं है। इसी होटल में बिहार के नेता प्रतिपक्ष और राजद नेता तेजस्वी यादव अपने पार्टी कार्यकर्ताओं पदाधिकारी के साथ मीटिंग कर रहे हैं। वहीं, जानकारी के मुताबिक, सीएम हेमंत सोरेन भी रेडिसन ब्लू होटल पहुंच गए हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि तीनों नेताओं के बीच सीट शेयरिंग को लेकर बातचीत हो सकती है। कांग्रेस नेता मीर ने कहा कि जेएमएम के अलावा इंडिया गठबंधन के घटक दल राजद के नेताओं से भी शुक्रवार की सुबह उनकी बात हुई है। सब कुछ ठीक है। कहीं परेशानी वाली बात नहीं है। इंडिया गठबंधन में नए पार्टनर से भी बात होनी है। सूत्रों का कहना है कि गुरुवार की रात सीएम आवास पर कांग्रेस नेताओं और हेमंत के बीच पहले फेज के चुनाव पर चर्चा हुई। इसमें जल्द सीट शेयरिंग और प्रत्याशियों के नामों के घोषणा पर विमर्श किया गया। इंडिया गठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर अब तक आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। लेकिन, सूत्रों के अनुसार बंटवारे का फॉर्मूला पिछले विधानसभा चुनाव की तरह है।

रायपुर जेल में बंद गैंगस्टर अमन साव लड़ेगा झारखंड चुनाव

नामांकन दाखिल करने कोर्ट से मांगी अनुमति, 28 अक्टूबर तक न्यायिक रिमांड पर भेजा गया

रायपुर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। रायपुर जेल में बंद झारखंड का कुख्यात गैंगस्टर अमन साव विधानसभा चुनाव लड़ेगा। उसके वकील ने कहा कि, हमने कोर्ट में जज के सामने अपनी बात रखी है कि, झारखंड चुनाव में अमन को नामांकन दाखिल करना है। उसे झारखंड ले जाना होगा। लेकिन अभी कोर्ट ने आदेश नहीं दिया है।

दरअसल, शनिवार को रायपुर कोर्ट में अमन साव को कोर्ट में पेश किया। जहां से कोर्ट ने उसे 28 अक्टूबर तक न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। अब वो रायपुर सेंट्रल जेल में बंद रहेगा। इसके पहले पुलिस को गंज थाने के एक मामले में पूछताछ के लिए 5 दिन की रिमांड ली थी। बताया जा रहा है कि, पुलिस रिमांड में आरोपी ने कारोबारी के खिलाफ सुपारी दिए जाने की बात कबूल नहीं की है।

लेकिन पुलिस को कोई पुख्ता जानकारी नहीं मिली है। 40 पुलिसकर्मियों की टीम अमन साव को झारखंड से प्रोडक्शन वारंट पर 14 अक्टूबर को रायपुर लेकर आई थी। अमन साव कारोबारी प्रहलाद राय अग्रवाल की कार पर फायरिंग का मुख्य आरोपी है। प्रह्लाद राय का तेलीबांधा क्षेत्र में पीआरए कंस्ट्रक्शन का ऑफिस है। यहां 13 जुलाई को अमन साव के गुर्गो ने गोली चलाई थी। इस गोलीकांड में अमन साव के अलावा लॉरेंस बिश्नोई का नाम भी सामने आया था। अमन साव को रायपुर प्रोटेक्शन वारंट में लाने पर रायपुर पुलिस को पांचवीं बार में सफलता मिली है। इससे पहले चार बार रायपुर पुलिस के अधिकारी प्रोटेक्शन वारंट पर रायपुर लाने की मांग कर चुके थे, लेकिन हर बार उनकी मांग को नकार दिया जाता था। रिपोर्ट्स के अनुसार, गैंगस्टर अमन साव पहली बार 2019 में गिरफ्तार हुआ था। लेकिन 29 सितंबर 2019 को ही वह फरार हो गया। पुलिस ने उसे 3 साल बाद जुलाई 2022 में दोबारा गिरफ्तार किया। साव अभी झारखंड के गिरिडीह जेल में बंद है। बताया जाता है कि अमन साहू के गिरोह के पास एडवांस हथियार हैं जिसके दम पर वह अपने खौफनाक मंसूबों को अंजाम देते हैं। अमन साव का नेटवर्क धनबाद, रांची, रामगढ़, चतरा, हजारीबाग, पलामू, लातेहार, बोकारो जैसे झारखंड के तमाम जिलों में फैला हुआ है। साव के रडार पर कोल माइनिंग कंपनियां, कोयला व्यवसायी और ट्रांसपोर्ट फील्ड के बिजनेसमैन रहते हैं। साव इनको अपना टारगेट बनाकर इनसे रंगदारी की मांग करता है और जो उसकी बात नहीं मानता उसके गुर्गे उस पर गोली चलाकर अपनी बात मनवाते हैं। अमन साव ने मात्र 17 साल की उम्र में ही अपराध की दुनिया में कदम रख दिया था। गैंगस्टर साव के ऊपर लगभग 50 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। 9 मई 2023 को एनटीपीसी कोल परियोजना की आउटसोर्स कंपनी 'त्रिवेणी' के प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर शरद कुमार की हत्या भी अमन साव ने कराई थी। स्थानीय मीडिया के अनुसार, शरद कुमार से 60 करोड़ की रंगदारी की मांग की गई थी और मांग पूरी नहीं करने पर उनकी हत्या कर दी गई।

एंबुलेंस कर्मियों ने हड़ताल किया खत्म

3 माह का बकाया वेतन का हुआ भुगतान काम पर लौटे सभी, मरीजों को मिली राहत

गिरिडीह, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। गिरिडीह में 6 सूत्री मांगों को लेकर सभी 108 कर्मी पिछले पांच दिनों से हड़ताल पर थे। सोमवार को 3 माह का बकाया वेतन भुगतान हो जाने पर हड़ताल को समाप्त कर दिया गया है। इस मौके पर 108 कर्मियों ने संघ के जिलाध्यक्ष और मजदूर मोर्चा के नेता को गुलदस्ता भेंट देकर सम्मानित किया। इस संबंध में जानकारी देते हुए झारखंड मजदूर मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अशोक सिंह एवं जिला अध्यक्ष बबलू तांती ने बताया कि उनकी 6 सूत्री मांगों में से एक बकाया मानदेय का भुगतान किया गया है। साथ ही उन्हें पीएफ ईसीस का

लाभ देने एवं वेतन में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी करने का आश्वासन भी दिया गया है। वहीं आचार संहिता लागू भी हो चुका है। इस सभी को देखते हुए उन्होंने अपना हड़ताल स्थगित कर दिया है। अगर इस दौरान किसी भी कर्मियों को हटाया जाता है या फिर हड़ताल के दौरान उनकी वेतन में कटौती की जाती है तो पुनः आचारसंहिता के बाद वे सभी हड़ताल करेंगे।

हिज्बुल्लाह ने नेतन्याहू के निजी आवास पर ड्रोन अटैक किया

पीएमओ बोला- होम टाउन सिसेरिया में हमला, इजराइली पीएम और परिवार मौजूद नहीं था

तेल अवीव, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। हिज्बुल्लाह ने शनिवार को इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के निजी आवास पर ड्रोन हमला किया। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक पीएमओ ने कहा कि हमला लेबनान से हुआ था। तब नेतन्याहू और उनकी पत्नी सारा घर पर नहीं थे। फिलहाल हमले में कोई हताहत नहीं हुआ है। इजराइली डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने कहा कि शनिवार को लेबनान से इजराइल पर 3 ड्रोन दागे गए। इनमें से एक सिसेरिया शहर में एक इमारत पर गिरा। यहां पर ही नेतन्याहू का निजी आवास है। लेबनान से दो और ड्रोन लॉन्च किए गए थे, जिन्हें रोक दिया गया। इसके चलते गिलोट सैन्य अड्डे पर अलार्म बजने लगे। आईडीएफ ने माना है कि उनका एयर डिफेंस सिस्टम हमले को रोकने में विफल रहा जिसकी वजह से यह हमला हुआ। उन्होंने कहा कि वे ड्रोन के घुसपैठ की जांच कर रहे हैं। आईडीएफ ने कहा कि पिछले एक घंटे में (भारतीय समय से 1 से 2 बजे के बीच) लेबनान से उत्तरी इजराइल पर लगभग 55 रॉकेट दागे गए हैं। सेना ने कहा कि कुछ रॉकेटों को रोक लिया गया है जबकि कई खुले इलाके में गिरे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक 5 लोग घायल हुए हैं। शनिवार सुबह से ही लेबनान की तरफ से इजराइल के तिबेरियास और आस-पास के इलाकों को निशाना बनाते हुए ड्रोन और रॉकेट हमले हो रहे हैं। कई रॉकेट गैलिसी सागर में गिरते देखे गए, जिससे कोई हताहत नहीं हुआ। तेल अवीव और शहर के उत्तरी इलाकों में भी ड्रोन हमले की चेतावनी वाले सायरन सुनाई दिए। इजराइली हमले में हमास चीफ याह्या सिनवार की मौत के बाद पहली बार ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह अली खामेनेई का बयान आया है।

उम्मीदवार की घोषणा से पहले कांग्रेस में बड़ी कलह!

सीनियर नेता ने खरीदा नामांकन फॉर्म

रायपुर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की रायपुर दक्षिण विधानसभा सीट पर उपचुनाव होना है। उपचुनाव की घोषणा के बाद कांग्रेस की तरफ से टिकट पाने के लिए दावेदारों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। इसी बीच कांग्रेस में कलह भी दिखने लगी है। कांग्रेस अभी उम्मीदवार के नाम पर मंथन कर रही है उसी बीच कांग्रेस के एक सीनियर नेता ने नामांकन फॉर्म खरीद लिया है। बिना उम्मीदवार की घोषणा के नामांकन फॉर्म खरीदने के बाद सियासत तेज हो गई है। कहा जा रहा है कि कांग्रेस में एक बार फिर से गुटबाजी दिखने लगी है। हालांकि इस मामले में प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। विधानसभा उपचुनाव के लिए उम्मीदवारों की घोषणा नहीं हुई है। नामांकन फॉर्म खरीदने की प्रक्रिया की शुरू हो गई है।

पुतिन बोले- यूक्रेन जंग को लेकर मोदी फिक्रमंद

जब भी बातचीत होती है, वे इस मुद्दे को उठाते हैं, बॉलीवुड फिल्मों की तारीफ की

मॉस्को, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शुक्रवार को कहा कि नरेंद्र मोदी यूक्रेन युद्ध को लेकर बहुत फिक्रमंद रहते हैं। रूस में ब्रिक्स के शिखर सम्मेलन से पहले मीडिया ब्रीफिंग में पुतिन ने कहा कि जब भी उनसे बातचीत होती है, वे हर बार इस मुद्दे को उठाते हैं और अपने विचार रखते हैं। इसके लिए, हम पीएम मोदी का आभार जताते हैं। पुतिन ने कहा कि रूस शांतिपूर्ण तरीके से यूक्रेन संकट को समाप्त करना चाहता है। हमने इसे खत्म करने के लिए कोशिश शुरू की, लेकिन यूक्रेन ने वार्ता रोक दी। उन्होंने कहा कि पश्चिमी देशों की वजह से जंग जारी है। पुतिन ने यूक्रेन जंग में रूस की जीत का दावा किया। पुतिन ने बॉलीवुड फिल्मों की तारीफ करते हुए कहा कि रूस में भारतीय फिल्में बहुत ज्यादा देखी जाती हैं। हमारे पास एक स्पेशल टीवी चैनल है, जिस पर चौबीसों घंटे भारतीय फिल्में दिखाई जाती हैं। पुतिन ने कहा कि हम ब्रिक्स फिल्म फेस्टिवल आयोजित करते हैं। इस साल मॉस्को इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में ब्रिक्स देशों की फिल्में शामिल की गई हैं। अगर भारतीय फिल्म इंडस्ट्री इसमें रुचि रखती है, तो हम रूस में उनका प्रचार करेंगे। पुतिन ने कहा कि अमेरिका ने लगातार प्रतिबंध लगाकर रूस के साथ अपने संबंधों को खराब कर लिया है। इससे उन पर बुरा असर पड़ा है। अब पूरी दुनिया डॉलर का इस्तेमाल करने को लेकर विचार करने लगी है। अब तो अमेरिका के सहयोगी देश भी अपने डॉलर भंडार को कम करते जा रहे हैं। अमेरिका करीब 15 साल पीछे चला गया है। रूस के कजान में अगले हफ्ते बीआरआईसीएस समिट होने जा रही है। बीआरआईसीएस को लेकर पुतिन ने कहा कि यह पश्चिम विरोधी ग्रुप नहीं है। बस इसमें पश्चिमी देश शामिल नहीं हैं। पुतिन ने कहा कि आने वाले समय में और भी देश बीआरआईसीएस में शामिल होंगे। जैसे-जैसे ग्रुप की ताकत बढ़ेगी, गैर सदस्य देशों को भी इसका लाभ मिलेगा।

जी-20 समिट में शामिल होने ब्राजील नहीं जाएंगे पुतिन

पुतिन ने कहा है कि वे अगले महीने ब्राजील में होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा नहीं लेंगे। उन्होंने कहा कि अगर वे वहां जाते हैं तो इससे समिट पर असर पड़ेगा। सारी चर्चा इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट (आईसीसी) वारंट के इर्द-गिर्द ही घूमेगी। दरअसल, यूक्रेन ने आईसीसी के मेंबर देश ब्राजील से अपील की है कि अगर पुतिन 18-19 नवंबर को कार्यक्रम में शामिल होने वहां जाते हैं तो उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाए। हालांकि, पुतिन ने कहा कि उनके ब्राजील के साथ अच्छे संबंध हैं और जल्द ही दोनों देश एक द्विपक्षीय समझौते पर दस्तखत कर सकते हैं।

इजराइल-ईरान के बीच समझौता कराने को तैयार हैं पुतिन

पुतिन ने कहा कि रूस, इजराइल और ईरान के बीच समझौता कराने में मदद करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि यह कठिन होगा, लेकिन संभव है। हम इजराइल और ईरान के संपर्क में हैं। हमारे बीच अच्छे संबंध हैं। हम चाहते हैं कि यह टकराव बंद हो जाए।

अपराध दर कम करने के लिए 10 साल के बच्चों को भी जेल भेजेगी ऑस्ट्रेलियाई प्रांत की सरकार

भड़का विवाद

मेलबर्न, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के एक राज्य में अपराध दर को कम करने के लिए वहां की स्थानीय सरकार ने जेल भेजे जाने की उम्र में बड़ा बदलाव किया है। नए कानून के तहत ऑस्ट्रेलियाई उत्तरी क्षेत्र (एनटी) में जल्द ही 10 साल से कम उम्र के बच्चों को अपराध करने पर फिर से जेल में डालने की अनुमति दी जाएगी। बता दें कि पिछली सरकार में 12 साल से कम उम्र के बच्चों को जेल में डालने की अनुमति नहीं थी। नई कंट्री लिबरल पार्टी (सीएलपी) की सरकार ने देश में युवा अपराध की दर को कम करनेके लिए यह कदम उठाया है। उन्होंने तर्क दिया कि इससे बच्चों की रक्षा होगी, लेकिन डॉक्टरों और मानवाधिकार संगठनों ने इस तर्क का खंडन किया। ऑस्ट्रेलियाई उत्तरी क्षेत्र (एनटी) में देश के अन्य क्षेत्रों की तुलना में 11 गुना अधिक दर पर बच्चों को जेल में जडाला जाता है। आलोचकों का मानना है कि नए नियम लागू करने से अपराध कम नहीं होंगे, बल्कि इसका प्रभाव आदिवासी और टोरेस स्ट्रेट आइलैंडर बच्चों पर पड़ेगा। एनटी चीफ लिया फिनोचियारो ने कहा, जिन बच्चों को लंबे समय से निराश किया गया है, उनके प्रति हमारा दायित्व है। हमारा उन लोगों के प्रति भी दायित्व है जो सुरक्षित रहना चाहते हैं और डर के सहारे जीना नहीं चाहते। एनटी ने जमानत नियम भी कड़े कर दिए और सोशल मीडिया के माध्यम से अपराध को बढ़ावा देने वालों के खिलाफ पेनल्टी लगाया गया है। विपक्षी नेता सेलेना उइबो ने इसे क्षेत्र का काला दिन बताया। उन्होंने कहा, हम जानते हैं, क्योंकि सभी सबूत यही कहते हैं कि कोई बच्चा जितनी जल्दी आपराधिक न्याय प्रणाली के संपर्क में आता है, उसकी संलिप्तता उतने ही अधिक लंबे समय तक रहने की संभावना होती है। हम चाहते हैं कि बच्चों को उनके बुरे व्यवहार के लिए सजा दी जाए, लेकिन उन्हें बेहतर रास्ते पर लाने के लिए भी उनका समर्थन किया जाए। नए नियमों को कब लागू किया जाना है, इसकी पुष्टि अभी तक नहीं की गई है।

उत्तर और दक्षिण कोरिया के बीच बढ़ रहा तनाव

किम जोंग ने ड्रोन से जासूसी का लगाया आरोप, दे डाली हमले की धमकी

प्योंगयांग, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। कोरियायी प्रायद्वीप में लगातार तनाव बढ़ता जा रहा है। उत्तर कोरिया के सुप्रीम लीडर किम जोंग उन ने दक्षिण कोरिया को एक विदेशी और शत्रु राष्ट्र बताया है। वहीं अब ड्रोन को लेकर तनाव बढ़ता दिख रहा है। शनिवार को उत्तर कोरिया ने दावा किया कि उसे अपनी राजधानी प्योंगयांग में एक तलाशी अभियान के दौरान दक्षिण कोरिया के एक ड्रोन के अवशेष मिले हैं। उत्तर कोरिया ने कहा कि इससे यह साबित होता है कि इस महीने की शुरुआत में कथित घुसपैठ के पीछे उत्तर कोरिया की सेना का हाथ था। उत्तर कोरिया की आधिकारिक समाचार एजेंसी 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' ने कुछ तस्वीरें जारी कीं, जिनमें एक क्षतिग्रस्त विमान दिख रहा है, जिसके चौड़े, वी-आकार के पंख हैं। उसने कहा कि उत्तर कोरिया की सेना और सरकारी सुरक्षा एजेंसियों की संयुक्त जांच से निष्कर्ष निकला है कि 13 अक्टूबर को मिला ड्रोन वैसा ही है, जैसा ड्रोन अक्टूबर की शुरुआत में दक्षिण कोरियाई सैन्य परेड में दिखाई दिया था। उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया पर आरोप लगाया है कि उसने इस महीने तीन बार रात के समय प्योंगयांग के हवाई क्षेत्र में ड्रोन उड़ाकर उत्तर कोरिया का विरोध करने वाले पर्चे गिराए। उसने धमकी दी है कि अगर ऐसा दोबारा हुआ तो वह बलपूर्वक जवाब देगा। उत्तर कोरिया के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि प्योंगयांग में कथित रूप से पाया गया ड्रोन संभवतः उन ड्रोन में से एक है जिनका उपयोग पर्चे गिराने के लिए किया गया था, लेकिन इसकी पुष्टि के लिए अभी और जांच की आवश्यकता है। मंत्रालय ने कहा कि अगर दक्षिण कोरिया इस बात से इनकार करता है कि विमान का इस्तेमाल पर्चे गिराने के लिए किया गया था तो यह दक्षिण कोरिया की सेना की ओर से उत्तर कोरिया के हवाई क्षेत्र में एक अन्य घुसपैठ की बात को स्वीकार करना होगा। उसने कहा कि अगर उत्तर कोरिया, दक्षिण कोरिया की सेना द्वारा अपनी क्षेत्रीय जमीन, हवाई क्षेत्र और जल क्षेत्र का एक और उल्लंघन किए जाने की पुष्टि करता है, तो इसे 'युद्ध की घोषणा' माना जाएगा और तत्काल जवाबी हमला किया जाएगा।

चार पत्नियों और प्रेमिकाओं की कमाई पर जिंदा शख्स

54 बच्चे पैदा करने की चढ़ी सनक, 10 का बन चुका है पिता

टोक्यो, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। जापान से एक अजीबोगरीब खबर सामने आई है। यहां के उत्तरी प्रांत होक्काइडो के रहने वाले 36 वर्षीय रयुता वतनाबे को पिछले 10 सालों से कोई नौकरी नहीं मिली है। हालांकि, उनकी आकांक्षाएं भी अलग हैं। वह सिर्फ शादी और घर संभालना चाहते हैं। इतना ही नहीं, यहां तक कि वह 50 से अधिक बच्चों का पिता बनना चाहता है। वतनबे की फिलहाल चार पत्नियां और दो प्रेमिकाएं हैं। इन्हीं लोगों की आय से पूरा घर चलता है। यह बराबर-बराबर खर्चा बांटते हैं।सबसे बड़ी बात यह है कि उसका मकसद 54 बच्चों का पिता बनना है। उसका मानना है कि वह इस तरह शादी के भगवान का खिताब हासिल कर सकेंगे। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, वतनबे पिछले 10 सालों से काम नहीं कर रहे हैं और अपनी पत्नियों और प्रेमिकाओं की कमाई पर निर्भर हैं। उनके पास पहले से ही 10 बच्चे हैं। वह अपने दो बच्चों और तीन पत्नियों के साथ रहते हैं। उन्होंने गृहस्थ का काम संभाल लिया है, जिसमें घर के काम, खाना बनाना और बच्चों की देखभाल करना शामिल है। उनका घरेलू खर्च हर महीने लगभग पांच लाख रुपये है, जिसे उनकी पत्नियां और प्रेमिकाएं मिलकर संभालती हैं। वतनाबे की चौथी पत्नी भी हैं, जो साल की हैं, लेकन वे उससे अलग हो गए हैं। इसके अलावा वह अपनी दो प्रेमिकाओं से सोशल मीडिया के जरिए मिले। जापानी टीवी शो पर वतनाबे ने कहा, 'मुझे बस महिलाओं से प्यार है। जब तक हम सभी एक-दूसरे से समान रूप से प्यार करते हैं, तब तक कोई समस्या नहीं होगी।' वतनाबे का कहना है कि उनका उद्देश्य जापान में सबसे अधिक बच्चों का पिता बनने का रिकॉर्ड तोड़ना है। टोकुगावा इएनारी नामक एक शोगुन ने अपने शासन के दौरान 27 रानी और 53 बच्चों को जन्म दिया था। वतनाबे का कहना है, 'मैं 54 बच्चों को जन्म देना चाहता हूं ताकि मेरा नाम इतिहास में दर्ज हो सके।

विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस-झामुमो के बीच सीट बंटवारे पर भड़की आरजेडी

कहा- यह एकतरफा फैसला

रांची, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। झारखंड विधानसभा चुनाव को लेकर सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) और कांग्रेस के बीच हुए सीट बंटवारे को लेकर आरजेडी ने ऐतराज जताया है। पार्टी ने इंडिया गठबंधन की दो पार्टियों के बीच हुए सीट बंटवारे को एकतरफा फैसला बताया है। पार्टी ने यह भी कहा कि हमारे लिए सारे विकल्प खुले हैं। राष्ट्रीय जनता दल के प्रवक्ता और सांसद मनोज झा ने कहा कि सीट बंटवारे पर एकतरफा फैसला लिया गया। हमसे इस बारे में कोई सलाह नहीं ली गई। जिलों में हमारी मौजूदगी बहुत मजबूत है, हम अपने गठबंधन के साथियों से आग्रह करेंगे कि वे उसी हिसाब से फैसला लें, प्रभारी यहां हैं, प्रदेश अध्यक्ष यहां हैं और कल से हमारे नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव खुद यहां हैं।

पति से झगड़े के बाद महिला ने अपने बच्चों को 23वीं मंजिल पर खिड़की के बाहर एसी पर बिठाया

दमकल ने बचाया

बीजिंग, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। सेंट्रल चीन में पति से झगड़ा करने के बाद एक महिला ने उसे परेशान करने के लिए अपने दो छोटे बच्चों को 23वीं मंजिल के अपार्टमेंट के बाहर एयर कंडीशन पर बिठा दिया। यह घटना 10 अक्टूबर की है। हेनान प्रांत के लुओयांग में जब पड़ोसियों ने बच्चों के रोने और चिल्लाने की आवाज सुनी तो वे अपने घरों से बाहर गए। उनमें से कुछ लोगों ने घटना का वीडियो बनाना शुरू किया। बच्चों ने सेफ्टी गियर नहीं पहन रखा था। इस दौरान महिला अपने पति को बच्चों के पास जाने नहीं दे रही थी। लड़की रो रही थी, जबकि उसका भाई शांत बैठा था। हालांकि, यह अभी तक पता नहीं पाया कि दंपती के बीच किस बात को लेकर विवाद हुआ था। पास के एक निवासी ने पुलिस को घटना की जानकारी दी। घटना की जानकारी पाकर फायर फाइटिंग की टीम मौके पर पहुंचकर बच्चों को बचा लिया। स्थानीय महिला एवं बाल संघ के एक अधिकारी ने कहा कि वे मामले की जांच कर रहे हैं। पुलिस भी मामले की जांच कर रही है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि महिला को सजा मिलेगी या नहीं। सोशल मीडिया पर वायरल इस वीडियो को 55 मिलियन लोगों ने देखा। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद यूजर्स ने प्रतिक्रिया दी। एक यूजर ने कहा, एक मां को अपने बच्चों की रक्षा करनी चाहिए, लेकिन उसने अपने बच्चों को खतरे में डाल दिया। वह मां बनने के योग्य नहीं है। एक दूसरे यूजर ने कहा, अब कोई घटना घट जाती तो उससे ज्यादा पछतावा किसी को नहीं होता। इतना बड़ा कदम क्यों उठाया गया। शांत हो जाए, अगर आप उनके साथ रहना नहीं चाहते तो उन्हें तलाक दे दें। एक अन्य यूजर ने कहा, यह महिला पागल है। उसे सख्त से सख्त सजा मिलनी चाहिए।

याह्या सिनवार को मारने के बाद इजरायली सैनिकों ने क्यों काट ली थी उसके शव की उंगलियां?

तेल अवीव, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। इजरायल ने हमास के पॉलिटिकल चीफ और 7 अक्टूबर के हमले के मास्टरमाइंड याह्या सिनवार को मार डाला। याह्या सिनवार को मारना इजरायल के प्लान में नहीं था। लेकिन कहा जाए तो इजरायल की किस्मत बुलंद थी और जिस दुश्मन को वह लंबे समय से खोज रहा था वह खुद ही सामने आ गया। सिनवार को गश्त के दौरान सैनिकों ने मार ढेर कर दिया। जिन सैनिकों ने इसे मारा उन्हें अंदाजा भी नहीं था कि इजरायल के मोस्ट वांटेड को उन्होंने ढेर कर दिया है। हालांकि किस तरह की मुठभेड़ में यह मारा गया, इसका पूरा खुलासा नहीं हुआ है। लेकिन रिपोर्ट्स के मुताबिक एक टैंक के गोले से पहले इसे मारा गया। बाद में आईडीएफ के सैनिकों की गोलीबारी में उसकी जान चली गई। इजरायली डिफेंस फोर्स यानी आईडीएफ की 828वीं बिस्लामाच ब्रिगेड ने बुधवार को गश्त के दौरान सिनवार समेत हमास के तीन लोगों को मार डाला। कथित तौर पर हमास के दो आतंकियों ने आईडीएफ के सैनिकों से बचने की कोशिश की। लेकिन इजरायली सेना जब एकदम करीब आ गई तो उन्होंने अलग होने की कोशिश की। हालांकि इजरायली सैनिकों ने तीनों को घेर लिया और मार डाला। इजरायल ने पहले अपना एक ड्रोन को स्थिति का जायजा लेने के लिए भेजा। ड्रोन ने देखा कि एक व्यक्ति सोफे पर बैठा है। उसने अपने चेहरे पर स्कार्फ बांध रखा था। यह व्यक्ति काफी थका हुआ लग रहा था। जब ड्रोन इसके करीब पहुंचा तो वह एक डंडा फेंकता दिखा। बाद में एक टैंक के जरिए बिल्डिंग पर एक गोला दागा गया। इससे बिल्डिंग आंशिक रूप से ढह गई। आईडीएफ को बाद में पता चला कि जो इंसान सोफे पर बैठ कर अपनी आखिरी सांसें गिन रहा था वह हमास का राजनीतिक प्रमुख याह्या सिनवार था। गुरुवार को इजरायली सैनिक शवों की जांच के लिए दोबारा इलाके में गए। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ी वैसे ही आईडीएफ को पता चला की मृत व्यक्तियों में से एक की कुछ समानताएं याह्या सिनवार जैसी हैं। सैनिकों ने याह्या सिनवार की उंगलियां काट लीं। अब सवाल उठता है कि आखिर उन्होंने ऐसा क्यों किया? दरअसल इजरायल पूरी तरह पुष्टि करना चाहता था कि यह याह्या सिनवार है या नहीं। इसलिए उसकी उंगली को डीएनए और फिंगरप्रिंट मिलान के लिए भेजा गया। दरअसल सिनवार पहले इजरायल की जेल में रह चुका है। इसलिए इजरायल के पास सिनवार का डीएनए, उंगली के निशान और दांतों का डेटा है।

बांग्लादेश के कानून मंत्री बोले- शेख हसीना का प्रत्यर्पण जरूरी

भारत ने मना किया तो विरोध करेंगे कोर्ट ने 18 नवंबर तक मोहलत दी है

ढाका, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार में कानून मंत्री आसिफ नजरुल ने शुक्रवार को कहा कि अगर भारत पूर्व पीएम शेख हसीना के प्रत्यर्पण से इनकार करने की कोशिश करता है तो इसका कड़ा विरोध किया जाएगा। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक बांग्लादेश के इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल ने शेख हसीना के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था, इसके बाद नजरुल ने यह टिप्पणी की। बांग्लादेशी अदालत ने गुरुवार को आदेश दिया था कि वे हसीना को 18 नवंबर तक उसके समक्ष पेश करें। मंत्री नजरुल ने कहा कि बांग्लादेश और भारत के बीच पहले से ही एक प्रत्यर्पण संधि है। भारत नियमों का हवाला देकर शेख हसीना को यहां भेजने से इनकार कर सकता है, लेकिन ईमानदारी से कहें तो भारत हसीना को बांग्लादेश भेजने के लिए बाध्य है। शेख हसीना 5 अगस्त को बड़े पैमाने पर हिंसा होने के बाद अपनी छोटी बहन के साथ भारत आ गई थीं। इसके बाद बांग्लादेश ने उनका राजनयिक पासपोर्ट रद्द कर दिया था। भारत के विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को कहा था कि शेख हसीना सुरक्षा वजहों से भारत आई थीं और वह अभी यहीं पर हैं। माना जाता है कि शेख हसीना को किसी अज्ञात जगह पर रखा गया है। तब से उन्हें सार्वजनिक रूप से नहीं देखा गया है। नजरुल ने पिछले महीने कहा था कि बांग्लादेश औपचारिक रूप से हसीना के प्रत्यर्पण की मांग करेगा, जब मुकदमा प्रक्रिया शुरू होगी। शेख हसीना के विरोधी नेता रुहुल कबीर रिजवी ने कहा कि हसीना को शरण देना एक हत्यारे और अपराधी को शरण देने जैसा है। हमें उसे उचित कूटनीतिक प्रक्रिया के माध्यम से वापस लाना होगा। भारत-बांग्लादेश के बीच हुए प्रत्यर्पण संधि के मुताबिक दोनों देशों को गिरफ्तारी वारंट के अलावा अपराध के सबूत भी साझा करने होते थे।

कौन है पाकिस्तानी डॉक्टर आफिया सिद्दीकी जिसे छुड़ाने के लिए बाइडन से गुहार लगा रहे शहबाज शरीफ

86 साल की मिली है सजा

इस्लामाबाद, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन से अमेरिकी जेल में बंद पाकिस्तानी न्यूरोसाइंटिस्ट डॉ आफिया सिद्दीकी को माफ करने और रिहा करने की अपील की है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन को लिखे पत्र में शहबाज शरीफ ने कहा कि आफिया सिद्दीकी को अमेरिकी न्यायालय ने 86 साल की जेल की सजा सुनाई है। शहबाज ने अपनी अपील में बाइडन से अनुरोध किया है कि वे अपने संवैधानिक अधिकार का प्रयोग करते हुए आफिया को माफी दें और मानवीय आधार पर उनकी रिहाई का आदेश दें। अफगानिस्तान में अमेरिकी सैनिकों पर हमले की आरोपी 52 साल की आफिया सिद्दीकी 16 साल से अमेरिकी जेल में बंद है। शहबाज शरीफ ने जेल में रहने के दौरान आफिया सिद्दीकी की मानसिक और शारीरिक सेहत के बारे में चिंता जाहिर की और कहा कि कई पाकिस्तानी अधिकारियों ने काउंसलर एक्सेस के आधार पर सिद्दीकी से मुलाकात की है। बाइडन से मानवीय आधार पर सिद्दीकी को रिहा करने की गुहार लगाते हुए पाकिस्तानी प्रधानमंत्री ने उन्हें पाकिस्तान का सच्चा दोस्त भी बता डाला। शहबाज शरीफ ने लिखा, मैंने हमेशा आपको पाकिस्तान का सच्चा दोस्त माना है, जो हमारे लोगों के लिए गर्मजोशी और सच्ची चिंता दिखाते हैं।'

कौन हैं आफिया सिद्दीकी?

पाकिस्तान के कराची में पैदा हुई आफिया सिद्दीकी 1990 में पढ़ाई के लिए अमेरिका गई थी। उन्होंने वहां प्रतिष्ठित मेसाच्यूसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी और ब्रांडेस यूनिवर्सिटी डिग्री हासिल की। न्यूरोसाइंस से पीएचडी करने वाली आफिया सिद्दीकी अलकायदा के लिए काम करने लगी। 9/11 के हमले के बाद वह अमेरिकी जांच एजेंसियों के निशाने पर आई। एफबीआई ने 2004 में उन्हें आतंकियों की सूची में शामिल किया और अलकायदा का ऑपरेटिव बताया। इस सूची में आने वाली वह पहली महिला थीं। साल 2008 में आफिया सिद्दीकी को अफगानिस्तान में अधिकारियों ने हिरासत में लिया था। इसके बाद पूछताछ के लिए अमेरिकी अधिकारियों को सौंप दिया गया। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, आफिया ने एक अमेरिकी सैन्य अधिकारी की राइफल छीनकर पूछताछ करने वाली अमेरिकी टीम के सदस्यों पर गोलियां चला दी। कहा जाता है कि अमेरिकी अधिकारियों ने उन्हें अवैध रूप से बगराम जेल में रखा था, लेकिन अमेरिका ने इससे इनकार किया था। 2010 में उसे अमेरिका के बाहर अमेरिकी नागरिकों की हत्या करने के प्रयास सहित कई आरोपों में दोषी ठहराया गया था। अपनी सजा की सुनवाई के दौरान उसने बेतुके बयान दिए। उसने विश्व शांति का संदेश दिया और जज को माफ भी कर दिया। आफिया ने उस दलील का विरोध किया, जिसमें उसके वकीलों ने मानसिक सेहत के आधार पर माफी की मांग की थी। आफिया ने कहा, 'मैं पागल नहीं हूं। मैं इससे सहमत नहीं हूं।' कोर्ट ने आफिया को 86 साल की सजा सुनाई।

सीएम के भारत आने से पहले एक्शन में एसओजी

पेपर लीक प्रकरण को लेकर प्रदेशभर में 20 से ज्यादा ठिकानों पर छापेमारी

जयपुर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में पेपर लीक की जांच कर रही एसओजी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विदेश दौरे से लौटने से पहले एक्शन मोड में नजर आ रही है। पेपर लीक प्रकरण को लेकर प्रदेशभर में 20 से ज्यादा ठिकानों पर एसओजी की छापेमारी जारी है। माना जा रहा है कि एसओजी की टीम शाम तक बड़ा खुलासा कर सकती है। बता दें कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा 13 अक्टूबर से 25 अक्टूबर तक ब्रिटेन और जर्मनी दौरे पर है। उनके आने से पहले एडीजी वीके सिंह पेपरलीक को लेकर खुलासा कर सकते है।

एसओजी की टीम आज सुबह 5 बजे नागौर जिले के खजवाना पहुंची। 10 गाड़ियों में सवार होकर आए 60 से ज्यादा पुलिसकर्मी को देखकर पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। टीमों ने कई घरों में दबिश दी। कार्रवाई के दौरान एसओजी ने चार लोगों को हिरासत में लिया है। जिनमें से दो युवक और दो परिजन बताए जा रहे है। हिरासत में लिए गए चारों लोगों से कुचेरा थाने में पूछताछ जारी है।

माना जा रहा है कि ये लोग एसआई पेपर लीक और ईओ भर्ती परीक्षा की धांधली में शामिल हो सकते है।

प्रदेशभर में 20 से ज्यादा जगह एसओजी की छापेमारी

इससे अलावा प्रदेशभर में 20 से ज्यादा जगहों पर एसओजी की छापेमारी चल रही है। एसओजी की ये छापेमारी राजस्थान पुलिस एसआई और ईओ भर्ती परीक्षा धांधली में शामिल होने की आशंका के चलते की जा रही है। नागौर जिले के खजवाना में चार लोगों को हिरासत में लिया जा चुका है। वहीं, बीकानेर के नोखा सर्किल से एक डमी कैंडिडेट को हिरासत में लिया है। इसके अलावा अन्य जगहों से और भी गिरफ्तारियां हो सकती है। माना जा रहा है कि आज शाम तक एडीजी वीके सिंह पेपरलीक को लेकर बड़ा खुलासा कर सकते है।

पेपर लीक मामले में अब तक 50 से ज्यादा अरेस्ट

एसआई पेपर लीक मामले में एसओजी अब तक 44 ट्रेनी एसआई और पेपर लीक गैंग से जुड़े 30 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। अभी भी कई ट्रेनी एसआई एसओजी के रडार पर चल रहे हैं। इस मामले में राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) के पूर्व सदस्य रामू राम राईका और बाबूलाल कटारा को गिरफ्तार किया जा चुका है।

भाजपा विधायक बोले- हमारे शिक्षामंत्री इधर-उधर बयान दे देते हैं

सीएम से कहूंगा दिलावर को सलाह दें; शिक्षकों का अपमान नहीं होना चाहिए

बेगूं, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के टीचर्स के कम कपड़े पहनकर स्कूल आने के बयान पर अब पार्टी के विधायक विरोध में उतर गए हैं। बेगूं विधायक डॉ. सुरेश धाकड़ ने मदन दिलावर के बयान को लेकर कहा- लोग हमें टोकते हैं और कहते हैं कि तुम्हारा शिक्षा मंत्री कैसे बयान दे रहा है।

दरअसल, शनिवार को बेगूं में पीएम श्री राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में जिला स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में बेगूं विधायक सुरेश धाकड़ भी मौजूद थे। उन्होंने कहा- स्कूल में टीचर बहुत मेहनत करते हैं, हालांकि हमारे शिक्षा मंत्री बयान इधर-उधर दे देते हैं, तो आप लोग बुरा मत मानना, लेकिन ऐसा नहीं बोलना चाहिए। उन्होंने कहा- कोई चाहे कितनी बड़ी पोस्ट पर चला जाए। लेकिन मैं तुम्हारी आलोचना करूं, इससे बेहतर है कि मैं तुम्हें सुधारने के लिए कोई नियम बना दूं, यह मेरी जिम्मेदारी होनी चाहिए। अगर कोई नियम या कानून लागू करना है तो कर दो, लेकिन अनर्गल बयानबाजी कर लोगों को हतोत्साहित नहीं करना चाहिए।

धाकड़ बोले- मैं मुख्यमंत्री से भी आग्रह करूंगा कि वे शिक्षा मंत्री को बुलाकर सलाह दें कि शिक्षकों का अपमान नहीं होना चाहिए। अगर सुधार करना है और ड्रेस कोड लागू करना है तो एक आदेश निकालो। यह ड्रेस पहननी होगी और साल की दो ड्रेस राजस्थान सरकार गिफ्ट के रूप में देगी, जिसे पहनकर आना है। शिक्षक खुद इसका स्वागत करेगा। उन्होंने कहा- इसके बाद भी कोई शिक्षक नौटंकी करता है तो उसका इलाज करो, कौन रोकता है। लेकिन आप सुधार का मौका नहीं देते हो, सुझाव नहीं देते हो और केवल अनर्गल बयानबाजी करते हो। मैं बयान की सरेआम निंदा करता हूं, ऐसा नहीं होना चाहिए। इससे बीजेपी की और प्रधानमंत्री की बदनामी होती है। 10 लोगों ने मुझे टोका कि तुम्हारा शिक्षा मंत्री क्या बोल रहा है, बताओ मैं क्या जवाब दूं। ऐसा नहीं होना चाहिए।

शिक्षा मंत्री 16 अक्टूबर को नीमकाथाना के नृसिंहपुरी गांव में उच्च प्राथमिक संस्कृत स्कूल भवन के लोकार्पण कार्यक्रम में गए थे। समारोह में उन्होंने कहा था- कई शिक्षक-शिक्षिकाएं पूरा शरीर दिखाकर स्कूल जाते हैं। इससे बच्चे और बच्चियों पर अच्छा संस्कार नहीं पड़ता। इन लोगों को सोचना चाहिए कि मैं शिक्षिका, शिक्षक हूं। हमें कैसा पहनावा पहनना चाहिए, क्या खाना चाहिए। उन्होंने शिक्षकों से कहा था- हमारा आचरण ऐसा रहे कि बिना कुछ बोले भी बच्चे हमसे संस्कार ले सकें।

अपने इस बयान पर दिलावर ने 17 अक्टूबर को जोधपुर में भी सफाई दी थी। दिलावर ने कहा था- मैंने यही कहा था कि टीचर स्कूल में कम कपड़े पहन कर आते हैं। इसके पीछे का भाव ये था कि सभी टीचर अच्छे कपड़े पहनकर आएंगे।

गठबंधन पर लगा ब्रेक! बीएपी ने 2 सीटों पर उम्मीदवार का किया एलान

जयपुर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में ठंड की हल्की-हल्की सुगबुगाहट के साथ विधानसभा उपचुनाव की सियासी गर्माहट बढ़ती दिखाई दे रही है। भारतीय आदिवासी पार्टी ने उदयपुर जिले की सलूंबर सीट और बांसवाड़ा जिले की चौरासी सीट से उम्मीदवार का एलान कर दिया है। बाप ने सलूंबर से विधानसभा चुनाव 2023 में तीसरे नंबर पर रहे जितेश कटारा को एक बार फिर मौका दिया है। वहीं, चौरासी से अनिल कटारा को उम्मीदवार बनाया है। टिकट देने के बाद बीएपी और कांग्रेस के बीच गठबंधन पर ब्रेक लग गया है। गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव में कांग्रेस और बाप ने बांसवाड़ा से मिलकर चुनावी लड़ाई लड़ी थी, जिससे गठबंधन जीतने में कामयाब भी रहा।

उदयपुर जिले की सलूंबर विधानसभा सीट से भारतीय आदिवासी पार्टी ने अपने उम्मीदवार के तौर पर जितेश कटारा के नाम की घोषणा की है। बाप ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा कि- 'राजस्थान विधानसभा उपचुनाव सलूंबर निर्वाचन क्षेत्र के लिए भारतीय आदिवासी पार्टी की जनप्रतिनिधि सलेक्शन प्रणाली के तहत संपन्न हुई मतदान प्रक्रिया के अनुसार जितेश कटारा को सर्वाधिक मत मिले। अतः विधानसभा क्षेत्र सलूंबर से बाप के आधिकारिक उम्मीदवार जितेश कटारा होंगे।'

वहीं, बांसवाड़ जिले की चौरासी विधानसभा सीट से बाप ने अनिल कटारा को चुनावी मैदान में उतारा है। बाप ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा कि- 'राजस्थान उप-चुनाव विधानसभा चौरासी की जनप्रतिनिधि सलेक्शन प्रणाली के तहत कराई गई वोटिंग की गिनती की गई जिसमें अनिल कटारा को सर्वाधिक मत मिले। विधानसभा चौरासी के आधिकारिक उम्मीदवार अनिल कटारा होंगे।'

सलूंबर सीट का गणित

बताते चलें कि राजस्थान विधानसभा चुनाव 2023 के दौरान सलूंबर सीट पर भाजपा से अमृतलाल मीणा ने इंडियन नेशनल कांग्रेस के रघुवीर सिंह मीणा को 14691 वोटों के मार्जिन से हराया था। भारतीय आदिवासी पार्टी के उम्मीदवार जितेश कटारा तीसरे नंबर पर रहे, जिन्हें कुल 51 हजार 691 वोट मिले। गौरतलब है कि अमृतलाल मीणा का 8 अगस्त 2024 को निधन हो गया था। जिसके बाद से यह सीट खाली हो गई थी।

चौरासी सीट पर 'बाप' शेर

चौरासी विधानसभा सीट पर विधानसभा चुनाव 2018 और 2023 में भारतीय आदिवासी पार्टी के वर्तमान सांसद व तत्कालीन प्रत्याशी राजकुमार रोत ने जीत दर्ज की थी। रोत ने भाजपा प्रत्याशी सुशील कटारा को भारी मतों से हराकर 1 लाख 11 हजार एक सौ पचास मत प्राप्त किए थे।

लोकसभा में हां-हां, विधानसभा में ना-ना!

लोकसभा चुनाव 2023 में कांग्रेस और बाप ने डूंगरपुर-बांसवाड़ा सीट पर गठबंधन कर चुनाव लड़ा। ऐसे में कयास लगाए जा रहे थे कि विधानसभा उपचुनाव में सलूंबर और चौरासी सीट पर कांग्रेस और बाप गठबंधन के तहत चुनाव लड़ेगी। लेकिन भारतीय आदिवासी पार्टी ने सलूंबर और चौरासी से टिकट देने के बाद चर्चाओं पर विराम लगा दिया है।

उपराष्ट्रपति बोले-बच्चों में विदेश जाने की नई बीमारी आई है

सोचते हैं वहां स्वर्ग मिलेगा, पेरेंट्स की काउंसिलिंग नहीं होती; शिक्षा का व्यापार अच्छा नहीं

सीकर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा- आजकल बच्चों में विदेश जाकर पढ़ाई की नई बीमारी आई है। उसको सपना दिखता है कि वहां जाते ही तो स्वर्ग मिल जाएगा। कोई आकलन नहीं है कि किस संस्था में जा रहा है, किस देश में जा रहा है। बस एक अंधाधुंध रास्ता है कि मुझे विदेश जाना है। यहां तक की पेरेंट्स की काउंसिलिंग भी नहीं होती। धनखड़ शनिवार को शोभासरिया ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट के सिल्वर जुबली एनुअल फंक्शन में बोल रहे थे। संस्था का पैसा संस्था में ही लगे और संस्था के विकास के लिए लगे। जो कॉरपोरेट हाउस संस्थाओं को नर्चर (पालन-पोषण) कर रहे हैं। वह हर साल सीएसआर फंड से इंफ्रास्ट्रक्चर और नए कोर्स की डील के लिए पैसा दे तो समाज के लिए बहुत अच्छा रहेगा।

इंडस्ट्री का भी दायित्व है कि समय-समय पर वह भी संस्थाओं को नर्चर करने के लिए CSR फंड का उपयोग करें। इनोवेशन और रिसर्च का सबसे बड़ा फायदा उद्योग को होता है। जो अर्थव्यवस्था को मजबूती देता है और देश को दुनिया के सामने ताकत देता है।

आज के हालात क्या है? हमारे समय के हालात बच्चे और बच्चियों को समझ में नहीं आ पाएंगे। आज हालात बहुत बेहतर हो चुके हैं। तब के हालात का वर्णन नहीं करना चाहता। आज कानून के सामने सब की समानता है। आज का जो शासन है वह पारदर्शिता का है, उत्तरदायित्व का है। इसमें भ्रष्टाचार के लिए कोई भी स्थान नहीं है।

चारों तरफ होप और पॉसिबिलिटी का माहौल है। भारत संभावनाओं से भरा एक देश है और दुनिया भारत का लोहा मान चुकी है। इंटरनेशनल मोनेटरी फंड, वर्ल्ड बैंक जो कुछ समय पहले भारत को सिखाते थे कि शासन व्यवस्था कैसे हो, वह आजभारत की प्रशंसा करते हुए नहीं थकते हैं।

राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने कहा कि जगदीप धनखड़ आज यहां पर है, इसमें सबसे बड़ा हाथ उनकी पत्नी सुदेश धनखड़ का है। जब 5 दिन पहले मैं राष्ट्रपति एनक्लेव गया तो वहां पर उपराष्ट्रपति प्रतापगढ़ की वाल्मीकि समाज की बच्ची से पढ़ाई के बारे में पूछ रहे थे। जिसने कहा कि आर्थिक तंगी के चलते वह पढ़ नहीं पा रही है। इतने में वहां सुदेश धनखड़ आई और उस बच्ची की 2 साल की फीस खुद के अकाउंट से ट्रांसफर करने की बात कही।

जब जगदीप धनखड़ को बंगाल का राज्यपाल बनाया गया तो वह झिझक रहे थे। क्योंकि कोर्ट में तो उन्हें लाखों रुपए मिलते थे। राज्यपाल को केवल 3 से 4 लाख रुपए। इस पर सुदेश धनखड़ ने ही उन्हें देश की सेवा करने को कहा।

केकड़ी में अभी तक 500 करोड़ रुपयों के निवेश पर हुई सहमति, 28 को जिलास्तरीय कार्यक्रम

केकड़ी, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। राज्य सरकार के महत्त्वाकांक्षी कार्यक्रम राइजिंग राजस्थान समिट के तहत प्रदेश में निवेशकों को आकर्षित करने के कोशिशों में केकड़ी जिला भी अपना महत्त्वपूर्ण योगदान देने की तैयारी में है। जिले में अब तक लगभग 500 करोड़ से अधिक के सहमति पत्र तो निवेशकों से प्राप्त हो चुके हैं तथा उद्यमियों से संवाद व संपर्क का क्रम जारी है, जिससे निवेश और अधिक बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है।

राजस्थान सरकार के निर्देशानुसार प्रदेशव्यापी अभियान राइजिंग राजस्थान समिट के तहत केकड़ी जिले में भी अधिक से अधिक निवेश को प्रोत्साहन देने के लिए प्रशासनिक स्तर पर लगातार कड़ी मेहनत की जा रही है। जिला कलेक्टर श्वेता चौहान की अध्यक्षता में राइजिंग राजस्थान समिट के आयोजन की तैयारियों को लेकर एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला कलेक्टर चौहान ने बताया कि केकड़ी जिले में वर्तमान स्थिति और क्षमता के अनुरूप निवेश की संभावनाओं को लेकर चल रही प्रगति संतोषजनक दिखाई दे रही है। उन्होंने बताया कि जिले में अब तक लगभग 500 करोड़ से अधिक के सहमति पत्र निवेशकों से प्राप्त हो चुके हैं। साथ ही अधिक निवेश को आकर्षित करने के लिए अभी भी लगातार प्रयास किये जा रहे हैं।

केकड़ी में राइजिंग राजस्थान इन्वेस्टर समिट का जिलास्तरीय कार्यक्रम इसी माह 28 अक्टूबर को अजमेर रोड़ स्थित कटारिया ग्रीन परिसर में आयोजित किया जाएगा। इस संबंध में जमीनी स्तर पर नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है। समीक्षा बैठक में उद्योग केन्द्र के महाप्रबंधक एवं रीको के अधिकारियों से विस्तृत चर्चा की गई। विभिन्न विभागों को निवेशकों के साथ एमओयू करवाने हेतु लक्ष्य आवंटित किये गए हैं, ताकि जिले में अधिक से अधिक निवेश आकर्षित किये जा सकें।

जिला कलेक्टर चौहान ने बताया कि इस कार्यक्रम की जिले में सफलता सुनिश्चित करने के लिए जिले में निवेशकों, उद्योगपतियों, औद्योगिक संगठनों और केकड़ी के जो प्रवासी उद्योगपति व निवेशक हैं, उनसे सम्पर्क स्थापित करने और उन्हें भी इस अभियान में शामिल करने के लिए संबंधित अधिकारियों को सकारात्मक भूमिका अदा करने के लिए कहा गया है। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है कि ये एमओयू जमीनी स्तर पर क्रियान्वित हो व उद्योग धंधे वास्तविक रूप में आकार लें।

उन्होनें कहा कि इसके लिए उचित सहयोग के साथ उद्यमियों का स्वागत किया जा रहा है। हमारी कोशिश है कि ये उद्योग धंधे फलीभूत हो ताकि अर्थव्यवस्था मजबूत हो व क्षेत्र में रोजगार के अवसर सृजित हों।कार्यक्रम की सफल क्रियान्विति के लिए जिला कलेक्टर ने होर्डिंग्स, पम्पलेट, डिजिटल स्क्रीन, पीपीटी, वीडियो फिल्म संबंधी कार्य के लिए रीको, जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र के महाप्रबंधक को निर्देश दिये हैं। वहीं सफाई व्यवस्था के लिए नगर परिषद के अधिकारियों को ताकीद किया गया है।

कार्तिक मास की शुरुआत के साथ राजस्थान में गुलाबी सर्दी की दस्तक

माउंट आबू में पारा लुढ़का

जयपुर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। कार्तिक मास की शुरुआत के साथ शरद ऋतु शुरू हो चुकी है। राजस्थान की हवाओं में अब ठंड घुलने लगी है। बीते 20 दिनों तक प्रदेश के न्यूनतम तापमान में करीब 6 से 8 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट आ चुकी है। प्रदेश के ज्यादातर इलाकों में न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे जा चुका है। माउंट आबू प्रदेश का सबसे ठंडा इलाका बना हुआ है यहां न्यूनतम तापमान 14 डिग्री सेल्सियस तक चला गया है। बाजारों में गर्म कपड़ों की आवक शुरू हो गई है। राजधानी जयपुर की बात करें तो यहां गर्म कपड़ों के लिए तिब्बती बाजार लगना शुरू हो गया है। मौसम विभाग के अनुसार अक्टूबर के आखिर तक तापमान में और तेजी से गिरावट शुरू होगी।

श्रीगंगानगर में सर्वाधिक 39.4 डिग्री तापमान रहा। वहीं जैसलमेर में 38.5 डिग्री, बाड़मेर में 38.4 डिग्री, चूरू में 38.2 डिग्री, अलवर में 36.8 डिग्री, बीकानेर में 36.6 डिग्री, जोधपुर में 36.2 डिग्री, सीकर में 36.5 डिग्री, जयपुर में 36.1 डिग्री, अजमेर में 36 डिग्री रहा। वहीं भीलवाड़ा में 34.9 डिग्री, चित्तौड़गढ़ में 35.4 डिग्री और माउंट आबू में 27.0 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार 19 अक्टूबर को राजस्थान में मौसम शुष्क रहेगा। राजधानी जयपुर की बात करें तो यहां अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान 23.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। हालांकि दिन के समय यहां तेज धूप का असर है।

मौसी से मिलने जा रहे परिवार को ट्रक ने कुचला

मां के पेट और बेटी के सिर के ऊपर से गुजरा टायर

बहरोड़, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। बाइक पर मौसी से मिलने जा रहे एक परिवार को ट्रक ने कुचल दिया। हादसे में मां और बेटी के ऊपर से ट्रक गुजरा, जिससे गाड़ी के पहिये के नीचे आने से मां का पेट फट गया। वहीं सात महीने की बेटी का सिर भी पहिये के नीचे आ गया। दोनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घायल पिता के हाथ में फ्रैक्चर हो गया। हादसा नेशनल हाईवे 48 पर सोतानाला पुलिया के पास हुआ। हेड कॉन्स्टेबल देवेंद्र सिंह ने बताया- दोपहर करीब 2 बजे हादसे की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंचे तो पता चला कि मांढण थाना क्षेत्र के गांव गिगलाना निवासी सत्येन्द्र सिंह चौहान पुत्र स्व. रतन सिंह चौहान अपनी पत्नी पूजा कंवर (24) और बेटी रिद्धि (7 माह) को साथ लेकर नारायणपुर के पास गुमानसिंह की ढाणी जा रहे थे। वह परिवार के साथ अपनी मौसी से मिलने जा रहा था और अपने 3 साल के बेटे नकुल को दादी के पास ही घर पर छोड़ कर आए थे।

सत्येन्द्र के ताऊ के बेटे अजय सिंह ने बताया- सत्येन्द्र सुबह करीब 11:30 बजे बाइक लेकर पत्नी और बेटी के साथ घर से निकला था। हाईवे पर कोटपूतली की ओर जाते समय गांव गूंती से आगे सोतानाला पुलिया के पास करीब डेढ़ बजे ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। जिससे पूजा और उसके बेटी के सिर और शरीर से ट्रक के पहिए गुजर गए। हादसे में पूजा का पेट फट गया, वहीं रिद्धि का सिर कुचल गया।

सूचना पर परिवार के लोग बहरोड़ के जिला अस्पताल पहुंचे। जहां जानकारी मिली की मां-बेटी की मौत हो चुकी है और सत्येंद्र घायल है। परिजन घायल को नीमराना के अस्पताल ले गए। सत्येंद्र के हाथ में फ्रैक्चर आया है।

हादसे की सूचना के बाद पनियाला थाना पुलिस बहरोड़ पहुंची। जहां हेड कॉन्स्टेबल देवेन्द्र सिंह ने पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सुपुर्द कर दिए। परिजनों ने बताया कि सत्येंद्र ठेकेदार है और रोड़ कंस्ट्रक्शन का काम करता है।

उसके परिवार में दो भाई हैं, जिसमें छोटा भाई सोनू कोचिंग करता है। जबकि पिता रतन सिंह की पहले ही मौत हो चुकी है।

गाय की नीलामी के टूटे सारे रिकॉर्ड

इतिहास में पहली बार बिकी 79.48 लाख रुपए महंगी गाय

श्री गंगानगर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत सरकार के केन्द्रीय पशु प्रजनन फार्म में राशनालाईशन के तहत अधिशेष थारपारकर नस्ल की गायों एवं बछड़ियों की सार्वजनिक नीलामी आयोजित की गई। इसमें थारपारकर गाय की नीलामी ने अब तक के समस्त रिकॉर्ड तोड़ दिए। नीलामी में 85 किसानों और पशुपालकों ने पंजीकरण करवाया। नीलामी में कुल 43 पशुओं को रखा गया था, जिसमें थारपारकर गाय संख्या 8034 को महाराष्ट्र के सतारा जिले के निमसोड निवासी प्रगतिशील किसान और ब्रीडर पुष्कराज विठ्ठल ने रिकॉर्ड बोली लगाते हुए 9 लाख 25 हजार रुपए में खरीदा। केन्द्रीय पशु प्रजनन फार्म के इतिहास में यह नीलामी में एक गाय की अब तक की सर्वाधिक कीमत है।

केन्द्रीय पशु प्रजनन फार्म के संयुक्त आयुक्त वीके पाटिल ने बताया कि विगत कुछ वर्षों की नीलामी में स्वदेशी थारपारकर नस्ल की गाय के प्रति किसानों एवं पशुपालकों की रूचि दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। गत वर्ष की नीलामी में फार्म पर थारपारकर गाय की अधिकत्तम बोली रु 3.05 लाख रुपए लगाई थी।

यह रिकॉर्ड आयोजित नीलामी में टूट गया। फार्म को पशुओं की बिक्री से 79.48 लाख रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ है। नीलामी में आमजन की बढ़ चढ़कर भागीदारी पूरे भारत में प्रजनकों और किसानों के बीच थारपारकर गाय के शुद्ध जर्मप्लाज्म के लिए बढती रूचि को दर्शाती है।

फार्म के संयुक्त आयुक्त ने इस भागीदारी एवं स्वदेशी नस्ल के प्रति लगाव के लिए सभी किसानों और ब्रीडर्स को धन्यवाद दिया। उन्होंने बताया कि स्वदेशी पशु प्रजनन के लिए शुद्ध जर्मप्लाज्म के महत्व के बारे में किसानों की जागरूकता प्रशंसनीय है और सीसीचीएफ सूरतगढ़ हमेशा अच्छा थारपारकर जर्मप्लाज्म प्रदान करने में सदैव आगे रहने के लिए प्रयासरत है।

कांग्रेस का दो सीटों पर टिकट तय, फिर भी मंथन और टेंशन

जयपुर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में विधानसभा की 7 सीटों के उपचुनाव के लिए कांग्रेस की तैयारी चल रही है। झुंझुनूं में सांसद बृजेन्द्र ओला के बेटे अमित ओला और अलवर जिले की रामगढ़ सीट पर पूर्व विधायक दिवंगत जुबेर खान के परिवार को टिकट तय कर दिया गया है। इसके अलावा नागौर जिले की खींवसर सीट पर कांग्रेस को जिताऊ उम्मीदवार की तलाश है। जबकि चार सीटों पर दावेदारों के नामों पर चर्चा चल रही है।

लोकसभा चुनाव में मिली जीत से कांग्रेस उत्साहित है। इसके चलते पार्टी उपचुनाव को प्रतिष्ठा का सवाल मानकर चल रही है। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने उपचुनाव को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट से अलग-अलग बात की। वहीं प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा व नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के साथ गुरुवार देर रात तक लंबी बैठक की। सूत्रों ने बताया कि झुंझुनूं व रामगढ़ सीट के टिकट को लेकर कोई विवाद नहीं है। दोनों सीटों पर पूर्व विधायकों के परिवार को टिकट की हरी झंडी दे दी गई है।

वहीं देवली-उनियारा में पार्टी कई नामों पर विचार कर रही है। सांसद हरीश मीणा से भी नाम मांगा गया है। मीणा जिसके नाम की सिफारिश करेंगे, उसके टिकट मिलने की संभावना अधिक है। दौसा से सांसद मुरारीलाल मीणा के परिवार के किसी सदस्य को टिकट देने की चर्चा जरूर हुई है, लेकिन अभी उन्हें हरी झंडी नहीं दी गई है। यहां पर किसी ब्राह्मण नेता को चुनाव में उतारने पर कांग्रेस सोच रही है। उम्मीदवारों के नामों को लेकर कांग्रेस की एक बैठक और हो सकती है। वहीं उम्मीदवारों के नामों की घोषणा अगले सप्ताह में होगी।

तीन सीटों पर पार्टी की चिंता

कांग्रेस में खींवसर, चौरासी और सलूंबर सीट को लेकर चिंता बनी हुई है। इन तीनों सीटों पर अच्छे उम्मीदवार उतारने के लिए कई नामों पर चर्चा की जा रही है। खींवसर में आरएलपी प्रमुख हनुमान बेनीवाल का दबदबा है, वहीं आदिवासी बाहुल्य इलाकों में बीएपी का वर्चस्व बढ़ता जा रहा है।

राजकॉम्प के ग्रुप जनरल मैनेजर के ठिकानों पर एसीबी का एक्शन, बड़े ब्यूरोक्रेट्स भी निशाने पर

जयपुर, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। एंटी करप्शन ब्यूरो ने आज राजकॉम्प के ग्रुप जनरल मैनेजर छत्रपाल सिंह के जयपुर, दिल्ली, गाजियाबाद सहित कई जगहों पर छापेमारी की। एसीबी आय से अधिक संपत्ति के मामले को लेकर सर्च कर रही है। शुरुआती जांच में अभी तक एसीबी को पोर्श, डिफेंडर, स्कॉर्पियो, थार सहित कई महंगी गाड़ियां मिली हैं। एसीबी डीजी रविप्रकाश मेहरड़ा के निर्देश पर यह कार्रवाई की जा रही है। आधा दर्जन से ज्यादा अधिकारी जांच में लगे हुए। खास बात यह है कि सीपी सिंह के तार ब्यूरोक्रेसी के कई बड़े अफसरों से जुड़े हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक डीओआईटी में रह चुके एक सीनियर आईएएस तक भी इस जांच की आंच पहुंचने की संभावना है। प्रदेश में बीजेपी सरकार के सत्ता में आने से पहले भी सीपी सिंह के ठिकानों पर ईडी का एक्शन हुआ था, जिसमें इनके प्राइवेट लॉकर्स में बड़ी मात्रा में कैश बरामद हुआ था। गौरतलब है कि पिछली सरकार में मोबाइल फोन खरीद के टेंडरों से जुड़ा काम इन्हीं के पास था। एसीबी की कार्रवाई यह बता रही है कि डीओआईटी में पिछले कुछ सालों में टेंडरों के नाम पर भारी लूट की गई है। पिछले साल एसीबी ने एक परिवार को दर्ज कर डीओआईटी के तत्कालीन चेयरमैन आईएएस अखिल अरोड़ा के खिलाफ अनुसंधान की अनुमति के लिए सरकार को चिट्ठी लिखी थी लेकिन बड़े अफसरों के प्रभाव में यह चिट्ठी दबा दी गई।

सीएम ने पुलिस ड्यूटी मीट के समापन समारोह में भाग लिया

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने आज आरबीवीआरआर तेलंगाना पुलिस अकादमी में तेलंगाना राज्य पुलिस प्रथम ड्यूटी मीट के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। कार्यक्रम में डॉ. जितेन्द्र, पुलिस महानिदेशक, रवि गुप्ता आईपीएस विशेष मुख्य सचिव, खुफिया डीजीपी बी. शिवधर रेड्डी, डीजीपी सीआईडी, शिखा गोयल, टीजीपीए की निदेशक अभिलाषा बिष्ट और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी भाग लिया।

दक्षिणी क्षेत्र में गोल्फ सिटी से 10 हजार नौकरियां पैदा होंगी : मंत्री श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रोफेशनल गोल्फर्स एसोसिएशन ऑफ अमेरिका (पीजीए) स्थानीय भागीदार स्टोन क्राफ्ट के साथ मिलकर शहर के दक्षिणी हिस्से में एक व्यापक गोल्फ सिटी बनाने के लिए आगे आया है, यह जानकारी आईटी और उद्योग मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू ने दी।

टेक्सास के फ्रिस्को में मुख्यालय वाले पीजीए के एक प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को सचिवालय में मंत्री से मुलाकात की। मंत्री ने कहा कि अगर तेलंगाना सरकार अपना सहयोग देती है तो पीजीए और स्टोन क्राफ्ट गोल्फ कोर्स, आवासीय परिसर, होटल और मनोरंजन सुविधाएं स्थापित करने के लिए तैयार हैं।

उन्होंने यह भी बताया कि पीजीए वर्तमान में मुंबई में शापूरजी पल्लोनजी के साथ मिलकर गोल्फ सिटी विकसित करने के लिए काम कर रहा है और स्टोन क्राफ्ट ने तेलंगाना परियोजना में भारी निवेश करने पर सहमति जताई है। श्रीधर बाबू ने कहा कि गोल्फ सिटी के पूरा हो जाने के बाद, यह अगले दशक में 10,000 लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करेगा। उन्होंने आगे बताया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के "चौथे शहर" के विजन में प्रदूषण से मुक्त शुद्ध-शून्य शहर का निर्माण शामिल है। निर्माण के हिस्से के रूप में, कंपनियों का लक्ष्य हरित क्षेत्रों को तीन गुना बढ़ाना है, जिससे रहने के लिए सुखद वातावरण उपलब्ध हो सके, जैसा कि उनकी प्रस्तुति में बताया गया है। पीजीए कंसोर्टियम लगभग 200 एकड़ में 18-होल वाला मानक गोल्फ कोर्स विकसित करेगा, जो दक्षिण भारत में अपनी तरह का पहला होगा।

मंत्री ने बताया कि यह परियोजना वनों को विकसित करने के लिए मियावाकी पद्धति को लागू करके क्षेत्र की प्राकृतिक डेक्कन चट्टानों और स्थानीय जल संसाधनों को भी बढ़ाएगी।

दुनिया के सबसे बड़े खेल संगठनों में से एक पीजीए एक सदी से भी अधिक समय से गोल्फ को बढ़ावा दे रहा है, जिसके पास 30,000 से अधिक गोल्फ पेशेवरों का नेटवर्क है। यह राइडर कप और कई चैंपियनशिप सहित प्रमुख टूर्नामेंट आयोजित करता है। बैठक में स्टोन क्राफ्ट के सीईओ कीर्ति चिलुकुरी, आलोक तिवारी और पीजीए प्रतिनिधि टिम लैब, एलेक्स हे, डेविड ब्लम, केन सेगर और राधा किशोर शामिल हुए।

करीमनगर में अंतर्राष्ट्रीय ड्राइवर लाइसेंस की भारी मांग

करीमनगर, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। करीमनगर में अंतर्राष्ट्रीय ड्राइविंग परमिट (आईडीपी) की भारी मांग है। शिक्षा, नौकरी या पर्यटन जैसे विभिन्न उद्देश्यों के लिए विदेश जाने वाले लोग अंतर्राष्ट्रीय ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त कर रहे हैं क्योंकि अन्य देशों में वाहन चलाने के लिए आईडीपी आवश्यक है। हालांकि, हर साल, राज्य के अन्य हिस्सों से कई लोग विदेश में प्रवास कर रहे हैं, लेकिन यह आंकड़ा पूर्ववर्ती करीमनगर जिले से अधिक है। शिक्षा के अलावा, लोग रोजगार की तलाश में अन्य देशों, खासकर खाड़ी देशों में प्रवास कर रहे हैं।

हालांकि वे अलग-अलग नौकरियों में लगे हुए हैं, लेकिन उनमें से ज़्यादातर ड्राइविंग पेशे में ही बसे हुए हैं। विदेशों में ड्राइवरों की भारी मांग है और वरिष्ठतम ड्राइवरों को उच्च वेतन दिया जा रहा है। एक अनौपचारिक अनुमान के अनुसार विदेशों में कार्यरत लगभग 45 प्रतिशत लोग ड्राइविंग पेशे में लगे हुए हैं। इसके अलावा, यूरोपीय देशों में अध्ययन करने वाले लोग वाहन चलाकर अपने खर्चों के लिए कुछ पैसे कमाते हैं। इसके अलावा, विदेशों में ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त करना बहुत कठिन है क्योंकि वहां नियम बहुत सख्त हैं। भारत में प्राप्त आईडीपी देश के आधार पर 6 महीने से एक वर्ष तक वैध होगा। आईडीपी की समाप्ति के बाद, वे उन देशों में नए लाइसेंस के लिए आवेदन कर सकते हैं। ड्राइविंग पेशे में 3 से 4 साल का अनुभव रखने वाले लोगों को उन देशों में आसानी से लाइसेंस मिल जाएगा इसलिए हर साल आईडीपी की मांग बढ़ती जा रही है।

कांग्रेस नेताओं के बीच इंदिराम्मा हाउस समितियों ने पैदा कर दिए मतभेद

दलबदलू विधायक अपने समर्थकों की मौजूदगी पर दे रहे जोर

वरिष्ठ नेताओं ने दी दिल्ली शिकायत की धमकी

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार के प्रमुख कार्यक्रम इंदिराम्मा हाउस और लाभार्थियों की पहचान के लिए समितियों के गठन ने कई निर्वाचन क्षेत्रों में कांग्रेस नेताओं के बीच मतभेद पैदा कर दिया है। सरकार ने इंदिराम्मा हाउस समितियों के गठन के लिए 11 अक्टूबर को जीओएमएस 33 जारी किया था। सभी कलेक्टरों को 12 अक्टूबर तक इन समितियों के गठन के लिए कदम उठाने का निर्देश दिया गया था।

प्रत्येक समिति में एक सरपंच या पंचायत विशेष अधिकारी (पंचायत स्तर) और पार्षद या पार्षद (वार्ड स्तर) अध्यक्ष होंगे। स्वयं सहायता समूहों से दो महिलाएं, तीन स्थानीय व्यक्ति, जिनमें एक सदस्य पिछड़ा वर्ग से और एक अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति समुदाय से होगा तथा पंचायत सचिव (पंचायत) और वार्ड अधिकारी (वार्ड) होंगे।

हालांकि, इन समितियों में सदस्यों की सिफारिश ने कांग्रेस के भीतर मतभेदों को जन्म दिया है। बीआरएस के दलबदलू विधायक समितियों में अपने समर्थकों की मौजूदगी पर जोर दे रहे हैं, वहीं जो लोग इतने सालों से कांग्रेस के

साथ हैं, वे पार्टी के प्रति अपनी सेवाओं को मान्यता नहीं मिलने की शिकायत कर रहे हैं। इसके अलावा, कुछ निर्वाचन क्षेत्रों में, समितियों में सदस्यों की सिफारिश को लेकर कांग्रेस नेता आपस में भिड़े हुए हैं। उदाहरण के लिए, महबूबाबाद के कांग्रेस नेता विधायक मुरली नाइक की समिति में की गई सिफारिशों से नाखुश हैं और जोर दे रहे हैं कि पार्टी में वरिष्ठ नेताओं को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने नई दिल्ली में हाईकमान से शिकायत करने की भी धमकी दी है।

इसी तरह, कांग्रेस महिला मंडल की नेता निर्मला रेड्डी आरोप लगा रही हैं कि नेता उनकी सहमति के बिना बय्यारम पंचायत इंदिराम्मा समितियों के लिए सदस्यों का सुझाव दे रहे हैं। उन्होंने शिकायत की कि चुनावों में पार्टी की सफलता के लिए कड़ी मेहनत करने के बाद भी सच्चे नेताओं को मान्यता नहीं मिल रही है। वन मंत्री कोंडा सुरेखा के जिले के मामलों में हस्तक्षेप के खिलाफ तत्कालीन वारंगल के छह विधायकों का असंतोष भी राज्य नेतृत्व के लिए एक नई चुनौती पेश कर रहा है। कई विधायक विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों के मामलों में उनके हस्तक्षेप के बारे में शिकायत कर रहे हैं, जिनमें उनकी कोई भूमिका नहीं है।

आदिलाबाद में पार्टी के मामलों में गड्डाम परिवार के सदस्यों के वर्चस्व को लेकर भी असंतोष बढ़ रहा है। मंचेरियल से कांग्रेस विधायक प्रेम सागर राव ने जिला समीक्षा बैठकों के दौरान राज्य नेतृत्व के समक्ष अपने इरादे जाहिर किए थे।

उन्होंने खुले तौर पर कहा कि वह आगामी मंत्रिमंडल विस्तार में जगह पाने के इच्छुक हैं और जो कोई भी उन्हें रोकने की कोशिश करेगा, उसे गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। निर्मल में भी कांग्रेस नेताओं का एक वर्ग पूर्व मंत्री इंद्रकरण रेड्डी के पार्टी मामलों में हस्तक्षेप के पक्ष में नहीं है। पता चला है कि वरिष्ठ नेता श्री हरि राव ने इस संबंध में पार्टी नेतृत्व को जानकारी दे दी है।

पंचमुकेश्वर शिवलिंग की स्थापना आज

मदनूर, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्री सद्गुरु बडय्या अप्पा स्वामी मठ संस्थान देगलूर में आज श्री पंचमुकेश्वर शिवलिंग, नंदी, गणपति, पार्वती की प्रतिमा का प्राण प्रतिष्ठा समारोह का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उज्जैन एवं श्रीशैल जगद्गुरु, उपस्थित रहेंगे। मठाधीश सोमलिंग शिवाचार्य महास्वामी बिचकुंडा एवं देगलूर मठाधीश ने उक्त जानकारी दी। रविवार के दिन शाम 4 बजे पालकी की शोभा यात्रा निकलेगी। इस के साथ शाम 5 बजे धर्मसभा का आयोजन किया गया है।

अतिरिक्त कलेक्टर ने धान चेक पोस्ट का निरीक्षण किया

मदनूर, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। धान खरीदी केंद्र प्रारंभ करने के बाद उच्च अधिकारियों के कहने पर विविध राज्यों के धान आवक पर रोक लगाने के लिए चार दिन पहले मदनूर मंडल सलबतपुर गांव के तेलंगाना महाराष्ट्र सीमा के समीप मंडल आधिकारियों ने धान चेक पोस्ट का निर्माण किया। इस चेक पोस्ट पर एग्रीकल्चर, तहसील पोलिस कार्यालय के कर्मचारियों को तैनात करने के बाद शनिवार के दिन अतिरिक्त जिला कलेक्टर श्रीनिवास रेड्डी ने निरीक्षण करते हुए निर्देश दिया कि विविध राज्यों के धान आवक पर नजर रखें। उनके वाहनों और कागज की जांच करें। अगर कोई शंका हो तो तहसीलदार एग्रीकल्चर पुलिस आधिकारियों को तुरंत सूचना दें।

आईआईआईटी हैदराबाद के मेस के खाने में छात्र को मिला मेढ़क

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी) हैदराबाद में एक चौंकाने वाली घटना ने भोजन की गुणवत्ता को लेकर चिंता पैदा कर दी है, जब कदंब मेस में एक छात्र के भोजन में मेंढक पाया गया। छात्र राम मनोहर ने एक्स को अपना डर व्यक्त करते हुए लिखा कि हैरान और भयभीत! आज कदंब मेस (आईआईआईटी हैदराबाद) में मेरे दोस्त के खाने में मेंढ़क मिला। यह पूरी तरह से अस्वीकार्य है और इससे स्वास्थ्य को गंभीर खतरा है। कृपया तुरंत कार्रवाई करें।

यह घटना कोई अकेली घटना नहीं है, भोजन में तिलचट्टे और मक्खियां होने की शिकायतें पहले भी सामने आ चुकी हैं। आईआईआईटी हैदराबाद के पूर्व स्नातक शोधकर्ता शाश्वत गोयल ने पहले एक्स पर इन चिंताओं को दोहराया, जिसमें कहा गया था कि छात्रों को चल रही समस्याओं के बावजूद कॉलेज मेस का उपयोग करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। उन्होंने कहा कि भोजन में कॉकरोच, मक्खियां, हाथ धोने की कमी आदि को सालों तक अनदेखा किया जाता है। हैदराबाद में रेस्तरां और छात्रावासों में खाद्य पदार्थों की तस्करी को लेकर छापेमारी तेज होने के बावजूद, खाद्य स्वच्छता और सुरक्षा को लेकर चिंताएं बनी हुई हैं।

दक्षिण भारत कान्यकुब्ज सभा की समीक्षा बैठक

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण भारत कान्यकुब्ज सभा की विशेष बैठक निर्दोष भवन खैरताबाद में सम्पन्न हुई। बैठक में गत मीटिंग में लिए गए निर्णयों की समीक्षा एवं पिछली बैठक से आजतक के आय-व्यय की समीक्षा एवं अनुमोदन किया गया। बैठक में गत मास में सम्पन्न समाज के जरूरतमन्द छात्र-छात्राओं में शिक्षण सामग्री के वितरण कार्यक्रम की समीक्षा की गई। सभा के खातों की लेखा-परीक्षा वर्ष 2023-24 को पूर्ण करने की दिशा में प्रयास करने का निर्णय लिया गया। सभा की सदस्य संख्या के विस्तार करने पर चर्चा की गई। सभा की वेबसाइट की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया गया। बैठक की अध्यक्षता डॉ. रामकुमार तिवारी ने किया।

बैठक में कोषाध्यक्ष गोपाल प्रसाद शुक्ला, आयोजन मंत्री सूर्यप्रकाश शुक्ला, महामंत्री विजयपाल पाण्डेय, जन सम्पर्क मंत्री विनोद प्रसाद तिवारी, व्यवस्था मंत्री दुर्गा प्रसाद मिश्रा, युवा मामलों के मंत्री जयशंकर प्रसाद तिवारी, सांस्कृतिक मंत्री रत्नकला मिश्रा, संघटन मंत्री बालाप्रसाद तिवारी, उपाध्यक्ष राकेश तिवारी ने भाग लिया।

रैतु बंधु, रैतु भरोसा को बंद करने से कांग्रेस के और भी वादे टूट गए

कृषि मंत्री की घोषणा के बाद किसानों को लगा बड़ा झटका

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने घोषणा की है कि किसानों के लिए महत्वपूर्ण सहायता प्रणाली रही रैतु बंधु योजना को चालू खरीफ सीजन के लिए लागू नहीं किया जाएगा। रैतु भरोसा कार्यक्रम को पहले ही रोक दिया गया है। यह निर्णय 70 लाख से अधिक किसानों के लिए एक बड़ा झटका है, जो वनकालम (खरीफ सीजन) के लिए रैतु बंधु सहायता राशि की प्राप्ति की उम्मीद में प्रतिदिन अपने बैंक खातों की जांच कर रहे थे।

कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने शनिवार को यह घोषणा करते हुए कहा कि रैतु बंधु योजना के क्रियान्वयन पर कैबिनेट उप-समिति की रिपोर्ट अभी प्राप्त नहीं हुई है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि एक बार रिपोर्ट पेश हो जाने के बाद, सरकार अगले रबी सीजन से इसके क्रियान्वयन पर विचार करेगी। रैतु बंधु योजना किसानों के लिए जीवन रेखा रही है, जो उनके कृषि निवेश के लिए बहुत ज़रूरी वित्तीय सहायता प्रदान करती है। इसके कार्यान्वयन में देरी ने कई किसानों को अनिश्चितता और वित्तीय तनाव की स्थिति में डाल दिया है।

इस घटनाक्रम से कृषक समुदाय में चिंता उत्पन्न हो गई है, क्योंकि अब उन्हें सरकार से अपेक्षित सहायता के बिना ही खरीफ मौसम के लिए अपनी ऋण आवश्यकताओं को पूरा करना होगा। पूर्व मंत्री और वरिष्ठ बीआरएस विधायक टी हरीश राव ने किसानों से किए गए वादों को बार-बार तोड़ने के लिए कांग्रेस सरकार पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि कृषि मंत्री ने बहुत शांति से और बिना किसी पश्चाताप के यह घोषणा करके किसानों को बड़ा झटका दिया है कि इस खरीफ सीजन में किसानों को कोई वित्तीय इनपुट सहायता नहीं दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की गलत प्राथमिकताओं की आलोचना करते हुए उन्होंने सवाल किया कि मुख्यमंत्री 1.5 लाख करोड़ रुपये की मुसी परियोजना पर बिना किसी झिझक के कैसे आगे बढ़ रहे हैं, जबकि उन्हें किसानों को मात्र 15,000 रुपये प्रति एकड़ देने से इनकार करने की चिंता है, जिसका वादा उन्होंने खुद चुनावों के दौरान किया था। उन्होंने कहा कि सरकार फसल ऋण माफी को लागू करने में विफल रही है और धान पर प्रति क्विंटल 500 रुपये बोनस देने के अलावा कृषि मजदूरों को 12,000 रुपये देने का वादा भी नहीं किया है, जिससे किसानों से किए गए सभी वादे टूट गए हैं।

डिजिटल परिवार कार्ड के बजाय स्मार्ट राशन कार्ड जारी करें : असीम

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हाशिए पर पड़े लोगों के सामाजिक आर्थिक सशक्तिकरण के लिए एसोसिएशन (असीम) ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से आग्रह किया है कि वे राज्य सरकार के डिजिटल फैमिली कार्ड को लागू करने के फैसले पर पुनर्विचार करें और इसके बजाय स्मार्ट राशन कार्ड जारी करने पर ध्यान केंद्रित करें। एसोसिएशन का दावा है कि राशन कार्ड कानूनी मूल्य रखते हैं और नागरिक कल्याण से जुड़े हैं।

मुख्यमंत्री को संबोधित एक पत्र में, सामाजिक कार्यकर्ता और असीम के मानद सचिव एस क्यू मसूद ने कहा कि दशकों से राशन कार्ड विभिन्न कल्याणकारी लाभ प्रदान करने के लिए एक विश्वसनीय दस्तावेज रहे हैं और इसमें सभी आवश्यक जानकारी होती है, जिससे सरकारी एजेंसियों को संभावित लाभार्थियों की सही पहचान करने में मदद मिलती है। यह याद दिलाते हुए कि राज्य और केंद्र सरकार दोनों ने मौजूदा राशन कार्ड धारकों की प्रामाणिकता सुनिश्चित करने के लिए पहले ही डी-डुप्लीकेशन प्रक्रिया शुरू कर दी है, असीम ने कहा कि राशन कार्डों को उनके विशिष्ट नंबरों के साथ पहले ही राज्य और केंद्र सरकार के स्तर पर विभिन्न डेटाबेस से जोड़ दिया गया है।

असीम ने बताया कि पिछले बीआरएस शासन के दौरान, कोई स्थायी आपूर्ति कार्ड या राशन कार्ड जारी नहीं किए गए थे, जिससे लाभार्थियों को हर महीने उचित मूल्य की दुकानों पर अपने अधिकारों का दावा करने के लिए ऑनलाइन मुद्रित डेटाबेस पर निर्भर रहना पड़ता था।

पत्र में कहा गया है कि राशन कार्डों की कमी के कारण लोगों में परेशानी बढ़ रही है और इस संबंध में शीघ्र कार्रवाई से उनकी चिंताएं काफी हद तक कम हो जाएंगी।

सीडीएम उपयोगकर्ताओं को ठगने के आरोप में बीटेक स्नातक गिरफ्तार

तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में दर्ज हैं 55 मामले

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद सिटी पुलिस ने एक 30 वर्षीय बीटेक स्नातक को कैश डिपॉजिट मशीन (सीडीएम) उपयोगकर्ताओं को धोखा देकर पैसे चुराने के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी निवासी इंतिपल्ली रामा राव उर्फ रामू के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके पास से 5,16,000 रुपये जब्त किए हैं। पुलिस के अनुसार, आरोपी रामू पेशे से ग्राफिक डिजाइनर है और सीडीएम उपयोगकर्ताओं को यह कहकर ठगता था कि उसका एटीएम कार्ड अस्वीकार कर दिया गया है और उसे तत्काल नकदी की जरूरत है। वह मशीनों में पैसे जमा करने वाले व्यक्तियों से संपर्क करता था और नकद के बदले में एनईएफटी के माध्यम से धन हस्तांतरित करने की पेशकश करता था। इसके बाद वह उन्हें अपने खाते से पैसे कटने और पीड़ित के खाते में जमा होने का एक प्रीसेट एसएमएस दिखाता था और उन्हें विश्वास दिलाता था कि यह लेनदेन 1-2 घंटे में दिखाई देगा जो पीड़ित उसकी साजिश पर विश्वास कर लेते थे, वे नकदी सौंप देते थे। पुलिस ने बताया कि रामू के खिलाफ तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में 55 मामले दर्ज हैं। पूछताछ में उसने 19 अपराध कबूल किए, जिनमें से 9 हैदराबाद में दर्ज हैं।

कांग्रेस का समर्थन करने पर भाजपा की आलोचना

राज्य में कांग्रेस और भाजपा का संयुक्त शासन : निरंजन

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में कांग्रेस और भाजपा के बीच स्पष्ट गठबंधन पर गंभीर चिंता जताते हुए बीआरएस नेता और पूर्व मंत्री एस निरंजन रेड्डी ने शनिवार को भाजपा नेतृत्व पर रेवंत रेड्डी की सरकार को बिना शर्त अनौपचारिक समर्थन देने का आरोप लगाया। निरंजन रेड्डी ने कहा कि ऐसा लगता है कि कांग्रेस और भाजपा का संयुक्त शासन है। राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा और कांग्रेस के बीच मुकाबला है, लेकिन तेलंगाना में वे दोस्त लगते हैं। भाजपा सांसद और केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय की कांग्रेस मंत्रियों द्वारा रेवंत रेड्डी को हटाने के प्रयास के बारे में की गई टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने सवाल किया कि बंडी संजय केंद्रीय मंत्री हैं या सीएम रेवंत के सलाहकार? वह रेवंत की स्थिति को लेकर इतने चिंतित क्यों हैं?

उन्होंने आश्चर्य जताते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार रहे या जाए, रेवंत मुख्यमंत्री की कुर्सी पर हों या न हों, इससे बंडी संजय को क्या फर्क पड़ता है? रेड्डी ने आगे कहा कि रेवंत को हटाने की कोशिश कर रहे कांग्रेस नेता कौन हैं? अगर बंडी संजय को पता है कि कांग्रेस के कौन से मंत्री रेवंत को हटाने की कोशिश कर रहे हैं, तो उन्हें उनके नामों का खुलासा करना चाहिए।

एसआई के सामने की कंघी, मुंडवाया गया सिर

एक ने किया आत्महत्या का प्रयास

नागरकर्नूल, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के लिंगाला में एक सब-इंस्पेक्टर के सामने कथित तौर पर उसके बालों में कंघी करने पर पुलिस ने उसके और दो अन्य लोगों के सिर मुंडवा दिए, जिसके बाद एक युवक ने आत्महत्या करने की कोशिश की। युवक को नागरकर्नूल के सरकारी जनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना चार दिन पहले हुई थी, लेकिन शनिवार को इसका खुलासा हुआ।

जानकारी के अनुसार, लिंगाला के तीन युवकों का पेट्रोल पंप के कर्मचारियों से किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया था। पेट्रोल पंप के कर्मचारियों ने पुलिस से शिकायत की, जिसके बाद एक एसआई मौके पर पहुंचा और तीनों युवकों को पुलिस स्टेशन ले गया। एक युवक द्वारा उसके सामने अपने बालों में कंघी करने से नाराज एसआई ने तीनों युवकों के सिर मुंडवा दिए। घटना से आहत होकर एक युवक ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या करने की कोशिश की। रिपोर्ट के अनुसार, उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां वह जिंदगी और मौत से जूझ रहा है।

इस बीच, बीआरएस ने जिले में पुलिस की ज्यादती की कड़ी निंदा की है। पूर्व विधायक गुव्वाला बालाराजू और बी हर्षवर्धन रेड्डी समेत अन्य ने कहा कि पुलिस और सरकार भी घटना को कमतर आंकने की कोशिश कर रही है। शनिवार को हैदराबाद में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए बालाराजू ने कहा कि अचंपेट, कोल्लापुर और कलवाकुर्ती निर्वाचन क्षेत्रों में तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है। उन्होंने कहा कि तीन इंटरमीडिएट छात्रों को चार दिनों तक परेशान किया गया और उनके सिर मुंडवा दिए गए।

पूर्व विधायक ने कहा कि हमारे साथ सेल्फी लेने वाले युवाओं को भी परेशान किया जा रहा है और पुलिस उनके खिलाफ मामले दर्ज कर रही है। अगर लोग सरकार के खिलाफ आपत्ति जताते हैं तो उन्हें असुविधा का सामना करना पड़ता है और साथ ही उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी भी दी जाती है।

बालमूर मंडल के किसानों को कम कीमत पर अपनी जमीन बेचने की धमकी दी जा रही है। सत्तारूढ़ पार्टी के नेता पुलिस को एससी, एसटी अत्याचार के मामले दर्ज न करने के लिए प्रभावित कर रहे हैं। हम इस मुद्दे को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के समक्ष उठाएंगे। सरकार से घटना में शामिल पुलिसकर्मियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग करते हुए हर्षवर्धन रेड्डी ने पूछा कि एसआई के खिलाफ कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गई।

कोल्लापुर में बीआरएस नेता श्रीधर रेड्डी की हत्या को तीन महीने हो गए हैं और पुलिस ने आरोपियों को नहीं पकड़ा है। उन्होंने कहा कि अगर गांवों में कोई उपद्रव होता है तो सत्ताधारी पार्टी के नेताओं को बख्शा जा रहा है और उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस पीड़ितों को धमका रही है।

जीओ 29 संविधान का उल्लंघन है : हरीश राव

सिद्दीपेट, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री टी हरीश राव ने कहा कि राज्य में सरकारी नौकरियों की भर्ती प्रक्रिया में जीओ 29 के कार्यान्वयन से एसटी, एससी, बीसी और अल्पसंख्यक नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों के साथ बहुत बड़ा अन्याय होगा क्योंकि जीओ उन्हें इन वर्गों के लिए बड़ी संख्या में नौकरियों से वंचित करेगा।

कांग्रेस सरकार द्वारा जारी किए गए जीओ के खिलाफ नौकरी चाहने वालों के चल रहे आंदोलन पर शनिवार को यहां पत्रकारों से बात करते हुए राव ने कहा कि अगर जीओ के अनुसार आरक्षण श्रेणी से किसी को ओपन कैटेगरी में नौकरी मिल जाती है तो आरक्षण श्रेणी में पदों की संख्या कम हो जाएगी। उन्होंने कहा कि आरक्षण श्रेणी से ओपन कैटेगरी में पद पाने वाले लोगों की संख्या के बराबर पदों की संख्या कम की जाएगी।

राव ने कहा कि यह सरकारी आदेश संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन करता है क्योंकि ओपन कैटेगरी का मतलब है कि हर कोई योग्यता के आधार पर पद पा सकता है। यह कहते हुए कि पिछली बीआरएस सरकार ने सरकारी आदेश 55 को लागू किया था, हरीश राव ने कहा कि यूपीएससी भी उसी पैटर्न का पालन कर रहा है जिसे बीआरएस सरकार ने लागू किया था।

जब कांग्रेस नेता राहुल गांधी भारतीय संविधान को लेकर देश भर में घूम रहे थे, तो उन्होंने कहा कि उसी पार्टी की सरकार तेलंगाना में संविधान के खिलाफ काम कर रही है, जिससे आरक्षण श्रेणियों के साथ बहुत बड़ा अन्याय हो रहा है।

उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, जो दलित हैं, इस मामले की कमान संभाल रहे हैं, राव ने कहा कि इस तरह के सरकारी आदेश को लागू होते देखना दुखद है। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर भी हमला बोला कि वे प्रदर्शनकारी छात्रों से कैसे निपटते हैं। उन्होंने कहा कि अगर छात्र आतंकवादी होते तो पुलिस को उन पर लाठीचार्ज करना चाहिए था। चुनाव प्रचार के दौरान किए गए कांग्रेस के वादों को याद करते हुए राव ने कहा कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी 11 महीने बाद भी अपने वादे पूरे करने में विफल रहे हैं। उन्होंने रेवंत को चुनौती दी कि वे अब अशोक नगर लाइब्रेरी में जाकर नौकरी के इच्छुक लोगों की समस्याओं को जानें, जैसा कि वे विपक्ष में रहते हुए किया करते थे।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

भारत की दूसरी पारी 462 रन पर सिमटी

न्यूजीलैंड को 107 रन का टारगेट; सरफराज की सेंचुरी

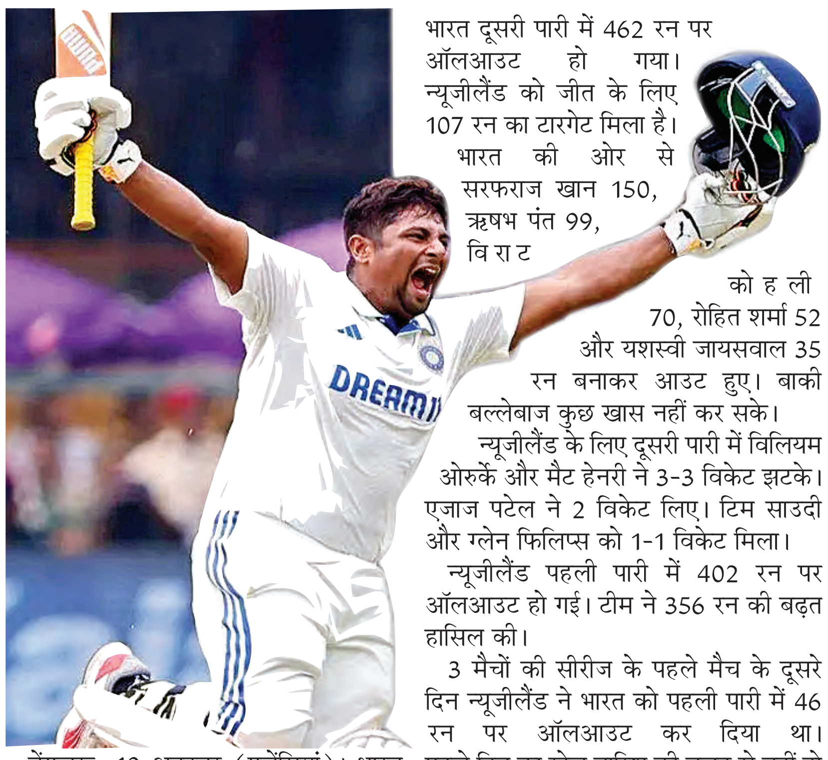

बेंगलुरू, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जा रहा है। शनिवार को चौथे दिन भारत दूसरी पारी में 462 रन पर ऑलआउट हो गया। न्यूजीलैंड को जीत के लिए 107 रन का टारगेट मिला है।

भारत की ओर से सरफराज खान 150, ऋषभ पंत 99, विराट कोहली 70, रोहित शर्मा 52 और यशस्वी जायसवाल 35 रन बनाकर आउट हुए। बाकी बल्लेबाज कुछ खास नहीं कर सके।

न्यूजीलैंड के लिए दूसरी पारी में विलियम ओरुर्के और मैट हेनरी ने 3-3 विकेट झटके। एजाज पटेल ने 2 विकेट लिए। टिम साउदी और ग्लेन फिलिप्स को 1-1 विकेट मिला।

न्यूजीलैंड पहली पारी में 402 रन पर ऑलआउट हो गई। टीम ने 356 रन की बढ़त हासिल की।

3 मैचों की सीरीज के पहले मैच के दूसरे दिन न्यूजीलैंड ने भारत को पहली पारी में 46 रन पर ऑलआउट कर दिया था। पहले दिन का खेल बारिश की वजह से नहीं हो सका था।

दरअसल, सरफराज भारत के तीसरे ऐसे बल्लेबाज बन गए हैं, जिन्होंने पहली पारी में जीरो पर आउट होने के बाद दूसरी इनिंग में 150 रन बनाए हैं। सरफराज से पहले यह अनोखा कारनामा नयन मोंगिया ने साल 1996 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ किया था। वहीं, 1953 में माधव आप्टे ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहली इनिंग में डक पर आउट होने के बाद दूसरी पारी में 163 रन की नाबाद पारी खेली थी।

दाएं हाथ के बल्लेबाज सरफराज ने अपनी पारी के दौरान 18 चौके और 3 गगनचुंबी छक्के जमाए। सरफराज ने शुरुआत से ही अटैकिंग अप्रोच अपनाई और अपना अर्धशतक महज 42 गेंदों में पूरा किया। टेस्ट के चौथे दिन सरफराज ने अपनी बेहतरीन बल्लेबाजी जारी रखते हुए 110 गेंदों में अपना पहला टेस्ट शतक जमाया।

भारतीय बल्लेबाजों का बड़ा कारनामा

सरफराज-पंत की बेहतरीन साझेदारी के बूते टीम इंडिया न्यूजीलैंड द्वारा ली गई 356 रन की लीड को भी खत्म करने में सफल रही।

अपनी सरजमीं पर खेलते हुए भारतीय टीम ने विपक्षी टीम द्वारा ली गई लीड को खत्म करने के लिए दूसरा सबसे बड़ा स्कोर बनाया है। साल 1985 में इंग्लैंड ने पहली पारी में 380 रन की बढ़त हासिल की थी, जिसे भारतीय बल्लेबाज खत्म करने में सफल रहे थे।

पाकिस्तान बोर्ड का बीसीसीआई को लेटर

टीम इंडिया चाहे तो हर मैच खेलकर लाहौर से स्वदेश लौट सकती है

इस्लामाबाद, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 को लेकर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड को एक प्रपोजल दिया है। क्रिकबज के मुताबिक, PCB ने कहा है कि टीम इंडिया अपना हर मैच खेलकर भारत लौट सकती है और इसमें पाकिस्तानी बोर्ड उनकी मदद करेगा।

रिपोर्ट में कहा गया है कि पीसीबी ने हाल ही में बीसीसीआई को लेटर लिखा है। इसमें कहा है कि अगर भारतीय टीम सुरक्षा को देखते हुए पाकिस्तान में नहीं रहना चाहती और वह हर मैच के बाद वापस चंडीगढ़ या नई दिल्ली लौटना चाहती है तो बोर्ड उनकी मदद करेगा। पीसीबी के एक अधिकारी ने इस प्रपोजल की पुष्टि की है। यह ऑफर देने की वजह भारत के आखिरी 2 मुकाबलों के बीच एक सप्ताह का गैप है।

हाल ही में भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर की पाकिस्तान यात्रा के दौरान भी भारतीय टीम के पाकिस्तान जाने पर चर्चा हुई थी। जयशंकर और पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार के बीच कई बार बातचीत के दौरान इस मुद्दे को उठाया गया था। इस यात्रा के बाद पीसीबी की उम्मीदें जागी हैं, हालांकि इस पर अब तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

पिछले साल ओडीआई वर्ल्ड कप खेलने भारत आया था पाकिस्तान

पाकिस्तान की टीम पिछले साल वनडे वर्ल्ड कप खेलने के लिए भारत आई थी। तब इंडिया और पाकिस्तान के बीच अहमदाबाद में 14 अक्टूबर को मुकाबला खेला गया था। इस मैच को भारतीय टीम ने 7 विकेट से जीता था।

कप्तान रोहित शर्मा और श्रेयस अय्यर ने फिफ्टी जमाई थी। जसप्रीत बुमराह प्लेयर ऑफ द मैच बने थे। उन्होंने 19 रन देकर 2 विकेट लिए थे।

पाकिस्तान का भारत दौरा पाकिस्तानी ने 2012-13 में भारत का आखिरी दौरा किया था। उस दौरे में 3 वनडे और 2 टी-20 मैचों की बाइलैटरल सीरीज खेली गई थी। वनडे सीरीज को पाकिस्तान ने 2-1 से जीता था, जबकि टी-20 सीरीज 1-1 की बराबरी पर रही थी।

भारत का पाकिस्तान दौरा टीम इंडिया ने 2008 में आखिरी बार पाकिस्तान का दौरा किया था। 3 टेस्ट मैचों की उस सीरीज को भारतीय टीम ने 1-0 से जीता था। इस सीरीज के 2 मैच ड्रॉ रहे।

मुंबई में आतंकी हमले के कारण पाकिस्तान नहीं जा रहा भारत

भारतीय टीम ने 2007-08 के बाद से पाकिस्तान का दौरा नहीं किया है। 2008 में मुंबई पर आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने पाकिस्तान में क्रिकेट खेलने से मना कर दिया। तब से दोनों टीमें आईसीसी और एसीसी के टूर्नामेंट में ही खेलती हैं। 2013 के बाद से दोनों टीमें 13 वनडे और 8 टी-20 मैच न्यूट्रल वेन्यू पर खेल चुकी हैं।

पाकिस्तान को मिली चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की मेजबानी

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की मेजबानी पाकिस्तान को दी गई है। पीसीबी ने टूर्नामेंट के वेन्यू और शेड्यूल का ड्राफ्ट आईसीसी को सौंप दिया है। टूर्नामेंट अगले साल फरवरी-मार्च में खेला जाना है। ड्राफ्ट के मुताबिक, भारत को ग्रुप ए में पाकिस्तान, बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के साथ रखा गया है। ग्रुप बी में ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड और अफगानिस्तान शामिल हैं।

कोहली 9 हजार टेस्ट रन बनाने वाले चौथे भारतीय

221वीं बार 50+ स्कोर बनाया

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)।भारत और न्यूजीलैंड के बीच बेंगलुरु में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच के तीसरे दिन 4 रिकॉर्ड्स बने। तीसरे दिन दोनों टीमों ने मिलकर 453 रन बना डाले। यह भारत में खेले गए किसी टेस्ट मैच में एक दिन में बना दूसरा हाइएस्ट स्कोर है।

स्टार बैटर कोहली ने मैच में अर्धशतक लगाया। इस दौरान उनके टेस्ट में 9 हजार रन भी पूरे हो गए। वे ऐसा करने वाले चौथे भारतीय बने। आगे पढ़ते हैं तीसरे दिन के टॉप रिकॉर्ड्स...

कोहली के 9 हजार टेस्ट रन पूरे

भारतीय बैटर विराट कोहली ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट की दूसरी पारी में 102 बॉल पर 70 रन बनाए। इस दौरान टेस्ट में उनके 9000 रन पूरे हो गए। इस मैच में 53 रन बनाते ही उन्होंने यह उपलब्धि हासिल कर ली। वे ऐसा करने वाले चौथे भारतीय बने। उनसे पहले इस मुकाम तक सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़ और सुनील गावस्कर ही पहुंच सके हैं।

कोहली ने 221वीं बार 50+ स्कोर बनाया

कोहली ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में अर्धशतक लगाया। यह उनका क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में 221वां 50+ स्कोर है। कोहली तीनों फॉर्मेट में सबसे ज्यादा बार 50+ रन बनाने वाले दूसरे क्रिकेटर बने। उनसे आगे सचिन तेंदुलकर हैं। उन्होंने इंटरनेशनल क्रिकेट में 264 बार 50+ का स्कोर बनाया है। इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर रिकी पोंटिंग हैं।

इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा 50+ स्कोर

खिलाड़ी	कितनी बार	मैच	शतक	अर्धशतक
सचिन तेंदुलकर	264	664	100	164
विराट कोहली	221	535	80	141
रिकी पोंटिंग	217	560	71	146
कुमार संगकारा	216	594	63	153
जैक्स कैलिस	211	519	62	149

तीसरे दिन 453 रन बने, दूसरा हाइएस्ट

बेंगलुरु टेस्ट के तीसरे दिन कुल 453 रन बने और 10 विकेट भी गिरे। यह भारत में खेले गए किसी टेस्ट मैच में एक दिन में बना दूसरा सबसे ज्यादा स्कोर है। भारत में टेस्ट मैच के किसी दिन में सबसे ज्यादा रन भारत और श्रीलंका के बीच 2009 में खेले गए मैच में बने थे। उस मुकाबले के दूसरे दिन कुल 470 रन बने थे।

भारत में भारत के खिलाफ चौथी सबसे बड़ी बढ़त

बेंगलुरु टेस्ट में भारत पहली पारी में 46 रन पर ऑलआउट हो गया था। न्यूजीलैंड ने पहली पारी में 402 रन बनाए। इस तरह कीवी टीम को 356 रन की बढ़त मिली। यह भारत में टीम इंडिया के खिलाफ टेस्ट में संयुक्त रूप से चौथी सबसे बड़ी बढ़त है।

विमेंस टी-20 वर्ल्डकप- न्यूजीलैंड तीसरी बार फाइनल में

2016 की चैंपियन वेस्टइंडीज को 8 रन से हराया; ईडन कार्सन ने 3 विकेट लिए

शारजहा, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप 2024 के फाइनल न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका के बीच खेला जाएगा। न्यूजीलैंड ने शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए दूसरे सेमीफाइनल में 2016 की चैंपियन वेस्टइंडीज को 8 रन हरा दिया।

न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 128 रन बनाए और वेस्टइंडीज को 129 रन का टारगेट दिया। जवाब में विंडीज टीम 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 120 रन ही बना सकी। न्यूजीलैंड की ओर से ईडन कार्सन ने 3 विकेट लिए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

फाइनल मुकाबला 20 अक्टूबर को खेला जाएगा। न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका के बीच पहली बार फाइनल खेला जाएगा। इस तरह इस बार विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप का नया चैंपियन मिलेगा। कीवी टीम 14 साल बाद फाइनल में पहुंची है। इससे पहले टीम 2009 और 2010 दोनों वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंची थी लेकिन दोनों बार उसे हार का सामना करना पड़ा था।

प्लिमर ने सबसे ज्यादा 33 रन बनाए

पहले बैटिंग कर रही न्यूजीलैंड के लिए ओपनर जॉर्जिया प्लिमर ने सबसे ज्यादा 33 रन बनाए। सूजी बेट्स ने 26 रन की पारी खेली। टीम की कप्तान सोफी डिवाइन 12 रन पर आउट हो गईं। वेस्टइंडीज के लिए डिआंड्रा डोटिन ने 4 ओवर में 22 रन देकर 4 विकेट झटके। एफी फ्लेचर ने 2 विकेट लिए।

डोटिन का ऑलराउंडर प्रदर्शन

टारगेट का पीछा कर रही वेस्टइंडीज की शुरुआत खराब रही। टीम ने लगातार अंतराल पर विकेट गंवाए। डिआंड्रा डोटिन ने टीम के लिए ऑलराउंडर प्रदर्शन किया, लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला सकीं। वे 4 विकेट लेने के बाद टीम की टॉप स्कोरर भी रहीं। उन्होंने 22 बॉल पर 33 रन बनाए। न्यूजीलैंड की ओर से ईडन कार्सन ने 3 विकेट झटके। अमेलिया केर ने 2 विकेट लिए।

न्यूजीलैंड 5वीं और वेस्टइंडीज छठी बार सेमीफाइनल खेल रहा था

न्यूजीलैंड को पहले खिताब का इंतजार है। टीम का यह पांचवां सेमीफाइनल हैथा। टीम दो बार 2009 और 2010 की रनर-अप रही। वेस्टइंडीज का यह छठा सेमीफाइनल था। इससे पहले, टीम ने 2010, 2012, 2014, 2016 और 2018 में सेमीफाइनल खेला था। वेस्टइंडीज की टीम 2016 में खिताब जीती थी।

पीवी सिंधू का सफर क्वार्टर फाइनल में थमा

डेनमार्क ओपन में भारतीय चुनौती समाप्त

ओडेन्से, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू का सफर क्वार्टर फाइनल में समाप्त हो गया। सिंधू महिला एकल वर्ग में पेरिस ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता ग्रेगोरिया टुनजंग से हार गईं जिससे डेनमार्क ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय अभियान भी समाप्त हो गया। 29 वर्षीय सिंधू करीब एक घंटे तक चले मुकाबले में 13-21, 21-16, 9-21 से पराजित हो गईं।

इंडोनेशिया की आठवें नंबर की खिलाड़ी टुनजंग ने पूरी तरह मैच में दबदबा बनाया, हालांकि सिंधू फिर भी दूसरा गेम जीतने में सफल रहीं। अब पांचवीं वरीयता प्राप्त टुनजंग का सामना

सेमीफाइनल में शीर्ष वरीय दक्षिण कोरिया की एन से यंग से होगा। टुनजंग ने पहले गेम में लगातार आठ अंक जुटाने के बाद इसे आसानी से अपने नाम कर लिया। लेकिन प्री क्वार्टर फाइनल में चौथी वरीय चीन की हान युए को हराकर उलटफेर करने वाली सिंधू दूसरे गेम में बिलकुल बदली हुई नजर आईं और 6-1 से आगे हो गईं। उनकी प्रतिद्वंद्वी ने इसे 6-6 से बराबर कर लिया लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने वापसी करते हुए 9-7 से बढ़त हासिल कर ली।

सिंधू ने फिर इसे 11-10 कर दिया। वह आसानी से 19-15 से आगे चल रही थीं और जल्द ही 21-16 से जीत कर स्कोर 1-1 कर दिया। हालांकि, निर्णायक गेम में वह लय जारी नहीं रख सकीं और टुनजंग ने वापसी करते हुए मैच जीत लिया। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू पेरिस खेलों से खाली हाथ लौटीं थीं जिसके बाद से यह सत्र उनके लिए निराशाजनक ही रहा है।

कोच श्रीजेश की देखरेख में भारतीय जूनियर टीम

सुल्तान जोहोर कप में जापान के खिलाफ करेगी आगाज

जोहोर (मलzशिया), , 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम शनिवार को यहां 12वें सुल्तान जोहोर कप के शुरुआती मैच में जापान से भिड़ेगी तो उसका लक्ष्य पूर्व दिग्गज गोलकीपर और अपने सम्मानित कोच पीआर श्रीजेश से प्रेरणा लेना होगा। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता श्रीजेश के लिए कोच के तौर पर यह पहला कार्यकाल होगा। उन्होंने इस साल अगस्त में पेरिस ओलंपिक के बाद खिलाड़ी के तौर पर खेल को अलविदा कहा था।

भारत ने मई 2023 में जूनियर एशिया कप में अपने आखिरी मुकाबले में जापान पर 3-1 से

जीत हासिल की और 2022 के सुल्तान जोहोर कप में भी इस टीम को 5-1 से हराया था। कप्तान आमिर अली ने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा, 'टीम नए मुख्य कोच पीआर श्रीजेश के नेतृत्व में अच्छी ट्रेनिंग कर रही है और हम उनके साथ अपना पहला टूर्नामेंट खेलने के लिए उत्साहित हैं।'

उन्होंने कहा, 'पिछली बार जर्मनी से हारने के बाद, हम अपने खिताब का बचाव नहीं कर सके थे। इस बार हमारी तैयारी अच्छी है और हम प्रतियोगिता में किसी भी टीम से मुकाबला करने के लिए तैयार हैं।' जापान के बाद भारतीय टीम 20 अक्टूबर को ग्रेट ब्रिटेन, 22 अक्टूबर को मेजबान मलेशिया और फिर 23 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया से खेलेगी। भारतीय टीम ग्रुप चरण में 25 अक्टूबर को न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना आखिरी मुकाबला खेलेगी। लीग चरण में शीर्ष दो स्थान पर रहने वाली टीमें 26 अक्टूबर को फाइनल में भिड़ेंगी।

भारतीय उपकप्तान रोहित ने कहा, 'हम सुल्तान जोहोर कप से पहले सर्वश्रेष्ठ स्थिति में पहुंचने के लिए पिछले कुछ दिनों से कड़ा अभ्यास कर रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'इस बार टीम में कई नए खिलाड़ी हैं जो मैदान पर अपनी क्षमता दिखाने के लिए उत्साहित हैं। सभी खिलाड़ी अपने खेल में सुधार के साथ एक-दूसरे को प्रोत्साहित कर रहे हैं। हमारी नजरें इस प्रतियोगिता के साथ नवंबर में मस्कट में खेले जाने वाले जूनियर पुरुष एशिया कप पर भी हैं।'

राफेल नडाल को कार्लोस अल्कारेज के खिलाफ मिली हार

जोकोविच भी आगे बढ़ने में असफल रहे

रियाद,, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। इस टूर्नामेंट में इनामी राशि मिलेगी लेकिन रैटिंग अंक प्रदान नहीं किए जाएंगे। अब तीसरे स्थान के लिए नडाल और जोकोविच के बीच मुकाबला होगा। यह दोनों प्रतिद्वंद्वियों के बीच अंतिम भिड़ंत होगी।

दुनिया के पूर्व नंबर एक स्पेन के राफेल नडाल की निगाह अगले महीने होने वाले डेविस कप पर है। नडाल पहले ही कह चुके हैं कि डेविस कप के बाद वह टेनिस को अलविदा कह देंगे। इससे पहले सिक्स किंग्स स्लेम में उन्हें हमवतन कार्लोस अल्कारेज से 6-3, 6-3 से हार का सामना करना पड़ा। हालांकि उनका कहना है कि

हार के बावजूद वह अपने खेल से संतुष्ट हैं।

इस प्रदर्शनी स्पर्धा के अन्य सेमीफाइनल में जानिक सिनर ने नोवाक जोकोविच को 6-2, 6-7, 6-4 से पराजित किया। इस टूर्नामेंट में इनामी राशि मिलेगी लेकिन रैटिंग अंक प्रदान नहीं किए जाएंगे। अब तीसरे स्थान के लिए नडाल और जोकोविच के बीच मुकाबला होगा। यह दोनों प्रतिद्वंद्वियों के बीच अंतिम भिड़ंत होगी। नडाल और अल्कारेज पेरिस ओलंपिक में युगल में एक साथ खेले थे और डेविस कप में भी वह दोनों स्पेन की टीम में हैं। नडाल ने कहा कि डेविस कप से पहले मेरे लिए मैच का हर दिन महत्वपूर्ण है, ताकि मैं अपने करियर के अंतिम टूर्नामेंट के लिए और बेहतर हो सकूं।

जीत की लय में होने पर ही खेलेंगे एकल

जुलाई में पेरिस ओलंपिक में हार के बाद नडाल पहली बार कोर्ट पर उतरे थे। मीडिया रिपोर्टों में 38 साल के नडाल के हवाले से कहा गया है कि वह अगले महीने डेविस कप में अपने करियर की भावुक विदाई के लिए तैयार हैं, लेकिन एकल में तभी उतरेंगे जब वह जीत की लय में होंगे। उन्होंने कहा कि भावनात्मक रूप से वह अपना अंतिम टूर्नामेंट खेलने के लिए तैयार हैं लेकिन शारीरिक रूप से उनके लिए तैयारी के लिए एक महीना शेष है। नडाल ने कहा, मेरा प्रयास अपने आपको पूरी तरह फिट करने पर रहेगा ताकि अपनी टीम को जिता सकूं। अल्कारेज अच्छा खेले लेकिन मैं कुछ महीने पहले प्रतियोगी स्तर पर नहीं था। मेरी नजर में प्रदर्शन ठीक ही रहा। मेरे लिए सकारात्मक मैच रहा।

पाकिस्तान का 38 साल के नोमान अली बने सुपरस्टार

जिसके आगे चारों खाने चित हुए अंग्रेज

इस्लामाबाद, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने मुल्तान के मैदान पर शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड को 152 रन से मात दी। पाकिस्तान के दो स्पिनर्स ने मिलकर इंग्लैंड की पूरी टीम को समेट दिया। 297 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पूरी इंग्लिश टीम सिर्फ 144 रन बनाकर ढेर हो गई। दूसरी इनिंग में नोमान अली ने अपनी घूमती गेंदों से कहर बरपाते हुए इंग्लैंड के आठ बल्लेबाजों को पवेलियन की राह दिखाई। 38 साल के नोमान के आगे इंग्लैंड का हर दिग्गज

बल्लेबाज बेबस नजर आए।

घरेलू क्रिकेट में 15 साल देने के बाद नोमान ने टेस्ट क्रिकेट में पाकिस्तान की ओर से 34 साल की उम्र में डेब्यू किया। नोमान अपने डेब्यू मैच में ही छाप छोड़ने में सफल रहे थे और उन्होंने साउथ अफ्रीका के खिलाफ सात विकेट अपने नाम किए थे। नोमान ने कुछ ऐसा ही प्रदर्शन इंग्लैंड के खिलाफ भी दोहराया। पहली पारी में 3 विकेट लेने के बाद दूसरी इनिंग में पाकिस्तानी स्पिनर ने 8 विकेट झटके। 1987 के बाद यह पहला मौका रहा, जब पाकिस्तान के दो स्पिनर्स ने एक ही टेस्ट मैच में पांच या उससे ज्यादा विकेट चटकाए।

लाठीचार्ज में कई प्रदर्शनकारी घायल

मुत्यालम्मा मंदिर में विरोध प्रदर्शन

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद के मुत्यालम्मा मंदिर में हाल ही में हुई अपवित्र घटना शनिवार दोपहर मंदिर परिसर में प्रदर्शनकारी श्रद्धालुओं और पुलिस के बीच तनावपूर्ण टकराव में बदल गई। मंदिर में मूर्ति को तोड़े जाने के विरोध में स्थानीय व्यापारियों द्वारा आहूत बंद की पृष्ठभूमि में महिलाओं और धार्मिक संगठनों के सदस्यों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु नारे लगाते हुए एकत्र हुए। प्रदर्शन को रोकने के लिए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया था, जिसके बाद प्रदर्शनकारियों पर बल प्रयोग किया गया और लाठियां बरसाई गईं। प्रदर्शनकारियों के उग्र हो जाने और सुरक्षाकर्मियों पर पत्थर और जूते फेंकने के बाद पुलिस ने लाठीचार्ज किया, जिसमें कई लोग घायल हो गए। कुछ स्थानीय संगठनों ने इस सप्ताह के प्रारंभ में मुत्यालम्मा मंदिर में हुई तोड़फोड़ के विरोध में शनिवार को सिकंदराबाद में बंद का आह्वान किया था।

पुलिस ने इस घटना के सिलसिले में सलमान सलीम ठाकुर नामक व्यक्ति को हिरासत में लिया है और मोटिवेशनल स्पीकर मुन्नवर ज़मा तथा सिकंदराबाद स्थित एक निजी होटल के मालिक दो अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने उस होटल को सील कर दिया है, जहां मुन्नवर ज़मा ने कोचिंग क्लासेस आयोजित की थीं। शनिवार को सैकड़ों लोगों ने घटना के विरोध में सिकंदराबाद में रैली निकाली। प्रदर्शनकारियों ने मंदिर के सामने धरना देने की कोशिश की और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। रैली में शामिल एक और जत्था सिकंदराबाद रोड पर मेट्रोपोलिस होटल में घुसने की कोशिश करने लगा। हालांकि पुलिस ने उन्हें खदेड़ दिया।

मंदिर के सामने 500 लोगों की भीड़ ने पुलिस पर जूते फेंके, जिन्होंने मंदिर से 200 मीटर दूर स्थित प्रार्थना स्थल की ओर जाने वाली सड़क को अवरूद्ध कर दिया था। परेशानी को भांपते हुए पुलिस ने हिंसक हो रहे लोगों को खदेड़ने के लिए लाठीचार्ज किया। खुफिया एजेंसियों ने पुलिस को चेतावनी दी थी कि कुछ उपद्रवी इलाके में मंदिर और मस्जिद के पास उपद्रव मचाने की कोशिश कर रहे हैं। पुलिस ने स्थानीय लोगों से बातचीत की और मंदिर की मरम्मत करने तथा तोड़फोड़ के लिए जिम्मेदार लोगों को दंडित करने के लिए सभी कदम उठाने का आश्वासन दिया। स्थानीय लोगों ने लोगों के साथ सहयोग करने का वादा किया था। ऐसी अफ़वाहें भी फैलीं कि एहतियात के तौर पर पुलिस ने अफ़वाहें फैलने से रोकने के लिए सिकंदराबाद में इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी हैं। हालांकि, अधिकारियों ने इसे रिकॉर्ड पर नहीं रखा है और इसे कुछ टेलीकॉम कंपनियों की समस्याओं के कारण बताया है।

ध्यान भटकाने वाला कुख्यात अपराधी गिरफ्तार

हैदराबाद,19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कमिश्नर टास्क फोर्स, वेस्ट जोन टीम के साथ मधुरा नगर पुलिस ने आरोपी इंतिपल्ली रामा राव को गिरफ्तार किया जो आदतन ध्यान भटकाने वाला अपराधी है। आरोपी इंतिपल्ली रामा राव उर्फ रामू निवासी चिंतालपल्ली (वी), रजोले मंडल, पूर्वी गोधावरी जिला, ए.पी का रहने वाला है। आरोपी इंतिपल्ली रामा राव के पास बी.टेक की डिग्री है और वह पहले ग्राफिक डिजाइनर के रूप में कार्यरत था। ऑनलाइन सट्टेबाजी की लत के कारण उसने अपनी आदत को पूरा करने के लिए अपराध करना शुरू कर दिया। आरोपी का आपराधिक इतिहास दो राज्यों, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में लगभग 55 मामलों से भरा है। वर्तमान में, उसने इन राज्यों में लगभग 19 अपराध करने की बात कबूल की है, जिनमें से 9 हैदराबाद शहर में पंजीकृत हैं। आरोपी इंतिपल्ली रामा राव अपने अपराधों को अंजाम देने के लिए विशेष रूप से एसबीआई कैश डिपॉजिट एटीएम केंद्रों को निशाना बनाता है। वह इन केंद्रों पर नकदी जमा करने के लिए आने वाले पीड़ितों की प्रतीक्षा करता। पीड़ित को धोखा देने के लिए, वह पहले से संपादित किए गए टेक्स्ट संदेश के अंतिम चार अंकों को बदलकर एक धोखाधड़ी संदेश बनाता है, जिसे वह सबूत के तौर पर पेश करता है कि उसके खाते से पैसे डेबिट हो गए हैं और 1-2 घंटे के भीतर पीड़ित के खाते में जमा हो जाएंगे। पीड़ित इस गलत सूचना पर विश्वास करके अनजाने में आरोपी को नकदी सौंप देते हैं।

जनहित में स्थिति को नियंत्रण में करने के लिए पुलिस को करना पड़ा लाठीचार्ज : पेरुमल रश्मि

मार्केट पीएस सीमा में मुत्यालम्मा मंदिर का मामला

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मार्केट पीएस सीमा में मुत्यालम्मा मंदिर में हाल ही में हुई घटना के मद्देनजर, आज विश्व हिंदू परिषद, बजरंगदल जैसे हिंदू धार्मिक संगलु संगठनों ने 'बंद' का आह्वान किया और कथित तौर पर शांतिपूर्ण विरोध रैली आयोजित करने का प्रस्ताव रखा, जिसमें सिकंदराबाद के मुत्यालम्मा मंदिर में शहर भर से 3000 से अधिक लोग एकत्र हुए। उक्त रैली के संचालन के लिए कोई आधिकारिक अनुमति नहीं ली गई थी।

भीड़ जल्द ही आक्रामक हो गई और दो मुख्य समूहों में विभाजित हो गई, जिसमें से एक समूह इलाके में स्थानीय मस्जिद की ओर आक्रामक तरीके से आगे बढ़ने की कोशिश कर रहा था और दूसरा परिसर में तोड़फोड़ करने के इरादे से मेट्रोपोलिस होटल की ओर बढ़ रहा था। स्थिति को शांत करने के कई प्रयासों के बावजूद, अनियंत्रित भीड़ ने इलाके में मस्जिद को ध्वस्त करने का आह्वान करना शुरू कर दिया और जब पुलिस ने मस्जिद की ओर बढ़ने के उनके प्रयासों का विरोध किया, तो भीड़ ने मौजूद पुलिस बल पर पत्थर, लाठियां, पानी की बोतलें, चप्पल और कुर्सियां फेंकना शुरू कर दिया। पुलिस उपायुक्त, उत्तर क्षेत्र, हैदराबाद शहर सुश्री एस. पेरुमल रश्मि ने बताया कि इसके परिणामस्वरूप 15 से अधिक पुलिस कर्मियों को रक्तस्राव हुआ, जिसमें एक एसीपी को चोटें आईं और एक इंस्पेक्टर को सिर में चोटें आईं।

स्थानीय लोगों ने भी मंदिर प्रबंधन सहित भीड़ को कई बार समझाने की कोशिश की, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। जनहित में स्थिति को नियंत्रण में करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया। हालांकि, भीड़ फिर से इकट्ठा हो गई और स्थिति को और अधिक हिंसा की ओर ले गई। इसके बाद अतिरिक्त बल जुटाए गए और बार-बार बातचीत के बाद उन्हें मंदिर क्षेत्र से खदेड़ दिया गया। लेकिन भीड़ ने फिर सड़क पर चल रही सार्वजनिक परिवहन बसों पर हमला किया और पथराव करके दो आरटीसी बसों को क्षतिग्रस्त कर दिया।

घटना में शामिल व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने जनता से अनुरोध है कि वे पुलिस के साथ सहयोग करें और जनहित में अफवाह फैलाने से बचें। इस मामले की स्थिति के बारे में जनता को अपडेट करने के लिए पहले दो प्रेस नोट जारी किए गए थे और जांच आगे बढ़ने पर आगे की जानकारी सामने आएगी।

विधानसभा अध्यक्ष गड्डम प्रसाद कुमार ने अपना वादा निभाया

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। विधानसभा अध्यक्ष गड्डम प्रसाद कुमार ने बालागम फिल्म में अपनी भूमिका के लिए प्रसिद्ध कोमुरम्मा को एक लाख रुपये की वित्तीय सहायता दी है। कुछ दिन पहले, प्रसाद कुमार राज्य के परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर के पिता पोन्नम सत्तय्या की स्मृति में आयोजित एक पुरस्कार समारोह में शामिल हुए थे। कार्यक्रम के दौरान, उन्हें बालागम के कोमुरम्मा और मोगिलय्या की वित्तीय दुर्दशा का पता चला। तब, अध्यक्ष ने उन्हें सहायता देने के लिए अपने मासिक वेतन से एक लाख रुपये दान करने का वचन दिया। वादे के अनुसार, गड्डाम प्रसाद कुमार ने शनिवार को यहां मंत्री के क्वार्टर में अपने आधिकारिक आवास पर कोमुरम्मा को एक लाख रुपये का चेक सौंपा। उनके साथ मंत्री पोन्नम प्रभाकर के भाई पोन्नम रविचंद्र भी थे। बैठक के दौरान, कोमुरम्मा ने पेंशन हासिल करने में मदद का अनुरोध किया और प्रसाद कुमार ने उन्हें आश्वासन दिया कि वह प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने में मदद के लिए संबंधित मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव से बात करेंगे।अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हुए, कोमुरम्मा ने अध्यक्ष को अपना वादा पूरा करने के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि इस धन का उपयोग उनके पति मोगिलय्या के बेहतर चिकित्सा उपचार के लिए किया जाएगा।

बंडी संजय ने केटीआर की आलोचना की

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय ने बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष और पूर्व मंत्री केटी रामाराव को कड़ा जवाब दिया है।

उन्होंने तेलंगाना के मुख्यमंत्री पद और सीएम रेवंत रेड्डी पर केटीआर की टिप्पणियों पर उनके ट्वीट पर अपनी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने केटीआर के ट्वीट पर तीखी प्रतिक्रिया दी कि बंडी संजय सीएम रेवंत को बचाने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने केटीआर से पूछा कि रेवंत रेड्डी के खिलाफ वोट के लिए नकदी मामले को उनकी बीआरएस पार्टी सरकार ने कमजोर क्यों किया?

इसरो का दौरा करने जाएगा 7वीं का छात्र

सूर्यापेट, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सातवीं कक्षा के एक छात्र को 23 अक्टूबर को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के श्रीहरिकोटा केंद्र का दौरा करने का दुर्लभ अवसर मिला है।

तेजा विद्यालय के 7वीं कक्षा के छात्र गुज्जुला हर्षवर्धन रेड्डी ने 10 अगस्त से 30 सितंबर के बीच इसरो द्वारा आयोजित क्विज प्रतियोगिता में शीर्ष 100 में स्थान पाकर यह अवसर जीता। प्रतियोगिता में देश भर से 3.66 लाख से अधिक छात्रों ने भाग लिया था। शीर्ष 100 छात्रों को इसरो श्रीहरिकोटा दौरे पर ले जाएगा। हर्षवर्धन रेड्डी को बधाई देते हुए प्रिंसिपल वी. रामासोमी रेड्डी ने कहा कि शिक्षक किशोर रेड्डी भी छात्र के साथ इस दौरे पर जाएंगे।

केबीआर पार्क में आज सार्वजनिक उत्सव

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य, हैदराबाद की संस्कृति और कला को प्रतिबिंबित करने के लिए, जीएचएमसी के तत्वावधान में 20 अक्टूबर को, केबीआर प्रोमेनेड नामक एक सार्वजनिक कार्यक्रम कासु ब्रह्मानंद रेड्डी (केबीआर) पार्क वॉकवे में आयोजित किया जाएगा। दोपहर 12:30 बजे से शाम 6:30 बजे तक जश्न मनाया जा रहा है। दोपहर 12 बजे से केबीआर में लाइव म्यूजिक, फोटो बूथ, गेट 1 के पास आर्ट्स कॉर्नर, गेट 2 पर एडवेंचर स्पोर्ट्स, गेट 3 पर हॉबी कॉर्नर, गेम्स, मनोरंजन, गेट 9 पर शॉपिंग स्टॉल, गेट 10 पर शॉपिंग स्टॉल होंगे। इस कार्यक्रम में प्रवेश मुफ्त है।

उत्तम ने लोगों को भाजपा की विभाजनकारी राजनीति से आगाह किया

मंत्री उत्तम ने गीता रेड्डी को राजीव गांधी सद्भावना पुरस्कार मिलने पर बधाई दी

हैदराबाद, 19 अक्टूबर(स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री कैप्टन एन उत्तम कुमार रेड्डी ने भाजपा की विभाजनकारी राजनीति से लोगों को आगाह किया और सत्तारूढ़ पार्टी पर हिंदुओं और मुसलमानों के बीच सांप्रदायिक तनाव को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। शनिवार को ऐतिहासिक चारमीनार में राजीव गांधी सद्भावना यात्रा की 34वीं वर्षगांठ पर बोलते हुए उन्होंने राष्ट्र की एकता और अखंडता को बनाए रखने में गांधी परिवार के बलिदान का श्रेय दिया। भाजपा ने हमेशा देश को सांप्रदायिक आधार पर बांटने की कोशिश की, लेकिन गांधी परिवार ने शांति, एकता और भाईचारे को बढ़ावा देकर ऐसे कदमों का मुकाबला किया। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी ने 34 साल पहले भाजपा के सांप्रदायिक एजेंडे को नकारने के लिए सद्भावना यात्रा शुरू की थी। इसी तरह उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने देश को एकीकृत करने के लिए भारत जोड़ो यात्रा शुरू की थी। उत्तम कुमार रेड्डी ने नेहरू-गांधी परिवार के योगदान की सराहना की। उन्होंने इस बात की सराहना की कि किस तरह इंदिरा गांधी और राजीव गांधी ने देश की एकता के लिए शहादत दी और किस तरह सोनिया गांधी ने यूपीए शासन में प्रधानमंत्री बनने का अपना बेहतरीन मौका त्याग दिया। और जब तेलंगाना के गठन के दौरान सोनिया गांधी की राजनीतिक इच्छाशक्ति के काम आने की बात आई, तो उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश में कांग्रेस की सत्ता जाने की संभावना के बावजूद यह एक बड़ा राजनीतिक बलिदान था। उन्होंने कहा कि भाजपा देश को सांप्रदायिक आधार पर बांटने की कोशिश कर रही है और लोगों से उन पार्टियों से सावधान रहने को कहा जो उन्हें धार्मिक आधार पर बांटना चाहती हैं। उन्होंने कहा, "भाजपा सांप्रदायिक विभाजन पैदा करने की कोशिश कर रही है और हमें उनकी विभाजनकारी राजनीति से सावधान रहना चाहिए।" उन्होंने कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं से एकता और सांप्रदायिक सद्भाव के मिशन पर ध्यान केंद्रित करने को कहा जिसे राजीव गांधी द्वारा शुरू की गई सद्भावना यात्रा ने जीवित रखा था। राजीव गांधी सद्भावना पुरस्कार से सम्मानित पूर्व मंत्री डॉ. जे. गीता रेड्डी की उत्तम कुमार रेड्डी ने सराहना की। उन्होंने राजीव गांधी के आह्वान पर राजनीति में शामिल होने के लिए सऊदी अरब में आकर्षक चिकित्सा करियर छोड़ने के गीता रेड्डी के फैसले का स्वागत किया।

किसानों ने जलाया तुम्माला का पुतला

सिद्दीपेट, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव द्वारा यह घोषणा किए जाने के कुछ ही मिनटों बाद कि खरीफ सीजन के लिए रैतु भरोसा वित्तीय इनपुट सहायता का वितरण नहीं किया जाएगा, पूर्ववर्ती मेदक जिले में किसान सड़कों पर उतर आए। चिन्ना कोडुर में किसानों ने अपना विरोध जताने के लिए मंडल मुख्यालय में कृषि मंत्री का पुतला फूंका। इससे पहले, सिद्दीपेट में पत्रकारों से बात करते हुए, पूर्व मंत्री टी हरीश राव ने कहा कि नागेश्वर राव को ज़मीन पर अपनी नाक रगड़नी चाहिए और राज्य के किसानों से माफ़ी मांगनी चाहिए। कांग्रेस बीआरएस सरकार द्वारा शुरू किए गए रयथु बंधु के तहत दिए जाने वाले 10,000 रुपये से 15,000 रुपये तक रयथु भरोसा सहायता बढ़ाने का वादा करके सत्ता में आई थी। उन्होंने कहा कि हालांकि, वे खरीफ की किस्त भी जारी नहीं कर पाए, जबकि खरीफ की फसल की कटाई शुरू हो गई थी।

रेवंत की योजना जनता का पैसा लूटने की है : केटीआर

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर ने आज आलोचना की कि सीएम रेवंत रेड्डी ने मुसी नदी के नाम पर जनता का पैसा लूटने की योजना बनाई है। उन्होंने इस बात पर गुस्सा जताया कि जहां पूरी मुसी नदी के पुनरुद्धार पर 26,000 करोड़ रुपये खर्च होंगे, वहीं सीएम रेवंत रेड्डी दावा कर रहे हैं कि वे उसी परियोजना पर 1.5 लाख करोड़ रुपये खर्च करेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि रेवंत रेड्डी दिल्ली में अपनी कांग्रेस पार्टी के लिए पैसों की थैलियां लेकर घूमते पाए गए हैं। उन्होंने सीएम पर हाइड्रा की आड़ में बिल्डरों से पैसे ऐंठने का आरोप लगाया। केटीआर ने इस बात पर नाराजगी जताई कि रेवंत ने मुसी बफर जोन में रहने वालों को अतिक्रमणकारी करार दिया है। केटीआर ने बीआरएस विधायकों और एमएलसी के साथ शहर के नागोल में एसटीपी का निरीक्षण किया। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने नागोल में देश का सबसे बड़ा सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट बनाया है और कहा कि उपचारित पानी नलगोंडा जिले में जाएगा। उन्होंने टिप्पणी की कि रेवंत रेड्डी के पास पेश करने के लिए कुछ भी नया नहीं है और कहा कि इन एसटीपी का उचित प्रबंधन ही पर्याप्त होगा। केटीआर ने कहा कि मुसी नदी हैदराबाद के लिए वरदान है और कहा कि कांग्रेस और टीडीपी सरकारों ने इसे सीवेज पिट में बदल दिया है। उन्होंने कहा कि हैदराबाद में प्रतिदिन 20 करोड़ लीटर सीवेज का उत्पादन हो रहा है और खुलासा किया कि दक्षिण एशिया में हैदराबाद को छोड़कर कोई भी ऐसा शहर नहीं है जो अपने सीवेज का 100% उपचार करता हो, जबकि यह उपलब्धि केसीआर के कार्यकाल के दौरान हासिल की गई थी। उन्होंने बताया कि एसटीपी का निर्माण 3,800 करोड़ रुपये की लागत से शुरू हुआ था। उन्होंने उल्लेख किया कि शहर के 54 नालों से सीवेज मुसी नदी में बहता है।

उन्होंने दावा किया कि रेवंत रेड्डी बीआरएस कार्यकाल के दौरान निर्मित एसटीपी का उद्घाटन कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मुसी नदी हैदराबाद में 57.7 किलोमीटर तक बहती है। उन्होंने खुलासा किया कि मुसी नदी पर 15 स्थानों पर पुल बनाने की योजना बनाई गई थी। उन्होंने उल्लेख किया कि उन्होंने ऐतिहासिक और विरासत संपदा को संरक्षित करते हुए आधुनिक संरचनाएं बनाने का फैसला किया है।

उन्होंने कहा कि उनके शासन के दौरान पुलों के निर्माण के लिए 545 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे। उन्होंने कहा कि उनका इरादा सड़क-सह-पुल-सह-चेक डैम बनाने का है। उन्होंने बताया कि उन्होंने 10,000 करोड़ रुपये के निवेश से मुसी पर एक विशाल स्काईओवर बनाने की योजना बनाई है। उन्होंने कहा कि चाहे कितना भी शुद्धिकरण किया जाए, मुसी का पानी पीने योग्य नहीं है। हमने 1,100 करोड़ रुपये के निवेश से गोदावरी से पानी लाने की योजना बनाई थी। उस परियोजना की आधारशिला पिछले साल 18 मई को रखी गई थी," उन्होंने कहा और दोहराया कि रेवंत रेड्डी ने मुसी नदी के नाम पर सार्वजनिक धन लूटने की योजना बनाई थी।

सरकार अगले कृषि सत्र से रयथु भरोसा योजना लागू करेगी : तुम्मला

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि मंत्री तुम्माला नागेश्वर राव ने बताया कि कैबिनेट सब कमेटी की रिपोर्ट प्रस्तुत होने के बाद आगामी कृषि सत्र से रैतु भरोसा योजना लागू की जाएगी। शनिवार को यहां बीआरकेआर भवन में मीडिया को संबोधित करते हुए मंत्री ने किसान बीमा, ऋण माफी, धान और कपास जैसी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) और किसानों से संबंधित अन्य मामलों सहित विभिन्न कृषि मुद्दों पर चर्चा की। मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के निर्देश के तहत, किसानों को अगले फसल सत्र से प्रति एकड़ 7,500 रुपये की सहायता मिलेगी।

इसके अतिरिक्त, 2 लाख रुपये से अधिक के ऋण वाले परिवारों के बैंक खातों में दिसंबर तक धनराशि जमा हो जाएगी। जिन लोगों के पास 2 लाख रुपये से अधिक का ऋण है और सत्यापन लंबित है, उनके लिए जल्द ही राशि जारी की जाएगी ताकि पात्र किसानों को न्याय मिल सके। मंत्री तुम्मला ने यह भी घोषणा की कि प्राकृतिक आपदाओं के कारण जिन किसानों की फसलें बर्बाद हुई हैं, उन्हें 10,000 रुपये प्रति एकड़ मुआवजा दिया जाएगा। उन्होंने कहा, वित्तीय बाधाओं के बावजूद, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी राहुल गांधी द्वारा किए गए वादे का पालन करते हुए कृषि ऋण माफ करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। अतीत को याद करते हुए, मंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि वाई.एस. राजशेखर रेड्डी के कार्यकाल के दौरान, 70,000 करोड़ रुपये की राष्ट्रव्यापी ऋण माफी लागू की गई थी और कांग्रेस सरकार ने तेलंगाना में भी ऐसे प्रयास जारी रखे हैं। उन्होंने ऋण माफी के वादों को पूरी तरह से पूरा करने में विफल रहने के लिए पिछली सरकार की आलोचना की, जिसमें केवल कुछ किसानों को ही कवर किया गया था।

तुम्माला ने बताया, रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में राज्य सरकार ने पिछले पांच वर्षों में किसानों द्वारा लिए गए सभी ऋण माफ कर दिए हैं। बैंकों द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के आधार पर, लगभग 42 लाख खाते और 24 लाख परिवार 31,000 करोड़ रुपये की ऋण माफी के लिए पात्र हैं, जिसमें राज्य सरकार पहले ही 2 लाख रुपये तक के ऋण वाले किसानों के खातों में 18,000 करोड़ रुपये जमा कर चुकी है।

मंत्री ने आगे कहा कि फसल बीमा योजना अगले सीजन से लागू की जाएगी। इस अवसर पर रायथु आयोग के अध्यक्ष कोदंडा रेड्डी, टीजी सीड्स के अध्यक्ष अन्वेष रेड्डी, कृषि निदेशक गोपी और किसान नेता सरनपल्ली मल्ला रेड्डी, पश्य पद्मा, नल्लामाला वेंकटेश्वरराव और अन्य उपस्थित थे।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.